THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

epaper.vaartha.com
Vaartha Hindi
@Vaartha_Hindi
Vaartha official
www.hindi.vaartha.com

वर्ष-30 अंक : 246 (हैदराबाद, निजामाबाद, विशाखापट्टणम, तिरुपति से प्रकाशित) मार्गशीर्ष शु.12 2082 मंगलवार, 2 दिसंबर-2025

प्रधान संपादक – डॉ. गिरीश कुमार संघी हैदराबाद नगर ❊ पृष्ठ : 16 मूल्य : 8 रुपये

सुप्रीम कोर्ट की सख्त टिप्पणी-हम हाथ पर हाथ धरे नहीं बैठ सकते

नई दिल्ली, 1 दिसंबर (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट ने दिल्ली और एनसीआर वायु प्रदूषण संकट पर स्वतः संज्ञान लेते हुए सुनवाई की। इस दौरान मुख्य न्यायाधीश ने कहा- मेरे मित्र का कहना है कि मामले की सुनवाई केवल सूचीबद्ध होने से ही इसमें (वायु गुणवत्ता सूचकांक) सुधार हुआ है... यह जरूरी है कि हम इसे तीन-चार महीने बाद सूचीबद्ध करने के बजाय नियमित रूप से सुनें। मुख्य न्यायाधीश ने आगे कहा कि हम चाहते हैं कि दीर्घकालिक योजनाएं भी सार्वजनिक हों, उन योजनाओं पर चर्चा और अंतिम रूप दिया जाना आवश्यक है।

'यहां ड्रामा नहीं डिलीवरी चाहिए'

> संसद के शीतकालीन सत्र से पहले पीएम मोदी का विपक्ष को नसीहत

नई दिल्ली, 1 दिसंबर (एजेंसियां)। संसद के शीतकालीन सत्र की आज यानी एक दिसंबर से शुरूआत हो रही है। इससे पहले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सदन के बाहर पत्रकारों से बातचीत भी की। इस दौरान उन्होंने विपक्ष को भी कड़ा संदेश दिया। पीएम मोदी ने कहा कि ये शीतकालीन सत्र सिर्फ प्रथा नहीं है। ये देश को प्रगति की ओर तेज गति से ले जाने के जो प्रयास चल रहे हैं, उसमें ऊर्जा भरने का काम यह शीतकालीन सत्र करेगा, ऐसा मेरा विश्वास है। भारत ने लोकतंत्र को जिया है, लोकतंत्र के उमंग और उत्साह को समय समय पर ऐसे प्रकट किया है कि लोकतंत्र के प्रति विश्वास और मजबूत होता रहता है।

पीएम मोदी ने आगे कहा कि लंबे समय से मेरी सबसे बड़ी चिंता रही है कि जो सदन में जो पहली बार चुनकर आए हैं या जो छोटी आयु के हैं, वैसे सभी दलों के सभी सांसद बहुत परेशान हैं, बहुत दुखी हैं। उन्हें अपने सामर्थ्य का परिचय कराने का अवसर नहीं मिल रहा है। अपने क्षेत्र की समस्या बताने का अवसर नहीं मिल रहा है। पीएम मोदी ने इस बात पर भी जोर दिया कि राष्ट्र की विकास यात्रा में वे अपने कुछ विचार बताना चाह रहे हैं, उस पर भी रोक लगा दी जा रही है। कोई भी दल हो, हमें अपने नई पीढ़ी के सांसदों को अवसर देने चाहिए। हमें उन्हें अवसर देना चाहिए। उनके अनुभवों का सदन को लाभ मिलना चाहिए। मेरा आग्रह रहेगा कि हम इन चीजों को गंभीरता से लें। पीएम मोदी ने आगे कहा कि हमारे नए सभापति आज से उच्च सदन का मार्गदर्शन करेंगे।

> सदन में ड्रामा नहीं

पीएम मोदी ने विपक्षी दलों को संदेश देते हुए सख्त अंदाज में कहा कि ड्रामा करने के लिए बहुत सी जगहें होती हैं, जिसको करना है करते रहें, लेकिन यहां ड्रामा नहीं, डिलीवरी होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि नारों के लिए भी पूरा देश पड़ा है। जितने नारे बुलवाने हों, पूरा देश पड़ा है। जहां पराजित होकर आए हो, वहां बोल चुके हो, जहां पराजित होने के लिए जाने वाले हो वहां भी बोल लीजिए। लेकिन यहां तो नारे नहीं, नीति पर बल देना चाहिए। वो आपकी नीयत होनी चाहिए। इस दौरान पीएम मोदी ने यह भी कहा कि हो सकता है राजनीति में नकारात्मकता कुछ काम आती होगी, लेकिन देश निर्माण के लिए सकारात्मक सोच भी होनी चाहिए। नकारात्मकता को अपनी मर्यादा में रखकर देश निर्माण पर ध्यान दें, ऐसी मेरी अपेक्षा रहेगी।

दिल्ली ब्लास्ट, कश्मीर-लखनऊ में 8 जगहों पर एनआईए की रेड

आतंकी शाहीन और ड्रोन हमलों की प्लानिंग करने वाले बिलाल के घर की तलाशी

श्रीनगर, 1 दिसंबर (एजेंसियां)। एजेंसी ने कश्मीर में मौलवी इरफान अहमद, डॉ. आदील, डॉ. मुजम्मिल, आमिर राशिद और जसीर बिलाल और उत्तर प्रदेश के लखनऊ में शाहीन के घर पर धावा बोला।

सूत्रों के अनुसार, एनआईए की छापेमारी शोपियां के नादिगाम गांव, पुलवामा के कोइल, चंदगाम, मलंगपोरा, संबूरा और कुलगाम में की गई। इसके अलावा डॉ. उमर नबी के साथी जसीर बिलाल वानी उर्फ दानिश के घर पर भी छानबीन की गई। उस पर हमास की तरह भारत में ड्रोन हमलों की साजिश रचने का आरोप है। एजेंसी सूत्रों के मुताबिक टीमें ऐसे सबूतों की तलाश कर रही हैं जो व्हाइट कॉलर टेरर नेटवर्क से जुड़े हो सकते हैं। तलाशियों में नए सबूत मिले या नहीं इसको लेकर अभी कोई जानकारी सामने नहीं आई है।

सुप्रीम कोर्ट ने सीबीआई को दिया बड़ा आदेश

> पहले डिजिटल अरेस्ट घोटाले की जांच करें

नई दिल्ली, 1 दिसंबर (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट ने आज सीबीआई को अहम निर्देश दिए। शीर्ष अदालत ने देश की संघीय जांच एजेंसी से कहा कि वह पहले अखिल भारतीय स्तर पर सामने आ चुके डिजिटल अरेस्ट घोटाले के मामलों की जांच करे। सुप्रीम कोर्ट ने विपक्षी राजनीतिक दलों के शासन वाले राज्यों- पश्चिम बंगाल, तमिलनाडु, कर्नाटक, तेलंगाना सहित अन्य राज्यों से भी डिजिटल अरेस्ट के मामलों की जांच के लिए सीबीआई को अनुमति देने को कहा।

साइबर अपराधियों तक पहुंचने के लिए इंटरपोल की सहायता :

सुप्रीम कोर्ट ने सूचना प्रौद्योगिकी क्षेत्र से जुड़े मध्यस्थों को भी निर्देश दिए। अदालत ने कहा कि डिजिटल अरेस्ट के मामलों से संबंधित घटनाओं की जांच में सीबीआई को पूरा विवरण मुहैया कराएं और सहयोग भी प्रदान करें। कोर्ट ने सीबीआई को निर्देश दिया कि जांच एजेंसी टैक्स के पनाहगाह विदेशी ठिकानों और देशों से संचालित साइबर अपराधियों तक पहुंचने के लिए इंटरपोल की सहायता ले।

अदालत ने रिजर्व बैंक से भी तीखा सवाल पूछा

साइबर अपराध और डिजिटल अरेस्ट के इस अतिसंवेदनशील मामले में सुप्रीम कोर्ट ने भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) को भी नोटिस जारी किया। शीर्ष अदालत ने पूछा कि साइबर धोखाधड़ी के मामलों में इस्तेमाल किए गए बैंक खातों को फ्रीज करने के लिए एआई या मशीन लर्निंग तकनीक का इस्तेमाल क्यों नहीं किया गया?

एक यूजर को कई सिमकार्ड बेचने की नीति पर भी टिप्पणी

कोर्ट ने केंद्र सरकार के दूरसंचार विभाग से यह सुनिश्चित करने को कहा है कि देश में चल रही टेलिकॉम कंपनियां एक यूजर को कई सिम कार्ड उपलब्ध न कराएं। अदालत ने इस बात को रेखांकित किया कि ऐसा करने पर सिम कार्ड्स का उपयोग साइबर अपराधों में हो सकता है।

धोखाधड़ी में संलिप्त होने पर बैंक खाते फ्रीज होंगे

अदालत ने सीबीआई से उन बैंक अधिकारियों की जांच करने को भी कहा है जो नागरिकों को ठगने के लिए धोखेबाजों के साथ मिले हुए हैं। कोर्ट ने कहा, राज्य, केंद्र शासित प्रदेश और उनकी पुलिस एजेंसियां सीबीआई के साथ मिलकर नागरिकों के साथ धोखाधड़ी में इस्तेमाल किए गए बैंक खातों को फ्रीज करने के लिए स्वतंत्र हैं।

ऑनलाइन अपराधों से निपटने के लिए क्षेत्रीय समन्वय केंद्र बनेंगे :

इस मामले पर सरकार की पैरवी कर रहे सॉलिसिटर जनरल से सुप्रीम कोर्ट की पीठ ने कहा, साइबर अपराधों से निपटने के लिए अदालत के निर्देशों से गृह मंत्रालय, दूरसंचार विभाग, वित्त सहित विभिन्न केंद्रीय मंत्रालयों को भी अवगत कराया जाए। सर्वोच्च न्यायालय ने सभी राज्यों, केंद्र शासित प्रदेशों में ऑनलाइन अपराधों से निपटने के लिए क्षेत्रीय और राज्य साइबर अपराध समन्वय केंद्र स्थापित करने को भी कहा है।

सरकार ने संसद में स्वीकारा : विमानों के सिग्नल से छेड़छाड़

दिल्ली समेत कई हवाई अड्डों पर जीपीएस स्पूफिंग की कोशिश

नई दिल्ली, 1 दिसंबर (एजेंसियां)। नवंबर महीने की शुरूआत में देश के प्रमुख हवाई अड्डों पर हवाई सेवाओं के संचालन में भारी परेशानी देखने को मिली थी। दिल्ली के आईजीआई हवाई अड्डे पर करीब 800 उड़ानें प्रभावित हुईं। इस दौरान एटीसी की तरफ से ऑटोमैटिक मैसेज स्विचिंग सिस्टम में खराबी बताया गया था। लेकिन अब केंद्र सरकार ने संसद में एक लिखित बयान में स्वीकार किया है कि दिल्ली समेत देश के प्रमुख हवाई अड्डों पर जीपीएस स्पूफिंग की समस्या हुई थी, यानी इन सभी हवाई अड्डों पर आने और यहां से उड़ान भरने वाले विमान जीपीएस स्पूफिंग का शिकार हुए हैं।

दिल्ली में क्या हुआ :

नागरिक उड्डयन मंत्री राम मोहन नायुडू किनजारापु ने बताया कि नई दिल्ली के इंदिरा गांधी अंतर्राष्ट्रीय हवाईअड्डे (आईजीआई) के पास उड़ने वाले कुछ विमानों ने जीपीएस स्पूफिंग की सूचना दी। यह समस्या रनवे 10 पर जीपीएस आधारित लैंडिंग के दौरान दर्ज की गई। स्पूफिंग का पता लगते ही तुरंत वैकल्पिक प्रक्रियाएं अपनाई गईं, जिससे विमान सुरक्षित रूप से उतरे। मंत्री ने स्पष्ट किया कि दूसरे रनवे पूरी तरह सुरक्षित रहे क्योंकि वहां पारंपरिक नेविगेशन सिस्टम उपलब्ध थे। उड़ान संचालनों पर कोई गंभीर असर नहीं पड़ा।

समस्या सिर्फ दिल्ली तक सीमित नहीं :

सरकार के अनुसार, जीपीएस जामिंग/स्पूफिंग की रिपोर्ट नवंबर 2023 से अनिवार्य की गई है। इसके बाद देश के कई बड़े हवाईअड्डों से यह समस्या लगातार सामने आ रही है। इसमें कोलकाता, अमृतसर, मुंबई, हैदराबाद, बेंगलूरू और चेन्नई एयरपोर्ट शामिल हैं। इन सभी जगहों पर जीएनएसएस इंटरफेरेंस की शिकायतें मिल रही हैं।

क्या है जीपीएस स्पूफिंग :

जीपीएस स्पूफिंग एक साइबर हमला है, जिसमें नकली सिग्नल भेजकर किसी भी डिवाइस को गलत लोकेशन दिखाई जाती है। जैसे आपके फोन की लोकेशन अचानक चार किमी दूर दिखने लगे, वैसा ही विमानों के साथ होता है। जब यह विमान के साथ होता है, तो उसका नेविगेशन सिस्टम गलत दिशा में जा सकता है, जिससे दुर्घटना का खतरा काफी बढ़ जाता है।

संसद का पहला दिन

जनविश्वास बिल पर समिति को मिला और समय, विपक्ष के हंगामे से कार्यवाही में बाधा

नई दिल्ली, 1 दिसंबर (एजेंसियां)। संसद के शीतकालीन सत्र की हंगामेदार शुरूआत हुई है। इस दौरान एसआईआर के मुद्दे पर विपक्ष का जोरदार हंगामा देखने को मिला। इसी बीच लोकसभा ने दो महत्वपूर्ण विधेयकों पर बनी चयनित समितियों को अपनी रिपोर्ट सौंपने के लिए अतिरिक्त समय दे दिया। यह निर्णय उस समय लिया गया जब विपक्ष चुनावी सूची के विशेष पुनरीक्षण (एसआईआर) को लेकर हंगामा कर रहा था। बता दें कि शीतकालीन सत्र में एटॉमिक एनर्जी समेत 10 नए विधेयक संसद में पेश किए जा सकते हैं। शीतकालीन सत्र 19 दिसंबर तक चलेगा। 19 दिनों में संसद की 15 बैठकें होनी हैं। यह 18वीं लोकसभा का छठा सत्र है। लोकसभा ने इंसॉल्वेंसी एंड बैंकरप्सी कोड (संशोधन) बिल, 2025 पर बनी चयनित समिति को शीतकालीन सत्र के अंतिम दिन तक रिपोर्ट देने की अनुमति दी।

'प्रधानमंत्री सबसे बड़े ड्रामेबाज' : पीएम के बयान पर कांग्रेस का पलटवार-असल मुद्दों पर चर्चा करें

नई दिल्ली, 1 दिसंबर (एजेंसियां)। कांग्रेस पार्टी ने प्रधानमंत्री के बयान पर पलटवार करते हुए उन निशाना साधा है और प्रधानमंत्री को सबसे बड़े ड्रामेबाज तक कह दिया। कांग्रेस का यह बयान तब आया है, जब संसद के शीतकालीन सत्र की शुरूआत से पहले मीडिया से बात करते हुए पीएम मोदी ने आरोप लगाया कि विपक्ष संसद में ड्रामा कर रहा है। प्रधानमंत्री ने विपक्ष से पराजय की बौखलाहट को भुलाकर संसद में सार्थक चर्चा करने की अपील की।

खड़गे बोले- ड्रामा खत्म करके असल मुद्दों पर चर्चा करें :

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर साझा एक पोस्ट में आरोप लगाया कि लोगों के असल मुद्दों को सुलझाने के बजाय प्रधानमंत्री मोदी ने एक बार फिर ड्रामेबाजी की है। खरगे ने कहा कि सरकार बीते 11 वर्षों से लगातार संसदीय मर्यादा और व्यवस्था को रौंद रही है और ऐसी घटनाओं की लंबी फेहरिस्त मौजूद है। खड़गे ने लिखा, भाजपा को अब लोगों का ध्यान भटकाने वाले इस ड्रामे को खत्म करके संसद में असल मुद्दों पर चर्चा करनी चाहिए और लोगों का सामना करना चाहिए।

कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा, आम आदमी बेरोजगारी, महंगाई, आर्थिक असमानता और देश के संसाधनों की लूट से जूझ रहा है। जो लोग सत्ता में हैं, वे ड्रामेबाजी का खेल खेल रहे हैं और सत्ता के अहंकार से भरे हैं। खड़गे ने कहा, एसआईआर प्रक्रिया में काम के बोझ के कारण बीएलओ लगातार जान दे रहे हैं। विपक्ष, वोट चोरी सहित अन्य मुद्दों को प्राथमिकता देना चाहता है और संसद में हम इसे लगातार उठाएंगे। संसद सत्र की शुरूआत में मीडिया से बात करते हुए पीएम मोदी ने विपक्ष पर निशाना साधते हुए कहा कि मेरा आग्रह रहेगा कि संसद में चर्चा को गंभीरता से लें, ड्रामा करने के लिए बहुत जगह होती है, जिसे करना है करता रहे, यहां ड्रामा नहीं डिलीवरी होनी चाहिए।

नारे के लिए पूरा देश पड़ा है, जहां हारे वहां बोल चुके और जहां हारने जा रहे हैं, वहां भी बोल लेना। यहां नारे नहीं नीति पर बात होनी चाहिए। हो सकता है कि राजनीति में नकारात्मकता कुछ काम आती होगी लेकिन राष्ट्र निर्माण की सोच भी होनी चाहिए। नकारात्मकता को मर्यादा में रखकर राष्ट्र निर्माण पर ध्यान दें।

'सरकार यह तय नहीं कर सकती कि हमें कौन से मुद्दे उठाने चाहिए'

नई दिल्ली, 1 दिसंबर (एजेंसियां)। संसद के शीतकालीन सत्र के पहले दिन मीडिया से बातचीत करते हुए कांग्रेस पार्टी के सांसद कार्ति चिदंबरम ने पीएम नरेंद्र मोदी और केंद्र सरकार पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि सरकार यह तय नहीं कर सकती कि हमें कौन से मुद्दे उठाने चाहिए।

उन्होंने कहा कि हम तय करेंगे कि हमें कौन से मुद्दे उठाने चाहिए और वे हमें उन मुद्दों पर चर्चा करने के लिए समय और जगह बताएं। हमारा मानना है कि चुनावी भूमिका की ईमानदारी बहुत ज़रूरी है।

कार्ति चिदंबरम ने एसआईआर पर बात करते हुए कहा कि वोटर रोल सही और पूरी तरह से साफ होना चाहिए लेकिन जो भी योग्य है उसे नहीं छोड़ा जाना चाहिए और जो अयोग्य है उसे नहीं जोड़ा जाना चाहिए और कोई भी नाम हटाने का काम सिर्फ सही नोटिस देकर ही किया जाना चाहिए।

सिद्धारमैया बोले-नाश्ता करने डीके के घर जाएंगे

डिप्टी सीएम का बयान-पिछली मुलाकात की भी जरूरत नहीं थी

बेंगलूरू, 1 दिसंबर (एजेंसियां)। कर्नाटक में नेतृत्व परिवर्तन के कयासों के बीच कांग्रेस पार्टी में एकजुटता दिखाने की कोशिशें चल रही हैं। हाल ही में डिप्टी सीएम डीके शिवकुमार ने सीएम आवास पर जाकर सीएम से नाश्ते पर चर्चा की। अब सीएम सिद्धारमैया ने कहा है कि वे भी डिप्टी सीएम के आवास पर नाश्ता करने जा सकते हैं। सीएम मंगलवार को यानी 2 दिसंबर को डीके शिवकुमार के आवास जा सकते हैं। हालांकि सीएम ने ये भी कहा कि उन्हें अभी तक औपचारिक निमंत्रण नहीं मिला है।

शनिवार को सीएम आवास पर दोनों नेताओं की हुई थी मुलाकात

कर्नाटक में बीते कई दिनों से सीएम सिद्धारमैया और डिप्टी सीएम डीके शिवकुमार के बीच नेतृत्व परिवर्तन की खींचतान चल रही है। शनिवार को डीके शिवकुमार और सीएम सिद्धारमैया की सीएम आवास में नाश्ते पर मुलाकात हुई थी। इस मुलाकात के बाद दोनों नेताओं ने एकजुटता का संदेश दिया था और नेतृत्व परिवर्तन को लेकर किसी भी असमंजस की बात को खारिज कर दिया था। दोनों नेताओं ने कहा कि जो भी पार्टी आलाकमान तय करेगा, वे उसका पालन करेंगे।

मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, पार्टी आलाकमान ने सिद्धारमैया को फिलहाल सीएम पद पर बने रहने के संकेत दिए हैं और खासकर आगामी विधानसभा सत्र तक। सोमवार को मीडिया से बात करते हुए सीएम सिद्धारमैया ने कहा, शनिवार को शिवकुमार ने उनसे मंगलवार को नाश्ते पर घर आने को कहा था। मुझे अभी तक औपचारिक निमंत्रण नहीं मिला है, लेकिन अगर वे बुलाते हैं तो मैं जरूर जाऊंगा।

मुझे लगता है कि वे मुझे आमंत्रित करेंगे। वहीं सीएम के बयान पर डिप्टी सीएम डीके शिवकुमार ने सोमवार को कहा, ये मेरे और मुख्यमंत्री के बीच का मामला है और हम दोनों भाई की तरह मिलकर काम कर रहे हैं।

बीएलओ का भारी विरोध प्रदर्शन

कोलकाता, 1 दिसंबर (एजेंसियां)। पश्चिम बंगाल में एसआईआर प्रक्रिया में लगे बीएलओ ने सोमवार को कोलकाता में विरोध प्रदर्शन किया। इस दौरान बीएलओ ने कोलकाता में निर्वाचन आयोग के दफ्तर के बाहर खूब हंगामा किया। हालात इस कदर बिगड़े कि बीएलओ को रोकने के लिए भारी पुलिस बल तैनात करना पड़ा। पश्चिम बंगाल में एसआईआर प्रक्रिया में लगे बीएलओ बीते कई दिनों से विरोध प्रदर्शन कर रहे हैं। बीते हफ्ते भी विरोध प्रदर्शन के दौरान बीएलओ ने जबरन राज्य निर्वाचन आयुक्त के दफ्तर में घुसने की कोशिश की थी।

चुनाव आयोग ने कोलकाता के पुलिस कमिश्नर को पत्र लिखकर निर्वाचन आयुक्त की सुरक्षा में चूक को बेहद गंभीर बताते हुए निर्वाचन अधिकारियों की सुरक्षा सुनिश्चित करने का निर्देश दिया था।

रक्षा क्षेत्र में भी आत्मनिर्भर बनेगा भारत

नवाचार और शोध को बढ़ाने के लिए सरकार ने बनाया नया प्लान

नई दिल्ली, 1 दिसंबर (एजेंसियां)। देश में रक्षा उपकरण बनाने और नई तकनीक विकसित करने के लिए सरकार ने अब तेजी से कदम बढ़ाए हैं। रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन यानी डीआरडीओ के साथ मिलकर सरकार ने ऐसी कई पहल शुरू की हैं। इनसे भारत में अत्याधुनिक रक्षा तकनीक तैयार की जा सकेगी। इन कदमों का मकसद रक्षा क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनना और देश के उद्योगों को नई तकनीक के विकास में सीधा मौका देना है।

सरकार ने यह बड़ा फैसला लिया है कि रक्षा अनुसंधान के कुल बजट का 25 प्रतिशत हिस्सा अब सीधे उद्योगों, स्टार्टअप और कॉलेजों के लिए उपलब्ध रहेगा। डीआरडीओ ने एक नई प्रक्रिया लागू की है। इसके जरिए सार्वजनिक और निजी दोनों तरह की कंपनियों को प्रतिस्पर्धा के आधार पर चुना जाएगा। उन्हें रक्षा निर्माण की तकनीक सौंपी जाएगी। इससे निजी क्षेत्र रक्षा उत्पादन में बड़ी भूमिका निभा सकेगा और देश के अंदर आधुनिक हथियारों व उपकरणों का निर्माण बढ़ेगा।

डीआरडीओ के साथ इतनी कंपनी कर रही काम :

डीआरडीओ ने बताया कि उसके साथ काम करने वाली कंपनियों की संख्या अब 2000 से ज्यादा हो चुकी है। इन कंपनियों को डीआरडीओ द्वारा विकसित तकनीक बिना किसी शुल्क के दी जा रही है। इसके अलावा डीआरडीओ के वैज्ञानिक खुद उद्योगों को सलाह और तकनीकी सहयोग भी दे रहे हैं, ताकि वे बेहतर गुणवत्ता वाले रक्षा उपकरण तैयार कर सकें। डीआरडीओ के पेटेंट भी अब भारतीय उद्योग मुफ्त में उपयोग कर सकते हैं। इससे उन्हें नई तकनीक अपनाने में आसानी होगी।

मोबाइल में देना होगा साइबर सिक्योरिटी एप

सरकार ने कंपनियों को 90 दिन की डेडलाइन दी

नई दिल्ली, 1 दिसंबर (एजेंसियां)। अब हर नए स्मार्टफोन में साइबर सिक्योरिटी एप 'संचार साथी' प्री-इन्स्टॉल (पहले से डाउनलोड) मिलेगा। केंद्र सरकार ने स्मार्टफोन कंपनियों को आदेश दिया कि वे स्मार्टफोन में सरकारी साइबर सेफ्टी एप को पहले से इंस्टॉल करके बेचें।

ये आदेश आज सामने आया है। इसमें एपल, सैमसंग, वीवो, ओप्पो और शाओमी जैसी मोबाइल कंपनियों को 90 दिन का समय दिया गया है। इस एप को यूजर्स डिलीट या डिसेबल नहीं कर सकेंगे। पुराने फोन पर सॉफ्टवेयर अपडेट के जरिए यह एप इन्स्टॉल जाएगा।

हालांकि यह आदेश फिलहाल पब्लिक नहीं किया गया है, बल्कि चुनिंदा कंपनियों को निजी तौर पर भेजा गया है। इसका मकसद साइबर फ्रॉड, फर्जी आईएमईआई नंबर और फोन की चोरी को रोकना है। एक सीनियर सरकारी अधिकारी ने कहा, यह एप फर्जी आईएमईआई से होने वाले स्कैम और नेटवर्क मिसयूज को रोकने के लिए जरूरी है।

संचार साथी एप क्या है, कैसे करेगा मदद :

> संचार साथी एप सरकार का बनाया साइबर सिक्योरिटी टूल है, जो 17 जनवरी 2025 में लॉन्च हुआ था।

> अभी यह एपल और गूगल प्ले स्टोर पर वॉलंटरी डाउनलोड के लिए उपलब्ध है, लेकिन अब नए फोन पर यह जरूरी होगा।

> एप यूजर्स को कॉल, मैसेज या व्हाट्सएप चैट रिपोर्ट करने में मदद करेगा।

> आईएमईआई नंबर चेक करके चोरी या खोए फोन को ब्लॉक करेगा।

डुप्लीकेट आईएमईआई नंबर से बढ़ रहा साइबर क्राइम :

भारत में 1.2 अरब से ज्यादा मोबाइल यूजर्स हैं, जो दुनिया का सबसे बड़ा मार्केट है, लेकिन फर्जी या डुप्लीकेट आईएमईआई नंबर की वजह से साइबर क्राइम बढ़ रहा है। आईएमईआई एक 15 डिजिट का यूनिक कोड होता है, जो फोन की पहचान करता है। अपराधी इसे क्लोन करके चोरी के फोन को ट्रैक से बचाते हैं, स्कैम करते हैं या ब्लैक मार्केट में बेचते हैं। सरकार का कहना है कि यह एप पुलिस को डिवाइस ट्रेस करने में मदद करेगा। सितंबर में डीओटी ने बताया था कि 22.76 लाख डिवाइस ट्रेस हो चुके हैं।

कंपनियों पर असर, ऐपल-सैमसंग को दिक्कत हो सकती :

इंडस्ट्री सोर्सेज कहते हैं कि पहले से कंसल्टेशन न होने से कंपनियां परेशान हैं। खासकर एपल के लिए मुश्किल है, क्योंकि कंपनी की पॉलिसी में गवर्नमेंट या थर्ड-पार्टी एप प्री-इंस्टॉलेशन पर पाबंदी है।

पहले भी एपल का एंटी-स्पैम एप पर रेगुलेटर से टकराव हुआ था। इंडस्ट्री एक्सपर्ट्स का मानना है कि एपल सरकार से नेगोशिएशन कर सकती है। एपल यूजर्स को वॉलंटरी प्रॉम्प्ट देने का सुझाव भी दे सकता है।

संसद परिसर में कुत्ता लेकर पहुंचीं कांग्रेस सांसद रेणुका चौधरी

> ये काटता नहीं, काटने वाले संसद में > भाजपा ने आपत्ति जताई

नई दिल्ली, 1 दिसंबर (एजेंसियां)। संसद के शीतकालीन सत्र के पहले दिन सोमवार को कांग्रेस सांसद रेणुका चौधरी अपना पालतू कुत्ता संसद परिसर में लेकर पहुंच गईं। इस घटना पर बीजेपी सांसदों ने कड़ा विरोध जताया है।

रेणुका चौधरी से जब पूछा गया कि वे कुत्ते को संसद क्यों लाई हैं, तो उन्होंने कहा- सरकार को जानवर पसंद नहीं हैं। इसमें क्या हर्ज है? उन्होंने कहा, ये छोटा और बिल्कुल नुकसान न पहुंचाने वाला जानवर है। काटने वाले और हैं संसद में, कुत्ते नहीं। उनके इस कदम पर बीजेपी सांसद जगदंबिका पाल ने नाराजगी जताई और कहा- रेणुका चौधरी कुत्ता लेकर संसद आईं, यह गलत है। उन पर कार्रवाई होनी चाहिए। विशेषाधिकार का मतलब दुरुपयोग नहीं होता।

कांग्रेस सांसद बोलीं-कौन सी सिक्योरिटी कंसर्न

संसद की सिक्योरिटी कंसर्न को लेकर कांग्रेस सांसद ने कहा कि कौन सी सिक्योरिटी कंसर्न। हालांकि, उनका कुत्ता संसद परिसर में ही था और गाड़ी में ही बैठा रहा। उसे संसद भवन के अंदर नहीं ले जाया गया।

संसद के नियमों का उल्लंघन

संसद में पालतू जानवर लाने को नियमों का उल्लंघन माना जाता है। संसद के कानून के मुताबिक ये संसद भवन परिसर व्यवहार एवं आचरण नियम और लोकसभा हैंडबुक फॉर मेंबर्स के तहत गलत है।

संसद भवन परिसर व्यवहार एवं आचरण नियम

इन नियमों के अनुसार संसद भवन परिसर में केवल अधिकृत व्यक्ति, वाहन और सुरक्षा-क्लियरेंस प्राप्त सामग्री ही ले जाई जा सकती है। पालतू जानवरों को परिसर में प्रवेश की अनुमति नहीं है। यह नियम संसद की सुरक्षा ब्रांच लागू करती है।

लोकसभा हैंडबुक फॉर मेंबर्स

इस हैंडबुक में स्पष्ट रूप से कहा गया है कि सदन या संसद भवन में कोई भी ऐसी वस्तु, जीव या सामग्री नहीं लाई जा सकती जो सुरक्षा या मर्यादा को प्रभावित करे। पालतू जानवर इस श्रेणी में आते हैं, इसलिए अनुमति नहीं है।

रेणुका तेलंगाना से राज्यसभा सांसद हैं

रेणुका चौधरी राज्यसभा सांसद हैं और 2024 में तेलंगाना से दोबारा ऊपरी सदन में चुनी गईं। वे लंबे समय से कांग्रेस की वरिष्ठ नेता हैं और कई महत्वपूर्ण मंत्रालयों में काम कर चुकी हैं। उन्होंने महिला एवं बाल विकास और पर्यटन मंत्रालय में स्वतंत्र प्रभार मंत्री के रूप में सेवा दी।

इससे पहले वे स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण राज्य मंत्री भी रहीं। 1984 में तेलुगु देशम पार्टी से राजनीति शुरू की और बाद में 1998 में कांग्रेस में शामिल हो गईं। वे दो बार लोकसभा सांसद रहीं और कई संसदीय समितियों की सदस्य भी रहीं।

रूबिया सईद अपहरण कांड : 35 साल बाद श्रीनगर में नई गिरफ्तारी

सीबीआई ने कार्रवाई को दिया है अंजाम

श्रीनगर, 1 दिसंबर (एजेंसियां)।सूत्रों के अनुसार केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) ने 1989 में हुई रूबिया सईद अपहरण घटना के संदर्भ में श्रीनगर में एक नई गिरफ्तारी की है।

क्या है रूबिया सईद अपहरण कांड 1989 में मुफ्ती मोहम्मद सईद की बेटी डॉ. रूबिया सईद का आतंकियों ने अपहरण कर लिया था। घटना कुछ इस प्रकार थी- रूबिया सईद ललद्यद हॉस्पिटल से ड्यूटी पूरी होने के बाद घर के लिए निकलती हैं।

इस दौरान वह एक बस में सवार हो जाती हैं। आतंकी पहले से इस बस में सवार रहते हैं और मौके का फायदा उठाकर उनका अपहरण कर लेते हैं। रूबिया के बदले में अपने आतंकी साथियों की रिहाई की मांग रखते हैं। आठ दिसंबर 1989 को तत्कालीन केंद्रीय गृह मंत्री मुफ्ती मोहम्मद सईद की बेटी रुबैया सईद का अपहरण हुआ था। रुबैया सईद के अपहरण के बदले भाजपा समर्थित वीपी सिंह सरकार ने पांच आतंकवादियों को रिहा किया था।

सीबीआई ने 1990 के दशक की शुरुआत में इस मामले को अपने हाथ में लिया था। अपहरण के पांच दिन बाद 13 दिसंबर को रूबिया को छोड़ दिया जाता है और स्पेशल फ्लाइट से उन्हें दिल्ली लाया जाता है। इन सबके बीच मुफ्ती सईद का बयान आता है जिसमें वह कहते हैं कि एक पिता के रूप में मैं बहुत खुश हूं लेकिन एक नेता के रूप में यहीं कहना चाहूंगा कि ऐसा नहीं होना चाहिए था। चूंकि इस अपहरण की जिम्मेदारी जम्मू कश्मीर लिब्रेशन फ्रंट द्वारा ली गई थी। इसी कारण यासीन मलिक को इसमें आरोपी बनाया गया है।

अपहरण कांड का यह मामला सदर पुलिस स्टेशन श्रीनगर में दर्ज हुआ था। राज्य सरकार की सिफारिश पर 22 फरवरी, 1990 को सीबीआई ने केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी थी।

तमिलनाडु में इंसानियत शर्मसार
कोयंबटूर में पत्नी की हत्या कर पति ने शव के साथ सेल्फी शेयर की; हॉस्टल में दहशत

कोयंबटूर, 1 दिसंबर (एजेंसियां)। तमिलनाडु के कोयंबटूर से इंसानियत को शर्मसार करने वाली एक घटना सामने आ रही है। जहां 32 वर्षीय व्यक्ति ने अपनी अलग रह रही पत्नी की महिला हॉस्टल में घुसकर हत्या कर दी और फिर उसके शव के साथ सेल्फी लेकर व्हाट्सऐप स्टेटस पर पोस्ट कर दी। यह देख हॉस्टल की अन्य लड़कियां दहशत में आ गईं। घटना के बाद विपक्ष ने इसे महिलाओं की सुरक्षा पर बड़ा सवाल बताया है। मामसे में पुलिस ने बताया कि 28 वर्षीय महिला कोयंबटूर की एक निजी कंपनी में काम करती थी और पति से झगड़े के बाद वह निजी महिला हॉस्टल में रह रही थी। महिला तिरुनेलवेली जिले के तरुवई की रहने वाली थी।

मिलने के बहाने हॉस्टल पहुंचा था पति

पुलिस ने आगे बताया कि रविवार दोपहर उसका पति एस बालामुरुगन उससे मिलने के बहाने हॉस्टल पहुंचा। दोनों के बीच बहस बढ़ने पर उसने दरांती से उसकी हत्या कर दी। इसके बाद आरोपी ने पत्नी के शव के साथ खुद की तस्वीर लेकर व्हाट्सऐप स्टेटस पर डाल दिया और लिखा कि उसने मुझे धोखा दिया। बता दें कि महिला अपने दो बच्चों को झगड़े के कारण अपनी मां के पास छोड़कर हॉस्टल में रह रही थी। घटना की सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और आरोपी को वहीं से गिरफ्तार कर लिया।

थरूर कांग्रेस की स्ट्रेटेजिक मीटिंग में फिर नहीं पहुंचे

कहा-90 साल की मां के साथ हूं; एसआईआर पर हुई बैठक से भी दूर थे

नई दिल्ली, 1 दिसंबर (एजेंसियां)। कांग्रेस वर्किंग कमेटी के मेंबर और एमपी शशि थरूर ने एक बार फिर कांग्रेस के स्ट्रेटेजिक ग्रुप की एक जरूरी मीटिंग अटेंड नहीं की। 30 नवंबर को पार्लियामेंट के विंटर सेशन को लेकर सोनिया गांधी की लीडरशिप में बैठक हुई।

हालांकि थरूर के ऑफिस ने बताया कि वह केरल में अपनी 90 साल की मां के साथ हैं। यह दूसरा मौका है जब थरूर पार्टी की किसी मीटिंग में नहीं पहुंचे। इससे पहले खराब सेहत का हवाला देकर एसआईआर मुद्दे पर बुलाई गई कांग्रेस की मीटिंग में भी वे नहीं पहुंचे थे। उस दौरान वे पीएम मोदी के इवेंट में शामिल हुए थे, जिसे लेकर बवाल मचा था। कांग्रेस की

जरूरी मीटिंग्स से थरूर का लगातार गायब रहना पार्टी के अंदर चर्चा का विषय बन गया है। कांग्रेस और थरूर के बीच का रिश्ता लंबे समय से किसी से छिपा नहीं है, खासकर ऑपरेशन सिंदूर के बाद कई मौकों पर थरूर का पीएम मोदी की तरफ झुकाव अक्सर सुर्खियों में रहता है। केरल में स्थानीय निकाय चुनावों की तैयारी और प्रचार का हवाला देकर कांग्रेस के राष्ट्रीय संगठन महासचिव केसी वेणुगोपाल भी 30 नवंबर की मीटिंग में शामिल नहीं हुए। केरल में स्थानीय निकाय चुनाव 9 और 11 दिसंबर को होने हैं।

कांग्रेस नेता बोले-थरूर दोगले हैं

कांग्रेस नेता संदीप दीक्षित ने कहा कि शशि थरूर की प्रॉब्लम यह है कि मुझे नहीं लगता कि उन्हें देश के बारे में ज्यादा पता है। अगर आपके हिसाब से कोई कांग्रेस की पॉलिसी के खिलाफ जाकर देश का भला कर रहा है, तो आपको उन पॉलिसी को फॉलो करना चाहिए। आप कांग्रेस में क्यों हैं? क्या सिर्फ इसलिए कि सांसद हैं। दीक्षित ने कहा- अगर थरूर को सच में लगता है कि बीजेपी या पीएम मोदी की स्ट्रेटेजी आपकी पार्टी से बेहतर काम कर रही हैं, तो आपको एक्सप्लेनेशन देना चाहिए। अगर आप एक्सप्लेनेशन नहीं दे रहे हैं, तो आप दोगले हैं।

'जरूरी मुद्दे न उठाने देना ड्रामा'

प्रियंका गांधी की प्रतिक्रिया, रवि किशन बोले-पीएम की क्लास लो, जीवन बदल जाएगा

नई दिल्ली, 1 दिसंबर (एजेंसियां)। संसद का शीतकालीन सत्र आज से शुरू हो गया है। इस मौके पर प्रियंका गाँधी और रवि किशन ने मीडिया से बात की संसद का शीतकालीन सत्र शुरू हो चुका है।

इस सत्र की शुरुआत से पहले पीएम नरेंद्र मोदी ने मीडिया को संबोधित करते हुए कहा कि संसद के शीतकालीन सत्र में ड्रामा नहीं डिलीवरी होनी चाहिए। पीएम नरेंद्र मोदी के इस बयान पर कांग्रेस पार्टी की सांसद प्रियंका गांधी ने पलटवार किया।

प्रियंका गांधी ने संसद परिसर में मीडिया से बातचीत में कहा कि प्रदूषण और एसआईआर अर्जेंट मुद्दे हैं। इन पर बात होनी चाहिए, पार्लियामेंट किस लिए है? इन पर बात होनी चाहिए, यह कोई ड्रामा नहीं है। उन्होंने कहा कि जरूरी मुद्दों के बारे में बात करना, उन्हें उठाना ड्रामा नहीं है। चर्चा न होने देना ड्रामा है। हमने प्रदूषण के बारे में बात की लेकिन इस मुद्दे को क्यों नहीं उठाने दिया जा रहा है।

'प्रधानमंत्री की क्लास लो, जीवन बदल जाएगा'

इसी विषय पर गोरखपुर से बीजेपी के सांसद रवि किशन ने कहा कि अगर उन्हें ड्रामा करना है, तो उन्हें एक ड्रामा स्कूल और एक स्टेज बनाना चाहिए।

वे सड़क पर भी ड्रामा कर सकते हैं, लेकिन यह जगह लोगों के पैसे से बनी है। यहां हर दिन करोड़ों रुपये खर्च होते हैं। यहां ड्रामा मत करो। अपनी हार मान लो। रवि किशन ने आगे कहा कि एनालाइज़ करो और उस पर काम करो, और बाउंस बैक की बात करो। अगर वे कुछ नहीं कर सकते, तो विपक्ष प्रधानमंत्री के पास जाकर आधे घंटे की क्लास ले, जीवन बदल जाएगा। उन्होंने कहा, "मैं गारंटी के साथ कहता हूं हमारा जीवन हमारा जीवन बदला है। हम सभी नए लोगों का जीवन बदला है।"

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने क्या कहा था?

शीतकालीन सत्र शुरू होने से पहले पीएम नरेंद्र मोदी ने सोमवार को विपक्ष पर निशाना साधा। पीएम नरेंद्र मोदी ने विपक्ष पर आरोप लगाया कि वह संसद को चुनावी हार के बाद "हताशा निकालने का मंच" बना रहा है। प्रधानमंत्री ने कहा कि यह सत्र राजनीतिक रंगमंच न बने, बल्कि काम की और अच्छे नतीजे देने वाली चर्चा के लिए इस्तेमाल हो।

'संसदीय मर्यादा की लक्ष्मण रेखा का पालन हो : राधाकृष्णन

नई दिल्ली, 1 दिसंबर (एजेंसियां)। राज्यसभा के नए सभापति सीपी राधाकृष्णन ने सदन के पहले ही दिन साफ कर दिया कि उच्च सदन में मर्यादा और संविधान सर्वोपरि होंगे। उन्होंने अपने उद्घाटन भाषण में कहा कि राज्यसभा केवल बहस की जगह नहीं है, बल्कि यह वह मंच है जहां देश के करोड़ों लोगों की उम्मीदें जुड़ी होती हैं। इसलिए संसदीय व्यवस्था की 'लक्ष्मण रेखा' को हर सदस्य को समझना और उसका पालन करना जरूरी है। उन्होंने स्पष्ट किया कि सभी सदस्य अपनी बात रखेंगे, लेकिन निर्धारित नियमों और संवैधानिक सीमाओं के अंदर ही।

राधाकृष्णन ने कहा कि भारत का संविधान और राज्यसभा की नियम पुस्तिका संसदीय आचरण की 'लक्ष्मण रेखा' को तय करते हैं। उनका कहना था कि सभापति और सदस्य दोनों को ही अपनी ज़िम्मेदारियों को समझते हुए इस रेखा का पालन करना होगा। उन्होंने भरोसा दिया कि वे हर सदस्य के अधिकारों की रक्षा करेंगे, लेकिन यह तभी संभव है जब वे निर्धारित नियमों के भीतर अपनी बात रखें। उन्होंने सदन को याद दिलाया कि व्यापक एजेंडा और सीमित समय इस सत्र की सबसे बड़ी चुनौती है। अपने पहले संबोधन में राधाकृष्णन ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और सदन के सभी सदस्यों का धन्यवाद किया, जिन्होंने शीतकालीन सत्र के पहले दिन उन्हें बधाई और शुभकामनाएं दीं।

गुरदासपुर के बाद अमृतसर और फिरोजपुर में होना था ग्रेनेड हमला, टेरर मॉड्यूल का बड़ा खुलासा

नई दिल्ली, 1 दिसंबर (एजेंसियां)। गुरदासपुर के सिटी पुलिस स्टेशन पर 25 नवंबर को हमले के बाद अगला नंबर अमृतसर और फिरोजपुर का था। शहजाद भट्टी के इशारे पर इन जगहों की रेकी भी कर ली गई थी। इसके सबूत आरोपियों के पास से बरामद मोबाइल में मिले हैं।

जांच के दौरान टीम को पता चला है कि हमले के लिए ग्रेनेड ड्रोन के जरिये सीमापार से आ रहे थे। पंजाब के सीमावर्ती इलाकों में जहां खेत या सुरक्षा बलों की चौकसी कम है, वहां रात के समय ड्रोन से हथियार भेजे जाते हैं। इन्हें लेने के लिए वहां पहले से आदमी मौजूद होता है। हथियार और ग्रेनेड मिलने के बाद उन्हें आगे पहुंचा दिया जाता है। आतंकियों को देने वाली रकम हवाला के जरिये भारत भेजी जाती है। स्पेशल सेल के अतिरिक्त आयुक्त पीएस कुशवाह ने बताया कि पूछताछ के दौरान विकास ने बताया कि शुरुआत में वह इंदरगढ़, दतिया में मजदूरी करता था।

सोशल मीडिया पर शहजाद भट्टी से प्रभावित था। इस बीच इंस्टाग्राम पर उसकी भट्टी से बातचीत होने लगी। वह अवैध हथियारों के अलावा भट्टी के मॉड्यूल में शामिल हो गया। इस बीच भट्टी ने विकास को गुरदासपुर में एक पार्सल लेने भेजा। उसमें ग्रेनेड के अलावा अन्य सामान था।

इसके बाद भट्टी ने उसे ग्रेनेड को चलाने की वीडियो पर ट्रेनिंग दी। उसे पैसे भी मिल गए। बाद में भट्टी के इशारे पर विकास ने अमृतसर, फिरोजपुर और गुरदासपुर पुलिस स्टेशन की रेकी कर वीडियो भेजी।

भट्टी ने गुरदासपुर हमला करने के दिए थे आदेश

भट्टी ने हरगुनप्रीत, आसिफ और मोहन को विकास के पास भेजा। इन तीनों को गुरदासपुर हमला करने के आदेश दिए गए। हरगुनप्रीत ने बताया कि वह एक दोस्त के जरिए भट्टी के संपर्क में आया था। भट्टी के कहने पर वह अपने साथियों के साथ विकास के पास पहुंचा।

भट्टी के कहने पर हमले का वीडियो और मैप बनाया

बाद में हमला किया। हमले के समय मोहन बाइक चला रहा था। वहीं आसिफ करीब ढाई माह पूर्व इंस्टाग्राम के जरिए भट्टी के संपर्क में आया। भट्टी के कहने पर इसने हमले का वीडियो और मैप बनाया। भट्टी के कहने पर उसने विकास से संपर्क किया। गुरदासपुर हमले के बाद अगले आदेश तक उनको खमोश रहने और मोबाइल बंद करने की हिदायत दी गई थी।

सोशल मीडिया से भारतीय लड़कों को फंसा रहा भट्टी व इसका मॉड्यूल

शहजाद भट्टी व इसके साथी सोशल मीडिया के अलग-अलग प्लेटफॉर्म पर गहरी निगाह रखते हैं। यहां वह कम उम्र के नौजवानों को पैसों और दूसरे लालच देकर अपने जाल में फंसाते हैं। इसके बाद उनकी पैसे से लेकर जरूरत को पूरा किया जाता है। पैसा, रहने का इंतजाम, उनके लिए बाइक व दूसरे सभी इंतजाम शहजाद भट्टी व उसका गैंग करता है। बदले में भारत में हमले की बात की जाती है।

खबरे जरा हटके

गजब का जुगाड़ू निकला लड़का

सड़क से पत्थर उठाकर बना दी घड़ी, फिर चला बेचने, कीमत जानकर होगी हैरानी!

भारत के लोग कितने जुगाड़ू हैं, ये तो सभी जानते हैं. पर हैरानी ये जानकर होती है कि सिर्फ बड़े ही नहीं, युवा भी जुगाड़ जानते हैं. एक लड़के ने हाल ही में इस बात की मिसाल पेश की. लड़के का एक वीडियो वायरल हो रहा है जिसमें उसने सड़क से एक मामूली पत्थर उठाया और उसे घड़ी का रूप दे दिया. फिर वो उसे बेचने निकला. हैरानी ये थी कि उसने घड़ी को बेचा भी जिसकी कीमत इतनी ज्यादा मिली जिसकी उसने भी उम्मीद नहीं की थी. ये वीडियो देखकर समझ आएगा कि बिजनेस करना मुश्किल नहीं है, बस दिमाग उस प्रकार चलना चाहिए. इंस्टाग्राम अकाउंट में एक लड़के का अकाउंट है जो दिखने में आपको साधारण युवक लग सकता है, मगर वो इतना दिमाग वाला है कि अपने दिमाग के दम पर अनोखे जुगाड़ करता है और उनसे पैसे भी कमा लेता है. हाल ही में लड़के ने एक साधारण से आइडिया से अच्छे-खासे पैसे कमा लिए. लड़के ने एक पत्थर से घड़ी बना दी और मार्केट में बेच दी.

लड़के ने घड़ी बनाकर बेचा

वीडियो में उसने पूरा प्रोसेस दिखाया. सबसे पहले उसने सड़क किनारे से एक पत्थर उठाया. पत्थर बिल्कुल साधारण सा था, उसमें कुछ भी खास या अनोखा नहीं था. फिर उसने पत्थर का पिछला हिस्सा कटवाया, उसमें खांचा बनवाया और पत्थर को पॉलिश कर दिया. उसके बाद उसने उस खांचे में घड़ी की मशीन लगा दी और वो बेहद खूबसूरत बन गई. लड़का जब मार्केट में घड़ी को बेचने निकला तो पहले ग्राहकों ने घड़ी में रुचि दिखाई मगर पीछे देखकर उन्हें वो मामूली लगी. इस वजह से उसने पास के एक पार्क में जाकर उसके पिछले हिस्से को ढक दिया और जब दोबारा बेचने निकला तो ग्राहक उसे देखकर काफी इंप्रेस हुए और एक शख्स ने खरीदने की इच्छा जताई. उसने 5 हजार रुपये मांगे और ग्राहक ने रुपये दे भी दिए।

बॉस की जान बचाने के लिए महिला ने डोनेट कर दी किडनी

फिर उसी ने नौकरी से निकाला-वजह जानकर माथा पकड़ लेंगे आप

भलाई का तो जमाना ही नहीं है. यह कहावत आपने कई लोगों के मुंह से सुनी होगी. लेकिन आज इस कहावत को आप सच होता पाएंगे, वो इसलिए क्योंकि खबर ही कुछ ऐसी है. जहां एक महिला ने सखावत (बड़ा दिल) दिखाते हुए अपने बॉस की मदद करनी चाही, लेकिन बॉस ही धोखेबाज निकला. दरअसल, महिला ने अपनी किडनी देकर अपने बॉस की जान बचाई थी, लेकिन बदले में जो बॉस ने उस महिला को दिया वो वाकई चौंकाने वाला था.

47 साल की तलाकशुदा दो बच्चों की मां डेबी स्टीवंस ने पिछले शुक्रवार को न्यूयॉर्क राज्य मानवाधिकार आयोग में औपचारिक शिकायत दर्ज कराई, जिसमें आरोप लगाया गया कि उसके बॉस ने उसके अंग के लिए उसका इस्तेमाल किया और फिर उसे नौकरी से निकाल दिया. स्टीवंस के बॉस, 61 वर्षीय जैकी ब्रुशिया, अटलांटिक ऑटोमोटिव ग्रुप के वेस्ट इस्लिप कंट्रोलर्स में से एक हैं, जो एक अरब डॉलर का डीलरशिप ऑपरेटर है. ब्रुशिया ने जनवरी 2009 में स्टीवंस को सहायक के रूप में काम पर रखा था. स्टीवंस ने बताया कि, सर्जरी के बाद उसने मेरे साथ बहुत ही भयानक, क्रूर और अमानवीय व्यवहार करना शुरू कर दिया. ऐसा लग रहा था जैसे उसने मुझे सिर्फ मेरी किडनी लेने के लिए ही काम पर रखा था. हालांकि स्टीवंस, ब्रुशिया के लिए किडनी के मामले में बिल्कुल भी उपयुक्त नहीं थी, लेकिन स्टीवंस ने ब्रुशिया के अंग को किसी बाहरी अजनबी को दान कर दिया ताकि वह अंग दान करने वालों की लिस्ट में ऊपर आ सके. किडनी देने के बाद स्टीवंस को प्रोपर बेडरेस्ट बताया गया था, लेकिन ज्यादा आराम करने और ऑफिस से ऑफ लेने के चलते स्टीवंस को उसके बॉस ने नौकरी से निकाल दिया.

51 साल की महिला है प्रोफेशनल जलपरी-4 मिनट तक पानी में रोक लेती है सांस

शार्क तक से हो चुका है सामना!

जब भी बच्चे मरमेड यानी जलपरी की कहानियां सुनते हैं, या उन्हें कार्टून में देखते हैं तो उन्हें लगता है कि वो हकीकत होती हैं और उनका मन करता है कि वो उनसे मिलें. पर सच तो आप भी जानते ही होंगे कि जलपरी सिर्फ कल्पना है. मगर एक महिला ने इस सपने को कुछ हद तक सच कर दिया है. वो एक प्रोफेशनल मरमेड बनने में कामयाब रही है और इसी काम की बदौलत नाम कमाया है. प्रोफेशनल मरमेड (जलपरी) बनने का सपना सुनने में भले ही किसी काल्पनिक कहानी जैसा लगे, लेकिन ऑस्ट्रेलिया में जन्मी हैना फ्रेज़र के लिए ये काल्पनिक कहानी सच हो चुकी है. हैना अब लॉस एंजेलिस और कोस्टा रिका के बीच रहती हैं. बचपन से ही हैना ने अपने भीतर समुद्र की ओर एक अजीब खिंचाव महसूस किया. वह बताती हैं कि बचपन से ही वो दोनों पैरों को साथ में जोड़कर तैरा करती थीं जैसे वो कोई जलपरी हों. यहां तक कि उनके शुरुआती स्टिक फिगर ड्रॉइंग्स में भी पूंछ होती थी. 9 साल की उम्र में जब उन्होंने फिल्म स्प्लैश देखी, तो उन्हें एहसास हुआ कि जलपरी बनना कोई कल्पना नहीं, बल्कि असलियत भी हो सकती है. अपनी मां की मदद से उन्होंने एक नारंगी प्लास्टिक टेबलक्लॉथ और तकिए की रूई से अपनी पहली पूंछ बनाई और महीनों तक उसे पहनकर तैरती रहीं. हालांकि उनका बचपन मेलबर्न, लॉस एंजेलिस और भारत जैसे शहरों में बीता, लेकिन समुद्र से दूर रहना हमेशा उन्हें खलता रहा. यही वजह थी कि वह कला के ज़रिये अपने सपने को जीवित रखती रहीं-मरमेड आर्ट बनाना, मॉडलिंग, कॉस्ट्यूम डिजाइनिंग और फोटोग्राफी उनका शुरुआती करियर रहा.

THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

मेरा हैदराबाद

मंगलवार, 2 दिसंबर, 2025

सुविचार जैसे सूर्योदय होते ही अंधकार दूर हो जाता है, वैसे ही मन की प्रसन्नता से सारी बाधाएं शांत हो जाती है!

मुख्यमंत्री ने हुडको से कम ब्याज दरों पर ऋण देने का आग्रह किया

इंदिरम्मा आवास, ग्रीनफील्ड हाईवे और बुलेट ट्रेन परियोजनाओं के लिए ऋण मंजूरी की मांग

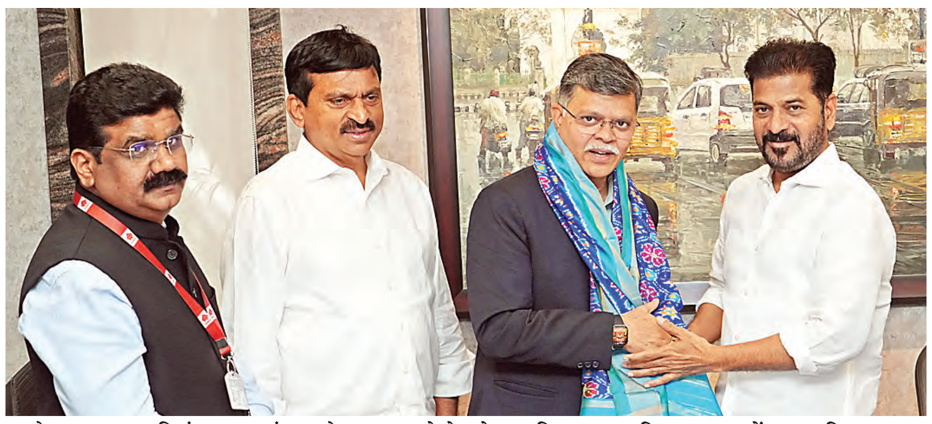

हैदराबाद, 1 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी ने राज्य सरकार द्वारा शुरू की गई प्रतिष्ठित विकास परियोजनाओं के लिए हुडकों से कम ब्याज दरों पर ऋण उपलब्ध कराने की अपील की। सोमवार को हुडकों के चेयरमैन संजय कुलश्रेष्ठ ने हैदराबाद में मुख्यमंत्री से भेंट की, जिसके दौरान यह अनुरोध रखा गया। बैठक में मुख्यमंत्री ने संजय कुलश्रेष्ठ से भारत फ्यूचर सिटी, हैदराबाद मेट्रो रेल विस्तार, आरआरआर और रेडियल रोड्स जैसी प्रमुख परियोजनाओं के लिए रियायती ब्याज दरों पर ऋण प्रदान करने का आग्रह किया। इसके साथ ही उन्होंने भारत फ्यूचर सिटी से बैंगलुरु होते हुए चेन्नई और अमरावती तक ग्रीनफील्ड सड़कों, बंदर पोर्ट तक ग्रीनफील्ड हाईवे तथा बुलेट ट्रेन परियोजना के बारे में विस्तार से जानकारी दी। मुख्यमंत्री ने सरकार द्वारा पूर्व में लिए गए ऋणों पर अधिक ब्याज दरों के बोझ और लोन रीस्ट्रक्चरिंग से जुड़ी समस्याओं को भी चेयरमैन के संज्ञान में लाया।

इस पर चेयरमैन ने सकारात्मक प्रतिक्रिया देते हुए उच्च ब्याज दरों से राहत देने का आश्वासन दिया। तेलंगाना की तेज़ विकास गति को देखते हुए मुख्यमंत्री ने नए परियोजनाओं के लिए भी कम ब्याज दरों पर ऋण उपलब्ध कराने का अनुरोध किया।

इस दौरान हुडकों चेयरमैन ने बताया कि इंदिरम्मा आवास योजना के लिए ऋण पहले ही मंजूर किए जा चुके हैं और 10 लाख और घरों के निर्माण के लिए भी शीघ्र ऋण जारी करने पर सहमति जताई है। मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी ने हुडकों चेयरमैन को 8 और 9 दिसंबर को भारत फ्यूचर सिटी में आयोजित होने वाले ग्लोबल समिट में भाग लेने का आमंत्रण भी दिया। बैठक में राजस्व मंत्री पोंगुलेटी श्रीनिवास रेड्डी, मुख्य सचिव के. रामकृष्णा राव, मुख्यमंत्री के सचिव के.एस. श्रीनिवास राजू, वित्त प्रमुख सचिव संदीप कुमार सुल्तानिया, विशेष मुख्य सचिव विकास राज, हाउसिंग विभाग के एमडी गौतम, हुडकों के रीज़नल चीफ पी. सुभाष रेड्डी, संयुक्त महाप्रबंधक असीष गुंडाला, सैयद रहीमुद्दीन सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

डुंडीगल पुलिस ने ज्वेलरी चोरी का बड़ा मामला सुलझाया

तीन गिरफ्तार, 15 किलो चांदी के आभूषण बरामद; तीन आरोपी अब भी फरार

हैदराबाद, 1 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। डुंडीगल पुलिस ने बौरामपेट में हुई बड़ी ज्वेलरी चोरी की घटना का खुलासा कर दिया है। पुलिस ने बताया कि राजस्थान और तेलंगाना के तीन आरोपियों–सिकंदराबाद के चेतन प्रकाश, राजस्थान के सिराजुद्दीन और मेडचल के कालू काग उर्फ कालूराम–को गिरफ्तार किया गया है। इनके पास से लगभग 15 किलोग्राम चोरी की चांदी बरामद हुई है।

यह चोरी 8 नवंबर को सोमेश्वर ज्वेलर्स की दुकान में हुई थी। आरोपियों ने दुकान के बगल वाले खाली परिसर का शटर किराए पर लिया था। उसी शटर में छेद करके वे दुकान में घुसे और लोहे की छड़ से अलमारी खोलकर करीब 15 किलो चांदी चोरी कर ले गए। वे बोलेरो वाहन से आए थे और उसी में चोरी का सामान लेकर फरार हो गए। पुलिस ने 19 नवंबर को चेतन प्रकाश और सिराजुद्दीन को राजस्थान से गिरफ्तार किया, जबकि कालूराम को 26 नवंबर को बहादुरपल्ली में पकड़ा गया। कालूराम से 3.5 किलो चांदी मिली, जबकि बाकी चांदी बेंगलुरु में अन्य दो आरोपियों से बरामद की गई। पुलिस ने बताया कि इस गिरोह के तीन और सदस्य अभी फरार हैं और उनकी तलाश जारी है।

राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय प्रतिनिधियों को किसी भी प्रकार की असुविधा न हो : सुधीर बाबू

ग्लोबल समिट की तैयारियों पर समीक्षा बैठक, सुरक्षा व्यवस्थाओं और समन्वय पर चर्चा

हैदराबाद, 1 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। रंगारेड्डी जिले के कंदुकूर मंडल स्थित फ्यूचर सिटी में 8 और 9 दिसंबर को आयोजित होने वाले ग्लोबल समिट की तैयारियों, सुरक्षा व्यवस्था और बंधोबस्त पर राचाकोंडा पुलिस आयुक्त सुधीर बाबू ने सोमवार को विस्तृत समीक्षा की।

उन्होंने सभी विभागों के अधिकारियों को आपसी समन्वय के साथ तेजी से कार्य पूर्ण करने के निर्देश दिए। राचकोंडा सीपी सुधीर बाबू, एडिशनल डीजीपी डी.एस. चौहान और फ्यूचर सिटी डेवलपमेंट अथॉरिटी के कमिश्नर शशांक (आईएएस) ने विभिन्न विभागों के प्रमुख अधिकारियों (एचओडी) के साथ बैठक आयोजित की। बैठक में सीपी सुधीर बाबू ने कहा कि ग्लोबल समिट की सभी तैयारियों को तेज करते हुए विभागों को समन्वय के साथ कार्य करना होगा। आने वाले राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय प्रतिनिधियों को किसी भी प्रकार की असुविधा न हो, इसकी पूरी व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। प्रत्येक अधिकारी अपने दायित्व का निर्वहन पूरी जिम्मेदारी के साथ करें ताकि कोई भी त्रुटि न हो। उन्होंने आगे कहा कि बिजली आपूर्ति और इंटरनेट सेवाओं में किसी भी प्रकार का व्यवधान नहीं होना चाहिए।

परिवहन, पेयजल, शौचालय, हेलीपैड और पार्किंग आदि सुविधाओं को व्यवस्थित और सुचारू रूप से उपलब्ध कराया जाए। जहां आवश्यकता हो, वहां मेडिकल कैम्प स्थापित किए जाएं। एयरपोर्ट से लेकर समिट स्थल तक की सड़कें साफ–सुथरी रहें और आयोजन स्थल पर संपूर्ण स्वच्छता बनाए रखी जाए। कचरे को समय पर हटाया जाए और सड़कों पर किसी भी प्रकार की गंदगी न होने पाए। मोबाइल टॉयलेट्स की व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। अग्निशमन विभाग को किसी भी आपात स्थिति से निपटने के लिए सतर्क रहने के निर्देश दिए गए। सीपी ने स्पष्ट निर्देश दिए कि ग्लोबल समिट की तैयारियों में किसी भी प्रकार की गलती की गुंजाइश नहीं होनी चाहिए और सभी विभाग अपने कार्य समय पर और जिम्मेदारी से पूरा करें ताकि कार्यक्रम सफलतापूर्वक संपन्न हो। बैठक में डीसीपी महेश्वरम नारायण रेड्डी, प्रोटोकॉल सचिव नरसिंहा रेड्डी, प्रेम राज, एचएमडब्लूएसएसबी एमडी के. अशोक रेड्डी, जिला अतिरिक्त कलेक्टर (राजस्व) चंद्रा रेड्डी, आरएंडबी, फायर सेफ्टी, ट्रांसपोर्ट, पर्यटन विभाग, स्वास्थ्य विभाग सहित कई अधिकारी उपस्थित रहे।

ऑनलाइन सट्टेबाजी के कर्ज से परेशान कैब चालक ने की आत्महत्या

दो साल से सट्टेबाजी का आदी, 15 लाख रुपये तक पहुंचा था कर्ज

हैदराबाद, 1 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। उप्पल में एक 24 वर्षीय कैब चालक ने ऑनलाइन सट्टेबाजी से बढ़ते कर्ज के कारण आत्महत्या कर ली। मृतक की पहचान पलादुगु साई के रूप में हुई है, जो यदाद्री–भुवनगिरी जिले के मसनापल्ली का निवासी था और शांतिनगर, उप्पल में रहकर टैक्सी चलाता था।

पुलिस के अनुसार, साई पिछले दो वर्षों से ऑनलाइन सट्टेबाजी का आदी हो गया था। अपनी लत को जारी रखने के लिए उसने दोस्तों, रिश्तेदारों और गाँव वालों से लाखों रुपये उधार ले लिए थे। इसके अलावा, उस पर पांच–छह बैंकों से लिए गए कई व्यक्तिगत ऋण भी थे, जिससे उसका कुल कर्ज लगभग 15 लाख रुपये तक पहुँच गया था। कर्ज देने वालों द्वारा लगातार पैसे मांगने और दबाव बनाने पर साई ने शनिवार को अपने घर पर अज्ञात कीटनाशक का सेवन कर लिया। परिवार वालों ने उसे तुरंत गांधी अस्पताल पहुँचाया, जहाँ रविवार को इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। उप्पल पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

अफजलगंज पुलिस ने बाइक चोर को पकड़ा

हैदराबाद, 1 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। अफजलगंज पुलिस ने सोमवार को एक बाइक चोरी करने वाले आरोपी को पकड़ लिया और उसके पास से पाँच मोटरसाइकिलें बरामद कीं। पुलिस के अनुसार, आरोपी कुर्वा नरेश उर्फ पोट्टी नरेश (29), जो महबूबनगर का रहने वाला है, ने 11 नवंबर को उस्मानिया अस्पताल की पार्किंग से एक बाइक चुराई थी। शिकायत मिलने के बाद पुलिस ने जांच शुरू की और एक विशेष टीम ने आरोपी को ढूंढकर गिरफ्तार कर लिया। पूछताछ में नरेश ने बताया कि उसने कुल पाँच बाइक चुराई थीं–चार अफजलगंज इलाके से और एक महबूबनगर से। पुलिस के मुताबिक, वह पहले भी ऐसे चोरी के मामलों में शामिल रह चुका है। पुलिस ने आरोपी को अदालत में पेश कर रिमांड पर भेज दिया है।

एयर मार्शल समीर पेंडसे ने आईएएफ ट्रेनिंग कमांड में एसएएसओ का पदभार संभाला

हैदराबाद, 1 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। एयर मार्शल समीर जयसिंह पेंडसे ने सोमवार को भारतीय वायुसेना (आईएएफ) के ट्रेनिंग कमांड के सीनियर एयर स्टाफ ऑफिसर (एसएएसओ) के रूप में कार्यभार ग्रहण किया।

वे नेशनल डिफेंस एकेडमी (एनडीए) के पूर्व छात्र हैं और 16 दिसंबर 1989 को भारतीय वायुसेना की फ्लाइंग (पायलट) शाखा में हेलीकॉप्टर पायलट के रूप में कमीशन प्राप्त किया था। 36 वर्षों के अपने शानदार करियर में उन्होंने 5100 घंटे से अधिक दुर्घटना–रहित उड़ान भरी है। अपने सेवा काल में उन्होंने कई महत्वपूर्ण पदों पर कार्य किया है, जिनमें एक एडवांस मुख्यालय का नेतृत्व, भारतीय वायुसेना के दो एयरबेसों का कमान, एक फ्रंटलाइन हेलीकॉप्टर यूनिट की कमान शामिल हैं। वे संयुक्त राष्ट्र के सूडान मिशन में भी सेवाएं दे चुके हैं। इसके अलावा वे ढाका, बांग्लादेश स्थित नेशनल डिफेंस कॉलेज (एनडीसी) के स्नातक हैं। वर्तमान पदभार ग्रहण करने से पूर्व वे सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) में इंस्पेक्टर जनरल (एयर) के रूप में कार्यरत थे, जहां वे गृह मंत्रालय के एयर विंग के एविएशन संचालन की निगरानी कर रहे थे। एयर मार्शल पेंडसे को उनकी सेवाओं के लिए वायु सेना पदक (गैलेंट्री) वर्ष 1998 में, विशिष्ट सेवा पदक वर्ष 2015 में राष्ट्रपति द्वारा प्रदान किए जा चुके हैं।

सिगाछी विस्फोट पीड़ितों को पूरी अनुग्रह राशि न मिलने पर बीआरएस का विरोध

विधायकों ने सरकार पर वादे से पीछे हटने का आरोप लगाया

संगारेड्डी, 1 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। बीआरएस विधायकों ने सिगाछी फैक्ट्री विस्फोट में मारे गए लोगों के परिजनों को पूरी अनुग्रह राशि न मिलने पर गंभीर सवाल उठाए हैं। संगारेड्डी के विधायक चिंता प्रभाकर, ज़हीराबाद के विधायक के. माणिक राव और अन्य बीआरएस नेताओं ने सोमवार को कलेक्टर पी. प्रवीण्या और पुलिस अधीक्षक परितोष पंकज को ज्ञापन देकर शेष राशि तुरंत देने की मांग की।

बीआरएस नेताओं का कहना है कि मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी ने पीड़ित परिवारों को एक–एक करोड़ रुपये देने का वादा किया था। लेकिन घटना के पाँच महीने बीत जाने के बाद भी प्रत्येक परिवार को सिर्फ़ 25–25 लाख रुपये ही दिए गए हैं। राज्य सरकार ने अभी तक केवल एक–एक लाख रुपये दिए हैं और केंद्र द्वारा घोषित 2 लाख रुपये की राशि भी परिवारों को नहीं मिली है। विधायक प्रभाकर ने राज्य सरकार पर लापरवाही का आरोप लगाया और कहा कि पीड़ित परिवारों को उनका पूरा हक़ मिलना चाहिए। वहीं माणिक राव ने कहा कि बीआरएस तब तक संघर्ष जारी रखेगी, जब तक सभी परिजनों को पूरी अनुग्रह राशि नहीं मिल जाती।

एचआईवी महामारी को खत्म करने में सबका सहयोग जरूरी : डीआरएम

विश्व एड्स दिवस पर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित

हैदराबाद, 1 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। दमरे के हैदराबाद डिवीजन में 'वर्ल्ड एड्स डे' के अवसर पर हेल्थ यूनिट/काचीगुड़ा में विशेष कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस अवसर पर प्रमुख संतोष कुमार वर्मा, डिविजनल रेलवे मैनेजर/हैदराबाद डिवीजन, डॉ. पद्मा चंद्रबटल, चीफ मेडिकल सुपरिटेंडेंट/हैदराबाद डिवीजन, डॉ.बी.टी. नवीन कुमार, वरिष्ठ डीएमओ/कचीगुड़ा, डॉ.एम. कविता, डीएमओ/कचीगुड़ा उपस्थित रहे। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य एचआईवी/एड्स के प्रति जागरूकता बढ़ाना और इस रोग के खिलाफ एकजुटता को प्रोत्साहित करना था। इस कार्यक्रम में 70 रेलवे लाभार्थियों और 25 आउटसोर्स्ड क्लीनिंग स्टाफ ने सक्रिय भागीदारी की। कार्यक्रम में एचआईवी रोकथाम, उपचार विकल्प और संक्रमित व्यक्तियों के प्रति समर्थन पर विशेष ध्यान दिया गया। वरिष्ठ डीएमओ/सेंट्रल हॉस्पिटल, लाल्लागुड़ा/साउथ सेंट्रल रेलवे डॉ.जी. वेदरण्या ने एड्स के लक्षण, संकेत और उपचार के महत्व पर प्रकाश डाला। मंडल रेल प्रबंधक हैदराबाद (डीआरएम) संतोष कुमार वर्मा ने उपस्थित लोगों से ज्ञान फैलाने, कलंक घटाने और एचआईवी महामारी को खत्म करने के प्रयासों में सहयोग देने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि एचआईवी के खिलाफ लड़ाई अभी समाप्त नहीं हुई है। यह आवश्यक है कि हम सभी मिलकर संक्रमित लोगों के लिए एक समावेशी, सहानुभूतिपूर्ण और जागरूक दुनिया बनाएं। कार्यक्रम का समापन हेल्थ यूनिट से कचिगुड़ा रेलवे स्टेशन तक रैली के माध्यम से हुआ, जिससे जनता में एड्स के प्रति जागरूकता फैल सके।

आईआईओएससी-2025 हैदराबाद में शुरू

हैदराबाद, 1 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। इंटरनेशनल इंडियन ओशन साइंस कॉन्फ्रेंस (आईआईओएससी-2025) सोमवार से शुरू हो गई, जिसका आयोजन पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय के अंतर्गत आईएनसीओआईएस द्वारा किया जा रहा है। सम्मेलन 5 दिसंबर तक चलेगा। यह आयोजन आईआईओई-2 के तहत पिछले 10 वर्षों की वैज्ञानिक प्रगति का उत्सव है, जिसमें नौ प्रमुख विषयों पर तकनीकी सत्र, वैश्विक विशेषज्ञों के प्लेनरी, तथा परियोजना प्रमुखों के प्रस्तुतिकरण शामिल हैं। एक विशेष प्लेनरी में आईआईओइ-2 के भविष्य के रोडमैप को प्रस्तुत किया जाएगा। अनुरूप तटीय अनुसंधान, समुद्री स्थानिक योजना और हिंद महासागर के समुदायों के साथ सहयोग बढ़ाने पर केंद्रित होगा। 15 देशों से 500 से अधिक प्रतिभागी सम्मेलन में हिस्सा ले रहे हैं।

बाघ के पैरों के निशान मिलने से दहशत

आसिफाबाद में ग्रामीणों ने सुरक्षा बढ़ाने और निगरानी की मांग की

कुमराम भीम, आसिफाबाद, 1 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। बेज्जुर मंडल केंद्र के आसपास सोमवार को बाघ के पैरों के निशान मिलने से स्थानीय निवासियों में दहशत फैल गई। ग्रामीणों ने बताया कि मंडल मुख्यालय के बाहरी इलाके में एक नाले के पास बड़े पैरों के ताज़ा निशान दिखाई दिए, जिसके बाद लोग सहमे हुए हैं और अकेले बाहर निकलने से बच रहे हैं। सूचना मिलते ही वन अधिकारी मौके पर पहुंचे और निशान की जांच की। अधिकारियों ने पुष्टि की कि ये निशान बाघ के हैं। उन्होंने ग्रामीणों से सतर्क रहने और समूह में ही बाहर निकलने की सलाह दी। अधिकारियों ने कहा कि वे बाघ की गतिविधि पर नज़र रखने के लिए पशु ट्रैकर तैनात कर रहे हैं। साथ ही इलाके में सीसीटीवी कैमरे भी लगाए जा रहे हैं ताकि उसकी गतिविधि रिकॉर्ड की जा सके। स्थानीय निवासियों ने वन विभाग से तुरंत सुरक्षा व्यवस्था बढ़ाने और हर संभव एहतियाती कदम उठाने की मांग की है। वन अधिकारियों ने आश्वासन दिया है कि स्थिति पर लगातार निगरानी रखी जाएगी और ग्रामीणों की सुरक्षा को प्राथमिकता दी जाएगी।

शमीरपेट पुलिस स्टेशन देश के टॉप 10 में शामिल

हैदराबाद, 1 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। साइबराबाद क्षेत्र के शमीरपेट पुलिस स्टेशन ने बड़ी उपलब्धि हासिल की है। यह स्टेशन देश के 10 सर्वश्रेष्ठ पुलिस स्टेशनों की सूची में सातवें स्थान पर चुना गया है और तेलंगाना में इसे पहला स्थान मिला है। हर साल गृह मंत्रालय देश भर के पुलिस थानों की रैंकिंग करता है। इस रैंकिंग के लिए कई मानक देखे जाते हैं–जैसे रिकॉर्ड का सही रखरखाव, शिकायतकर्ताओं से अच्छा व्यवहार, शिकायतों का समय पर समाधान, परिसर की सफाई, आसपास की सजावट, सीसीटीएनएस प्रणाली का सही उपयोग और पुलिसकर्मियों की पेशेवर क्षमता। इन सभी मानकों पर शमीरपेट पुलिस स्टेशन ने उत्कृष्ट प्रदर्शन किया, जिसके कारण उसे राष्ट्रीय स्तर पर यह सम्मान मिला।

बीसी समाज ने रैली में उठाई आवाज, 42 प्रतिशत आरक्षण लागू करे सरकार

हैदराबाद, 1 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। राज्यसभा सदस्य एवं राष्ट्रीय बीसी कल्याण संघ के अध्यक्ष आर. कृष्णैया ने आज हैदराबाद में आयोजित 'बीसी आत्म–सम्मान एवं धर्म–संग्राम रैली' के दौरान सरकार पर तीखा प्रहार करते हुए कहा कि बीसी आरक्षण में कटौती कर खुद को आदर्श बताना न केवल शर्मनाक बल्कि राजनीतिक धोखाधड़ी है।

उन्होंने आरोप लगाया कि राज्य बीसी आयोग द्वारा आरक्षण आवंटन में हुई अनियमितताओं और प्रतिशत कम होने की बात स्पष्ट रूप से व्यक्त किए जाने के बावजूद सरकार ने मनमाना और अलोकतांत्रिक रवैया अपनाया। उन्होंने इसे रेवंत सरकार की निरंकुश प्रवृत्ति का प्रमाण बताया। रैली इंदिरा पार्क से टैंक बंड स्थित डॉ. भीमराव अंबेडकर की प्रतिमा तक भव्य रूप से आयोजित की गई।

इसमें प्रमुख रूप से बीआरएस विधानमंडल दल के नेता सिरिकोंडा मधुसूदनाचारी, राज्य बीसी आयोग के पूर्व अध्यक्ष डॉ. वकुलाभरणम कृष्णमोहन राव, भाजपा ओबीसी मोर्चा के राज्य अध्यक्ष आनंद गौड़, बीसी कल्याण संघ के राष्ट्रीय समन्वयक डॉ. यर्रागा ऋषि अरुण कुमार साथ ही छात्र, महिला, युवा एवं कर्मचारी संगठन, बुद्धिजीवी और विभिन्न राजनीतिक दलों के वरिष्ठ नेता उपस्थित थे। रैली का नेतृत्व बीसी युवा संघ के प्रदेश अध्यक्ष जिललेपल्ली अंजी और बीसी छात्र संघ के राज्य संयोजक मोदी रामदेव ने किया।

आर. कृष्णैया ने चुनावों को तुरंत स्थगित कर 42 प्रतिशत बीसी आरक्षण लागू करने की ठोस कार्रवाई करने की मांग की। उन्होंने कहा, जो सरकार अपना वादा निभाने में असमर्थ हो, वह जनता की सरकार कैसे कहलाई जा सकती है?

उन्होंने चेतावनी दी कि जनता के आत्म–सम्मान को ठेस पहुंचाने की घटनाएं अन्य देशों में हुई, उन्हें सरकार को स्मरण रखना चाहिए। सिरिकोंडा मधुसूदनाचारी ने आंदोलन को पूर्ण समर्थन दिया और तत्काल कदम उठाने की मांग की। डॉ. वकुलाभरणम कृष्णमोहन राव ने आरोप लगाया कि रेवंत सरकार विधान सभा, उच्च न्यायालय और जनता को भ्रमित कर निरंकुश शासन चला रही है। उन्होंने कहा कि सीपेक सर्वे के गलत आंकड़ों के कारण बीसी आरक्षण प्रतिशत कम हुआ, और इसे विशेष आयोग के वास्तविक आंकड़ों के आधार पर तय किया जाना चाहिए।

विधानसभा सत्र के पहले दिन विधायकों ने ली शपथ–सदन स्थगित

पटना, 1 दिसंबर (एजेंसियां)। बिहार में 18वीं विधानसभा का पहला सत्र आज से शुरू हो गया है। पहले दिन सदन की कार्यवाही शुरू होते ही विधानसभा चुनाव में जीत कर आये विधायकों ने एक एक कर शपथ लिया। करीब छह विधायक शपथ नहीं ले पाए। वह मंगलवार को शपथ लेंगे। प्रोटेम स्पीकर नरेंद्र नारायण यादव सभी को शपथ दिलाईं। डिप्टी सीएम सम्राट चौधरी और नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव ने शपथ लिया। इस बार तेजस्वी यादव का अलग अंदाज देखने को मिला। उन्होंने सम्राट चौधरी से हाथ मिलाया और सीएम नीतीश कुमार से इशारों में बात की। वहीं शपथ लेने के बाद मंत्री रामकृपाल यादव तेजस्वी से गले मिले।

इधर, डिप्टी सीएम विजय सिन्हा ने शपथ लेने के बाद सीएम नीतीश कुमार का पैर छूकर उनसे आशीर्वाद लिया। वहीं आठवीं बार जीतकर सदन पहुंचे प्रेम कुमार ने सदन को नमन किया तब अंदर गए। बाहुबली राजवल्लभ यादव की पत्नी और जदयू विधायक विभा देवी ठीक से शपथ नहीं पढ़ पाईं। वहीं मोकामा विधायक अनंत सिंह आज शपथ लेने जेल से नहीं पहुंच पाए। इधर, सदन के अंदर पहली पंक्ति में सीएम नीतीश कुमार के साथ डिप्टी सीएम सम्राट चौधरी, विजय सिन्हा, मंत्री विजय चौधरी, विजेंद्र यादव, श्रवण कुमार, मंगल पांडेय और दिलीप जायसवाल बैठे दिखे। इधर, विधानसभा अध्यक्ष पद के लिए विधायक

प्रेम कुमार ने नामांकन कर दिया है।

इन विधायकों ने उर्दू और मैथिली में ली शपथ

इस बार विधायक अरुण शंकर प्रसाद, सुजीत पासवान, विनोद नारायण झा, आसिफ़ अहमद, माधव आनंद, मीणा कुमारी, नीतीश मिश्रा और सबसे कम उम्र की विधायक मैथिली ठाकुर ने मैथिली भाषा में शपथ ली। मैथिली ठाकुर ने मिथिला पेंटिंग वाली साड़ी और पाग पहन कर आईं। वहीं विधायक आबिदुर रहमान, कमरूल होदा, सरबर आलम, विधायक व एआईएमआईएम के प्रदेश अध्यक्ष अख्तरुल ईमान और विधायक मुर्शीद आलम ने उर्दू में शपथ ली। इस बार सदन की तस्वीर काफी बदली हुई है। चुनाव में राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन को बहुमत मिला। इनके 202 विधायक इस बात जीतकर आये हैं। वही महागठबंधन के 35 विधायक ही इस बार सदन पहुंच पाए हैं। पिछली विधानसभा की तुलना में इस बार विपक्ष संख्या बल में कमजोर है। हालांकि इसके बावजूद विपक्ष के नेता सरकार को गर्ने में कोई कसर छोड़ना नहीं चाहते हैं। इसको लेकर तेजस्वी यादव के नेतृत्व में महागठबंधन की बैठक भी हो चुकी है। विपक्ष बढ़ते अपराध और रोजगार के मुद्दे पर सरकार को गिरने की तैयारी में है।

इधर, इस बार विधानसभा में कई बड़े बदलाव किए गए हैं। सदन पूरी तरह से पेपरलेस हो गया है। अब विधायकों का सवाल पूछना, जवाब प्राप्त करना, भाषण देना और अन्य सभी काम डिजिटल फॉर्मेट में टैबलेट के माध्यम से होंगे। विधानसभा अध्यक्ष, सचिव और अन्य अधिकारियों को भी टैबलेट दिए गए हैं। विधानसभा अध्यक्ष टैबलेट की मदद से सदन की कार्यवाही संचालित करेंगे। विधानसभा में कुल 243 विधायक अपनी सीट पर टैबलेट का इस्तेमाल करेंगे। उनके भाषण और सवाल पहले ऐप पर अपलोड होंगे, जिन्हें जरूरत के अनुसार सदन में इस्तेमाल किया जाएगा। इस तरह पूरा सदन हाईटेक और आधुनिक बन गया है। ऐसा बिहार विधानसभा में पहली बार हो रहा है। इसके लिए सारी तैयारी पूरी हो चुकी है।

पांच दिसंबर तक चलेगा सत्र

बिहार चुनाव के बाद बुलाए गए सत्र पहले दिन यानी एक दिसंबर को विधायकों का शपथग्रहण होगा। वहीं दो दिसंबर को विधानसभा के अध्यक्ष पद का चुनाव होगा। अध्यक्ष पद की रेस में भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता प्रेम कुमार का नाम सबसे आगे हैं। हालांकि, जनता दल यूनाईटेड इस बार अपने पास विधानसभा अध्यक्ष का पद रखना चाहती है।

इस पर मंथन चल रहा है। अगले 24 घंटे के अंदर अध्यक्ष पद पर तस्वीर पूरी तरह साफ हो जाएगी। तीन दिसंबर को राज्यपाल का अभिभाषण होगा। चार दिसंबर को सरकार का फ्लोर टेस्ट और पांच दिसंबर को विनियोग विधेयक पेश किया जाएगा।

बाहुबली की पत्नी विभा देवी नहीं पढ़ पाईं शपथ

पास बैठी जेडीयू विधायक से बोलीं-छुटकी पढ़ ना, बता ना; पीछे मुड़कर देखते रहे सभी एमएलए

पटना, 1 दिसंबर (एजेंसियां)। 18वीं विधानसभा के पहले सत्र में नवनिर्वाचित सदस्यों ने शपथ ली। बाहुबली राजबल्लभ की पत्नी और नवादा से जदयू विधायक विभा देवी शपथ पत्र नहीं पढ़ पाईं। अटक-अटक के किसी तरह से शपथ पढ़ रही थीं। इस बीच उन्होंने पास बैठी विधायक मनोरमा देवी से बताने को कहा। फिर मनोरमा देवी के प्रॉम्प्ट करने के बाद उन्होंने टूट-फूटे शब्दों में शपथ ली।

वहीं बाहुबली अशोक महतो की पत्नी और वारिसलीगंज विधायक अनीता देवी ने बहुजन के नेताओं कोट करते हुए शपथ लेना शुरू किया। उन्होंने कहा, मैं बहुजन समाज की बेटी अनीता, रुहानी आशीर्वाद लेते हुए बाबा साहब को यादव करते हुए शपथ लेती हूं.... जिसके बाद प्रोटेम स्पीकर ने उन्हें टोका। उन्होंने दोबारा अपना नाम लेते हुए शपथ पढ़ी। बेतिया से बीजेपी विधायक और पूर्व डिप्टी सीएम रेणु देवी ने सदन में गलत शपथ ली। जिसके बाद प्रोटेम स्पीकर ने उन्हें टोका और फिर से शपथ पढ़वाई।

शपथ के बाद तेजस्वी के गले मिले रामकृपाल यादव

इससे पहले सदन की कार्यवाही शुरू होने पर सबसे पहले मंत्रियों को शपथ दिलाई गई ली। सम्राट चौधरी की शपथ के बाद तेजस्वी ने अपनी सीट पर खड़े होकर उनका अभिवादन किया। तेजस्वी ने सम्राट चौधरी से हाथ मिलाया। शपथ लेने के बाद डिप्टी सीएम विजय सिन्हा ने सीएम नीतीश के पैर छुए। वहीं विपक्ष के नेता तेजस्वी से गले मिले। सीएम और तेजस्वी के बीच इशारों में बात हुई। शपथ के बाद रामकृपाल यादव तेजस्वी यादव के गले मिले।

अनंत सिंह समेत 6 विधायक की शपथ बाकी

मोकामा से निर्वाचित जदयू विधायक अनंत सिंह आज की कार्यवाही में शामिल नहीं हुए हैं। चुनाव के दौरान हुई राजद नेता दुलारचंद की हत्या के आरोप में वे जेल में हैं। सदन की कार्यवाही कल मंगलवार तक के लिए स्थगित कर दी गई है। आज 6 विधायक सदन नहीं पहुंचे, जिन्हें कल शपथ दिलाई जाएगी।

सारण में मुठभेड़, बिहार पुलिस ने कुख्यात शिकारी राय को मारी गोली

एक दिन पहले हत्या कर भागा था

सारण, 1 दिसंबर (एजेंसियां)। बिहार में नई सरकार के गठन और उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी के गृह मंत्री बनने के बाद से बिहार पुलिस एक्शन में है। अब छपरा में सारण पुलिस द्वारा रविवार की सुबह में सारण पुलिस, एसटीएफ और कुख्यात अपराधी नंद किशोर राय उर्फ़ शिकारी राय के बीच मुठभेड़ हो गई। जिसमें कई संगीन हत्या के आरोपी शिकारी राय के पैर में गोली लगी है। हालांकि, पुलिस ने उसे मौके से ही पकड़ कर एम्बुलेंस से सदर अस्पताल पहुंचाया है। जहां पुलिस की निगरानी में उसका इलाज चल रहा है। बताया जाता है कि रविवार की शाम को एक शख्स की अज्ञात हथियारबंद अपराधियों ने दौड़ा कर नजदीक से सिर में गोली मारकर हत्या कर दी थी। जिसके बाद सारण पुलिस एक्शन में आकर हत्या की तहकीकात में जुट गई थी। उसके बाद सीसीटीवी फुटेज एक आधार पर मुफ्फसिल थाना क्षेत्र के बिशनपुर इलाके में सारण पुलिस और गठित एसआईटी की टीम ने छापेमारी करने पहुंची थी। जहां से शिकारी राय को पकड़ लिया, लेकिन हथियार रिकवर करवाने के दौरान उसने अंधाधुंध फायरिंग शुरू कर दी। जवाबी कार्रवाई में पुलिस ने भी फायरिंग की है।

जमीन के लालच ने छीनी जान

पूर्णिया, 1 दिसंबर (एजेंसियां)। पूर्णिया में जमीन के स्वामित्व को लेकर चल रहे विवाद ने एक परिवार के लिए ऐसी खूनी दास्तान लिख दी, जिसकी कल्पना भी नहीं की जा सकती। पूर्णिया जिले के कुंवारी सातमी बीन टोला स्थित घर में घुसकर 60 वर्षीय सकलदेव महतो की कुदाल से पीट-पीटकर नृशंस हत्या कर दी। इस जघन्य वारदात के बाद इलाके में सनसनी फैल गई और भय का माहौल व्याप्त हो गया। सभी आरोपी कटिहार जिले के फलका थाना क्षेत्र के कलीसिया गांव की रहने वाला है। मृतक सकलदेव महतो की पुत्री रूबी देवी ने घटना के संबंध में जानकारी देते हुए बताया कि विवादित जमीन को उनके पिता ने काबाला के आधार पर वैध रूप से खरीदा था। इसके बावजूद, दूसरे पक्ष के लोग लंबे समय से इस जमीन पर अतिक्रमण करने की नीयत से उन पर दबाव बना रहे थे। रूबी देवी के अनुसार, रविवार को यह तनाव हिंसक रूप ले लिया।

संवाद, संवेदनशीलता और सकारात्मकता से बनेंगे प्रभावी पुलिस अधिकारी : सीएम योगी

लखनऊ, 1 दिसंबर (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने भारतीय पुलिस सेवा (आईपीएस) 2023 और 2024 बैच के प्रशिक्षु अधिकारियों को सफल, प्रभावी और सिटीजन सेंट्रिक पुलिस अधिकारी बनने के लिए 'संवाद, संवेदनशीलता और सकारात्मकता' का मंत्र दिया है।

सोमवार को 23 प्रशिक्षु अधिकारियों के साथ औपचारिक भेंट के दौरान उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश जैसा विशाल राज्य पुलिस के लिए अनेक चुनौतियां लेकर आता है, इसलिए प्रशिक्षु अवधि को सीखने, समझने और अपने पुलिसिंग मॉडल को मजबूत बनाने का सुनहरा अवसर मानें। सीएम योगी ने कहा कि जनपदों में प्रशिक्षण के दौरान यह सीखना सबसे आवश्यक है कि वास्तविक समस्याओं का प्रभावी और संतुष्टिपरक समाधान कैसे किया जाए। उन्होंने जोर देकर कहा कि पुलिस हमेशा फर्स्ट रिस्पांडर होती है। आपकी तत्परता, भाषा और प्राथमिकता पर ही पीड़ित का विश्वास टिका होता है। उन्होंने प्रशिक्षुओं को यह सलाह दी कि प्रशिक्षण अवधि में थाने का चार्ज, उसके प्रशासन, विवेचना, ड्यूटी मैनेजमेंट और स्थानीय विवादों की प्रकृति को बहुत बारीकी से समझें। थाना पुलिसिंग की नींव है। ह्यूमन इंटेलिजेंस आज भी किसी भी पुलिस अधिकारी का सबसे बड़ा हथियार है। स्थानीय लोगों से संवाद, फील्ड में उपस्थिति और विश्वास ही आपको मजबूत बनाते हैं। मुख्यमंत्री ने 'थाना, सर्किल तथा पुलिस लाइन' तीनों की कार्यप्रणाली, संसाधनों और चुनौतियों को समझने पर बल दिया। उन्होंने कहा कि इन तीनों स्तरों का सामंजस्य ही किसी जिले की सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत करता है।

जनप्रतिनिधियों के साथ संवाद को लेकर मुख्यमंत्री ने कहा कि यह संवाद गरिमापूर्ण और संयत होना चाहिए। कैजुअल अप्रोच पुलिस अधिकारी के लिए उचित नहीं है।

'सदन नहीं चलता तो लोगों को होती निराशा'

गुलाम नबी आजाद बोले- मुद्दों पर बात का रहता है इंतजार

लखनऊ, 1 दिसंबर (एजेंसियां)। डेमोक्रेटिक प्रोग्रेसिव आजाद पार्टी (डीपीएपी) के अध्यक्ष गुलाम नबी आजाद सोमवार को राजधानी लखनऊ पहुंचे। उन्होंने संसद के शीतकालीन सत्र को लेकर सरकार को घेरा। कहा कि सदन नहीं चल रहा है। मेरी हमेशा कोशिश रही है कि सदन चले। सदन चलने के लिए और लोगों की आवाज उठाने के लिए है। उन्होंने कहा कि लोग इंतजार करते हैं कि सत्र कब चलेगा। किसान सोचता है कि वहां हमारे मुद्दों पर बात होगी। मजदूर और गरीब सोचता है कि उनके बारे में बात होगी। लेकिन, सदन चल ही नहीं पाता तो लोगों को बहुत निराशा होती है। उन्होंने आगे कहा कि जब विपक्ष वॉकआउट करते हैं तो वो सरकार की मदद करते हैं, वो सरकार के खिलाफ नहीं होता।

अलीगढ़ में बना पूर्व पीएम के करीबी पूर्व सांसद का फर्जी मृत्यु प्रमाण पत्र, रिपोर्ट दर्ज

अलीगढ़, 1 दिसंबर (एजेंसियां)। पूर्व प्रधानमंत्री वीपी सिंह के बेहद करीबियों में शामिल रहे पूर्व राज्यसभा सदस्य स्व. वसीम अहमद का अलीगढ़ में फर्जी मृत्यु प्रमाण पत्र बन गया। इस मामले में उनकी पत्नी व साले पर फर्जीवाड़ा करने का आरोप है।

साथ में नगर निगम की भूमिका भी संदिग्ध है। इसकी शिकायत के आधार पर एक तरफ नगर निगम ने जांच शुरू कर दी है। वहीं प्रारंभिक रूप में फर्जीवाड़ा स्पष्ट प्रतीत होने पर पुलिस ने पत्नी व साले पर प्राथमिकी दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। सिविल लाइंस थाने में रिपोर्ट कराते हुए नगला रोड दोदपुर उमर अपार्टमेंट के भाजपा नेता सैय्यद अशहर इस्लाम राजा ने कराई है, जिसमें कहा है कि उनके मामा पूर्व सांसद वसीम अहमद का करीब 70 वर्ष की आयु में 26 अप्रैल 2021 को सिविल लाइंस स्थित अपने घर पर कोविड काल में हृदयाघात से देहांत हुआ था। उससे पहले उनके मामा ने जून 2014 में दिल्ली के अबुल फजल एंकलेब शाहीन बाग हाल जेद्दा सऊदी अरब निवासी शिक्षिका फराह बानो से 65 वर्ष की आयु में निकाह किया था।

मौलाना तौकीर के करीबियों पर शिकंजा

दो बरातघरों पर चल सकता है बीडीए का बुलडोजर; नोटिस जारी

बरेली, 1 दिसंबर (एजेंसियां)। बरेली में बवाल के आरोपी मौलाना तौकीर रजा के दो करीबियों पर शिकंजा कसने की तैयारी है। पुराना शहर के सूफी टोला स्थित दो बारातघरों के ध्वस्तीकरण का नोटिस रविवार को वायरल हुआ। बरेली विकास प्राधिकरण (बीडीए) के सचिव ने एसएसपी को पत्र लिखकर सूफी टोला के गुड मैरिज हॉल और ऐवान-ए-फरहत बरातघर के ध्वस्तीकरण के लिए पुलिस बल मांगा।

बारादरी थाना पुलिस ने फिलहाल ऐवान-ए-फरहत बरातघर संबंधी नोटिस मिलने की पुष्टि की। इसी क्रम में थाना पुलिस की टीम सोमवार सुबह मौके पर पहुंच गई। गुड मैरिज हॉल के संचालक ने बरातघर से सामान बाहर निकालना शुरू कर दिया।

बिहार विधानसभा के अध्यक्ष डॉ. प्रेम कुमार होंगे विपक्ष की ओर से नामांकन भी नहीं

पटना, 1 दिसंबर (एजेंसियां)। बिहार विधानसभा अध्यक्ष डॉ. प्रेम कुमार ही होंगे। पहले ही बताया था कि इस पद को लेकर जनता दल यूनाईटेड और भारतीय जनता पार्टी के अंदर कोई गतिरोध नहीं है। सोमवार को बिहार विधानसभा के विशेष सत्र के पहले दिन प्रोटेम स्पीकर के सामने तेजस्वी यादव के पहले और मंत्रियों के बाद विधायक के रूप में डॉ. प्रेम कुमार ने शपथ ली थी। और, अब उन्होंने बिहार विधानसभा अध्यक्ष के रूप में चयन के लिए राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन के प्रत्याशी के रूप में नामांकन दाखिल कर दिया है। इसके साथ ही सभी तरह की अफवाहों पर विराम लग गया है।

नामांकन के बाद डॉ. प्रेम कुमार ने क्या कहा?

विधानसभा अध्यक्ष पद पर नामांकन करने के बाद गया टाउन के भारतीय जनता पार्टी विधायक डॉ. प्रेम कुमार ने कहा कि एनडीए नेतृत्व और पार्टी ने मुझ पर भरोसा जताया है। उनके आदेश के बाद मैंने अपना नामांकन कर दिया है। कल परिणाम आएगा। मैं सभी का धन्यवाद करता हूं। नवीं बार विधायक चुनकर यहां पहुंचा हूं, इसलिए जनता जनार्दन का भी मैं धन्यवाद करता हूं। जिन विधायकों ने आज शपथ लिया और जो बच गए, उन्हें भी मैं शुभकामना देता हूं।

202 के मुकाबले विपक्ष 35... इसलिए नामांकन भी नहीं

बिहार विधानसभा चुनाव 2025 का परिणाम 14 नवंबर को आया था। इसमें राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन के पांच दलों को मिलाकर 202 सीटें आई थीं। दूसरी तरफ विपक्षी महागठबंधन में कांग्रेस सहित 35 सीटें हासिल हुई थीं। असद्दुदीन ओवैसी की पार्टी के पांच और मायावती की बहुजन समाज पार्टी के एक विधायक बने। इस तरह अगर विपक्ष में इन्हें भी जोड़ लिया जाए तो 41 सीटें होती हैं।

एसआईआर पर जुबानी जंग : क्या बीएलओ की मौतें भी नाटक हैं?

पीएम मोदी के 'ड्रामा नहीं डिलीवरी' तंज पर अखिलेश ने पूछा

नई दिल्ली, 1 दिसंबर (एजेंसियां)। संसद के शीतकालीन सत्र की हंगामेदार शुरुआत हुई है। एसआईआर के मुद्दे पर विपक्ष का हंगामा हुआ। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा विपक्ष पर 'ड्रामा नहीं, डिलीवरी' के तंज पर समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष और सांसद अखिलेश यादव ने तीखा पलटवार किया है। उन्होंने कहा कि 'वोटर लिस्ट में सुधार' (एसआईआर) की प्रक्रिया को गंभीरता से किया जाना चाहिए, न कि इसे एक 'ड्रामा' समझा जाए।' अखिलेश ने यह भी सवाल उठाया कि क्या बीएलओ (बूथ लेवल ऑफिसर) की मौतें भी 'ड्रामा' हैं? समाजवादी पार्टी के सांसद अखिलेश यादव ने कहा कि डेमोक्रेसी तभी मजबूत होगी जब हमसे वोट देने का हमारा अधिकार न छीना जाए। एसआईआर की चिंता आज सच होती जा रही है। अगर वोट कट जाएगा, तो कोई अपना सपना कैसे पूरा करेगा। मुझे जानकारी मिली है कि उन्होंने (भाजपा) नोएडा में बड़ी आईटी कंपनियों को हायर किया है और उनके जरिए उनके पास (यूपी में) वोटर लिस्ट की डिटेल्स हैं। यह चल रहा है। एसआईआर डेमोक्रेसी को मजबूत करने के लिए नहीं बल्कि वोट काटने के लिए है। जमीन पर बीएलओ फॉर्म भी नहीं भर पा रहे हैं। उनमें से कई स्ट्रेस में हैं। जब यूपी में तुरंत कोई चुनाव नहीं है, तो इतनी जल्दी क्यों?

दादी का कत्ल : शादी के रुपयों में से दस हजार चुराए

खरीदवाए तमंचा-कारतूस; पोती ने प्रेमी से इसलिए कराई हत्या

अलीगढ़, 1 दिसंबर (एजेंसियां)। अलीगढ़ के जवां के गांव चंदौखा में बुजुर्ग महिला चंद्रवती (65) की हत्या पोती रूबी ने अपनी शादी टालने के लिए अपने बाइक मिस्त्री प्रेमी रविशंकर से कराई थी। मगर हत्या का भेद न खुलने के चलते उसकी शादी नहीं टल सकी। हत्या के एक सप्ताह बाद परिवार ने रूबी की शादी कर ससुराल विदा कर दिया।

अब जब हत्या के 21वें दिन यह खुलासा हुआ तो पुलिस ने रूबी व उसके प्रेमी रविशंकर को जेल भेज दिया है। इस खुलासे पर परिवार हैरान है। सीओ तृतीय सर्वम सिंह के अनुसार, ये घटनाक्रम 11 नवंबर की शाम का है। ग्रामीण वीरी सिंह की पत्नी चंद्रवती जब घेर से पशुओं को घर लाने गई थीं। तभी शाम करीब 8:30 बजे वह गांव के तिराहे पर घायल अवस्था में बेसुध पड़ी मिलीं। परिजन उन्हें क्वार्सी स्थित ट्रामा सेंटर लेकर पहुंचे। जहां महिला को मृत घोषित करते हुए बताया कि महिला के

सिर में गोली लगी है। इस पर परिवार ने अज्ञात में मुकदमा दर्ज कराया था। मगर किसी तरह की रंजिश जांच में उजागर नहीं हुई। सीओ के अनुसार, इसी बीच मोबाइल सर्विलांस की मदद से गांव कस्तली के रविशंकर का नंबर संदिग्ध पाया गया।

जब रविशंकर के विषय में जांच की तो उस पर शक गहराया। इसी क्रम में रविशंकर को हिरासत में लेकर पूछताछ हुई तो वह टूट गया। उसने मृत चंद्रवती की रिश्ते की पोती रूबी के कहने पर हत्या करना और रूबी से प्रेम संबंध होना स्वीकारा। इसके बाद पुलिस ने रूबी को पूछताछ के लिए बुलाया तो वह भी टूट गई। रूबी ने स्वीकारा कि घर में मौत हो जाएगी तो शौक होने के चलते शादी टल जाएगी और इस बीच वह दोनों शादी कर लेंगे। इसी साजिश के तहत हत्या की गई। दोनों की स्वीकारोक्ति के आधार पर हत्या का खुलासा करते हुए रविवार को दोनों को जेल भेज दिया गया। हत्या के बाद 18 नवंबर को रूबी की शादी हुई और वह अपनी ससुराल भी चली गई।

यूपी में छह की मौत : हाईवे पर बिखरीं लाशें...तड़पते रहे घायल

बस ने 40 मीटर तक घसीटा ऑटो; शवों की हाल देख कांपे

मुरादाबाद, 1 दिसंबर (एजेंसियां)। दिल्ली-लखनऊ हाईवे पर दोपहर साढ़े तीन बजे मेरठ से गोरखपुर जा रही तेज रफ्तार रोडवेज बस ने ओवरटेक करते समय ऑटो में टक्कर मार दी। प्रत्यक्षदर्शियों की माने तो ऑटो बस के बंपर में फंस गया था।

बावजूद इसके बस चालक ने रफ्तार कम नहीं की। करीब 40 मीटर से भी ज्यादा दूरी तक बस ऑटो को घसीटते हुए ले गई। हाईवे पर दूर तक लाशें बिखर गईं और घायल चीखपुकार मचाते रहे। कुछ घायल ऑटो में ही बुरी तरह फंस गए थे। पुलिस ने राहगीरों की मदद से सभी को एंबुलेंस के जरिए अस्पताल भिजवा दिया।

बीएलओ की दिक्कतों और आत्महत्या जैसी घटनाओं पर गंभीर संवाद की दरकार : मायावती

लखनऊ, 1 दिसंबर (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश में एसआईआर की प्रक्रिया के दौरान बीएलओ की ओर से आत्महत्या करने की घटनाओं पर बहुजन समाज पार्टी (बसपा) की राष्ट्रीय अध्यक्ष मायावती ने चिंता जताई है।

उन्होंने मांग उठाई कि संसद के शीतकालीन सत्र के दौरान बीएलओ समेत प्रमुख मुद्दों पर सही से चर्चा होनी चाहिए। बसपा मुखिया मायावती ने सोमवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर लिखा, संसद का शीतकालीन सत्र आज से शुरू हो रहा है, जिसके हर सत्र की तरह इस बार भी काफी हंगामेदार होने की संभावना व्यक्त की जा रही है। उन्होंने लिखा, हमारी पार्टी चाहती है कि संसद के दोनों सत्र सुव्यवस्थित व शांतिपूर्ण तरीके से संचालित हों। देश व जनहित के जरूरी मुद्दों पर, खासकर राजधानी दिल्ली आदि में वायु प्रदूषण के कारण आ रही भारी परेशानी और मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) को लेकर व्यावहारिक तौर पर हो रही परेशानियों, आपत्तियों व इस कार्य के मुख्य कर्ताधर्ता बीएलओ की दिक्कतों, उनकी ओर से की जा रही खुदकुशी की दुखद घटनाओं पर सही से चर्चा हो सके। साथ ही साथ, इन समस्याओं का उचित समाधान निकलने की दिशा में सार्थक प्रयास हो सके। उन्होंने आग्रह करते हुए कहा कि सिर्फ आरोप-प्रत्यारोप लगाने से काम नहीं चलेगा, बल्कि व्यापक देश व जनहित साधने के लिए संसद को सुचारू रूप से चलाने के लिए सत्ता और विपक्ष दोनों को राजनीतिक स्वार्थ से ऊपर उठकर पूरी तरह से संवेदनशील और गंभीर होने की जरूरत है।

तेज रफ्तार कार पलटी, व्यापारी की पत्नी की मौत

तीन गंभीर घायल; दिल दहला देगा हादसे का वीडियो

बरेली, 1 दिसंबर (एजेंसियां)। बरेली के आईवीआरआई परिसर में शनिवार रात आयोजित बिस्मिल नाइट से लौटते वक्त तेज रफ्तार कार इज्जतनगर थाने के पास सड़क किनारे नाले में पलट गई। हादसे में मॉडल टाउन निवासी कपड़ा व्यापारी की पत्नी की मौत हो गई। खुद व्यापारी व उनके साथ मौजूद कोचिंग संचालक दंपती गंभीर घायल हो गए। इनमें से एक को दिल्ली रेफर किया गया है। दर्दनाक हादसा हादसा वहां लगे सीसीटीवी कैमरे में रिकॉर्ड हो गया। मॉडल टाउन निवासी हर्षुल अरोड़ा की प्रेमनगर में कपड़े की दुकान है। वह पत्नी 30 वर्षीय शीतू के साथ बिस्मिल नाइट में शामिल होने आईवीआरआई गए थे। रात करीब 12 बजे वहां से लौट रहे थे। हर्षुल के दोस्त मॉडल टाउन के ही निवासी कोचिंग संचालक पारसखेड़ा और पारस की पत्नी भावना खेड़ा भी साथ थीं। लग्जरी कार में दोनों दंपती लौट रहे थे।

बिहार चुनाव में हार से महागठबंधन में संग्राम

आरजेडी-कांग्रेस में तकरार; आरोप-प्रत्यारोप का दौर शुरू

पटना, 1 दिसंबर (एजेंसियां)। विधानसभा चुनावों में मिली करारी हार के बाद महागठबंधन में आरोप-प्रत्यारोप का दौर शुरू हो गया है। सत्तारूढ़ एनडीए ने 243 सदस्यीय विधानसभा में 200 से अधिक सीटें जीतकर सत्ता बरकरार रखी, जबकि विपक्षी खेमे को भारी नुकसान झेलना पड़ा।

अब कांग्रेस और राजद एक-दूसरे को हार का जिम्मेदार ठहराने में जुट गए हैं।

सप्ताह की शुरुआत में विवाद तब गहराया, जब कांग्रेस के कई नेताओं ने दिल्ली में हाईकमान की समीक्षा बैठक के दौरान खुलकर कहा कि पार्टी को राजद से गठबंधन करने की बजाय अकेले चुनाव लड़ना चाहिए था।

कांग्रेस विधायक दल के पूर्व नेता शकील अहमद खान ने दावा किया कि पार्टी के 61 उम्मीदवारों में से अधिकांश का मानना है कि राजद के साथ गठबंधन ने कांग्रेस के प्रदर्शन को कमजोर किया। हालांकि 61 उम्मीदवारों में से केवल छह ही चुनाव जीत पाए। खान खुद कदवा सीट से हैट्रिक की उम्मीद लगाए बैठे थे, लेकिन उन्हें जदयू के दुलाल चंद्र गोस्वामी ने हरा दिया। कांग्रेस सूत्रों के अनुसार, एनडीए के प्रचारित 'जंगलराज' वाले नैरेटिव ने राजद ही नहीं, बल्कि पूरे महागठबंधन की छवि पर असर डाला। इसके अलावा, लालू प्रसाद की पार्टी के साथ जुड़ाव ने उन ऊंची जाति के मतदाताओं को भी दूर किया, जो पहले कांग्रेस के समर्थक माने जाते थे।

विधानसभा सत्र से पहले एकता दिखाने की कोशिश...

हालांकि, बढ़ते मतभेदों के बीच महागठबंधन ने एकजुटता का प्रदर्शन भी किया। शनिवार को हुई बैठक में सभी दलों ने सर्वसम्मति से तेजस्वी यादव को अपना नेता चुना। कांग्रेस की ओर से तीन प्रतिनिधि बैठक में मौजूद थे, जबकि उसके चार विधायक दिल्ली में होने के कारण शामिल नहीं हो सके।

कांग्रेस अकेले लड़कर देख ले, औकात पता चल जाएगी : राजद

राजद ने कांग्रेस के आरोपों पर तीखी प्रतिक्रिया दी है। पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष मंगनी लाल मंडल ने कहा, अगर कांग्रेस अकेले चुनाव लड़ना चाहती है तो जरूर लड़े, उसे अपनी औकात पता चल जाएगी। उन्होंने दावा किया कि कांग्रेस को जो भी वोट मिले, वह राजद की वजह से ही हैं।

उन्होंने 2020 के चुनाव का हवाला देते हुए कहा कि कांग्रेस 70 सीटों पर लड़कर केवल 19 जीत पाई थी। चुनाव के दौरान सीट-बंटवारे को लेकर भी महागठबंधन में असहमति देखने को मिली थी और लगभग एक दर्जन सीटों पर 'फ्रेंडली फाइट' हुई।

भाजपा ने इस असमंजस का पूरा फायदा उठाया और अब नए विवाद पर भी टिप्पणी करते हुए राष्ट्रीय प्रवक्ता शाहनवाज हुसैन ने कहा कि कांग्रेस और राजद का गठबंधन विचारधारा और उद्देश्यहीन है।

ब्वॉयफ्रेंड की लाश से की शादीः प्रेमी के नाम का भरा सिंदूर

प्रेमिका आंचल ने बताई हॉरर किलिंग की दर्दनाक कहानी

मुंबई, 1 दिसंबर (एजेंसियां)। महाराष्ट्र के नांदेड में एक ऐसी वारदात सामने आई जिसने पूरे क्षेत्र को हिला दिया। एक लड़की आंचल ने अपने प्रेमी सक्षम टेटे की खून से सनी लाश के सामने सिंदूर भरकर उससे शादी की। यह कदम उसने तब उठाया जब उसके पिता और भाइयों पर उसके प्रेमी की हत्या करने का आरोप लगा। यह पूरा मामला कथित ऑनर किलिंग से जुड़ा बताया जा रहा है, जिसमें जातिगत भेदभाव और परिवार की नफरत ने एक युवा की जान ले ली। घटना ने पुलिस की भूमिका पर भी गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। आंचल ने बताया कि वह और सक्षम तीन साल से एक-दूसरे के साथ थे। सक्षम अनुसूचित जाति से था, और इसी वजह से उसके परिवार ने इस रिश्ते को कभी स्वीकार नहीं किया। लड़की का आरोप है कि उसके पिता और भाइयों ने कई बार सक्षम को धमकाया था।

कमजोर हुआ 'दित्वाह'

श्रीलंका में फंसे भारतीयों का आखिरी बेड़ा सुरक्षित वापस आया

नई दिल्ली, 1 दिसंबर (एजेंसियां)। बंगाल की खाड़ी में बना चक्रवात दित्वाह अब कमजोर होकर गहरे दबाव में बदल गया है और उत्तर दिशा में 10 किमी/घंटा की रफ्तार से बढ़ रहा है। मौसम विभाग (आईएमडी) के अनुसार रात दो बजे जारी अपडेट के अनुसार, गहरे दबाव का केंद्र तमिलनाडु और पुडुचेरी तट से करीब 50 किमी दूर था।

इस बीच उत्तरी तमिलनाडु, पुडुचेरी और दक्षिण आंध्र प्रदेश के तटीय इलाकों के लिए रेड अलर्ट जारी किया गया। वहीं आपदा प्रबंधन मंत्री केकेएसएसआर रामचंद्रन ने बताया कि तमिलनाडु में बारिश से जुड़ी तीन मौतें हुई हैं।

कोलंबो से फंसे भारतीय घर लौटे

इसी बीच श्रीलंका के कोलंबो के बंदरनाइक इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर फंसे भारतीय यात्रियों का अंतिम बेड़ा आज भारत पहुंच गया। भारतीय वायु सेना के विमान से 104 भारतीय यात्री सुबह करीब 6.30 बजे त्रिवेंद्रम (तिरुवनंतपुरम) पहुंचे। यह वापसी ऑपरेशन सागर बंधु के तहत की गई, जिसका उद्देश्य विदेशों में फंसे भारतीयों को सुरक्षित घर लाना है।

तमिलनाडु और पुडुचेरी में स्कूल बंद हैं या नहीं?

अपडेट के अनुसार तमिलनाडु के कुछ जिलों में पहले ही स्कूल-कॉलेज बंद किए गए थे, लेकिन एक दिसंबर के बाद की स्थिति को लेकर अभी कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं है। छात्रों को अपने स्कूलों से सीधे जानकारी लेने को कहा गया है। पुडुचेरी में सभी निजी और सरकारी सहायता प्राप्त स्कूल-कॉलेज सोमवार (1 दिसंबर) को बंद रहे। यह जानकारी पुडुचेरी के गृह एवं शिक्षा मंत्री ए नमशिवायम ने दी।

कश्मीर में बीएसएफ की बड़ी कामयाबी

सीमा से आतंकी ठिकानों तक दुश्मन को दिया करारा जवाब, 2025 में आठ आतंकवादी ढेर

श्रीनगर, 1 दिसंबर (एजेंसियां)। बीएसएफ कश्मीर फ्रंटियर ने आज अपना 61वां स्थापना दिवस मनाया। इस मौके पर आईजी बीएसएफ कश्मीर ने बताया कि सीमा सुरक्षाबल ने देश की सीमाओं की रक्षा के साथ-साथ पंजाब और जम्मू-कश्मीर में आतंकवाद विरोधी अभियानों में भी बेहतरीन भूमिका निभाई है। आईजी ने कहा कि बीते छह दशकों में बीएसएफ ने जम्मू-कश्मीर में शांति स्थापित करने में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। इस दौरान कई आतंकियों को ढेर किया गया और सीमा पार से होने वाली घुसपैठ, हथियार और ड्रग्स की तस्करी की कई कोशिशों को नाकाम बनाया गया।

उन्होंने बताया कि कठोर मौसम, हिंसक और आत्मघाती हमलों जैसी चुनौतियों के बावजूद बीएसएफ ने हमेशा मजबूती से देश की रक्षा की है। ऑपरेशन सिंदूर को बीएसएफ की बड़ी उपलब्धि बताया गया। इस ऑपरेशन में बीएसएफ ने पेशेवर तरीके से जवाब देते हुए पाकिस्तानी पोस्टों को नष्ट किया। भारी तोपखाने की कार्रवाई से पाकिस्तान को बड़ा नुकसान हुआ।

साल 2025 में बीएसएफ ने जम्मू-कश्मीर पुलिस और सेना के साथ मिलकर 22 ऑपरेशन चलाए, जिनमें 8 आतंकवादी मारे गए और भारी मात्रा में हथियार और गोला-बारूद बरामद किया गया। आईजी ने यह भी बताया कि पाकिस्तान के लॉन्चिंग पैड्स पर अभी भी 100–120 आतंकी घुसपैठ की फिराक में बैठे हैं। पहलगाम हमले के बाद बीएसएफ ने अपनी सुरक्षा ग्रिड को और विस्तारित किया है, जिसमें गुलमर्ग क्षेत्र भी शामिल है।

भारत-यूके सैन्य अभ्यास 'अजेय वॉरियर' सम्पन्न

यूएन शांति-प्रवर्तन मिशनों में मजबूत हुई साझेदारी

नई दिल्ली, 1 दिसंबर (एजेंसियां)। भारत और ब्रिटेन की सेनाओं के बीच आयोजित द्विवार्षिक संयुक्त सैन्य अभ्यास 'अजेय वॉरियर' का आठवां चरण राजस्थान के महाजन फील्ड फायरिंग रेंज में सफलतापूर्वक सम्पन्न हो गया। लगभग दो सप्ताह तक चले इस अभ्यास का मुख्य उद्देश्य दोनों देशों की सेनाओं के बीच तालमेल बढ़ाना और आतंकवाद-रोधी अभियानों में संयुक्त रूप से काम करने की क्षमता को मजबूत करना रहा। इस बार सैन्य अभ्यास का फोकस संयुक्त राष्ट्र चार्टर के अध्याय-7 के तहत शांति-प्रवर्तन (पीस-एन्फोर्समेंट) अभियानों को अंजाम देने पर रहा। अभ्यास में शहरी और अर्ध-शहरी वातावरण में बहु-डोमेन ऑपरेशनों की जटिल परिस्थितियों का सिमुलेशन किया गया, जिसमें दोनों सेनाओं ने एकीकृत कमान के तहत ऑपरेशन संचालित किए।

नगालैंड स्थापना के 63 साल

राष्ट्रपति; पीएम मोदी, राहुल गांधी समेत पूरे देश से बधाइयां

नई दिल्ली, 1 दिसंबर (एजेंसियां)। आज के दिन ही 63 साल पहले भारत के 16वें राज्य के तौर पर नगालैंड की स्थापना हुई थी। ऐसे में आज नगालैंड के 63वें स्थापना दिवस पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू, राहुल गांधी समेत देशभर के कई दिग्गज नेताओं ने बधाई दी। पीएम नरेंद्र मोदी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट कर वहां की जनता को बधाई दी। उन्होंने कहा कि नगालैंड की समृद्ध संस्कृति, साहस और सेवा की भावना पूरे देश में प्रशंसा की जाती है। उन्होंने राज्य के लोगों के उज्ज्वल भविष्य और विकास की कामना की।

राज्य निर्वाचन आयोग पर भड़के सीएम फडणवीस

बोले-पता नहीं किससे सलाह ले रहा आयोग?

मुंबई, 1 दिसंबर (एजेंसियां)। महाराष्ट्र में कुछ जगहों पर आगामी निकाय चुनाव स्थगित होने पर मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने नाराजगी जाहिर की है। उन्होंने राज्य निर्वाचन आयोग की तीखी आलोचना करते हुए कहा कि निर्वाचन आयोग का चुनाव स्थगित करने का फैसला पूरी तरह से गलत है। पैठण में मीडिया से बात करते हुए सीएम ने कहा कि अंतिम समय में चुनाव स्थगित करना उन उम्मीदवारों के साथ अन्याय है, जो नामांकन की पूरी प्रक्रिया पूरी कर चुके हैं।

निर्वाचन आयोग के फैसले से सीएम ने जताई नाराजगी

मुख्यमंत्री फडणवीस ने कहा, 'विचाराधीन याचिकाओं के चलते कुछ जगहों पर निकाय चुनाव स्थगित करने का फैसला अन्य उम्मीदवारों के साथ अन्याय है।' मुख्यमंत्री ने निर्वाचन आयोग के चुनाव स्थगित करने के फैसले की वैधानिकता पर सवाल खड़े किए। सीएम ने कहा, 'मुझे नहीं पता कि निर्वाचन आयोग किससे सलाह ले रहा है, लेकिन जहां तक मुझे कानून का पता है, अगर कोई अदालत गया है तो इसके चलते चुनाव स्थगित नहीं किए जा सकते।' राज्य निर्वाचन आयोग ने मंगलवार को होने वाले निकाय चुनाव को कुछ जगहों पर स्थगित कर दिया है।

सीएम बोले- चुनाव आयोग के सामने उठाएंगे मामला

मुख्यमंत्री ने कहा, 'कोई उम्मीदवार अगर नामांकन खारिज होने के चलते अगर अदालत गया है तो आखिरी समय पर चुनाव को ही स्थगित कर देना अन्य उम्मीदवारों के साथ अन्याय है। चुनाव आयोग एक स्वतंत्र निकाय है और ये फैसला लेना उसका अधिकार है, लेकिन चुनाव को स्थगित करना पूरी तरह से गलत है।' फडणवीस ने इस मामले को चुनाव आयोग के सामने उठाने की बात भी कही। डिप्टी सीएम एकनाथ शिंदे ने भी राज्य निर्वाचन आयोग के फैसले की आलोचना की और कहा कि नामांकन प्रक्रिया पूरी होने के बाद कभी भी चुनाव स्थगित नहीं किए गए हैं।

'पिछली सरकारों ने शहरों को नजरअंदाज किया'

मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने सोमवार को दावा किया कि पिछली सरकारों ने शहरों के विकास को नजरअंदाज किया, और कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शहरी इलाकों के लिए योजनाएं शुरू कीं, क्योंकि देश की जीडीपी का 65 प्रतिशत वहीं से आता है। मुख्यमंत्री ने कहा कि पिछले 65 वर्षों से शहरों के लिए कोई स्कीम नहीं थी, और इस वजह से अतिक्रमण और झुग्गियां बनीं, और पानी की समस्याएं और कचरे की समस्याएं हुईं।

आईटी पार्क में अवैध कॉल सेंटर, अमेरिकी लोगों से 100-5000 डालर तक की ठगी, टॉप कंपनियों का किया इस्तेमाल

नई दिल्ली, 1 दिसंबर (एजेंसियां)। विदेशी नागरिकों, विशेषकर अमेरिका के लोगों को फर्जी तकनीकी सहायता मुहैया कराने के लिए 'कॉल सेंटर' शुरु कर दिया। प्रारंभ में कुछ दिक्कतों का सामना करना पड़ा। विदेशी लोगों द्वारा कई तरह के सवाल पूछे जाते, लेकिन कुछ समय बाद आरोपियों ने सब कुछ सेट कर लिया। उन्होंने खुद को नेटफ्लिक्स, अमेजन, स्पेक्ट्रम और एटीएंडटी जैसी अन्य अमेरिकी-आधारित कंपनियों के प्रतिनिधियों के तौर पर पेश किया। हालांकि उनका इन कंपनियों से कोई लेना-देना नहीं था। वीओआईपी डायलर और रिमोट-एक्सेस टूल्स का इस्तेमाल करके, आरोपियों ने अमेरिकी नागरिकों को झूठे तकनीकी मुद्दों पर विश्वास दिलाया। जिन लोगों को तकनीकी मदद चाहिए थी, उनके साथ 100 अमेरिकी डॉलर से लेकर 5,000 अमेरिकी डॉलर तक की ठगी की गई। फर्जी कॉल सेंटर संचालन के जरिए आरोपियों ने करोड़ों रुपये की अपराध की आय (पीओसी) एकत्रित की। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने इस मामले का खुलासा किया है। ईडी के चंडीगढ़ स्थित क्षेत्रीय कार्यालय ने शनिवार को सर्टिस्जेप इनोवेशन (ओपीसी) प्राइवेट लिमिटेड के मालिक महेश चंद्रशेखर शेट्ये को गिरफ्तार किया है। उन पर आरोप है कि उन्होंने फर्जी तकनीकी सहायता कॉल सेंटरों के संचालन से आपराधिक आय अर्जित की है।

दवा मार्केटिंग कंपनियों पर सख्ती : बिना लाइसेंस उत्पाद बेचने पर रोक की तैयारी; हर कंपनी को लेना होगा अलग परमिट

नई दिल्ली, 1 दिसंबर (एजेंसियां)। देश में दवाओं की गुणवत्ता और सुरक्षा को और मजबूत करने के लिए केंद्र सरकार बड़ा कदम उठाने जा रही है। पहली बार दवा मार्केटिंग कंपनियों पर भी लाइसेंस का नियम लागू होगा। ये वही कंपनियां हैं जो अपनी दवाइयों को मार्केटेड वाय शब्द का इस्तेमाल करते हुए बेचती हैं।

औषधि परामर्शदात्री समिति ने सिफारिश की है कि अब कोई भी मार्केटर बिना लाइसेंस दवा बाजार में नहीं बेच सकेगा। मार्केटर मतलब वह कंपनी जो खुद दवा नहीं बनाती, लेकिन अपने नाम से बाजार में बेचती है। अभी तक सिर्फ निर्माण कंपनियों पर सीधा नियमन होता है लेकिन दवा को मार्केट करने वाली कंपनियां किसी नियंत्रण ढांचे में नहीं आती। ये खुद दवा नहीं बनातीं, लेकिन उनके नाम से हजारों ब्रांड बाजार में उपलब्ध हैं। सरकार के पास इनका कोई केंद्रीकृत रिकॉर्ड नहीं है। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय के सूत्रों का कहना है कि समिति की सिफारिश के आधार पर जल्द ही केंद्रीय औषधि मानक नियंत्रण संगठन (सीडीएससीओ) ड्राफ्ट नोटिफिकेशन तैयार करेगा जिसे राज्यों और उद्योग संगठनों के साथ साझा किया जाएगा। अंतिम मंजूरी के बाद यह नियम पूरे देश में लागू हो जाएगा।

समिति के वरिष्ठ सदस्य ने नए प्रावधानों के बारे में बताया कि अब हर दवा मार्केटिंग कंपनी को अलग लाइसेंस लेना अनिवार्य होगा। लाइसेंस में कंपनी का पता, बोर्ड, जिम्मेदार अधिकारी जैसी पूरी जानकारी देनी होगी।

वित्तीय राजधानी भी प्रदूषण की चपेट में

दिल्ली के बाद अब मुंबई में भी ग्रैप-4 की पाबंदियां लागू

मुंबई, 1 दिसंबर (एजेंसियां)। बढ़ते वायु प्रदूषण के चलते देश की वित्तीय राजधानी मुंबई की भी सांसें फूल रही हैं। ऐसे में सरकार ने मुंबई में कई जगहों पर ग्रैप-4 की पाबंदियां लागू कर दी हैं। इसके साथ ही मुंबई भी दिल्ली के साथ उन शहरों की सूची में शामिल हो गया है, जहां वायु प्रदूषण खतरनाक स्तर पर पहुंच गया है। मुंबई में कई जगहों पर हवा की गुणवत्ता बेहद खराब पाई गई है, इनमें मुंबई का मझगांव, देवनार, मलाड, बोरीवली ईस्ट, चकाला अंधेरी ईस्ट, नेवी नगर, पवई और मुलुंड जैसे इलाके शामिल हैं।

प्रदूषण वाले इलाकों में निर्माण कार्यों पर लगी रोक

बीएमसी ने इन इलाकों में किसी भी तरह के निर्माण कार्यों और धूल उड़ाने वाली गतिविधियों पर रोक लगा दी हैं, और इन इलाकों में विभिन्न निर्माण स्थलों की निगरानी की जा रही है। 50 से ज्यादा निर्माण स्थलों को काम रोकने के नोटिस जारी किए गए हैं। बेकरी और मार्बल कटिंग यूनिट्स समेत छोटे उद्योगों को साफ प्रक्रिया अपनाने या फिर कार्रवाई का सामना करने के लिए तैयार रहने को कहा गया है। बीएमसी ने प्रदूषण नियंत्रण के तरीकों को लागू करने और उत्सर्जन पर नजर रखने के लिए हर वार्ड में फ्लाइंग स्क्वॉड तैनात किए हैं। इन स्क्वॉड में इंजीनियर, पुलिसकर्मी और जीपीएस-ट्रैक गाड़ियां शामिल हैं और ये प्रदूषण फैलाने वाली गतिविधियों की निगरानी कर रही हैं।

प्रदूषण के स्तर को कम करने के लिए ग्रेडेड रिस्पांस एक्शन प्लान (जीआरएपी) तैयार किया गया है। इसमें चार चरण हैं। इनमें प्रदूषण को कम करने के लिए उपाय किए जाते हैं, जिसमें कई तरह की पाबंदियां लगाई जाती हैं। ग्रेप का चौथा चरण लागू होने के बाद सभी निर्माण कार्यों पर रोक लगा दी जाती है। 10वीं और 12वीं के स्कूलों को छोड़कर सभी स्कूलों पर बंद कर दिया जाता है। साथ ही सरकारी और प्राइवेट कार्यालयों में घर से काम करने के निर्देश दे दिए जाते हैं। ज्यादा प्रदूषण फैलाने वाले वाहनों पर भी रोक लगा दी जाती है। पिछले कुछ हफ्तों में, मुंबई के कई इलाकों में वायु गुणवत्ता इंडेक्स 'बहुत खराब' और 'गंभीर' कैटेगरी में रिकॉर्ड किया गया है। दिल्ली के लोगों की तरह ही, मुंबई में भी लोगों ने आंखों में जलन, सांस लेने में दिक्कत और गले में खराश की शिकायत की है। कई सेलिब्रिटी भी मुंबई की खराब वायु गुणवत्ता को लेकर अपनी नाराजगी जता चुके हैं और सरकार से प्रदूषण से निपटने के लिए कदम उठाने की मांग कर रहे हैं। विपक्षी पार्टियां भी इस मुद्दे पर सरकार को घेर रही है।

बॉम्बे हाईकोर्ट ने भी बढ़ते प्रदूषण पर जताई चिंता

बॉम्बे हाईकोर्ट ने भी मुंबई में बढ़ते वायु प्रदूषण को लेकर चिंता जाहिर की। बीते हफ्ते उच्च न्यायालय की पीठ ने एक पांच सदस्यीय टीम के गठन का निर्देश दिया, जो शहर के चुने हुए इलाकों में जाकर निर्माण स्थलों की जांच करेगी और यह जांचेगी कि बीएमसी द्वारा जारी दिशा-निर्देशों का पालन हो रहा है या नहीं। हाईकोर्ट ने दस दिनों के भीतर रिपोर्ट पेश करने का भी निर्देश दिया है। हाईकोर्ट द्वारा गठित टीम में बीएमसी, महाराष्ट्र प्रदूषण नियंत्रण मंडल, राज्य के स्वास्थ्य विभाग और नागरिक समाज के सदस्य शामिल होंगे। यही टीम तय करेगी कि किन जगहों की जांच की जानी है।

एचआईवी के खिलाफ भारत की बड़ी जीत

नए मामलों में 48% गिरावट, एड्स से मौतों में आई 81 फीसदी कमी

नई दिल्ली, 1 दिसंबर (एजेंसियां)। भारत ने एचआईवी के खिलाफ जांच से लेकर इलाज और रोकथाम में बड़ी कामयाबी हासिल की है। विश्व एड्स दिवस पर केंद्र सरकार ने बीते 15 साल में आए बदलाव पर रिपोर्ट तैयार की है। रिपोर्ट में सरकार ने दावा है कि बीते 15 साल में एचआईवी के नए मामलों में 48.7% की कमी आई है, जबकि वैश्विक स्तर पर यह गिरावट 40% है। इसी तरह एड्स से होने वाली मौतों में भारत ने 81.4% की गिरावट दर्ज की है। यह भी वैश्विक औसत (54%) से काफी बेहतर है।

रिपोर्ट सोमवार को विज्ञान भवन में आयोजित कार्यक्रम में केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जेपी नड्डा जारी करेंगे। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय का कहना है कि राष्ट्रीय एड्स नियंत्रण कार्यक्रम के तहत एचआईवी जांच में बढ़ोतरी देखी गई है। 2020–21 में जहां 4.13 करोड़ टेस्ट हुए, वहीं 2024–25 में यह बढ़कर 6.62 करोड़ तक पहुंच गई। एचआईवी के साथ जी रहे लोगों को उपचार की उपलब्धता में भी बड़ा सुधार हुआ है।

उदाहरण के तौर पर एंटी-रेट्रोवायरल थेरैपी (एआरटी) पर रहने वाले मरीजों की संख्या 14.94 लाख से बढ़कर 19.15 लाख हो गई है। वायरल लोड टेस्टिंग यानी जो मरीज के इलाज की प्रभावशीलता का प्रमुख संकेतक है, इसी अवधि में 8.90 लाख से बढ़कर 15.98 लाख हो गई। मंत्रालय की अपर सचिव वी हेकाली झीमोमी ने बताया कि 2010–24 के बीच मां-से-बच्चे में एचआईवी संक्रमण की दर में 74.6% की गिरावट आई है जबकि वैश्विक स्तर पर यह कमी 57% रही। इस समय भारत का वयस्क एचआईवी दर 0.20% वैश्विक औसत 0.70% से काफी कम है जबकि नए मामलों की वार्षिक दर 0.05 प्रति 1,000 आबादी है। यह भी अंतरराष्ट्रीय औसत (0.16) से काफी नीचे है।

मजबूत राजनीतिक नेतृत्व से मिली कामयाबी

केंद्रीय स्वास्थ्य सचिव पुण्यसलिला श्रीवास्तव का कहना है कि मजबूत राजनीतिक नेतृत्व, घरेलू निवेश, साक्ष्य-आधारित रणनीतियों और समुदाय आधारित कार्यक्रमों ने मिलकर भारत की एचआईवी प्रतिक्रिया को प्रभावी बनाया है। राष्ट्रीय एड्स नियंत्रण कार्यक्रम के तहत मिली ये उपलब्धियां देश के उस लक्ष्य को मजबूत करती हैं, जिसके तहत भारत आने वाले वर्षों में एड्स को जन स्वास्थ्य जोखिम के रूप में समाप्त करने के अपने संकल्प को पूरा करने की दिशा में आगे बढ़ रहा है।

स्वतंत्र वार्ता

मंगलवार, 2 दिसंबर - 2025

बीएलओ क्यों कर रहे खुदकुशी ?

गहन मतदाता पुनरीक्षण यानी एसआईआर को लेकर देशभर में घमासान मचा है। इसके तीन महत्वपूर्ण पहलू हैं - मानवीय, कानूनी और राजनीतिक। तीनों मोर्चों पर चल रहे संघर्ष ने उलझन बढ़ा दी है। देखा जाए तो मतदाताओं के सत्यापन का यह काम पहली बार नहीं हो रहा। जहां कहीं चुनाव होते हैं, वहां निर्धारित समय में हर बार मतदाता सूची में संशोधन किया ही जाता है। मानवीय पहलू है बूथ लेवल कर्मियों (बीएलओ) की मौतें। गुजरात, मध्य प्रदेश, राजस्थान, बंगाल, केरल, तमिलनाडु और उत्तर प्रदेश से बीएलओ की मौतों की कई खबरें आ चुकी हैं। कम समय में काम करने का अत्यधिक बोझ और समय पर काम पूरा न होने पर नौकरी पर संकट के भय ने तनाव इतना बढ़ा दिया कि किसी को हार्ट अटैक आया, किसी को ब्रेन हैमरेज हुआ, तो किसी ने आत्महत्या जैसा रास्ता अपनाया। कुछ ने तो इस्तीफे तक दे दिए। यग समस्या व्यक्तिगत नहीं, सिस्टम की है। प्रशासन की कठोरता इतनी है कि कुछ राज्यों में कर्मियों के खिलाफ एफआईआर तक हुई है। कुछ सस्पेंड हो गए। लेकिन, कुछ बीएलओ ऐसे भी हैं, जिन्होंने समय से पहले ही अपना काम पूरा कर लिया। सर्वेक्षण करने वाले जमीन से जुड़े कर्मचारी होते हैं जैसे शिक्षक, लिपिक या विभिन्न विभागों के कर्मचारी। उन्हें अपना नियमित काम तो करना ही है, इसके अलावा सर्वेक्षण की अतिरिक्त जिम्मेदारी होती है। इसके लिए उन्हें सालाना अतिरिक्त 12 हजार रुपये मिलते हैं। इस बार इसके लिए विशेष अभियान भत्ता 2 हजार रुपये अलग से दिया जा रहा है। हर बीएलओ के पास लगभग एक हजार वोटर का एक बूथ होता है। इतने लोगों से घर-घर संपर्क करना, नई प्रविष्टियां पाना, मृतक मतदाताओं को हटाना, फॉर्म भरना, अपलोड करना, बूथवार क्रॉस चेक करना, पोर्टल का क्रैश होना, दोबारा डेटा एंट्री, ऊपर से वरिष्ठ अधिकारियों का दबाव - ये सब असहनीय बन गया है। इसीलिए चुनाव आयोग ने एसआईआर की डेडलाइन 7 दिन बढ़ा दी है। यानी अब 4 के बजाय 11 दिसंबर तक प्रक्रिया पूरी की जा सकेगी। इस बीच, केरल, तमिलनाडु, बंगाल ने सुप्रीम कोर्ट में चुनौती देने वाली याचिकाएं दायर की हैं। इन पर भी फैसला आने वाला है। हालांकि याचिकाओं को सुनवाई पर लेते समय ही कोर्ट ने साफ कर दिया है कि एसआईआर की प्रक्रिया स्थगित नहीं होगी, क्योंकि यह चुनाव आयोग का संवैधानिक अधिकार है। लेकिन दिक्कतें आने पर उसे दूर किया जाएगा। इसे लेकर एनडीए और इंडिया गठबंधन में असली घमासान चल रहा है। एनडीए का कहना है कि मतदाता सूची का सत्यापन जरूरी है, ताकि नकली और असली वोटरों का पता चल सके। खासकर बंगाल और असम में बांग्लादेश या कुछ मात्रा में म्यांमार से आने वाले घुसपैठियों की बड़ी संख्या है। यदि एसआईआर में बहुत सारे नाम कट गए तो विपक्ष को शायद वोटों का भारी नुकसान होगा। उन्हें लगता है कि इससे आम मुस्लिम समाज भी उनसे छितर सकता है। बीजेपी के नेता कह चुके हैं कि घुसपैठियों को हर हालत में जाना ही होगा। आधार कार्ड नागरिकता का कोई पैमाना नहीं होगा, अन्य सबूत भी देने होंगे। इससे घुसपैठियों और उन्हें पनाह देने वालों में घबराहट फैल गई है। कानूनी दांव-पेच, मोर्चे, आंदोलन इसी का अंग लगते हैं। दूसरी ओर कई लोग सीमा पर इकट्ठा हो गए हैं और वापस बांग्लादेश जाना चाहते हैं, लेकिन बांग्लादेशी सीमा पुलिस उन्हें अपने यहां लेने से परहेज करती नजर आ रही है।

कफ-सिरप का 'ग्लोबल जहर' : भरोसे की नींव हिली

सुरेश गांधी

फिरहाल, देश के अस्पतालों में इन दिनों चीख नहीं, एक खामोशी गूंजती है, वो खामोशी, जो माएं अपने मर चुके बच्चों को गोद में लेकर टूटते हुए शब्दों में भी नहीं बयां कर पा रहीं। कुछ राज्यों में बच्चों की अचानक हुई मौतें, प्रशासन की भागदौड़, दवा दुकानों पर ताले और लैब रिपोर्टों की हड़बड़ी, ये सब किसी दुर्घटना की तस्वीर नहीं, बल्कि उस जहरीले गठजोड़ की पहचान है जिसने दवाइयों को बाजार नहीं, मौत का माल बना दिया। कफ-सिरप का एक ब्रांड, कोलड्रिफ। नाम साधारण, उपयोग आम और भरोसे से भरा। लेकिन उसके भीतर छुपा ज़हर ऐसा निकला कि कई मासूमों की कलाईयां अकड़ गईं, किडनी ने जवाब दे दिया, और कई बच्चें कुछ ही घंटों में हमेशा के लिए सो गए। देश ने कई बार मिलावटी शराब के कारण मौतें देखी हैं, लेकिन मिलावटी दवाइयों से बच्चों की लाशें उठना, यह मानवता पर सबसे बड़ा अपराध है। यह मामला सिर्फ एक कंपनी, एक थोक व्यापारी या किसी बिचौलिए का नहीं, बल्कि गहरी धंसी उस सांठगांठ का दर्पण है, जिसमें, दवा माफिया, सप्लाई चेन सिंडिकेट, खुली मिलीभगत वाला प्रशासन, और सफेदपोश राजनीतिक संरक्षण मिलकर मासूम ज़िंदगियों को 'टेस्टिंग लैब' बना देते हैं। क्या यह कांड किसी आम दवा-कांड जैसा नहीं है? मौतें तीन राज्यों में एक ही पैटर्न पर हुईं, सभी घटनाओं में एक ही बैच की संदिग्धता, सरकारी ड्रग-टेस्टिंग की स्पीड कछुए जैसी, दुकानों में यही सिरप कार्टन भर-भर कर पहुंचने का मतलब, स्पष्ट नेटवर्क और हर मौत के बाद सरकार का बयान, "जांच जारी है." यह जांच जारी है की राजनीति ही सबसे बड़ी बीमारी है। जहां बच्चे मरते हैं, वहां नेता 'मुआवज़े' का ऐलान करते हैं। जहां जहर बिकता है, वहां फाइलें दबती हैं। जहां लाइसेंस रद्द होना चाहिए था, वहां "सैंपल भेजे गए हैं" की औपचारिकता होती है। क्या वजह है कि एक ही कंपनी बार-बार विवादों में आती है? बैच टेस्टिंग केंद्र राज्य दर राज्य अलग-अलग निष्कर्ष क्यों देते हैं? और सबसे बड़ी बात, बिना प्रिज़र्वेटिव कंट्रोल वाली दवाइयां ग्रामीण क्षेत्रों में ही क्यों खपाई जाती हैं? क्योंकि यह मार्केटिंग नहीं, टारगेटिंग है। गरीब जिलों में, कम जागरूक उपभोक्ताओं में, सरकारी अस्पतालों में... मौत सबसे सस्ता हथियार

बन जाती है। मतलब साफ है भारतीय कफ-सिरप से दुनिया में मौतें, और अब देश में भी वही कहानी? गैंबिया में 2022 में 70 से अधिक बच्चों की मौत। उज़्बेकिस्तान में 65 बच्चे। इंडोनेशिया में 200 से अधिक। इन सभी मौतों में एक समानता थी, खराब कफ-सिरप। और इन सभी मामलों में कच्चे माल में पाया गया डाइएथिलीन ग्लाइकोल (डीईजी) और एथिलीन ग्लाइकोल (ईजी) नामक जहरीला पदार्थ, जो कार-कूलेंट में मिलता है, दवाओं में नहीं। भारत ने हर बार कहा, "हमारी दवा सुरक्षित थी, विदेशी गलत तरीके से स्टोर की गई।" या "जांच में कारण स्पष्ट नहीं हुआ।" लेकिन अब जबकि मध्य प्रदेश, राजस्थान, तमिलनाडु के जिलों में एक ही बैच से बच्चों की मौत का पैटर्न सामने आया है, भारत का वही तर्क भारत के अंदर ही धराशायी हो गया है। अब दुनिया सवाल पूछ रही है, जब तीन देशों में मौतें भारत की दवा से जुड़ी बताई गईं, उस समय भारत ने जो इंकार किया, क्या अब भारत खुद अपने ही तर्कों पर विश्वास कर सकता है? भारत में जो हुआ वह किसी सामान्य दवा त्रुटि का मामला बिल्कुल नहीं। एक ही कंपनी, एक ही बैच, तीन अलग-अलग राज्य, एक जैसा कारण, कफ-सिरप के सेवन के तुरंत बाद किडनी फेलियर. ये पैटर्न दिखाते हैं कि मामला केवल एक असावधानी नहीं, बल्कि संरचना-स्तर की खामी और संभावित आपराधिक लापरवाही है। अब जांच एजेंसियां खुद यह कह रही हैं कि इसमें स्थानीय नहीं, कौमी स्तर पर फैला सप्लाई-नेटवर्क शामिल है, जो छोटे जिलों और गरीब क्षेत्रों को निशाना बनाकर सस्ती या अनटेस्टेड दवाएं खपाता है। हमारी स्वास्थ्य व्यवस्था का सबसे बड़ा अपराध यही है, जहर हमेशा गरीबों को मिलता है, दवा हमेशा अमीरों को।

भारत में दवाइयों का लाइसेंस सिर्फ योग्यता से नहीं मिलता, यह एक बाजार है, जिसके पीछे, ड्रग-इंस्पेक्टर, सप्लाई चेन के फ्रेंचाइजी, बड़े दवा व्यापारी, और स्थानीय सियासत, मिलकर एक अघोषित उद्योग चलाते हैं। जिन जिलों में मौतें हुईं, वहां दवा दुकानों को बिना फार्मासिस्ट चलने दिया गया. स्टॉक की निगरानी कागजों तक सीमित रही. और लाइसेंस जांच सालों तक नहीं हुई, यह त्रुटियां नहीं, संस्थागत अपराध हैं। दवा उद्योग में राजनीतिक दखल ऐसा है कि किसी भी जिले में बड़ी कंपनी के खिलाफ कार्रवाई सिर्फ "ऊपर से अनुमति मिलने के बाद" ही होती है। क्या दवाइयों की सुरक्षा भी अब राजनीतिक मंजूरी की मोहताज है? आज डब्ल्यूएचओ, यूएन, स्वास्थ्य सुरक्षा पैनल और कई अंतरराष्ट्रीय हेल्थ वॉचडॉग्स पूछ रहे हैं, क्या भारत में दवाओं का अंतरराष्ट्रीय मानक टूट चुका है? क्या भारत में बैच टेस्टिंग सिर्फ कागजी औपचारिकता है? क्या भारत में छोटी फार्मा कंपनियों पर कोई नियंत्रण नहीं? और सबसे महत्वपूर्ण, क्या भारत दुनिया को सुरक्षित दवा देने की क्षमता खो रहा है? यह सवाल भारत की अर्थव्यवस्था से भी जुड़ा है। भारत की दवा-निर्यात अर्थव्यवस्था 2.2 लाख करोड़ से अधिक है। लेकिन यदि कफ-सिरप जैसा एक मामला भी साबित हो जाता है, तो निर्यात रोके जा सकते हैं, लाइसेंस निलंबित हो सकता है और भारत की "फार्मेसी ऑफ द वर्ल्ड" की पहचान मिट सकती है. यह मुद्दा सिर्फ बच्चों की मौत का नहीं, देश की वैश्विक प्रतिष्ठा का है। किसी भी दवा के बाजार तक पहुंचने से पहले, कच्चा माल परीक्षण, उत्पादन निगरानी, बैच सैंपल, स्टोरेज मॉनिटरिंग, डिस्ट्रीब्यूशन चेन, और स्टॉक ऑडिट, छह स्तरों पर जांच होती है. लेकिन कफ-सिरप मामले में छह में से पांच स्तर पूरी तरह फेल साबित हुए। कैसे, जहरीला कच्चा माल बिना पकड़ में आए उत्पादन तक पहुंच गया? बैच टेस्टिंग रिपोर्टों में कोई चेतावनी क्यों नहीं आई? ग्रामीण मार्केट में संदिग्ध बैच सबसे पहले क्यों पहुंचता है? राज्यों की लैब रिपोर्टें आपस में टकराती क्यों हैं? यह स्पष्ट करता है कि भारत में दवा नियंत्रण कागजों में मजबूत, ज़मीन पर खोखला है। इसका मतलब यह नहीं कि भारत के पास मजबूत प्रयोगशालाएं नहीं, समस्या यह है कि वही प्रयोगशालाएं इस्तेमाल करने की राजनीतिक इच्छा नहीं। जब पानी प्रदूषित होता है, मीडिया में बहस होती है। जब शराब में जहर मिलता है, राजनीति गरमाती है। लेकिन जब बच्चों की मौत दवा से होती है तो सत्ताएं मौन क्यों हो जाती हैं?

शहरीकरण के बाद गांवों का क्या हश्र होगा ?

कमलेश पाण्डेय

समकालीन दुनिया में जिस गति से शहरीकरण को रफ्तार और विस्तार मिल रहा है, उससे एक सवाल बुद्धिजीवियों के दिलोदिमाग में उपज रहा है कि जब दुनिया तेजी से शहरी होती जा रही है तो फिर गांवों और उनकी अर्थव्यवस्थाओं का क्या हश्र होगा? कहने का तातपर्य यह कि शहरी लोगों के लिए अनाज, फल-फूल, सब्जियां, दूध, मांस मुहैया कराने वाली ग्रामीण अर्थव्यवस्थाओं को आगे संभालेगा कौन? यह एक नया यक्ष प्रश्न समुपस्थित है। इसलिए सरकार को चाहिए कि वह ऐसी नीतियां बनाए जिससे गांव में भी यातायात और संचार के साधन मजबूत हों। रोटी, कपड़ा, मकान, शिक्षा, स्वास्थ्य, सम्मान आदि सबके लिए आसपास ही उपलब्ध हों या फिर ज्यादा दूर नहीं हों।

यह बात मैं इसलिए उठा रहा हूँ, क्योंकि विश्व शहरीकरण संभावनाएं 2025 रिपोर्ट के अनुसार, दुनिया तेजी से शहरी होती जा रही है और अब 8.2 अरब की वैश्विक आबादी का लगभग 45 प्रतिशत हिस्सा शहरों में रहता है। इसलिए 2025 से 2050 के बीच दुनिया की शहरी आबादी में करीब 98.6 करोड़ की वृद्धि होगी जिसमें से 50 करोड़ से अधिक शहरी निवासी केवल सात देशों में जुड़ेंगे जिनमें भारत भी शामिल है।

रिपोर्ट के मुताबिक, निम्नलिखित सात देश यानी भारत, नाइजीरिया, पाकिस्तान, कांगो लोकतांत्रिक गणराज्य, मिस्र, बांग्लादेश, और इथियोपिया - शहरी आबादी के भविष्य के विकास को रूप देंगे और इन देशों में शहरीकरण की सफलता या असफलता का वैश्विक विकास पर गहरा प्रभाव पड़ेगा। यह रिपोर्ट बताती है कि भारत में 2025 तक शहरी निवासियों का अनुपात लगभग 44 प्रतिशत हो जाएगा। वहीं, 2050 तक दुनिया की 83 प्रतिशत आबादी शहरी क्षेत्रों में रहने की संभावना है, जिससे शहरी क्षेत्रों पर भारी दबाव पड़ेगा। इसके अलावा, रिपोर्ट में उल्लेख है कि शहरी विस्तार के कारण भूमि उपयोग में बदलाव आएगा जिससे वनमूलन और आवासीय विनाश हो सकता है, और यह जलवायु परिवर्तन के उद्देश्यों और सतत विकास लक्ष्यों के लिए भी चुनौतीपूर्ण हो सकता है। खासकर एशिया और अफ्रीका में शहरीकृत आबादी में तेज वृद्धि की उम्मीद है, और विशेष रूप से भारत व चीन में शहरी आबादी सबसे बड़ी होगी।

इस प्रकार, 2025 की यह रिपोर्ट विश्व के शहरीकरण के दिशानिर्देशों, प्रमुख देशों के बढ़ते शहरीकरण, और इससे जुड़े सामाजिक-आर्थिक और पर्यावरणीय प्रभावों की व्यापक जानकारी देती है। जहां तक वैश्विक शहरीकरण की वर्तमान स्थिति का सवाल है तो विश्व शहरीकरण संभावनाएं 2025 रिपोर्ट के अनुसार, दुनिया की 8.2 अरब आबादी में से 45% लोग शहरों में रहते हैं, जबकि कस्बे 36% और ग्रामीण क्षेत्र 19% आबादी रखते हैं।

उल्लेखनीय है कि 1975 में केवल 8 मेगा-सिटी (1 करोड़ से अधिक आबादी वाले) थे, जो 2025 में बढ़कर 33 हो गए, जिनमें से 19 एशिया में हैं। सबसे अधिक आबादी वाला शहर जकार्ता (इंडोनेशिया) है, उसके बाद ढाका, टोक्यो और नई दिल्ली (अब चौथे पायदान पर) आते हैं। वहीं, शहरी आबादी वृद्धि का पूर्वानुमान 2025 से 2050 तक वैश्विक शहरी आबादी में 98.6 करोड़ की वृद्धि होगी जिसमें से आधे से अधिक (50 करोड़+) सात देशों - भारत, नाइजीरिया, पाकिस्तान, कांगो डेमोक्रेटिक रिपब्लिक, मिस्र, बांग्लादेश और इथियोपिया- में होगी।

स्पष्ट है कि 2050 तक 83% वैश्विक आबादी शहरी क्षेत्रों में रहने की संभावना है। भारत और चीन मिलकर 1.2 अरब से अधिक कस्बा निवासियों के साथ वैश्विक कस्बा आबादी का 40% हिस्सा रखते हैं। जहां तक भारत-केंद्रित प्रमुख तथ्य का सवाल है तो यह कहा जा सकता है कि भारत में 44% आबादी कस्बों में रहती है, और यह सात प्रमुख देशों में से एक है जो वैश्विक शहरी वृद्धि को आकार देगा। विश्व के 96% शहर 10 लाख से कम आबादी वाले हैं जबकि 81% 2.5 लाख से कम के। ग्रामीण क्षेत्र अब भी 62 देशों में सबसे आम बसावट हैं, जो 2050 तक घटकर 44 रह जाएंगे।

इस रिपोर्ट में भावी चुनौतियों के दृष्टिगत कुछ सिफारिशें भी की गई हैं क्योंकि इन देशों में शहरीकरण की सफलता वैश्विक सतत विकास लक्ष्यों और जलवायु उद्देश्यों को प्रभावित करेगी, जिसमें भूमि उपयोग परिवर्तन, वनमूलन और बुनियादी ढांचे पर दबाव शामिल हैं। इसलिए यह रिपोर्ट स्थायी शहरी नियोजन पर जोर देती है, क्योंकि 2050 तक मेगा-सिटी 37 हो जाएंगी।

जहां तक वर्तमान स्थिति का सवाल है तो UN DESA की विश्व शहरीकरण संभावनाएं 2025 रिपोर्ट के अनुसार, भारत में वर्तमान में शहरी आबादी का अनुपात लगभग 44% है, जो 8.2 अरब वैश्विक आबादी के संदर्भ में महत्वपूर्ण है। 2025 तक भारत की शहरी आबादी करीब 54 करोड़ अनुमानित है। वहीं, भविष्य के पूर्वानुमान का जिक्र करते हुए रिपोर्ट में कहा गया है कि भारत की शहरी आबादी 2030 तक 60.7 करोड़ और 2035 तक 67.5 करोड़ पहुंचने का अनुमान है, जिससे शहरीकरण दर 43.2% हो जाएगी। वहीं, 2050 तक यह 81.4 करोड़ तक बढ़ सकती है, जो कुल आबादी का 53% से अधिक होगा, और भारत वैश्विक शहरी वृद्धि में प्रमुख भूमिका निभाएगा। 2025-2050 के बीच भारत सहित सात देशों में 50 करोड़ से अधिक शहरी निवासी जुड़ेंगे।

जहां तक इसके वृद्धि दर और प्रभाव का प्रश्न है तो शहरीकरण की वार्षिक वृद्धि दर स्पष्ट रूप से निर्दिष्ट नहीं है, लेकिन 2020 से 2035 तक औसतन 1.2 करोड़ प्रति वर्ष की वृद्धि दर्शाती है, जो आर्थिक विकास से जुड़ी है। यह तेज गति बुनियादी ढांचे पर दबाव डालेगी, लेकिन सतत नियोजन से प्रबंधनीय है। जहां तक शहरी आबादी के आंकड़े का सवाल है तो यूएन डीईएसए की विश्व शहरीकरण संभावनाएं रिपोर्ट (2022 संस्करण से डेटा) के अनुसार, भारत की शहरी आबादी 2020 में 48.31 करोड़ थी, जो 2025 तक 54.27 करोड़, 2030 तक 60.73 करोड़ और 2035 तक 67.54 करोड़ पहुंचने का अनुमान है। कुल 15 वर्षों (2020-2035) में 19.23 करोड़ की वृद्धि होगी। इसकी सालाना वृद्धि दर गणना के मुताबिक, 2020 से 2035 तक औसत वार्षिक शहरी आबादी वृद्धि लगभग 1.28 करोड़ प्रति वर्ष है (19.23 करोड़ / 15 वर्ष)। चक्रवृद्धि वार्षिक वृद्धि दर (CAGR) लगभग 2.15% है, जो निम्नलिखित आधार पर निकाली गईः यह दर आर्थिक विकास और प्रवासन से प्रेरित है। जहां तक इसके प्रभाव और संदर्भ का सवाल है तो यह वृद्धि भारत को चीन के बाद दूसरा सबसे बड़ा शहरी आबादी वाला देश बनाएगी, जहां 2035 तक शहरी अनुपात 43.2% हो जाएगा। 2025 रिपोर्ट में भी भारत सात प्रमुख देशों में शामिल है, जो वैश्विक शहरी वृद्धि का 50%+ योगदान देगा।

साक्षरता का नवपरिचयः कैसे बदलें, ना कि कैसे चलाएँ

आरके जैन

जिस युग में सूरज से पहले स्क्रीनें जगती हैं और रात की नींद से देर तक डेटा बहता है, उस युग में कंप्यूटर साक्षरता सिर्फ़ एक कौशल नहीं-मानव चेतना का नवजागरण है। विश्व कंप्यूटर साक्षरता दिवस यह अहसास जगाता है कि आज के समय में सबसे गहरा अंधकार तकनीक से दूरी है, और सबसे उजली रोशनी उस समझ में छिपी है जो हमें डिजिटल संसार को साधने की क्षमता देती है। यह दिवस उस मौन परिवर्तन का प्रतीक है जिसने हमारे सफ़र को काग़ज़ की सुस्त सीमाओं से उठाकर पिक्सल की धड़कती हुई दुनिया तक पहुँचा दिया—जहाँ विचार सीमित नहीं रहते, संभावनाएँ दिशाओं में नहीं बँटतीं, और मानव मन अपने ही नए संस्करण से मिल पाता है।

कंप्यूटर साक्षरता का असली अर्थ माउस पकड़ना, फॉर्म भरना या सोशल मीडिया चलाना भर नहीं है। यह एक ऐसी पारदर्शी खिड़की है जो जो सीमाओं को मिटाकर व्यक्ति को दुनिया के हर कोने, हर भाषा, हर विचार, हर संस्कृति और हर मौके से जोड़ देती है। यह वह साधन है जो साधारण परिश्रम को असाधारण उपलब्धि में बदल देता है, और सपनों को रास्ते नहीं-दिशाएँ देता है। जब कोई किसान मौसम का हाल और बाज़ार की कीमतें ऑनलाइन जान लेता है, जब एक छात्र गाँव में बैठकर दुनिया की श्रेष्ठ यूनिवर्सिटियों से पढ़ लेता है, जब एक महिला घर पर रहकर डिजिटल प्लेटफ़ॉर्म से कारोबार शुरू कर देती है-तभी स्पष्ट होता है कि कंप्यूटर साक्षरता कोई सुविधा नहीं, एक परिवर्तनकारी शक्ति है जो ज़िंदगी की संभावनाओं को पुनर्परिभाषित कर देती है।

पर इस शक्ति की दहलीज़ तक पहुँचना सबके लिए सरल नहीं। अभी भी अनगिनत लोग इस विशाल डिजिटल समुद्र के किनारे खड़े हैं-क्षितिज की चमक देखते हुए भी भीतर उतरने का साहस या साधन न रख पाने वाले। शिक्षा की कमी, संसाधनों की कमी, मार्गदर्शन की कमी और अक्सर आत्मविश्वास की कमी-ये बाधाएँ उतनी ही वास्तविक हैं जितनी डिजिटल दुनिया की रोशनी। विश्व कंप्यूटर साक्षरता दिवस का वास्तविक उद्देश्य इन्हीं दूरीओं को मिटाना है—उस फासले को पाटना जो तकनीक को कुछ लोगों की सुविधा से उठाकर सभी के अधिकार में बदल देता है। यह दिन याद दिलाता है कि तकनीक का अर्थ तभी पूर्ण होता है जब उसका प्रकाश हर आँगन, हर मन और हर जीवन को उजाला दे सके। कंप्यूटर साक्षरता इंसान को केवल सक्षम नहीं करती-वह उसे मुक्त करती है। अपनी दिशा स्वयं चुनने की स्वतंत्रता, अपने विचारों को दुनिया तक पहुँचाने की ताक़त, और वैश्विक संवाद में बराबरी से खड़े होने का साहस-ये सब उसी ज्ञान से जन्म लेते हैं। इंटरनेट मनोरंजन का साधन भर नहीं; यही रोज़गार का औज़ार है, यही शिक्षा का पुल, यही व्यापार का बाजार, यही शासन की नई आवाज़, और आज कई मायनों में यही हमारी पहचान का विस्तार भी है। एक क्लिक फाइलों को सीमाओं के पार पहुँचा देता है, एक अपलोड भविष्य की दिशा बदल देता है, एक ईमेल महाद्वीपों को जोड़ देता है। कंप्यूटर ने दुनिया को छोटा नहीं किया-इसने हर व्यक्ति की क्षमताओं को विशाल कर दिया है।

परंतु इस डिजिटल स्वतंत्रता का दूसरा नाम ज़िम्मेदारी है। केवल जानकारी होना पर्याप्त नहीं; बुद्धिमानी से उसका उपयोग करना ही वास्तविक साक्षरता है। साइबर सुरक्षा, डिजिटल नैतिकता, गोपनीयता की रक्षा, डेटा का संरक्षण-ये सब आधुनिक समय के वे नए संस्कार हैं जिनके बिना तकनीक अधूरी और जोखिमपूर्ण है। जिस राह पर अवसर खुले हैं, उसी राह पर खतरे भी छिपे हैं; इसलिए साक्षरता का अर्थ अब केवल 'कैसे चलाना है' नहीं, बल्कि 'कैसे सुरक्षित रहना है' भी है-ताकि सुविधा शक्ति बने और जोखिम दूर ही रहे।

आज की दुनिया कोड से चलती है, व्यापार डिजिटल लेनदेन पर साँस लेता है, शिक्षा ई-क्लासरूम में अपना नया रूप पाती है, स्वास्थ्य मोबाइल पर सलाह देता है, और रिश्तों की गर्माहट भी वीडियो कॉल में चमक जाती है। यह डिजिटल स्पर्श अब विकल्प नहीं-हर उम्र, हर पेशे, हर परिस्थिति की मूलभूत आवश्यकता बन चुका है। इसीलिए कंप्यूटर साक्षरता आधुनिकता का चिह्न नहीं-यह जीवन की नई भाषा है। जो इस भाषा को सीख लेता है, वह भविष्य के द्वार आसानी से खोल लेता है; और जो पीछे रह जाता है, उसके लिए दुनिया धीरे-धीरे एक दूर होती हुई रोशनी बन जाती है।

भविष्य की ओर बढ़ते समाज का केवल एक ही सच्चा मार्ग है-डिजिटल ज्ञान को जन-जन का अधिकार बनाना। बच्चों के लिए यह जिज्ञासा के द्वार खोलने वाला जादू है; युवाओं के लिए कौशल का पासपोर्ट; बुज़ुर्गों के लिए आत्मविश्वास का सहारा; महिलाओं के लिए संभावनाओं का स्वतंत्र आकाश; और किसानों के लिए जानकारी का वह दीपक जो खेतों से लेकर बाज़ार तक हर निर्णय को रोशन करता है। तकनीकी साक्षरता किसी विशेष वर्ग की सुविधा नहीं-यह हर नागरिक का अधिकार है और हर राष्ट्र की अनिवार्य नींव।

युवाओं में बढता 'रील्स कल्चर' समय प्रबंधन में बाधक

डा वीरेन्द्र भाटी मंगल

आज का युवा तेजी से बदलती डिजिटल दुनिया में जी रहा है। तकनीक, इंटरनेट और सोशल मीडिया जहां सूचना, अभिव्यक्ति और अवसरों का नया दरवाजा खोलते हैं, वहीं इन माध्यमों का गलत और अत्यधिक उपयोग युवा वर्ग के सामने एक नई सामाजिक चुनौती बनकर उभर रहा है। इनमें सबसे प्रमुख है '''रील्स कल्चर' का बढ़ता प्रभाव''। छोटी वीडियो की इस दुनिया ने युवाओं की सोच, आदतों, दिनचर्या और समय प्रबंधन को बड़े पैमाने पर प्रभावित किया है।

रील्स देखने का यह आकर्षण सही मायने में मनोरंजन है या मानसिक जाल, यह विचारणीय प्रश्न है। रील्स को बेहद आकर्षक बनाने के लिए प्लेटफॉर्मस रंग, संगीत, तेज विजुअल और छोटी-छोटी कहानियों का इस्तेमाल करते हैं। पन्द्रह से तीस सेकेंड की यह सामग्री तुरंत डोपामिन रिलीज करती है जिसके कारण दिमाग इसे बार-बार देखने के लिए प्रेरित करता है। आज के युवा कहते हैं बस एक ही रील और, लेकिन यह 'एक' रील धीरे-धीरे 'एक घंटे' से कई घंटो में कब बदल जाती है, पता ही नहीं चलता है। यह वही समय है जो पढ़ाई, करियर निर्माण, परिवार से बातचीत या अपने कौशल को विकसित करने में लगाया जा सकता था।रील्स देखने से समय तो बर्बाद होता ही है, साथ ही मानसिक ऊर्जा भी टूटकर बिखर जाती है। इसके नियमित व अति उपयोग से ध्यान केंद्रित करने की क्षमता कम हो जाती है। लंबी बात या गहन अध्ययन में मन नहीं लगता। काम शुरू करने के कुछ मिनट बाद ही फोन उठ जाने की आदत बनने लगती है। दिमाग लगातार 'त्वरित मनोरंजन' की मांग करने लगता है। परिणामस्वरूप युवा 'सही दिशा में काम करने का समय निकाल ही नहीं पाते' और स्वयं को "टाइम नहीं मिलता" की शिकायत में फंसा पाते हैं। जीवन में समय प्रबंधन पर रील्स कल्चर का असर व्यापक रूप से देखने को मिल रहा है जिसके अन्तर्गत युवाओं की सुबह की दिनचर्या बिगड़ जाना तय है। युवा देर रात तक रील्स देखते हैं और सुबह सुस्ती के साथ उठते हैं। न पढ़ाई की ऊर्जा बचती है, न नौकरी का फोकस बनता है। इसी प्रकार काम व पढ़ाई के बीच रुकावटें पैदा होने लगती है। कुछ देर पढने के बाद ही दिमाग रील्स की तरफ भागता है। यह 'गहरी सीखने की प्रक्रिया को बाधित' करता है। इस रील्स कल्चर के दुष्परिणाम से होमवर्क, पढ़ाई, लेखन और लक्ष्य निर्धारण में भारी गिरावट देखने को मिली है। किसी भी लंबी गतिविधि के लिए धैर्य चाहिए लेकिन रील्स कल्चर धैर्य को कमजोर कर देता है, जिसके कारण समय का सदुपयोग नहीं हो पाता।

युवाओं का अधिकांश समय कब रील्स में बीत जाता है कि जिससे सामाजिक समय में कमी देखने को मिलती है। परिवार से बातचीत, दोस्तों से मिलना, खेल-कूद सब कुछ स्क्रीन टाइम में बदल रहा है, जो चिंताजनक है। रील्स का बढता यह जाल युवाओं के लिए नई सामाजिक चुनौती के रूप में सामने आ रहा है।

''रील्स कल्चर'' सिर्फ समय संकट ही नहीं पैदा करता बल्कि मानसिक, सामाजिक और भावनात्मक चेतना पर भी असर डालता है। जिसके कारण व्यक्ति में तुलना और हीनभावना बढ़ती है, अवास्तविक जीवनशैली का दबाव बनता है, आत्मविश्वास में कमी आती है, क्रिएटिविटी घटती है। लेकिन युवा 'लाइक' और 'व्यूज' में अपना किमती समय गवाने हैं। इस कारण समाज का वास्तविक संवाद कमजोर होता जा रहा है। रील्स कल्चर से बचाव और समय प्रबंधन की राह में समाधान भी है। इसके लिए स्क्रीन टाइम की स्वयं-निगरानी करते हुए स्वयं के विवेक से निर्णय लेना होगा। मोबाइल की डिजिटल वेलनेस सेटिंग में समय सीमा लगाना जरूरी है। प्रतिदिन अधिकतम तीस मिनट का शॉर्ट वीडियो का समय तय करे।

माहौल में प्रदूषण कैसे कैसे

डॉ टी महादेव राव

छोटू! सर्दियाँ शुरू हुई कि प्रदूषण तहलका मचा देता है। गाड़ियों का धुआं, पराली जलाते लोग, उस पर दूर कारखानों का दुर्गंध भरा प्रदूषण। आदमी जिये तो कैसे? इधर वातावरण कलुषित है, उधर मानवता का नामो निशान मिट रहा है राजनीति में तो बेइमानी और झूठ का प्रदूषण इतना बढ़ गया है कि क्या कहें? बड़ी मुसीबत है।"

भैया! मैं ने इस बीच पाया है कि इन सबके साथ करेले पर नीम चढ़ा एक नया किंतु खतरनाक प्रदूषण फैला हुआ है जो लोगों में उनकी जानकारी के बिना उनके तन मन में प्रवेश कर तहलका मचा रहा है।

छोटू! टीवी समाचारों के एंकरों की तरह वायु प्रदूषण के लिए इतने सारे विशेषण लगाओगे तब भी रोचकता पैदा नहीं कर पाओगे। शीत काल है तो धुआं, धूल, वाहनों और फैक्ट्रियों के अवशिष्ट भरे धुएं से सारा वातावरण वायु प्रदूषित हो जाता है, सभी जानते हैं। तभी न हम लोग मास्क पहने घूम रहे हैं। भैया! आपको मेरी बीवी रूपा की तरह सब्र बिल्कुल नहीं। मैं भूमिका बढ़िया बाँधूंगा सोचकर शुरू होता हूं तो आप हवा निकाल देते हैं। तू जानता है मैं भी रूपा की तरह बकवास सुनने का आदी नहीं हूं।

आपको आज के भारतीय संस्कारों का पता नहीं है। तभी आप इतने बेसब्र हुए जा रहे हैं।

संस्कार क्या बदल गए सारे परिवर्तनों के साथ? एक समय था जब धर्म निरपेक्षता और साम्यवाद हमारे विचारों का हिस्सा थीं और हम बड़े मजे में थे। अब तो सारी सोच संकीर्ण हो गई। हम अपने साए से भी डरने लगे। सारे विचार बौने हो गए।

वही कहना चाह रहा था मैं। विचारों का प्रदूषण। इतना बढ़ गया है कि यह जल, वायु, ध्वनि प्रदूषणों से अधिक बलवान हो उठा है।

अंग्रेजी में ब्रेन वाश शब्द इस वैचारिक प्रदूषण के लिए सही बैठता है। पहले हम एक थे सारे। अब मजहबों में, कुनबों में, मोहल्लों में, पूजा स्थलों में बंट गए। यह प्रदूषित विचारों का तूफान खतरा है मानव जीवन के लिए तो ऐसे बोलना छोटू। इसके साथ राजनीतिक विष मिलकर लोगों को दिशाहीन और संकीर्ण बना रहा है। बड़े बड़े नेताओं को यह मुगालता हो गया है कि उन्होंने जो बांटने की नीति अपनाई है, वही उनका विजय रहस्य है। बस लंबे समय से उसी पथ पर अग्रसर हुए जा रहे हैं। छोटा हो या बड़ा, हर नेता बस संविधान के दो शब्दों धर्मनिरपेक्षता और साम्यवाद से भय खा रहे हैं। उन्हें भूत बताकर विपक्ष को गरिया रहे हैं। इस तरह अनजाने में जनता अपना ब्रेन वाश करवा रही है। भेड़ों की तरह बस झुंड में चली जा रही है। मुफ्त की रेवड़ियां खाकर जिए जा रही है।

और जन मानस ब्रेन वाश यानी दिमाग धोवन से बचें तब न सोच पाएंगे नया या जो मूल सोच है उसे सुरक्षित रख पाएंगे। सारा कुछ अपनी अनर्गल और बरगलाती संवेदनशील बातों से राजनीतिक ज़हर सारे प्रदूषणों का बाप साबित हो रहा है। इससे बचने की जरूरत है भैया!

नशेड़ियों की तरह हर बात में हां में हां मिलाना और बेवजह डर से जब तक अपने आप को अलग नहीं कर लिया जाएगा और व्यापक और वैज्ञानिक दृष्टिकोण जब तक नहीं अपनाया जायेगा, बदलाव नहीं हो सकता।

भौम प्रदोष व्रत पर शिवलिंग में चढ़ाएं ये खास चीजें

भौम प्रदोष व्रत भगवान शिव और माता पार्वती को समर्पित है, जो मंगलवार को पड़ने वाली त्रयोदशी तिथि पर मनाया जाता है। यह व्रत विशेष रूप से कर्ज मुक्ति और मंगल ग्रह के नकारात्मक प्रभावों को कम करने के लिए फलदायी माना जाता है। 2 दिसंबर को पड़ने वाले इस व्रत को लेकर कुछ अचूक उपाय बताए गए हैं, आइए उन्हें जानते हैं।

हिंदू धर्म में प्रदोष व्रत का विशेष महत्व है, जो भगवान शिव और माता पार्वती को समर्पित है। हर महीने की त्रयोदशी तिथि को यह व्रत रखा जाता है। जब यह त्रयोदशी तिथि मंगलवार के दिन पड़ती है, तो इसे भौम प्रदोष व्रत कहते हैं। ज्योतिष शास्त्र के अनुसार, भौम प्रदोष व्रत का सीधा संबंध मंगल ग्रह से होता है, और यह विशेष रूप से कर्ज मुक्ति के लिए बहुत फलदायी माना जाता है। हिंदू पंचांग के अनुसार, इस बार प्रदोष व्रत 02 दिसंबर को रखा जाएगा। आइए इससे जुड़ी प्रमुख बातों को जानते हैं, जो इस प्रकार हैं।

शिवलिंग पर चढ़ाएं ये खास वस्तुएं

मसूर दाल - मंगल ग्रह का संबंध मसूर दाल से माना जाता है। इस दिन शिवलिंग पर एक मुट्ठी मसूर दाल अर्पित करने से कर्ज से मुक्ति मिलती है और धन-धान्य में वृद्धि होती है।

गुलाब जल/लाल चंदन - मंगल को लाल रंग प्रिय है। ऐसे में भौम प्रदोष व्रत वाले दिन शिवलिंग का अभिषेक गुलाब जल से करें और लाल चंदन का लेप लगाएं। इससे मंगल ग्रह के नकारात्मक प्रभाव कम होते हैं।

शहद – शिवलिंग पर शहद अर्पित करने से स्वास्थ्य अच्छा रहता है और जीवन की परेशानियां दूर होती हैं।

गंगाजल और गाय का दूध – प्रदोष व्रत में गंगाजल और गाय के दूध से शिवलिंग का अभिषेक करने से जीवन में खुशहाली आती है। इससे सभी प्रकार के दोषों का नाश होता है।

बिल्व पत्र - भगवान शिव को बिल्व पत्र बेहद प्रिय है। इसलिए इस शुभ मौके पर 'ॐ नमः शिवाय' मंत्र का जाप करते हुए कम से कम11 बिल्व पत्र शिवलिंग पर अर्पित करें। ऐसा करने से इच्छाओं की पूर्ति होती है।

खास भोग – पूजा के बाद शिव जी को गुड़ से बनी मिठाई या लाल रंग की मिठाई का भोग लगाएं। इससे कार्यक्षेत्र में बरकत बनी रहती है।

पूजा विधि –भौम प्रदोष के दिन सुबह जल्दी उठकर स्नान करें और व्रत का संकल्प लें। शाम के समय, प्रदोष काल में साफ वस्त्र धारण करें। भगवान शिव और माता पार्वती की प्रतिमा स्थापित करें। शिव जी को ऊपर बताई गई सभी चीजें अर्पित करें। इसके बाद शिव चालीसा व 'ॐ ऋणमुक्तेश्वर महादेवाय नमः' मंत्र का जाप करें। अंत में, आरती करें और सभी में प्रसाद बांटें।

राम जी करना चाहते थे धरती का विनाश! माता सीता थीं वजह, चौंका देगी ये कथा

श्रीराम ने राजा जनक के दरबार में पिनाक धनुष पर प्रत्यंचा चढ़ाकर माता सीता से विवाह किया था. पिनाक धनुष प्रत्यंचा चढ़ाते समय टूट गया था. विवाह के बाद कुछ समय बाद श्रीराम, माता सीता और लक्ष्मण 14 सालों के लिए वनवास चले गए थे, क्योंकि कैकेयी ने राजा दशरथ से अपने पुत्र भरत के लिए राजगद्दी और भगवान राम के लिए 14 वर्षों का वनवास मांगा था. वनवास के दौरान माता का लंकापति रावण ने हरण कर लिया था. रावण का वध श्रीराम ने किया था.

इसके बाद लंका का राजपाट रावण के छोटे भाई विभीषण को सौंप दिया था. उत्तर रामायण की कथा के अनुसार, 14 सालों के वनवास और रावण के वध के बाद श्रीराम, माता जानकी और भाई लक्ष्मण वापस लौट आए थे. अयोध्या आने के कुछ समय बाद ही माता सीता के चरित्र पर उंगलियां उठाई जाने लगीं थीं. तब प्रभु श्रीराम ने माता सीता को त्याग दिया था. श्रीराम के त्याग करने के बाद माता सीता महर्षि वाल्मीकि के आश्रम में रहीं. उन्होंने दो पुत्रों लव और कुश को जन्म दिया.

लव और कुश ने स्वयं को बताया मां सीता का पुत्र

एक दिन लव और कुश ने गायन के जरिये अयोध्या के राजमहल में श्रीराम के सामने स्वयं को माता सीता का पुत्र बताया. श्रीराम की पुत्रों का समाचार जैसे ही अयोध्या के लोगों को मिला वो प्रसन्नता से झूम उठे. फिर महर्षि वाल्मिकी माता सीता और लव कुश को लेकर अयोध्या के राजमहल में पहुंचे. उन्होंने माता सीता की पवित्रता के बारे में बताया.

इसके बाद श्रीराम ने कहा कि अगर सीता खुद अपने चरित्र का प्रमाण देंगी तो वो उनको स्वीकार कर लेंगे. इसके बाद माता सीता ने कहा कि अगर वो पवित्र हैं और उन्होंने प्रभु श्रीराम के अलावा कभी किसी के बारे में न सोचा हो तो वो धरती मां में समा जाएं. उन्होंने कहा कि हे धरती मां अगर सदा पवित्र रहीं हूं तो अपनी गोद में समा लो.

भगवान ने किया धरती के विनाश का इरादा

माता सीता की बात सुनते ही धरती तुरंत फट गई और देवी धरा माता सीता को अपने साथ ले गईं. विचित्र नजारे को देखकर राममहल में सभी लोग खड़े रह गए. माता सीता के धरती में समाते ही श्रीराम को असहनीय पीड़ा हुई. इसलिए उन्होंने क्षण भर में ये इरादा किया कि वो पूरे धरती लोक का विनाश कर देंगे. हालांकि ब्रह्मा जी ने भगवान को रोका और उनको अपने भगवत वैष्णव स्वरूप को याद करने के लिए कहा.

प्रतिस्पर्धी दुनिया में सहज बने रहने का सूत्र

पिछले वर्षों के मुकाबले पढ़े-लिखे लोगों और योग्य व्यक्तियों की संख्या बढ़ी है। जाहिर है प्रतिस्पर्धा भी बढ़ेगी। लेकिन अब प्रतिस्पर्धा, प्रतिद्वंद्विता और इससे भी आगे बढ़कर युद्ध में बदल गई है। अब लोग अपने प्रतिस्पर्धी को तनाव, चिंता और अपमान देने के नए-नए तरीके ईजाद कर चुके हैं। कई बार तो यदि प्रतिस्पर्धी कमजोर है तो वो तनावग्रस्त होकर, चिंता में डूबकर, अपमान से आहत होकर आत्महत्या तक करने की सोचता है। यह भी हिंसा है। किस युग में प्रतिस्पर्धा नहीं रही? चाहे अवतारों का युग हो या साधु-संतों का समय, सबको अपने दौर में चुनौतियां मिलीं। लेकिन उनके जो तरीके थे, वो आजमाए जाने चाहिए।

वो सिखा गए कि सामने वाले की योग्यता पर ध्यान दो। उसके निर्णयों की पूरी जानकारी और उसकी कमजोरियों पर नजर रखो। और यदि आप अपने प्रतिस्पर्धी के प्रहार से आहत हो रहे हों तो एक प्रयोग प्रतिदिन करिए। सांस लें तो ताजगी और सहजता भीतर उतारें और सांस छोड़ें तो दूसरों के द्वारा दी गई निगेटिविटी को बाहर फेंकें। यह प्रयोग आपको प्रतिस्पर्धी दुनिया में सहज बनाएगा।

कारोबार बढ़ाने में कर लें चाहे कितनी ही मेहनत, ये दिशा–दोष मुनाफा नहीं होने देंगे

आज के समय में हर व्यक्ति आर्थिक रूप से मजबूत होना चाहता है। चाहे कोई छोटा व्यापारी हो या बड़ी कंपनी का मालिक, सभी की इच्छा होती है कि व्यापार में लगातार मुनाफा बना रहे। वास्तु शास्त्र व्यक्ति की तरक्की और समृद्धि में बहुत महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।

कारोबार से जुड़ी परेशानियों, घाटे, गलत फैसलों या अटके हुए मुनाफे के पीछे घर या ऑफिस की दिशा-दोष बड़ी वजह बन जाते हैं। खासकर पश्चिम दिशा, जिसे वास्तु में लाभ और इच्छा-पूर्ति की दिशा माना गया है। आइए जानते हैं वे उपाय जो व्यापार में स्थिरता और सफलता दिला सकते हैं।

पश्चिम दिशा क्यों है सबसे महत्वपूर्ण?

वास्तु शास्त्र के अनुसार पश्चिम दिशा लाभ, अवसर और इच्छा-पूर्ति की दिशा है। यदि यह दिशा दोषपूर्ण हो, तो व्यापार में बढ़ोतरी रुक सकती है और मुनाफा हाथ नहीं लगता। कई बार सौदे होते-होते रुक जाते हैं या लागत के बराबर ही लाभ मिलता है। ऐसे में पश्चिम दिशा का साफ और संतुलित होना जरूरी है।

किस प्रकार के दोष बढ़ाते हैं नुकसान?

पश्चिम दिशा में टॉयलेट होना, लाल या हरा रंग अधिक होना या स्टील और तांबे का अत्यधिक प्रयोग व्यापार को प्रभावित करता है। इससे व्यापार में रुकावटें, गलत फैसले और लगातार नुकसान की स्थिति बन सकती है। दिशा दूषित होने पर अवसर होने के बावजूद लाभ प्राप्त नहीं होता।

कौन-से रंग करते हैं दिशा को शुभ?

वास्तु के अनुसार सफेद रंग पश्चिम दिशा का सबसे शुभ रंग है। इसके अलावा पीला, नीला और काला रंग भी सकारात्मक फल देते हैं। इन रंगों का संतुलित उपयोग व्यापार में स्थिरता लाता है और लाभ बढ़ाता है।

क्या पश्चिम दिशा में रसोई होना दोष है?

पश्चिम दिशा में किचन होना वास्तु दोष नहीं माना जाता, लेकिन इसका स्लैब पीले पत्थर का होना चाहिए। पीली स्लैब इस दिशा को ऊर्जा प्रदान करती है और व्यापार में वृद्धि करती है।

हाथ में दिखने लगे ये निशान तो समझ जाएं चमकने वाली है आपकी तकदीर

क्या आप जानते हैं कि हाथों में रेखाओं से बनने वाले चिन्हों का भी अपना खास महत्व होता है। कहते हैं जिनके हाथ में M का निशान बना होता है ऐसे लोग बेहद भाग्यशाली होते हैं। इनकी लाइफ में धन-धान्य की कभी कमी नहीं होती। ये निशान अचानक प्रगति, धन लाभ और सफलता प्राप्त होने का संकेत देता है। दुनिया में कम ही लोगों के हाथों में ये शुभ निशान देखने को मिलता है। चलिए आपको बताते हैं ये चिन्ह कहां बनता है और इससे क्या लाभ मिलते हैं।

हाथ में दिखने लगे ये निशान तो समझ जाएं चमकने वाली है आपकी तकदीर, जल्द हो जाएंगे अमीर

ज्योतिष अनुसार कम ही लोगों के हाथों में ये निशान देखने को मिलता है। लेकिन जिनके हाथ में भी ये चिन्ह होता है उन्हें धनवान बनने से कोई रोक नहीं सकता।

हाथ में कहां बनता है M का निशान

M का निशान हथेली की हृदय रेखा, मस्तिष्क रेखा, जीवन रेखा और भाग्य रेखा से मिलकर बनता है। यह चिन्ह व्यक्ति को विशेष बनाता है।

M निशान क्या देता है संकेत

सामुद्रिक शास्त्र के अनुसार हथेली पर M का बनना इस बात का संकेत है कि व्यक्ति जीवन में खूब तरक्की पाएगा।

जिनके हाथ में ये निशान होता है उनके जीवन में अचानक धन लाभ के योग बनते हैं।

ऐसे लोग बेहद बुद्धिमान, समझदार, निर्णय लेने में तेज और दूरदर्शी होते हैं। ये लाइफ में जो भी फैसला लेते हैं वो सही साबित होता है।

ऐसे लोग दूसरों को प्रेरित करने वाले होते हैं। इनके अंदर नेतृत्व करने की क्षमता जन्मजात होती है। यही कारण है कि ये करियर में बड़ा मुकाम पाते हैं।

ये लोग हमेशा सच्चाई के रास्ते पर चलते हैं। छल-कपट से दूर रहते हैं।

ईमानदारी इनके जीवन की ताकत बनती है।

ये अत्याधिक मेहनती होते हैं। जो भी काम हाथ में लेते हैं उसमें सफलता पाकर ही दम लेते हैं।

ये लोग काफी अध्यात्मिक भी होते हैं।

कम उम्र में ही सफलता इनके कदम चूम लेती है।

ये दूसरों की मदद के लिए भी हमेशा तैयार रहते हैं।

इन पर मां लक्ष्मी की विशेष कृपा सदैव बनी रहती है।

मां लक्ष्मी की प्रिय होती हैं इन 7 तारीखों में जन्मी लड़कियां

पल भर में बदल देती हैं पति और ससुराल वालों की किस्मत

अंक ज्योतिष के अनुसार हर व्यक्ति की जन्म तारीख उसके स्वभाव, भाग्य, करियर और जीवन को प्रभावित करती है। आज हम आपको ऐसी 7 तारीखों के बारे में बताएंगे जिनमें जन्मी लड़कियां बेहद भाग्यशाली मानी जाती हैं। इन लड़कियों पर मां लक्ष्मी की विशेष कृपा रहती है। कहते हैं ये लड़कियां जिस घर में जाती हैं वहां खुशहाली और समृद्धि खुद ब खुद आ जाती है। चलिए आपको बताते हैं ये किन जन्म तारीख वाली लड़कियां हैं।

अंकज्योतिष शास्त्र अनुसार 1, 6, 10, 15, 19, 24 और 28 तारीख में जन्मी लड़कियां बेहद भाग्यशाली मानी जाती हैं। कहते हैं इन पर मां लक्ष्मी की विशेष कृपा सदैव बनी रहती है। यही कारण है कि ये जिस घर में भी जाती हैं वहां धन-धान्य की कभी कमी नहीं होती। ससुराल में इनके पैर पड़ते ही सभी की किस्मत चमक जाती है। पति को करियर में खूब ग्रोथ मिलने लगती है। बता दें महीने की 1, 10, 19 और 28 तारीख में जन्मी लड़कियों का मूलांक 1 होता है तो वहीं 6, 15 और 24 तारीख में जन्मी लड़कियों का मूलांक 6 होता है। जहां मूलांक 1 का संबंध सूर्य देव से माना जाता है तो वहीं मूलांक 6 शुक्र का अंक है। ज्योतिष में सूर्य और शुक्र दोनों ही ग्रहों का विशेष महत्व माना जाता है। कहते हैं जिनकी कुंडली में ये ग्रह मजबूत होते हैं उन्हें जीवन में अपार सफलता मिलती है।

मूलांक 1 और 6 की लड़कियों की खासियत

अंकज्योतिष अनुसार इन दोनों ही मूलांक की लड़कियां किस्मत की धनी तो होती ही हैं साथ ही मेहनती भी होती हैं। ये जो भी काम हाथ में लेती हैं उसे पूरा करके ही दम लेती हैं। इन्हें जीवन में तमाम सुख प्राप्त होते हैं। ये सरल और हंसमुख स्वभाव की भी होती हैं जिस वजह से किसी का भी दिल आसानी से जीत लेती हैं। अपनी जिम्मेदारियों को भी बखूबी निभाती हैं।

इस जन्म में क्यों मिलता है पिछले जन्म के कर्मों का फल?

व्यक्ति को हमेशा अपने पूर्व जन्म के बारे में जानने की इच्छा होती है. व्यक्ति जानना चाहता है कि पूर्व जन्म की चीजें कितनी सही हैं और कितनी नहीं. पूर्व जन्म की बातों का दावा करने वाले भी कई लोग मिलते हैं. अक्सर सुनने को मिलता है कि पूर्व जन्म का फल व्यक्ति को इस जन्म में अवश्य प्राप्त होता है. इस पर बहुत लोगों का विश्वास है कि ऐसा सच में होता है।

बहुत पुराना दंड भी भोगना पड़ता है– प्रेमानंद महाराज इस सवाल का जवाब देते हुए प्रेमानंद महाराज ने कहा कि किसी को मार डालोगे तो क्या फांसी की सजा तुरंत हो जाएगी? पांच-दस साल केस चलता है की नहीं. इसी तरह भगवान की बहुत बड़ी न्यायालय है, जहां वो समस्त ब्रह्मांड का न्याय करते हैं. 100-100 जन्म का पूराना पाप क्यों न हो वो भी व्यक्ति को भोगना अवश्य ही पड़ता है. ऐसे में बहुत पुराना दंड भी व्यक्ति को भोगना पड़ता है।

भगवान के दरबार में कोई घूस नहीं चलती

भगवान के दरबार में कोई गवाही नहीं चलती है. कोई घूस भी नहीं चलती है. भगवान की न्यायलय बहुत बड़ी है. रजिस्टर लेट खुलता है, लेकिन जब खुलता है, तो हिसाब पक्का होता है. प्रेमानंद महाराज ने आगे कहा कि कर्म करते समय हमेशा होश में रहो. पाप कर्म करने बाद वो भले ही अंतर्ध्यान हो गया हो, लेकिन समय आने पर उसका दंड अवश्य भोगना पड़ता है. पाप कर्म नहीं अच्छे कर्म करने चाहिए।

प्रेमानंद महाराज भक्तों को हमेशा नाम जपने के लिए कहा करते हैं. उनका कहा कि नाम जपने से ही कल्याण होगा. बता दें कि बड़ी संख्या में भक्त प्रेमानंद महाराज को सुनते हैं और उनकी दी गई सीख को जीवन में उताररते हैं।

दूसरों की परवाह करना छोड़ें आपका जीवन खिल उठेगा

ओशो कहते हैं– जीवन तब तक बोझ बना रहता है, जब तक हम दूसरों की नजरों में अच्छा दिखने की चाहत रखते हैं. लोग क्या कहेंगेर यह वाक्य हमें भीतर से खोखला कर देता है. हम अपनी असली पहचान छोड़कर एक मुखौटा पहन लेते हैं. और धीरे-धीरे वह मुखौटा ही हमारी पहचान बन जाता है।

ओशो के अनुसार सच्चाई यह है कि किसी को खुश करने का कोई अंत नहीं है. जब तुम सबको खुश रखने की कोशिश करते हो, तो तुम खुद से दूर हो जाते हो. जीवन का पहला सत्य है –स्वयं को स्वीकार करना. ओशो सलाह देते हैं कि जब तुम खुद को जैसे हो

वैसे स्वीकार कर लेते हो, तो तुम्हारे भीतर से एक असीम शांति बहने लगती है।

खुद से प्रेम करना सीखो

ओशो कहते हैं, जो व्यक्ति स्वयं से प्रेम नहीं करता, वह किसी से भी सच्चा प्रेम नहीं कर सकता. जब तुम खुद को स्वीकारते हो, तभी तुम दूसरों को भी बिना शर्त स्वीकारना सीखते हो. दूसरों की राय से मुक्ति ही सच्ची स्वतंत्रता है।

जब आप जीवन में इसे आत्मसात कर लेते हों तो उस क्षण से आप किसी के गुलाम नहीं रहते. वे कहते हैं कि खुद को ठीक करने की कोशिश नहीं छोड़ देना चाहिए, बल्कि खुद के हर रूप को समझना ही सच्ची अनुभूति है. जो जैसा है, उसे देखने की हिम्मत रखना चाहिए तभी परिवर्तन सहज रूप से आता है।

असली स्वतंत्रता बाहर नहीं, भीतर है

ओशो समझाते हैं कि तुम्हें अपनी जिंदगी दूसरों के कानून से नहीं, अपने अनुभव से जीनी होगी. जब तुम दिखावा छोड़ देते हो, तो एक आंतरिक प्रकाश प्रकट होता है. वह प्रकाश तुम्हें दिशा देता है. तब जीवन का हर पल साधना बन जाता है।

ओशो कहते हैं कि जो खुद को स्वीकार लेता है, उसे पूरी दुनिया स्वीकार कर लेती है. जीवन की सुंदरता तब खिलती है, जब हम किसी को साबित करना बंद कर देते हैं. क्योंकि असली स्वतंत्रता बाहर नहीं, हमारे भीतर है।

सामंथा रुथप्रभू ने की डायरेक्टर राज निदिमोरू से शादी

कोयम्बटूर के मंदिर में प्राचीन योगिक परंपरा से भूत शुद्धि विवाह किया

एक्ट्रेस सामंथा रुथप्रभू ने सोमवार को द फैमिली मैन के प्रोड्यूसर-डायरेक्टर राज निदिमोरू से शादी कर ली है। कपल की शादी कोयम्बटूर के ईशा योग सेंटर के लिंग भैरवी मंदिर में प्राचीन योगिक परंपरा से हुई है। सामंथा रुथप्रभू ने शादी की तस्वीरें पोस्ट कर आधिकारिक घोषणा की है। उन्होंने तस्वीरों के साथ लिखा है- '01.12.2025।'

सामंथा-राज ने इंटीमेट वेडिंग की है, जिसमें सिर्फ परिवार के लोग और करीबी दोस्त शामिल थे। कपल ने ओशो के ईशा फाउंडेशन के लिंगा भैरवी मंदिर में प्राचीन योगिक परंपरा से भूत शुद्धि विवाह किया है। यह एक खास प्रक्रिया है, जिसमें शादी करने वाले दोनों लोगों के बीच ऐसा गहरा रिश्ता बनाया जाता है जो सिर्फ सोच, भावनाओं या शरीर तक सीमित न होकर शरीर के पांचों तत्वों के स्तर पर जुड़ता है। लिंग भैरवी मंदिरों या कुछ चुनिंदा जगहों पर किया जाने वाला यह विवाह, दंपत्ति के भीतर मौजूद पांच तत्वों को शुद्ध करता है और उनके रिश्ते में शांति, समृद्धि और आध्यात्मिक संतुलन पैदा करता है, जिसमें देवी की कृपा होती है।

राज निदिमोरू की पूर्व पत्नी ने की क्रिप्टिक पोस्ट

रविवार शाम को सामंथा और राज निदिमोरू की सगाई की खबरें सामने आई थीं, जिसके बाद राज की पूर्व पत्नी श्यामली डे ने एक क्रिप्टिक पोस्ट शेयर की है। उन्होंने ऑफिशियल इंस्टाग्राम अकाउंट के स्टोरी सेक्शन से लिखा, उतावले लोग उतावले काम करते हैं। सामंथा रुथप्रभू और राज निदिमोरू की डेटिंग की खबरें बीते कई महीनों से सुर्खियों में हैं। दोनों ने पॉपुलर सीरीज द फैमिली के दूसरे सीजन में साथ काम किया था। द फैमिली मैन 2 सीरीज 29 दिसंबर 2020 में रिलीज हुई थी।

इसके बाद से ही सामंथा और राज निदिमोरू को कई मौकों पर साथ स्पॉट किया गया था। हाल ही में सामंथा ने राज को गले लगाए हुए एक तस्वीर पोस्ट कर रिलेशनशिप का हिंट भी दिया था। हालांकि दोनों ने कभी अपना रिलेशनशिप ऑफिशियल नहीं किया गया था।

कौन हैं राज निदिमोरू?

50 साल के राज निदिमोरू, फिल्ममेकर हैं। उनकी और डीके (कृष्णा दसराकोठापल्ली) की फिल्ममेकर जोड़ी फिल्म इंडस्ट्री में काफी पॉपुलर है। दोनों ने यूके से सॉफ्टवेयर इंजीनियरिंग करने के बाद 2002 की फिल्म शादी डॉट कॉम से साथ में फिल्म इंडस्ट्री में करियर की शुरुआत की थी। इसके बाद दोनों ने साल 2003 से स्वतंत्र फिल्ममेकर के तौर पर फिल्म 99 लिखी, प्रोड्यूस की और डायरेक्ट की। इसके बाद दोनों ने शोर इन द सिटी, गो गोवा गोन, हैप्पी एंडिंग, ए जेंटलमैन जैसी फिल्में लिखने के साथ-साथ इनका निर्देशन भी किया।

साल 2019 से राज और डीके ने ओटीटी में कदम रखा और मनोज बाजपेयी स्टारर सीरीज द फैमिली मैन डायरेक्ट-प्रोड्यूसर की। आगे उन्होंने फर्जी, सिटाडेल और गन्स और गुलाब जैसी सीरीज बनाईं। राज और डीके की जोड़ी ने ही श्रद्धा कपूर और राजकुमार राव स्टारर फिल्म स्त्री लिखी और प्रोड्यूस की है।

2022 में सामंथा ने लिया था नागा चैतन्य से तलाक

सामंथा रुथप्रभू और नागा चैतन्य फिल्म ये माया चेसावे में साथ नजर आए थे। इस फिल्म के सेट पर दोनों एक दूसरे को पसंद करने लगे और रिलेशनशिप में आ गए। 7 सालों तक रिलेशनशिप में रहने के बाद सामंथा ने साउथ स्टार नागा चैतन्य से साल 2017 में शादी की थी। दोनों की शादी हिंदू और क्रिश्चियन रीति-रिवाजों से हुई थी।

शादी के बाद सामंथा ने अपना सरनेम अक्किनेनी कर लिया था, हालांकि जुलाई 2021 में उन्होंने सामंथा अक्किनेनी से नाम सामंथा रुथप्रभू कर लिया। इसके बाद से ही दोनों के तलाक की खबरें सामने आने लगीं और दोनों ने अक्टूबर 2021 में तलाक की अनाउंसमेंट कर दी। सामंथा से तलाक लेने के 2 साल बाद नागा चैतन्य ने एक्ट्रेस शोभिता धूलिपाला से शादी की है।

गूगल पर ट्रेंड कर रही हैं सामंथा

शादी की अनाउंसमेंट के बाद से ही सामंथा गूगल पर ट्रेंड कर रही हैं। उन्हें काफी सर्च किया जा रहा है।

राज और सामंथा की नेटवर्थ

मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, 2025 में राज निदिमोरु की कुल नेटवर्थ 83-85 करोड़ रुपये के आसपास आंकी गई है। राज मुंबई में एक लग्जरी अपार्टमेंट में रहते हैं। उनके पास महंगी गाड़ियां है। निर्देशक की कमाई का ज्यादातर हिस्सा फिल्मों, ओटीटी प्रोजेक्ट्स और ब्रांड एंडोर्समेंट्स से आता है। 15 साल काम करने के बाद सामंथा की संपत्ति 101 करोड़ के करीब है। ब्रांड एंडॉर्समेंट्स और फिल्मों से एक्ट्रेस जमकर नोट छापती हैं। वह एक फिल्म के लिए 3 से 5 करोड़ रुपये फीस चार्ज करती हैं। जबकि ब्रांड एंडॉर्समेंट से वह हर साल 8 करोड़ रुपए के लगभग कमाती है। इसके अलावा मुबई में 10 से 15 करोड़ रुपए की प्रॉपर्टी एक्ट्रेस के पास है। इसमें उनकी महंगी गाड़ियां भी शामिल हैं।

सामंथा ने कम समय में ही साउथ फिल्म इंडस्ट्री में अपने लिए जगह बना ली। वह कई नामी एक्टर्स के साथ फिल्मों में हीरोइन के तौर पर नजर आईं। जैसे साल 2016 में रिलीज हुई तमिल फिल्म '24' में सामंथा ने सूर्या के साथ अभिनय किया। विजय थलापति की फिल्म 'थेरी(2016)' में भी सामंथा लीड रोल में नजर आईं।

'आखिरी दिनों में वे बहुत कष्ट में थे', धर्मेंद्र को याद कर हेमा मालिनी की छलकीं आखें

इस बात का जताया अफसोस

धर्मेंद्र इस दुनिया में नहीं रहे। सोमवार 24 नवंबर को उन्होंने 89 वर्ष की आयु में दुनिया को अलविदा कह दिया। प्राइवेट तरीके से देओल परिवार ने अभिनेता का अंतिम संस्कार मुंबई के पवन हंस श्मशान घाट पर किया। बॉलीवुड के ही-मैन की अंतिम यात्रा में परिवार के अलावा कई फिल्मी हस्तियां भी पहुंचीं। मगर, फैंस अपने चहेते सितारे के अंतिम दर्शन नहीं कर सके। हाल ही में हेमा मालिनी ने जल्दबाजी में हुए धर्मेंद्र के अंतिम संस्कार पर चुप्पी तोड़ी है और उनके आखिरी दिनों के बारे में बात की है।

हेमा मालिनी बोलीं- 'काश फॉर्महाउस पर मिल पाती'

यूएई के फिल्ममेकर हमाद अल रेयामी ने धर्मेंद्र के निधन के बाद हाल ही में हेमा मालिनी से मुलाकात की। उन्होंने इंस्टाग्राम पर हेमा संग तस्वीर शेयर करते हुए एक लंबा नोट लिखा है। उन्होंने इस नोट में लिखा है कि हेमा मालिनी के साथ मुलाकात के बाद उन्होंने एहसास हुआ कि वे कितनी गहरी उदासी में जी रही हैं। हेमा को अपने हमसफर धर्मेंद्र के साथ ज्यादा समय नहीं बिता पाने का अफसोस है। हेमा मालिनी ने अपनी कांपती आवाज में रेयामी के सामने कहा कि काश वे दो महीने पहले की तरह धर्मेंद्र से फॉर्महाउस पर मिल पातीं। साथ ही हेमा मालिनी ने कहा कि आखिरी दिनों में धर्मेंद्र सेहत की वजह से बेहद कष्ट में थे।

'दुख को छिपाने की कोशिश करती रहीं हेमा'

निर्माता हमाद अल रेयामी ने अरेबिक भाषा में लंबा नोट लिखा है। उन्होंने लिखा है, 'शोक के तीसरे दिन मैं मशहूर आर्टिस्ट हेमा मालिनी से मिलने गया, जो दिवंगत सुपरस्टार धर्मेंद्र की पत्नी हैं। यह पहली बार था, जब मैं उनसे आमने-सामने मिला था। हालांकि मैंने उन्हें पहले भी कई बार दूर से देखा था, लेकिन इस बार कुछ अलग था। यह एक दुखद अवसर था, ऐसा दुख जो लगभग समझ से बाहर है। मैं कितनी भी कोशिश कर लूं, मैं उनके साथ बैठा और मैं उनके चेहरे पर एक अंदरूनी उथल-पुथल देख सकता था जिसे वे पूरी तरह छिपाने की कोशिश कर रही थीं'।

हेमा ने कहा- 'काश...उनसे मिल पाती'

रेयामी ने आगे लिखा है, मुलाकात में हेमा मालिनी ने धर्मेंद्र की कविताओं का जिक्र किया। उन्होंने याद करते हुए कहा कि किस तरह उन्होंने धर्मेंद्र से अपने आर्टिकल पब्लिश कराने के लिए कहा था, लेकिन उन्होंने मुस्कुराते हुए कहा, 'अभी नहीं, पहले कुछ कविताएं पूरी कर लेने दो। मगर दुखद कि वक्त ने धर्मेंद्र को यह ख्वाहिश पूरी नहीं करने दी'। फिल्ममेकर ने लिखा, 'हेमा ने कांपती हुई आवाज में मुझसे कहा, 'काश मैं फॉर्महाउस पर उनके साथ होती, जहां दो महीने पहले उनसे मिली थी'

क्यों किया गया जल्दबाजी में अंतिम संस्कार?

हेमा मालिनी ने इस दौरान जल्दबाजी में प्राइवेट तरीके से हुए अभिनेता के अंतिम संस्कार के फैसले पर भी बात की। उन्होंने कहा कि धर्मेंद्र हमेशा से चाहते थे कि उन्हें मजबूत देखा जाए। परिवार वाले भी उन्हें कभी कमजोर या बीमार न देखें। उनके आखिरी दिन बहुत दर्दनाक थे और उन्हें लगा कि फैंस को उन्हें उनकी पूरी ताकत के साथ याद रखना चाहिए न कि उनके दुख के साथ। फिर उन्होंने बहुत दुख के साथ कहा कि उन्हें अफसोस है कि उनके फैंस को उन्हें आखिरी बार देखने का मौका नहीं मिला। रेयामी ने आगे लिखा, 'जब मैं जाने के लिए तैयार था तो मैंने हेमा मालिनी से बहुत शर्माते हुए उनके साथ एक फोटो लेने के लिए कहा, क्योंकि मेरे पास उनके साथ कोई फोटो नहीं थी। और, उनका रिएक्शन वैसा ही था, जैसा हमेशा धर्मेंद्र का रिएक्शन होता था। चेहरे पर मुस्कान और स्वागतभरा। मेरे हमेशा के हीरो लेजेंडरी सुपरस्टार धर्मेंद्र को अलविदा'।

मेजर शैतान सिंह भाटी की जयंती पर फरहान अख्तर ने दी श्रद्धांजलि

लिखा- रेजांग ला की लड़ाई में 120 निडर योद्धाओं से प्रेरणा लेते रहे

अभिनेता-फिल्म निर्माता और निर्देशक फरहान अख्तर ने आज सोमवार को परमवीर चक्र विजेता मेजर शैतान सिंह भाटी की 101वीं जयंती पर उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि दी। फरहान ने अपनी हालिया रिलीज फिल्म '120 बहादुर' में मेजर शैतान सिंह भाटी की भूमिका निभाई है।

फरहान ने आज मेजर शैतान सिंह भाटी की जयंती पर उनकी एक खास तस्वीर इंस्टाग्राम पर शेयर की। इसके साथ ही फरहान ने मेजर शैतान सिंह भाटी की 101वीं जयंती पर उन्हें याद करते हुए लिखा, 'हम उनसे और रेजांग ला की लड़ाई में उनके नेतृत्व वाले 120 निडर योद्धाओं से प्रेरणा लेते रहें।' इसके साथ ही फरहान ने मेजर शैतान सिंह भाटी के पुत्र नरपत सिंह और भाटी परिवार के लिए कृतज्ञता जाहिर की।

फिल्म '120 बहादुर' के बारे में'

120 बहादुर' भारत-चीन युद्ध 1962 के दौरान हुई रेजांग ला की लड़ाई पर आधारित है। इस लड़ाई में 120 भारतीय सैनिकों ने 3000 से ज्यादा चीनी सैनिकों से लोहा लिया था। लड़ाई खत्म होने पर इस भारतीय टुकड़ी से केवल 6 सैनिक जिंदा बचे थे। '120 बहादुर' इसी कहानी को पर्दे पर लेकर आई है। फिल्म '120 बहादुर' में फरहान ने मेजर शैतान सिंह भाटी की भूमिका निभाई है।

कौन थे मेजर शैतान सिंह भाटी

मेजर शैतान सिंह भाटी का जन्म 1 दिसम्बर 1924 को हुआ और उनकी मृत्यु 18 नवम्बर 1962 को हुई। वह एक भारतीय सेना अधिकारी थे।

उनका निधन भारत-चीन युद्ध में हुआ था। उन्होंने नागा हिल्स ऑपरेशन में हिस्सा लिया था। उनकी वीरता और देश प्रेम को सम्मान देते हुए भारत सरकार ने साल 1963 में उन्हें परमवीर चक्र से सम्मानित किया।

मौनी रॉय को महीनों बाद देख उड़े सबके होश

पूछ रहे- शक्ल को क्या हुआ, वजन कितना होगा!

मौनी रॉय को अक्सर पपाराजी के लिए पोज देते देखा जाता है। इस बार उनके साथ उनकी दोस्त भी थीं जिनके बारे में फैंस पूछताछ कर रहे हैं। एक्ट्रेस ने फिटेड ब्लैक स्कर्ट और व्हाइट शर्ट पहनी थी। उन्होंने इसे टाई और ब्लैक हील्स के साथ पेयर किया था।

कुछ सेलेब्रिटीज को अपना ग्लैमर दिखाने के लिए रेड कार्पेट की जरूरत नहीं होती और मौनी रॉय इसका एक बेहतरीन उदाहरण हैं। बीती शाम उन्हें मुंबई की सड़कों पर जलवे बिखेरने के बाद एक वेन्यू से निकलते हुए देखा गया। कैमरे उनके पीछे-पीछे चल रहे थे, लेकिन मौनी यूं ही आगे नहीं बढ़ीं, बल्कि इंतजार करती रहीं और फोटोग्राफर्स को 'हाय' कहा।

मौनी रॉय अपनी कार की ओर जाने से पहले फोटोग्राफरों को पोज दे रही थीं, अपनी मुस्कान के साथ वो काफी देर तक रुकी रहीं। उन्होंने न केवल सोलो पोज दिए, बल्कि अपनी दोस्त को भी फ्रेम में बुलाया। एक्ट्रेस ने फिटेड ब्लैक स्कर्ट और व्हाइट शर्ट पहनी थी। उन्होंने इसे टाई और ब्लैक हील्स के साथ पेयर किया था। लेकिन लोगों ने जिसके बारे में पूछना शुरू कर दिया वो थीं उनकी दोस्त। हर कोई यही जानना चाहता है कि मौनी की ये सहेली आखिर हैं कौन। वहीं, कुछ मौनी के घटे हुए वजन पर सवाल उठाते नजर आए।

मौनी रॉय की सहेली पर फैंस फिदा

कुछ समय पहले दिशा पाटनी, मौनी रॉय और सोनम बाजवा को साथ देखा गया था। ये दोनों दोस्त एक मस्ती भरी डेट नाइट पर निकलीं और उनकी दिलकश तस्वीरें अब सोशल मीडिया पर वायरल हो रही हैं। एक्ट्रेस ने इंस्टाग्राम पर अपनी हंसी और खुलकर बिताए पलों की एक झलक पोस्ट करते हुए लिखा, 'गर्लफ्रेंड्स सबसे अच्छी होती हैं - टेस्ट ! #डेटनाइट।'

मौनी रॉय की आने वाली फिल्म

मौनी रॉय आखिरी बार 'द भूतनी' में नजर आई थीं, जिसमें पलक तिवारी, संजय दत्त और सनी सिंह भी थे। इसके बाद, उनके पास कई प्रोजेक्ट्स हैं, जिनमें डेविड धवन की 'है जवानी तो इश्क होना है' भी शामिल है, जिसमें वरुण धवन और पूजा हेगड़े भी हैं। कलाकारों में मृणाल ठाकुर, चंकी पांडे, मनीष पॉल, जिमी शेरगिल, राकेश बेदी, अली असगर, कुब्रा सैत, रोहित सराफ, राजीव खंडेलवाल, नितीश निर्मल और श्रीलीला हैं। मौनी ने हाल ही में अपनी आगामी फिल्म 'द वाइव्स' की शूटिंग शुरू की है।

वी शांताराम की बायोपिक में नजर आएंगे सिद्धांत चतुर्वेदी

भारतीय फिल्म निर्माता, फिल्म निर्देशक और अभिनेता वी शांताराम की बायोपिक में सिद्धांत चतुर्वेदी मुख्य भूमिका में नजर आएंगे। आज निर्माताओं ने फिल्म का एक खास पोस्टर शेयर किया है। जिसमें सिद्धांत का लुक फैंस को बेहद पसंद आ रहा है।

पहला पोस्टर हुआ रिलीज

इस फिल्म के पहले पोस्टर में सिद्धांत चतुर्वेदी धोती, कुर्ता, कोट और टोपी पहने स्टाइलिश अंदाज में पोज देते नजर आ रहे हैं। सिद्धांत के पीछे एक चील और खुला आसमान दिखाई दे रहा है। इस पोस्टर के साथ निर्माताओं ने कैप्शन में लिखा, 'भारतीय सिनेमा को नया रूप देने वाला विद्रोही बड़े पर्दे पर वापस आ गया है।' फिल्म के पोस्टर को लेकर सिद्धांत के फैंस ने अपनी राय पेश की है। एक फैन ने लिखा, 'मुझे पहले से ही यकीन है कि आप इसमें भी अच्छा प्रदर्शन करेंगे शुभकामनाएं', एक और फैन ने लिखा, 'सिद्धांत भाई आप बहुत गजब लग रहे हो।'

यह फिल्म वी शांताराम की बायोपिक है। इस फिल्म में सिद्धांत चतुर्वेदी मुख्य भूमिका निभाएंगे। यानी अब फैंस अभिनेता-फिल्म निर्माता वी शांताराम के असाधारण जीवन को बड़े पर्दे पर देख सकेंगे। इस फिल्म को अभिजीत शिरीष देशपांडे ने लिखा और निर्देशित किया है। इस फिल्म का निर्माण राहुल किरण शांताराम, सुभाष काले और सरिता अश्विन वर्दे मिलकर कर रहे हैं। यह फिल्म निर्माता वी. शांताराम के जीवन और उनके अविश्वसनीय काम पर आधारित होगी। कथित तौर पर फिल्म में तमन्ना भाटिया और फरदीन खान जैसे कलाकार भी अहम भूमिकाओं में नजर आ सकते हैं।

कौन थे वी शांताराम

शांताराम राजाराम वणकुद्रे का जन्म 18 नवंबर 1901 को हुआ। वी. शांताराम को प्यार से लोग शांताराम बापू कहते थे।

वह एक भारतीय फिल्म निर्माता, फिल्म निर्देशक और अभिनेता थे। उन्हें 'अमर भूपाली', 'झनक झनक पायल बाजे', 'दो आंखे बारह हाथ', 'नवरंग', 'दुनिया न माने' और 'पिंजरा' जैसी फिल्मों के लिए जाना जाता है। उन्होंने 1927 में अपनी पहली फिल्म 'नेताजी पालकर' को निर्देशित किया था।

जया बच्चन ने पैपराजी को लताड़ा तो भड़के अशोक पंडित, बोले- 'एक्टर्स खुद ही उन्हें बुलाते हैं'

अभिनेत्री जया बच्चन ने हाल ही में पैपराजी पर नाराजगी जाहिर की थी। उन्होंने पैपराजी के पहनावे और उनरे रवैये तक पर अपनी गुस्सा जाहिर की थी। अब फिल्म निर्माता अशोक पंडित ने जया बच्चन के रवैये व प्रतिक्रिया की आलोचना की है। उन्होंने एक नोट साझा करके जया बच्चन के बयानों की कड़े शब्दों में निंदा करते हुए इसे घमंडी करार दिया।

पूरे पैपराजी समुदाय को नीचा दिखाने वाला बयान

अशोक पंडित ने साझा किए अपने नोट में लिखा, पैपराजी के खिलाफ जया बच्चन के बयान से घमंड की बू आ रही है। कुछ पैपराजी की आक्रामक कवरेज की आलोचना करना एक बात है, लेकिन पूरी तरह से क्लासिक टिप्पणियों से भरे इस पेशे को पूरी तरह से नीचा दिखाना हमारी फिल्म इंडस्ट्री की सीनियर सदस्य व एक सांसद के लिए अच्छा नहीं है। अभिनेत्री कुछ व्यक्तियों के व्यवहार की आलोचना करने के लिए स्वतंत्र थीं, लेकिन उनकी टिप्पणियों से मेहनती पेशेवरों के पूरे समुदाय का अपमान हुआ है।

अपने अंदर झांकें जया बच्चन

फिल्ममेकर ने आगे कहा कि वे मेहनती पेशेवर हैं और अपना काम कर रहे हैं। इसके लिए अक्सर उन्हें सितारों और उनकी पीआर टीमों द्वारा बुलाया जाता है। इसलिए अगर उन्हें पैपराजी कल्चर से इतनी ही परेशानी है, तो इस बेवजह की नाराजगी के बजाय अपने अंदर झांकने का समय आ गया है।

जया बच्चन ने की थी ऐसी टिप्पणी

हाल ही में एक कार्यक्रम में बोलते हुए जया बच्चन ने कहा था कि मीडिया के साथ मेरा रिश्ता शानदार है। मैं मीडिया की उपज हूं, लेकिन पैपराजी के साथ मेरा रिश्ता जीरो है। ये लोग कौन हैं? क्या इन्हें इस देश के लोगों का प्रतिनिधित्व करने के लिए प्रशिक्षित किया गया है? आप इन्हें मीडिया कहते हैं? मेरे पिता एक पत्रकार थे।

ऐसे लोगों के लिए मेरे मन में बहुत सम्मान है। लेकिन ये लोग जो तंग, गंदे ड्रेनपाइप पैंट पहनते हैं और हाथ में मोबाइल फोन लिए रहते हैं, क्या उन्हें लगता है कि उनके हाथ में मोबाइल इसलिए है ताकि वे आपकी तस्वीर ले सकें?

विक्रम भट्ट पर गिरफ्तारी की तलवार लटकी, उदयपुर पुलिस ने भेजा नोटिस

डॉक्टर को 200 करोड़ रुपये की कमाई का झांसा

डायरेक्टर विक्रम भट्ट, उनकी पत्नी श्वेतांबरी समेत 6 लोगों पर इस वक्त कानूनी तलवार लटकी नजर आ रही है। इन सबपर करोड़ों की ठगी का आरोप है और उदयपुर पुलिस ने उन्हें नोटिस भेजा है। ये मामला एक नामी डॉक्टर से फिल्म बनाने के नाम पर करीब 30 करोड़ रुपये ठगने के आरोप से जुड़ा है। आरोपियों को इस मामले में 8 दिसम्बर तक पुलिस के सामने पेश होने के लिए कहा गया है। इस मामले में इससे पहले भी एक नोटिस भेजा गया था, जिसका जवाब नहीं दिया गया। रिपोर्ट के मुताबिक, धोखाधड़ी का केस दर्ज होने के

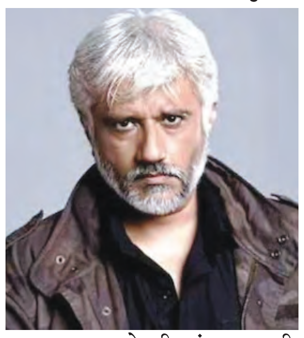

बाद इस मामले की जांच कर रही पुलिस ने विक्रम भट्ट के दो सहयोगियों को गिरफ्तार किया। खबर है कि अब अगर उदयपुर पुलिस के नोटिस पर विक्रम भट्ट नहीं पहुंचते हैं तो उनकी गिरफ्तारी संभव है। वहीं खबर है कि इस मामले में भट्ट ने गिरफ्तारी से बचने के लिए बॉम्बे हाईकोर्ट में ट्रांजिट बेल की अर्जी भी लगा दी है। इस मामले में सभी आरोपियों की भूमिका की भी जांच की जा रही है।

इस करोड़ों की धोखाधड़ी केस में विक्रम भट्ट के को-प्रोड्यूसर महबूब अंसारी और वेंडर संदीप विश्वनाथ त्रिभुवन को 17 नवंबर को मुंबई से गिरफ्तार किया गया। दोनों को इस मामले में पूछताछ के लिए दोनों आरोपियों को 1 दिसंबर तक रिमांड पर रखा गया है। विक्रम भट्ट पर इंदिरा आईवीएफ के फाउंडर डॉ. अजय मुर्डिया ने 30 करोड़ की धोखाधड़ी का आरोप लगाया है। फिल्म डायरेक्टर पर आरोप है कि उन्होंने 4 फिल्मों का वादा कर डॉ. अजय मुर्डिया से ऑनलाइन 44.29 करोड़ रुपए लिए। वहीं डॉक्टर को फिल्मों से 200 करोड़ की कमाई का झांसा दिया गया था। इसी दौरान 30 करोड़ की धोखाधड़ी की गई है। अब इस फर्जीवाड़े के सामने आने के बाद से डायरेक्टर विक्रम भट्ट पर गिरफ्तारी की तलवार लटकी नजर आ रही है। वहीं इस मामले में पीड़ित डॉक्टर और विक्रम भट्ट के बीच डील करवाने वाले उदयपुर के दिनेश कटारिया की तलाश में भी पुलिस जुटी हुई है।

दफ्तर से लौटकर करें इन योगासनों का अभ्यास

योगासन मानसिक और शारीरिक सेहत के लिए लाभकारी है। हालांकि कई बार लोगों के पास सुबह के समय योगाभ्यास का समय नहीं रहता। शाम के वक्त जब कॉलेज या दफ्तर से घर वापस आते हैं तो वह योगासन करना चाहते हैं लेकिन इस असमंजस में रहते हैं कि क्या शाम या रात में योगासन करना लाभकारी होगा। इसका अच्छा असर पड़ेगा? योग विज्ञान के मुताबिक, दिन को चार भागों में बांटा गया है, ब्रह्म मुहूर्त, सूर्योदय, दोपहर और सूर्यास्त। वैसे तो सुबह के समय योगाभ्यास को सबसे बेहतर समय माना जाता है लेकिन अलग अलग समय पर भी योग कर सकते हैं। सुबह के बजाए आप शान को भी योग कर सकते हैं। शाम के समय योग करते समय आपको उतनी दिक्कत भी नहीं होती, जितना सुबह के समय होती है। इसका कारण है कि दिनभर आप कई तरह की एक्टिविटी करते हैं, जिससे शरीर का वार्म अप हो जाता है। वार्म अप के बाद योग या व्यायाम करना आसान हो जाता है।

इससे रात में अच्छी नींद भी आती है और शरीर अच्छे से डिटॉक्सीफाई हो जाता है। आइए जानते हैं कि सुबह समय न मिलने पर शाम को कौन से योगासनों को कर सकते हैं और इसके क्या लाभ हैं।

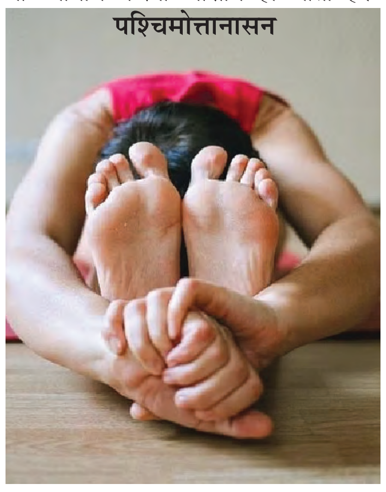

पश्चिमोत्तानासन

शाम के समय आसानी से पश्चिमोत्तानासन का अभ्यास किया जा सकता है। इस योग के अभ्यास से हड्डियों में लचीलापन और पेट की मांसपेशियां मजबूत होती हैं। पेट की चर्बी कम करने और पाचन तंत्र को सही रखने के लिए यह योगासन असरदार है। अनिद्रा व तनाव की समस्या भी दूर होती है। दिन भी दफ्तर पर लगातार कुर्सी पर बैठकर काम करने वाले लोगों की पीठ व रीढ़ की हड्डी को मजबूत करने के लिए पश्चिमोत्तानासन का अभ्यास किया जा सकता है।

त्रिकोणासन

दफ्तर में काम करते करते अक्सर लोगों की गर्दन, पीठ, कमर में दर्द होने लगता है। शरीर अकड़ जाता है। वहीं महिलाएं भी दिनभर के काम के बाद थकान व पैरों में दर्द की शिकायत से परेशान हो जाती हैं। ऐसे लोगों के लिए शाम के वक्त त्रिकोणासन का अभ्यास काफी फायदेमंद हो सकता है। इस योग से पाचन तंत्र भी ठीक हो सकता है। पेट की चर्बी और मोटापा कम करने के लिए शाम को वक्त निकालकर त्रिकोणासन का अभ्यास करें।

उत्तानासन

शरीर की इम्यूनिटी को मजबूत रखने के लिए उत्तानासन फायदेमंद है। इस आसन के अभ्यास से पीठ, कमर, पिंडली और टखनों को अच्छे से स्ट्रेच किया जाता है जो शरीर को लचीला बनाता है और दिमाग को शांत रखने व तनाव से राहत दिलाने में मदद करता है।

शाम को योगाभ्यास करते समय रखें इन बातों का ध्यान

अगर आप शाम के वक्त योगासन का अभ्यास करते हैं तो ध्यान रखें कि योग करने के समय और भोजन के बीच कम से कम एक घंटे का समय हो। खाना खाने के तुरंत बाद योग करने से पेट दर्द या अपच की शिकायत हो सकती है। योग के एक घंटे बाद ही कुछ खाना चाहिए।

शाम में योग करते समय पानी पीने का भी नियम है। योगाभ्यास से आधे या एक घंटे पहले पानी पी लें। योग के तुरंत पहले, बीच में या तुरंत बाद बहुत सारा पानी नहीं पीना चाहिए। अगर बहुत अधिक प्यास लगे तो दो से तीन घूंट पानी पी सकते हैं लेकिन इससे अधिक पानी न पीएं।

शाम को योग करना चाहते हैं तो तीन से पांच बजे का समय परफेक्ट होता है। क्योंकि अधिक देरी से योग करने पर आप अभ्यास के तुरंत बात सो जाते हैं, जिससे शरीर को फायदा नहीं मिल पाता।

जहरीली हवा सिर्फ फेफड़े नहीं दिमाग को भी नुकसान पहुंचा रही

एयर पॉल्यूशन से केवल आपके फेफड़े नहीं, बल्कि दिमाग को भी खतरा होता है। जामा जर्नल में दो हालिया स्टडीज के मुताबिक, लंबे समय तक जहरीली हवा में सांस लेने पर आपको डिप्रेशन हो सकता है। यानी वायु प्रदूषण आपकी मेंटल हेल्थ खराब कर रहा है।

क्या कहती हैं दोनों रिसर्च?

पहली स्टडीः नेटवर्क ओपन जर्नल की रिसर्च के अनुसार, लंबे समय तक खराब हवा से एक्सपोज होने से लोगों में डिप्रेशन के लक्षण आ रहे हैं। यह ज्यादातर बुजुर्गों में देखा जा रहा है।

दूसरी स्टडीः जामा साइकियाट्री जर्नल की रिसर्च में वैज्ञानिकों ने कहा है कि हवा में मौजूद दूषित कणों की कम मात्रा से भी आपको डिप्रेशन और एंग्जाइटी हो सकती है।

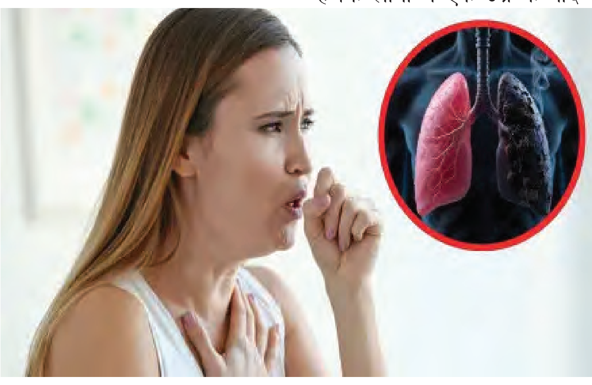

बुजुर्गों पर हुई रिसर्च

दूसरी रिसर्च में 64 साल से ज्यादा के बुजुर्गों को शामिल किया गया। ये सभी अमेरिका के रहने वाले थे। रिसर्चर्स के मुताबिक, 2005 से 2016 के बीच में 90 लाख में से 15.2 लाख बुजुर्गों में डिप्रेशन के लक्षण देखे गए। ऐसा लंबे समय तक जहरीली हवा में रहने से हुआ। वैज्ञानिकों का कहना है कि लोगों में एक उम्र के बाद ये लक्षण देखने को मिल रहे हैं।

ट्रैफिक, पावर प्लांट का पॉल्यूशन खतरनाक

जिन दूषित कणों के कारण लोगों में डिप्रेशन देखने को मिल रहा है, उनमें ट्रैफिक से निकालने वाला प्रदूषण, धूल, धुआं, नाइट्रोजन डाई-ऑक्साइड, पावर प्लांट से निकलने वाला प्रदूषण आदि शामिल है।

रिसर्चर्स का कहना है कि युवाओं में भी इसका असर देखने को मिल सकता है। एयर पॉल्यूशन से उनकी मेमोरी कमजोर होने, शारीरिक बीमारी होने और मौत तक का खतरा है।

एयर क्वालिटी से मेंटल डिसऑर्डर का खतरा

पहली स्टडी में ब्रिटेन और चीन के 3 लाख 90 हजार लोगों को शामिल किया गया। इनकी सेहत को 11 साल तक मॉनिटर किया गया।

वैज्ञानिकों ने पाया कि ब्रिटेन में एयर क्वालिटी खराब होने पर लोगों में डिप्रेशन और एंग्जाइटी के लक्षण देखे गए। यानी बढ़ती उम्र के साथ लोगों को खराब हवा से मेंटल डिसऑर्डर्स का रिस्क होता है।

सर्दियों में क्यों बढ़ जाती है फैटी लिवर की समस्या?

फैटी लिवर एक ऐसी स्थिति है जिसमें लिवर की कोशिकाओं में अतिरिक्त फैट जमा हो जाती है। यह समस्या अक्सर अनियमित जीवनशैली, खराब आहार और वजन बढ़ने से जुड़ी होती है। आश्चर्य की बात यह है कि सर्दियों के मौसम में यह समस्या अक्सर बढ़ जाती है या इसके लक्षण अधिक स्पष्ट दिखाई देने लगते हैं। इसके पीछे कई कारण हो सकते हैं, जिनमें से एक प्रमुख कारण हमारी दिनचर्या की कुछ गलत आदतें होती हैं।

यह स्थिति तब गंभीर हो जाती है जब लिवर में सूजन आने लगती है, जो आगे चलकर सिरोसिस का कारण बन सकती है। इसलिए लिवर को स्वस्थ रखने के लिए इन मौसमी खतरों को पहचानना और कुछ सावधानियां बरतना बहुत जरूरी है। आइए इस लेख में इसी के बारे में विस्तार से जानते हैं।

अधिक कैलोरी और फ्रुक्टोज युक्त भोजन

सर्दियों में हमारा रुझान स्वाभाविक रूप से अधिक कैलोरी, तले-भुने और मीठे खाद्य पदार्थों की ओर बढ़ जाता है। ये भोजन खासकर सीधे लिवर में फैट के रूप में जमा होते हैं। मिठाइयों और प्रोसेस्ड स्नैक्स का अधिक सेवन लिवर पर फैट का बोझ बढ़ाता है, जिससे फैटी लिवर की समस्या बढ़ जाती है। इसलिए ठंड के मौसम में भी संतुलित

आहार को प्रथमिकता दें।

शारीरिक निष्क्रियता और वजन बढ़ना

ठंड के कारण लोग बाहर निकलना कम कर देते हैं और घंटों बिस्तर या सोफे पर बैठे रहते हैं। शारीरिक निष्क्रियता का सीधा असर हमारे मेटाबॉलिज्म पर पड़ता है, जिससे कैलोरी बर्न होने की प्रक्रिया धीमी हो जाती है। कम खर्च और अधिक कैलोरी के सेवन से वजन तेजी से बढ़ता है, और यह फैट सीधे लिवर में जमा होकर फैटी लिवर की समस्या को गंभीर बना देती है।

शराब का सेवन

सर्दियों की पार्टियों और जश्न में अक्सर शराब का सेवन बढ़ जाता है। लिवर को शराब को पचाने के लिए बहुत मेहनत करनी पड़ती है। अल्कोहल सीधे लिवर की कोशिकाओं को नुकसान पहुंचाता है और फैट के जमाव को बढ़ावा देता है। इसलिए किसी भी व्यक्ति को शराब का सेवन नहीं करना चाहिए। अगर किसी को पहले से ही नॉन-अल्कोहलिक फैटी लिवर है, तो शराब का सेवन इसे अल्कोहलिक हेपेटाइटिस में बदल सकता है।

अभी से बरतें ये सावधानियां-

ठंड होने पर भी, घर के अंदर योग, स्किपिंग या हल्की जॉगिंग करें। रोजाना 30 मिनट की सक्रियता जरूरी है।

अपने आहार में हरी पत्तेदार सब्जियां, फल, दालें और लीन प्रोटीन (जैसे अंडे, पनीर) शामिल करें। ये लिवर को डिटॉक्स करने में मदद करते हैं।

कोल्ड ड्रिंक्स, पैकेज्ड जूस और अधिक चीनी वाली मिठाइयों से बचें।

सर्दियों में भी पर्याप्त मात्रा में गुनगुना पानी पीते रहें।

क्या डायबिटीज के रोगियों को गर्म पानी से नहाना चाहिए

डायबिटीज के रोगियों को अपने खान-पान और जीवनशैली के साथ-साथ नहाने के पानी के तापमान पर भी विशेष ध्यान देना चाहिए। विशेषज्ञ अक्सर यह सलाह देते हैं कि डायबिटीज के मरीजों को अत्यधिक गर्म पानी से नहाने से पूरी तरह बचना चाहिए।

इसी विषय पर हमने ओडिशा के एक निजी अस्पताल में डॉक्टर रवि कुशवाहा से बात की। डॉक्टर कुशवाहा के मुताबिक गर्म पानी से नहाने पर शरीर की रक्त वाहिकाएं तेजी से फैलती हैं, जिसे वासोडिलेशन कहते हैं। यह प्रक्रिया ब्लड प्रेशर को अचानक प्रभावित कर सकती है।

त्वचा को नुकसान और संक्रमण का खतरा

डायबिटीज के मरीजों की त्वचा प्राकृतिक रूप से अधिक शुष्क और संवेदनशील होती है, खासकर पैरों की त्वचा। बहुत गर्म पानी त्वचा की प्राकृतिक नमी और सुरक्षात्मक तेल (सीबम) को हटा देता है। इससे त्वचा में सूखापन, खुजली और दरारें पड़ सकती हैं। इन दरारों के माध्यम से बैक्टीरिया आसानी से प्रवेश कर सकते हैं, जिससे फंगल या बैक्टीरियल संक्रमण का खतरा बढ़ जाता है।

ब्लड शुगर और ब्लड प्रेशर पर असर

डॉक्टर कुशवाहा के मुताबिक अत्यधिक गर्म पानी आपके शरीर के ब्लड शुगर के स्तर को भी अस्थायी रूप से प्रभावित कर सकता है। कुछ मरीजों में यह रक्त वाहिकाओं को प्रभावित करके शुगर के स्तर में उतार-चढ़ाव पैदा कर सकता है। इसके अलावा अचानक गर्मी के संपर्क से ब्लड प्रेशर में गिरावट आ सकती है। यदि मरीज इंसुलिन या बीपी की दवाएं ले रहा है, तो यह प्रभाव अधिक स्पष्ट और हानिकारक हो सकता है।

नसों की संवेदनशीलता

डायबिटीज से पीड़ित कई मरीजों को परिधीय न्यूरोपैथी की समस्या होती है, जिसके कारण उनके हाथों और पैरों में गर्मी या ठंडक महसूस करने की क्षमता कम हो जाती है। अगर पानी बहुत अधिक गर्म हो, तो उन्हें सही तापमान का एहसास नहीं होता और वे अनजाने में खुद को जला सकते हैं। इसलिए पानी का तापमान हमेशा हाथ से जांच कर ही नहाना चाहिए।

नहाने का सही तरीका

डायबिटीज रोगियों को हमेशा गुनगुने पानी से नहाना चाहिए, जो शरीर के तापमान के करीब हो। डॉक्टर कुशवाहा के अनुसार नहाने की अवधि 10 मिनट तक सीमित रखें। नहाने के तुरंत बाद, हल्के हाथ से त्वचा को थपथपाकर सुखाएं और मॉइश्चराइजर जरूर लगाएं, खासकर पैरों पर।

पैर के तलवों में जलन होती है

प्रश्न : मेरी उम्र 40 वर्ष है। पिछले दो माह से पैर के तलवों में बहुत जलन होती है। पाउडर लगाने या पैर को ठंडे पानी से धोने से भी आराम नहीं मिल रहा है। क्या यह कोई रोग का लक्षण है? कृपा कर बताएं !

- सांब सदाशिव, जनगांव

उत्तर : पादतल याने पैर के तलवों में जलन होने के कई कारण हो सकते हैं। मधुमेह, ऊपरी तंत्रिका शोथ(पेरिफेरल न्यूराइटिस), मदात्ययता, जीवनीय तत्वों का अभाव, पैर में पहनने वाले जूते- चप्पलों का टाइट होना, लेड विषाक्तता आदि कारण इनमें प्रमुख हैं। एक अच्छा वैद्य रोगी का पूरा परीक्षण कर, विभेदक निदान के माध्यम से सही निदान करता है। प्रमेह या मधुमेहजन्य उपद्रव का आसानी से रक्त परीक्षण से पता चल जाता है। यदि कारण मधुमेह हैं तब रक्तगत शर्करा का नियमन आवश्यक है। ऊंझा जांब्रोस टिकिया की दो-दो गोली, ऊंझा चंद्रप्रभा वटी की दो-दो गोली यदि ऊंझा वसंत कुसुमाकर रस के साथ ली जाए, तो कुछ ही दिनों में पैरों की जलन शांत हो जाती है। जलन के शांत होते ही नित्य व्यायाम की आदत डालें । हर रोज टहले । सक्रिय जीवन ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति नहीं होने देता है।

प्रश्न : मेरी उम्र 23 वर्ष है। मेरी आंखों के नीचे काले धब्बे पड़ गए हैं, साथ ही त्वचा भी रूखी और झुर्रियों वाली हो गई है । थोड़ा सा काम करते ही थक जाता हूं। उचित सलाह देवें।

- राजेंद्र शर्मा, सिकंदराबाद

उत्तर : भोजन में पोषक तत्वों की कमी नींद की कमी, जीवन में व्यायाम का अभाव, चाय - कॉफी ज्यादा पीने की आदत आदि से समय से पहले ही बुढ़ापा शरीर पर आक्रमण करता है। इन ₹अर्ली एजिंग₹ के सारे लक्षणों को उल्टाया जा सकता है। इसके लिए आपका आत्म बल मजबूत होना चाहिए और साथ ही स्वाद पर अंकुश लगाना चाहिए।

आप हर रोज ऊंझा चवनप्राश सुप्रीम या रजवाड़ीप्राश या कोहिनूरप्राश का सुबह-शाम सेवन करें। नित्य कसरत किया करें । टहले, घूमे या फिर तैरें। योगिक व्यायाम भी किए जा सकते हैं। भोजन में ऋतु अनुकूल सब्जियां और मौसमी फल शामिल करें। भोजन के बाद ऊंझा द्राक्षासव, ऊंझा अश्वगंधारिष्ट एवं सारस्वतारिष्ट (प्रत्येक 10 -10 मिलीलीटर) को दोगुने पानी में मिलाकर सेवन करें। हर दिन सुबह उठते ही शौच आदि से निवृत होने के बाद ऊंझा चंदनबलालाक्षादि तैल या नारायण तैल से पूरे शरीर की मालिश करें । रात्रि सोने से पहले औरा टेंसट्रिम एवं ऊंझा ब्राह्मी वटी की टिकिया दूध से लेकर सोए। सुखकारी नींद लेने से आंख के नीचे आए धब्बे या झांई धीरे-धीरे धूमिल पड़ जाएगी ।शरीर में चुस्ती - फुर्ती आने लगेगी । नयी उमंग और नया उत्साह आपके जीवन को सकारात्मकता देगा।

प्रश्न : मेरी उम्र 50 वर्ष है। पिछले 5 वर्षों से मधुमेह से पीड़ित हूं। ब्लड शुगर घटती - बढ़ती रहती है। काफी कमजोरी महसूस करता हूं। कृपा कर आयुर्वेदिक उपचार बताएं।

- अमरैया, कामारेड्डी

उत्तर : प्रमेह को नजरअंदाज करने पर ही मधुमेह आता है। यह वातज प्रमेह है। अग्न्याशय यानी पैंक्रियास मैं आईलेट्स ऑफ लैंगर हैंस एक विशेष अंतःस्राव (हार्मोन) तैयार करते हैं, जिसे ₹इंसुलिन₹ कहते हैं। किसी कारण से यह हार्मोन बनना कम हो जाए या बंद हो जाए तब ब्लड शुगर का स्तर बढ़ने लगता है यानी अनियंत्रित हो जाता है। बढ़ी हुई रक्त शर्करा को नियंत्रण में आयुर्वेदिक चिकित्सा के माध्यम से लाया जा सकता है। ऊंझा का जांब्रोस टेबलेट, ऊंझा चंद्रप्रभा वटी, आरोग्यवर्धिनी रस टैबलेट को सुबह- दोपहर- शाम भोजन के बाद लेने से काफी लाभ होता है । जांबरोस में ऐसे प्राकृतिक तत्वों का समावेश है जो पैंक्रियास को सक्रिय करते हैं और बड़ी ही आसानी से बढ़ी हुई ब्लड शुगर को कंट्रोल में ला लेते हैं। इसके नियमित सेवन करने से मधुमेह के उपद्रव और कमजोरी का भी नाश होता है।

औषधि के अलावा नित्य व्यायाम, पैदल भ्रमण और प्राणायाम भी आवश्यक रूप से करें । इससे कैलोरीज खर्च होने के कारण ब्लड शुगर के नियंत्रण में बहुत मदद मिलती हैं। आपका भोजन शक्कर, गुड, मिठाई और मीठे फलों से वंचित होना चाहिए। यानी आप सभी प्रकार के मीठे पदार्थ , मीठे फल, कूल ड्रिंक्स, आइसक्रीम, कुल्फी व बेकरी के पदार्थों को नहीं खाना चाहिए। गेहूं ,जौ, रागी, जवारी, भग्गर आदि का प्रयोग करें। हरी सब्जियों खासकर करेला, भिंडी, गवार फली, मेथी आदि खाया करें। आपको मधुमेह तंग नहीं करेगा।

डॉ.च.पुरुषोत्तम बिदादा

email :
purushottambidada
@gmail.com

आप अपनी स्वास्थ्य समस्याओं का यदि आयुर्वेदिक इलाज चाहते हैं तो अपनी समस्या संक्षेप में हमें लिखकर भेजें। अपने पत्र पर नीचे दिया गया कूपन अवश्य कचपकाएं।

आयुर्वेदिक स्वास्थ्य प्रश्नोत्तरी
स्वतंत्र वार्ता
396, लोअर टैंक बंड,
हैदराबाद-80

कॉफी पीने के स्वास्थ्य लाभ हैं कई, गंभीर रोगों के जोखिम को करती है कम

कॉफी ताजगी और ऊर्जा के स्तर को बढ़ाने वाला पेय पदार्थ होता है। कई लोगों की नींद बिना कॉफी के खुलती ही नहीं। हालांकि कई रिपोर्ट्स में कॉफी के अधिक सेवन को नुकसानदायक बताया गया है। कॉफी में कैफीन नाम का मुख्य घटक पाया जाता है, जिस के अधिक सेवन से गंभीर समस्याएं हो सकती हैं। लेकिन अगर सही मात्रा में कॉफी का सेवन किया जाए तो शरीर के लिए काफी फायदेमंद हो सकता है। स्वास्थ्य विशेषज्ञों के मुताबिक, कॉफी कई तरह की बीमारियों के जोखिम को कम करने में मदद करता है।

कॉफी पर हुए कुछ अध्ययनों के मुताबिक, कॉफी का सेवन अगर सही मात्रा में किया जाए तो गंभीर रोगों में लाभ मिल सकता है। कॉफी के उच्च स्तर के एंटीऑक्सीडेंट और पोषक तत्व सेहत के लिए फायदेमंद हो सकते हैं। कई तरह की गंभीर बीमारियों का खतरा भी कॉफी पीने से कम हो सकता है। चलिए जानते हैं सही मात्रा में कॉफी के सेवन से होने वाला स्वास्थ्य लाभ।

कॉफी मधुमेह रोगियों के लिए फायदेमंद

साल 2014 स्टडी के मुताबिक, कॉफी का सेवन लोगों में टाइप-2 मधुमेह के खतरे को कम करता है। शोधकर्ताओं ने 48,000 से अधिक लोगों के डेटा अध्ययन में पाया कि जिन लोगों ने चार सालों में रोजाना कम से कम एक बार कॉफी का सेवन किया है, उनमें मधुमेह का खतरा 11 फीसदी तक कम हुआ है। लेकिन डायबिटीज रोगियों को डॉक्टर की सलाह से ही कॉफी का सेवन करना चाहिए।

कॉफी से लिवर कैंसर का जोखिम होता है कम

2019 में हुए एक अध्ययन के निष्कर्ष में कहा गया कि कॉफी के सेवन से लिवर कैंसर का खतरा कम हो सकता है। इसके पहले साल 2015 में अमेरिका में भी शोधकर्ताओं ने पाया था कि रोजाना दो से तीन कप कॉफी का सेवन करने से प्रतिभागियों में हेपैटोसेलुलर कार्सिनोमा और क्रोनिक लिवर रोग होने का जोखिम करीब 38 फीसदी तक कम हो सकता है।

कॉफी ब्लड प्रेशर को करती है नियंत्रित

कॉफी में पाया जाने वाला कैफीन का सही मात्रा में सेवन फायदेमंद भी होता है। कैफीन के सेवन से रक्तचाप और हृदय स्वास्थ्य को लाभ मिलता है। साल 2018 में हुए एक अध्ययन के मुताबिक, प्रतिदिन तीन से पांच कप कॉफी पीने से हृदय रोग का जोखिम 15 फीसदी तक कम हो सकता है। शोधकर्ताओं ने कहा कि रोजाना एक से चार कप कॉफी पीने से दिल की बिमारी के कारण होने वाली मृत्यु दर में भी कमी आती है।

कॉफी चर्बी कम करने में मददगार

कैफीन से शरीर की चर्बी कम होती है। इन दिनों फैट बर्निंग सप्लीमेंट्स में कैफीन पाया जाता है। कैफीन मेटाबॉलिज्म की दर को 3-11% तक बढ़ा सकता है। मोटे व्यक्तियों के फैट को कम करने में कॉफी असरदार है।

अमेरिका के साथ हुए नुकसान की भरपाई करेगा 'दोस्त' रूस! 100 अरब का माल होगा आरपार

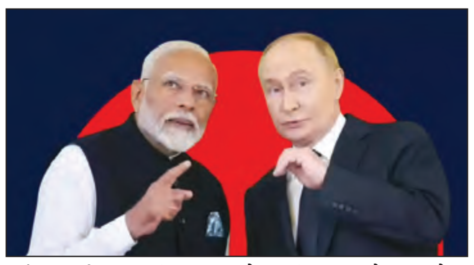

नई दिल्ली,1 दिसंबर (एजेंसियां)। अमेरिका ने भारतीय सामान पर 50% टैरिफ लगाया है। इससे अमेरिका को भारत के एक्सपोर्ट में गिरावट आई है और वह नए बाजार तलाश रहा है। इनमें रूस भी शामिल है। भारत और रूस के बीच व्यापार और निवेश को बढ़ावा देने के लिए एक बड़ा कदम उठाया जा रहा है। 4 और 5 दिसंबर को नई दिल्ली में भारत-रूस बिजनेस फोरम का आयोजन किया जाएगा।

इसका आयोजन ऐसे समय हो रहा है जब रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन भारत आ रहे हैं। दोनों देश 2030 तक आपसी व्यापार को 100 अरब डॉलर तक पहुंचाने का लक्ष्य लेकर चल रहे हैं।

इस बिजनेस फोरम का मुख्य उद्देश्य भारतीय इंजीनियरिंग उत्पादों को रूसी बाजार में एक्सेस बढ़ाना है। साथ ही रूस से भारतीय खाद्य उत्पादों खासकर समुद्री उत्पादों की खरीद को बढ़ाना भी एक अहम लक्ष्य है। डिजिटल सेवाओं के क्षेत्र में आपसी सहयोग की संभावनाओं को खोजना और रूसी कंपनियों द्वारा भारतीय दवा उत्पादों की खरीद को बढ़ाना भी इस फोरम पर चर्चा का विषय होगा।

आपसी सहयोग

अधिकारियों ने बताया कि इस फोरम पर भारतीय कंपनियों के लिए रूसी बाजार में मौजूदगी बढ़ाने, औद्योगिक सहयोग को मजबूत करने, संयुक्त परियोजनाओं को लागू करने, उच्च तकनीकों में सहयोग बढ़ाने और भारत से कुशल मानव संसाधन को रूस ले जाने जैसे मुद्दों पर भी बात होगी। दवा और स्वास्थ्य सेवा के क्षेत्र में भारत-रूस सहयोग को मज़बूत करना दोनों देशों के लिए बहुत महत्वपूर्ण है। यह दोनों देशों की एक-दूसरे के प्रति प्रतिबद्धता को दर्शाता है कि वे मिलकर एक मजबूत और नई सोच वाली स्वास्थ्य व्यवस्था का निर्माण करेंगे।

इस आपसी सहयोग में कुछ खास बातों पर जोर दिया जाएगा। इसमें भारतीय दवाओं और मेडिकल उपकरणों को रूसी बाजार में ज्यादा से ज्यादा पहुंचाना शामिल है। साथ ही, रूस में भारतीय कंपनियों द्वारा दवाइयों का स्थानीय उत्पादन शुरू करना और मिलकर आधुनिक दवा और मेडिकल उपकरण बनाने वाले कारखाने लगाना भी शामिल है। यह फोरम उन नीतियों, निवेशों और नियमों पर भी चर्चा करेगा जो मिलकर नई खोजों को बढ़ावा देने, उत्पादन बढ़ाने और मेडिकल उपकरणों और नई स्वास्थ्य सेवाओं के क्षेत्र में सहयोग का दायरा बढ़ाने के लिए जरूरी हैं।

निर्यात की संभावना

रूस में भारतीय खाद्य पदार्थों के निर्यात को बढ़ाने की भी अच्छी संभावना है। कई तरह के भारतीय उत्पाद पहले से ही रूसी बाजार में मौजूद हैं। इनमें वेजिटेबल करी, तैयार भोजन, दालें, स्नैक्स और मिठाइयां शामिल हैं। साल 2024-25 में भारत ने रूस को मक्खन और दूध से बने फैट की आपूर्ति शुरू की है। साथ ही, भारतीय अंगूरों का निर्यात भी बढ़ा है। इसके अलावा, भारत से पौष्टिक अनाज, पारंपरिक मिठाइयां और सी फूड के लिए रूसी बाजार में संभावना है। भारत से झींगे का निर्यात रूस को शुरू करने के लिए भी बातचीत चल रही है। टैरिफ के कारण अमेरिका में भारतीय निर्यातकों को मुश्किलों का सामना करना पड़ रहा है।

लाल निशान पर बंद हुआ शेयर बाजार

सेंसेक्स 65 अंक टूटा, निफ्टी 26200 के नीचे

नई दिल्ली,1 दिसंबर (एजेंसियां)। भारी मुनाफावसूली और विदेशी फंडों की निकासी के कारण बेंचमार्क शेयर सूचकांक सेंसेक्स और निफ्टी सोमवार को अपने नए सर्वकालिक उच्च स्तर को छूने के बाद मामूली गिरावट के साथ बंद हुए। 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 64.77 अंक या 0.08 प्रतिशत की गिरावट के साथ 85,641.90 अंक पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान, सेंसेक्स 452.35 अंक या 0.52 प्रतिशत की बढ़त के साथ 86,159.02 अंक के रिकॉर्ड उच्च स्तर पर पहुंच गया था।

वहीं 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 27.20 अंक या 0.10 प्रतिशत गिरकर 26,175.75 अंक पर आ गया। कारोबार के दौरान यह 122.85 अंक या 0.46 प्रतिशत चढ़कर 26,325.80 अंक के सर्वकालिक उच्च स्तर पर पहुंच गया था। अमेरिकी मुद्रा की मजबूत बाजार मांग के कारण सोमवार को रुपया अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 8 पैसे की गिरावट के साथ 89.53 (अनंतिम) पर बंद हुआ।

ब्याज दरों में कमजोर कटौती की उम्मीदों ने बाजार पर डाला असर

एक विशेषज्ञ ने कहा कि दूसरी तिमाही में उम्मीद से बेहतर जीडीपी वृद्धि के बाद इस हफ्ते आरबीआई द्वारा ब्याज दरों में कटौती की उम्मीदें धूमिल होने से बाजारों में उच्च स्तर पर गिरावट देखी गई। जुलाई-सितंबर में भारत की अर्थव्यवस्था के उम्मीद से ज़्यादा 8.2 प्रतिशत की दर से बढ़ने के बाद निवेशकों का रुझान सकारात्मक होने से बाजार अपने रिकॉर्ड स्तर पर पहुँच गए, जो पिछली छह तिमाहियों में सबसे तेज़ वृद्धि थी।

सेंसेक्स की कंपनियों का हाल

सेंसेक्स की कंपनियों में बजाज फाइनेंस, सन फार्मा, ट्रेंट, महिंद्रा एंड महिंद्रा, भारतीय स्टेट बैंक और बजाज फिनसर्व प्रमुख रूप से पिछड़े रहे। वहीं, टाटा मोटर्स पैसेंजर व्हीकल्स, मारुति, भारत इलेक्ट्रॉनिक्स, कोटक महिंद्रा बैंक, अडानी पोर्ट्स और एचसीएल टेक के शेयरों में बढ़त दर्ज की गई।

जीएसटी संग्रह में नरमी के कारण बाजार में सतर्कता दिखी

जियोजित इन्वेस्टमेंट्स लिमिटेड के शोध प्रमुख विनोद नायर ने कहा कि नई ऊंचाई पर पहुंचने के बाद बाजार सीमित दायरे में रहा।

दूसरी तिमाही में उम्मीद से बेहतर जीडीपी वृद्धि और रुपये में तेज गिरावट के बाद दिसंबर में आरबीआई द्वारा ब्याज दरों में कटौती की उम्मीदें धूमिल हो गईं। नवंबर में कम ब्याज दरों के कारण जीएसटी संग्रह में नरमी के कारण बाजार में थोड़ा सतर्कता का रुख रहा।

यूरोपीय बाजारों में दिखी गिरावट

एशियाई बाजारों में, शंघाई का एसएसई कम्पोजिट सूचकांक और हांगकांग का हैंग सेंग सूचकांक सकारात्मक दायरे में बंद हुए, जबकि दक्षिण कोरिया का कोस्पी और जापान का निक्केई 225 सूचकांक गिरावट के साथ बंद हुए। यूरोप के बाजार गिरावट के साथ बंद हुए। शुक्रवार को अमेरिकी बाजार बढ़त के साथ बंद हुए।

ब्रेंट क्रूड का भाव बढ़कर 63.60 डॉलर प्रति बैरल पर पहुंचा

वैश्विक तेल मानक ब्रेंट क्रूड का भाव 1.96 प्रतिशत बढ़कर 63.60 डॉलर प्रति बैरल हो गया। एक्सचेंज के आंकड़ों के अनुसार, विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) ने शुक्रवार को 3,795.72 करोड़ रुपये के शेयर बेचे, जबकि घरेलू संस्थागत निवेशकों (डीआईआई) ने 4,148.48 करोड़ रुपये के शेयर खरीदे। शुक्रवार को सेंसेक्स 13.71 अंक या 0.02 प्रतिशत की गिरावट के साथ 85,706.67 पर बंद हुआ। वहीं निफ्टी 12.60 अंक या 0.05 प्रतिशत की गिरावट के साथ 26,202.95 पर बंद हुआ।

गडकरी की स्कीम पर टूटे लोग, साढ़े तीन महीने में 36.3 लाख यूजर्स जुड़े, टोल पर लड़ाई-झगड़े खत्म!

नई दिल्ली,1 दिसंबर (एजेंसियां)। देश में फास्टैग एनुअल पास की लोकप्रियता लगातार बढ़ती जा रही है। टोल वाले नेशनल हाइवेज पर सफर करने वाला हर पांच में से एक कार यूजर अब फास्टैग एनुअल पास का यूज कर रहा है। यह स्कीम लॉन्च होने के सिर्फ साढ़े तीन महीने में ही बहुत पॉपुलर हो गई है। अभी तक 36.3 लाख लोग इस पास का इस्तेमाल कर रहे हैं और हर दिन करीब 20,000 नए लोग इसे खरीद रहे हैं। फास्टैग एनुअल पास की कीमत 3,000 रुपये है।

इस पास से कार मालिक साल भर में 200 टोल प्लाजा पार कर सकते हैं। इसका मतलब है कि हर टोल प्लाजा पर सिर्फ 15 रुपये का खर्च आता है। शहरों के बीच सफर करने वालों के लिए यह सबसे आसान और सस्ता तरीका साबित हुआ है। 12 से ज्यादा टोल प्लाजा से मिले आंकड़ों के मुताबिक, 40% से ज्यादा कार यूजर इसी एनुअल पास से टोल चुका रहे हैं।

बिजवासन टोल प्लाजा सबसे आगे

भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण के एक अधिकारी ने बताया कि पूरे देश में, कारों के लिए होने वाले कुल टोल पेमेंट में से करीब 22% एनुअल पास से हो रहे हैं। दिल्ली के द्वारका एक्सप्रेसवे पर नया शुरू हुआ बिजवासन टोल प्लाजा सबसे आगे है, जहां 50% से ज्यादा पेमेंट इसी पास से हो रहे हैं। इसके बाद दिल्ली का मुंडका टोल प्लाजा (48.2%) और हरियाणा के सोनीपत का जिंझोली प्लाजा (47% से ज्यादा) हैं। आंकड़े यह भी बताते हैं कि हर दिन औसतन करीब 13 लाख टोल पेमेंट एनुअल पास के जरिए हो रहे हैं। टोल ऑपरेटर्स और यात्रियों से मिली शुरुआती जानकारी के मुताबिक इस नए सिस्टम को लेकर यात्रियों और टोल वसूलने वालों के बीच किसी भी तरह की लड़ाई या झगड़े की कोई खबर नहीं है। उन्होंने यह भी बताया कि इस सिस्टम के ज्यादा इस्तेमाल से टोल गेट्स पर लगने वाली भीड़ भी काफी कम हो गई है। एनएचएआई की सहायक कंपनी आईएचएमसीएल के एक टॉप अधिकारी ने कहा कि इससे टोल ऑपरेटर्स का काम और भी बेहतर हो गया है। हम जल्द ही इस स्कीम के असर का पूरा जायजा लेंगे।

दैनिक पंचांग

गृह गोचर

गृह स्थिति	
सूर्य -	वृश्चिक में
चंद्र -	मेष में
मंगल-	वृश्चिक में
बुध -	तुला में
गुरु	कर्क में
शुक्र -	वृश्चिक में
शनि	मीन में
राहु	कुंभ में
केतु	सिंह में

लग्नारम्भ समय	
वृश्चिक...	05-21 बजे
धनु.......	06-35 बजे
मकर...	09-42 बजे
कुंभ....	11-41 बजे
मीन....	13-10 बजे
मेष.....	14-46 बजे
वृष....	16-31 बजे
मिथुन..	18-30 बजे
कर्क...	20-46 बजे
सिंह---	22-56 बजे
कन्या--	01-02 बजे
तुला----	03-20 बजे

श्री सिद्धार्थी (विश्वावसु) नामक संवत्सर-विक्रम संवत्- 2082
शक संवत् -1947, सूर्य दक्षिणायने,ऋतु- हेमन्त
महावीर निर्वाण संवत् -2551
कलियुग अवधि-432000 सूर्योदय 06-32
भोग्य कलि वर्ष-426874 सूर्यास्त. 17-36
कलियुग संवत् -5126 वर्ष,
कल्पारंभ संवत् -1972949126
सृष्टि ग्रहारंभ संवत्-1955885126
दिशाशूल - उत्तर - गुड खाकर घर से निकले
मास - मार्गशीर्ष शुक्ल पक्ष मंगलवार 02 Dec
तिथि - द्वादशी 15-57 तक उपरान्त त्रयोदशी
नक्षत्र - अश्विनी 20-51 तक उप भरणी
योग - वरियान 21-08 तक उप परिघ
करण - बालव 15-57 तक उप कौलव

भौमप्रदोष व्रत

विशेषः- राशिफल ग्रहों के गोचर के आधार पर लिखा गया है।सूक्ष्म फलादेश के लिए जन्म पत्रिका हमें दिखावे व पत्रिका की सूक्ष्म स्थिति व दशान्तर्दशा को विशेष प्रभावित समझना चाहिए।

राहुकाल 14-52 16-16

पं.महेशचन्द्र शर्मा 9247132654 9167555710

दिन का चौघड़िया		
रोग	06-32 - 07-55	अशुभ
उत्पात	07-55 - 09-19	अशुभ
चंचल	09-19 - 10-42	शुभ
लाभ	10-42 - 12-06	शुभ
अमृत	12-06 - 13-29	शुभ
काल	13-29 - 14-52	अशुभ
शुभ	14-52 - 16-16	शुभ
रोग	16-16 - 17-36	अशुभ

रात का चौघड़िया		
काल	18-36 - 19-16	शुभ
लाभ	19-16 - 20-53	शुभ
उत्पात	20-53 - 22-29	अशुभ
शुभ	22-29 - 00-06	अशुभ
अमृत	00-06 - 01-43	शुभ
चंचल	01-43 - 03-19	अशुभ
रोग	03-19 - 04-56	शुभ
काल	04-56 - 06-32	शुभ

तंबाकू-पान मसाला पर जारी रहेगा भारी टैक्स! सरकार ने लोकसभा में पेश किया विधेयक

नई दिल्ली,1 दिसंबर (एजेंसियां)। जीएसटी कंपनसेशन सेस खत्म होने के बाद भी तंबाकू, पान मसाला और अन्य तंबाकू उत्पादों पर कुल कर भार समान बनाए रखने के लिए सोमवार को दो विधेयक आज लोकसभा में पेश किए। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने लोकसभा में विपक्षी दलों के सदस्यों की भारी नारेबाजी के बीच ये विधेयक पेश किए। तंबाकू उत्पादों पर यह सेस मार्च, 2026 से लागू होगा।

इस दौरान विपक्षी सदस्य एसआईआर और कुछ अन्य विषयों पर चर्चा की मांग करते हुए हंगामा कर रहे थे। तृणमूल कांग्रेस के नेता सौगत रॉय और द्रमुक सांसद कथिर आनंद ने इन विधेयकों को पेश किये जाने का विरोध किया। रॉय ने आरोप लगाया कि इनमें तंबाकू पर उत्पाद शुल्क वसूलने का प्रावधान है, लेकिन तंबाकू उत्पादों के सेहत पर हानिकारक प्रभाव पड़ने के पहलू की उपेक्षा की गई है। कथिर आनंद ने कहा कि जनता पर कर का और अधिक बोझ डालने की कोशिश की जा रही है। केंद्रीय उत्पाद शुल्क संशोधन विधेयक, 2025 के तहत सिगरेट सहित विभिन्न तंबाकू उत्पादों पर उत्पाद शुल्क लगाया जाएगा, जो तंबाकू पर लगाए जा रहे जीएसटी क्षतिपूर्ति उपकर का स्थान लेगा।

क्यों पड़ी इसकी जरूरत?

स्वास्थ्य सुरक्षा से राष्ट्रीय सुरक्षा उपकर विधेयक, 2025 पान मसाला पर लगाए जाने वाले क्षतिपूर्ति उपकर की जगह लेगा। इसका उद्देश्य राष्ट्रीय सुरक्षा और सार्वजनिक स्वास्थ्य से जुड़े खर्चों के लिए अतिरिक्त संसाधन जुटाना है। इसके तहत उन मशीनों या प्रक्रियाओं पर उपकर लगाया जाएगा, जिनके माध्यम से उक्त वस्तुओं का निर्माण या उत्पादन किया जाता है। वर्तमान में तंबाकू और पान मसाला पर 28 प्रतिशत जीएसटी लागू है, और इसके साथ ही अलग-अलग दरों पर क्षतिपूर्ति उपकर भी वसूला जाता है। जब एक जुलाई, 2017 को जीएसटी की शुरूआत हुई थी तो जीएसटी कार्यान्वयन के कारण राज्यों को होने वाले राजस्व नुकसान की भरपाई के लिए 30 जून, 2022 तक पांच वर्षों के लिए क्षतिपूर्ति उपकर की व्यवस्था लागू की गई थी। क्षतिपूर्ति उपकर की व्यवस्था को बाद में 31 मार्च, 2026 तक चार साल के लिए बढ़ा दिया गया था और इसके संग्रह का उपयोग उस ऋण को चुकाने के लिए किया जा रहा है जो केंद्र ने राज्यों को कोविड की अवधि के दौरान जीएसटी राजस्व हानि की भरपाई के लिए लिया था। उस ऋण का पूरा भुगतान दिसंबर में किसी समय किया जाएगा, इसलिए मुआवजा उपकर समाप्त हो जाएगा।

जीएसटी परिषद ने तीन सितंबर, 2025 को तंबाकू और पान मसाला पर लिया गया कर्ज चुकाने तक मुआवजा उपकर जारी रखने का फैसला किया था। विलासिता से जुड़ी अन्य वस्तुओं पर क्षतिपूर्ति उपकर 22 सितंबर को समाप्त हो गया, जब जीएसटी दर को तर्कसंगत बनाने के लिए पांच और 18 प्रतिशत के केवल 2 स्लैब के साथ लागू किया गया था। अल्ट्रा-लक्जरी सामान, कार्बोनेटिड ड्रिंक और अन्य हानिकारक वस्तुओं के लिए 40 प्रतिशत की दर तय की गई थी। केंद्रीय उत्पाद शुल्क (संशोधन) विधेयक, 2025 और स्वास्थ्य सुरक्षा से राष्ट्रीय सुरक्षा उपकर विधेयक, 2025 यह सुनिश्चित करेंगे कि क्षतिपूर्ति उपकर बंद होने के बाद तंबाकू और पान मसाला जैसी हानिकारक वस्तुओं पर कर की दर समान रहें।

आपका राशिफल

मेष चू,चे, चो, ला, ली, लू, ले, लो, अ,
आज के दिन विधार्थियो , युवा बेरोजगारो और स्वनियोजित व्यवसायियों के लिए काफी करियर अवसर आयेंगे । आप एक ऐसी परियोजना के भागीदार बन सकते है जिससे आपके करियर की दिशा परिवर्तित हो सकती है और काफी समय से आपको इसकी तलाश भी थी ।

वृष ई, उ, ए, जो, वा, वी, वू, वे, वो,
आपका करियर और पढ़ाई आत्मविश्वास और अंतर्दृष्टि से ऊर्जावान महसूस करते हैं। अंतर्ज्ञान आपको स्मार्ट विकल्प बनाने में मदद करता है, जबकि स्थिर योजना दीर्घकालिक लक्ष्यों का समर्थन करती है। सावधानीपूर्वक दृष्टिकोण वास्तविक प्रगति की ओर ले जाते हैं, और आपके प्रयासों का भुगतान होने की संभावना है।

मिथुन का, की, कू, घ, ङ, छ, के, को, ह,
आप खुद को चतुर महसूस कर सकते हैं, संवेदनशीलता के क्षण और कभी-कभी आत्म-दया आपके मूड को प्रभावित कर सकती है। भावनात्मक गहराई त्वरित अनुकूलनशीलता के साथ मिलती है, हालांकि चिंता सतह पर आ सकती है। एक सक्रिय, विस्तार-उन्मुख दिमाग आपको केंद्रित रहने में मदद करता है।

कर्क ही, हू ,हे , हो, डा , डी, डू, डे, डो,
आज का दिन नौकरी से संबंधित कार्यो के लिए काफी अनुकूल है। आपने हमेशा से ईमानदारी और मेहनत के साथ कार्य किया है और अतीत में, हालाँकि आपको उतना फल नहीं मिला , लेकिन अब भाग्य आपके लिए स्थितियां अनुकूल करेगा । आपकी काफी सारी परियोजनाए सफलता के साथ फलित होंगी और आज का दिन अपने वरिष्ठ अधिकारियों और अपने से नीचे कार्य पद पर तैनात सहकर्मियों से प्रशंसा पाने का समय है ।

सिंह मा, मी ,मू ,मे, मो, टा, टी ,टू ,टे,
आपके करियर को बेहतर भावनात्मक बुद्धिमत्ता से लाभ मिलता है, जिससे आपको पेशेवर रिश्तों को अधिक सहानुभूति और अंतर्दृष्टि के साथ आगे बढ़ाने में मदद मिलती है। जानकारी को प्रभावी ढंग से आत्मसात करें और संरेखित सोच और भावना पर ध्यान केंद्रित करें। आपके सावधान दृष्टिकोण से कई तरह की तरक्की मिलती है।

कन्या टो पा पी पू ष ण ठ पे पो
आपके नए व्यापार विचार जो आपने सुझाये थे वे अब फल देने लगेंगे । आप अपना खुद का व्यवसाय शुरू करने की सोच सकते है। यह अपने दम पर कुछ करने के लिए सबसे अच्छा समय है। संभावना है कि आप इस समय अपने नए व्यापार के लिए पर्याप्त वित्तपोषण प्राप्त करने में सक्षम होंगे । आपको इस व्यवसाय को स्थापित करने के लिए विदेश में से किसी के साथ साझेदारी में काम करना पड़ सकता है।

तुला रा, री, रू ,रे ,रो , ता, ती, तू ,ते,
आज आपको अपने कार्यस्थल पर सावधानी बरतनी आवश्यक है। आप ये भूल रहे है , की आज के आधुनिक कार्यालयों में कुछ भी छुपा हुआ नहीं है , इसलिए आपको स्थितियों के मुताबिक खुद को ढालना पड़ सकता है । आज आपको विवेक की जरुरत है और अगर आप उसे अनदेखा करते है , तो आपको अपने करियर के संदर्भ में कीमत चुकानी पड़ सकती है।

वृश्चिक तो,ना,नी, ने,नू, नो, या, यी ,यू,
यात्रा और यात्रा के व्यवसायों से जुड़े लोगों के लिए ये अच्छा समय है और आप इस से अच्छा धन लाभ कमा सकते है ! आप उच्च अधिकारियों के साथ संबंध बनाने के लिए प्रयासरत रहे और जिससे आप जल्द ही कुछ लाभ पा सकते हैं । आप संपत्ति या कीमती धातुओं में भी निवेश कर सकते हैं।

धनु ये, यो,भा, भी, भू धा ,फा, ढा, भे
यात्रा के अवसरों के लिए बहुत ही खुले दिल से स्वागत करे । ये धन कमाने का एक बेहतरीन मौका है! जो लोग अध्यन कर रहे है उन्हें अप्रत्याशित स्रोतों से अद्भुत अवसर मिल सकते है । आप जिस भी स्थिति मैं है , आप ये याद रखे की एकता में बल है इसलिए सामूहिक प्रयास ही संतोषजनक परिणाम ला सकता है ।

मकर भो, जा, जी, खो, खू, खे, खो, गा, गी
काम का दबाव आप पर बढ़ेगा और आप उन चीजो से दूर हो सकते है जिन को करने में आपको आनंद आता था । आपको आराम करने के लिए ज्यादा समय नहीं मिल पायेगा इसलिए आपको जीवन की छोटी बातों से आनंद लेना होगा । ये बहुत ही संतोषजनक और आपके सामान्य प्रयास की तुलना में कम खर्चीला साबित होगा , इसका अर्थ है की आज कुछ अनावश्यक खर्चो पर आप बचत कर पायेंगे ।

कुंभ गू, गे ,गो, सा, सी, सू, से, सो, दा,
आज के दिन आप अपने आप को प्रौद्योगिकी में पिछड़ा हुआ सा महसूस करेंगे । आपको अपने सहकर्मियों से आगे निकलने के लिए कुछ नयी प्रौद्योगिकी एवं कौशल सीखना होगा । आज आप एक योजनाकार और आत्मा मंथन मुद्रा में रहेंगे । अपने वरिष्ठ सहकर्मियों से मदद लें।

मीन दी, दू,थ, झ, ञ, दे, दो, चा,ची
आपके वित्तीय संसाधनो का विस्तार होगा जिसका लाभ लेने के लिए आप पूरी तरह तैयार है । आप आज अपने घर , व्यवसाय या वाहन के लिए भी ऋण के लिए आवदेन कर सकते है जो की आराम से मंजूर हो जायेगा । जिन विद्यार्थियों ने शिक्षा ऋण के लिए आवदेन किआ हुआ है उन्हें भी शुभ सन्देश की प्राप्ति होगी । आज का दिन शेयर बाजार में निवेश के लिए उत्तम है ।

श्री पंचागुली ज्योतिष केन्द्र

जेट ईंधन की कीमतों में 5.4% की बढ़ोतरी

कमर्शियल एलपीजी सिलेंडर हुआ 10 रुपये सस्ता

नई दिल्ली, 1 दिसंबर (एजेंसियां)। एविएशन टरबाइन फ्यूल (एटीएफ) यानी जेट ईंधन की कीमतों में सोमवार को करीब 5.4 प्रतिशत की बढ़ोतरी की गई। वहीं कमर्शियल एलपीजी सिलेंडर की कीमतों में 10 रुपये प्रति सिलेंडर की कटौती की गई। यह बदलाव अंतरराष्ट्रीय बाजार के दामों के अनुरूप मासिक समीक्षा के तहत किया गया है। सरकारी ईंधन खुदरा विक्रेताओं के अनुसार, दिल्ली में एटीएफ की कीमतें 5,133.75 रुपये प्रति किलोलीटर बढ़कर 99,676.77 रुपये प्रति किलोलीटर हो गईं। यह लगातार तीसरी मासिक वृद्धि है।बता दें कि 1 नवम्बर को ब्याज दरों में लगभग 1 प्रतिशत की वृद्धि हुई थी व 1 अक्तूबर को 3.3 प्रतिशत की वृद्धि हुई थी। नवीनतम वृद्धि से एयरलाइनों पर दबाव बढ़ने की उम्मीद है, जिनके परिचालन लागत में ईंधन का हिस्सा लगभग 40 प्रतिशत है। मुंबई में एटीएफ की कीमत संशोधित कर 93,281.04 रुपये प्रति किलोलीटर कर दी गई। वहीं चेन्नई और कोलकाता में कीमतें बढ़ाकर क्रमशः 1,03,301.80 रुपये और 1,02,371.02 रुपये प्रति किलोलीटर कर दी गईं। वैट जैसे स्थानीय करों के कारण ईंधन की कीमतें अलग-अलग शहरों में अलग-अलग होती हैं। इसके अलावा, होटलों और रेस्टोरेंट में इस्तेमाल होने वाले 19 किलो के कमर्शियल एलपीजी सिलेंडर की कीमत दिल्ली में घटाकर 1,580.50 रुपये कर दी गई है। यह लगातार दूसरी कटौती है, जिसने अक्तूबर में की गई 15.50 रुपये की बढ़ोतरी की भरपाई कर दी है (1 नवंबर को प्रति सिलेंडर कीमतों में 5 रुपये की कटौती की गई थी)। अप्रैल से अब तक हुई छह कटौतियों के बाद वाणिज्यिक रसोई गैस की कीमतों में कुल 223 रुपये प्रति सिलेंडर की कमी आई है।घरेलू रसोई गैस की कीमतें 14.2 किलोग्राम सिलेंडर के दाम 853 रुपये पर अपरिवर्तित रहीं। आखिरी बार अप्रैल में इसमें 50 रुपये की बढ़ोतरी की गई थी।

पिछले साल मार्च में 2 रुपये प्रति लीटर की कटौती के बाद पेट्रोल और डीजल की कीमतें स्थिर बनी हुई हैं। वर्तमान में दिल्ली में पेट्रोल की कीमत 94.72 रुपये प्रति लीटर और डीजल की कीमत 87.62 रुपये प्रति लीटर है।

महीने के पहले दिन चांदी ऑल-टाइम हाई पर

सोना 1,300 महंगा, शादियों के सीजन में क्या हो गया है रेट?

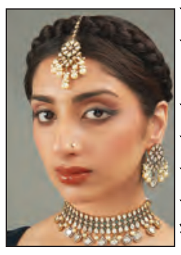

नई दिल्ली,1 दिसंबर (एजेंसियां)। महीने के पहले दिन सोने और चांदी की कीमत में काफी तेजी आई है। शुरुआती कारोबार में सोना करीब 1,300 रुपये उछल गया जबकि चांदी ऑल-टाइम हाई पर पहुंच गई। एमसीएक्स पर 5 फरवरी की डिलीवरी वाला सोना 1,30,794 रुपये प्रति 10 ग्राम तक पहुंच गया। पिछले सत्र में यह 1,29,504 रुपये पर बंद हुआ था जबकि आज 1,29,999 रुपये पर खुला।

शुरुआती कारोबार में यह 1,29,900 रुपये तक लो और 1,30,794 तक हाई गया। दोपहर बाद 12.50 बजे यह 1,134 रुपये यानी 0.88 फीसदी तेजी के साथ 1,30,638 रुपये पर ट्रेड कर रहा था। इस बीच चांदी की कीमत ऑल टाइम हाई पर पहुंच गई। पिछले सत्र में यह 1,74,981 रुपये प्रति किलो के भाव पर बंद हुई थी और आज 1,77,858 रुपये पर खुली। शुरुआती कारोबार में यह 3,668 रुपये की तेजी के साथ 1,78,649 रुपये तक पहुंची। सोने और चांदी की कीमत में इस तेजी के पीछे कई कारण हैं। इनमें डॉलर का नरम पड़ना, अमेरिकी फेडरल रिजर्व द्वारा ब्याज दर में कटौती की उम्मीदें और रुपये में गिरावट रहे। डॉलर के मुकाबले रुपये आज रेकॉर्ड निचले स्तर पर चला गया।

अंतरराष्ट्रीय स्तर पर, एशियाई कारोबार की शुरुआत में सोने की कीमतों में थोड़ी गिरावट आई। यह पिछले लगभग तीन हफ्तों की ऊंचाई से नीचे आया, क्योंकि निवेशकों ने अमेरिकी ब्याज दर में कटौती की बढ़ती उम्मीदों के बीच मुनाफावसूली की। वहीं, चांदी ने रिकॉर्ड ऊंचाई हासिल की। शुक्रवार को घरेलू और अंतरराष्ट्रीय दोनों बाजारों में सोने और चांदी की कीमतों में बढ़ोतरी हुई थी। एमसीएक्स पर सोने का फरवरी वायदा 1,29,504 रुपये प्रति 10 ग्राम पर और चांदी का मार्च वायदा 1,74,981 रुपये प्रति किलो पर बंद हुआ था।

मुफ्त में 5,000 रुपये के कपड़े घर ले जाइए!

रिलायंस दे रही है यह शानदार ऑफर, जानिए पूरी डिटेल

नई दिल्ली, 1 दिसंबर (एजेंसियां)। देश की सबसे वैल्यूएबल कंपनी रिलायंस इंडस्ट्रीज ग्राहकों के लिए एक बड़ा ऑफर लेकर आई है। रिलायंस रिटेल की सहयोगी कंपनी फैशन फैक्ट्री 'फ्री शॉपिंग वीक' की घोषणा की है। यह रिलायंस रिटेल का फैशन डिस्काउंट स्टोर है। यह एक बड़ा शॉपिंग इवेंट है जहां ग्राहकों को सबसे ज्यादा फैशन और सबसे ज्यादा बचत का मौका मिलेगा।

यह ऑफर 3 दिसंबर को खुलेगा और 7 दिसंबर तक चलेगा। कंपनी ने बताया कि इस ऑफर में ग्राहक 5000 के कपड़े खरीदेंगे और उन्हें सिर्फ 2,000 देने होंगे। मजे की बात यह है कि उन्हें यह 2000 भी गिफ्ट और वाउचर के रूप में वापस मिल जाएंगे। यानी आपकी जेब से कुछ भी खर्च नहीं होगा। उन्हें इस खरीदारी पर 1000 का एश्योर्ड फ्री गिफ्ट मिलेगा। साथ ही 1000 के गिफ्ट वाउचर मिलेंगे। इसका मतलब है कि ग्राहक 5000 के फैशनेबल कपड़े लेकर घर जाएंगे, लेकिन उन्हें असल में कुछ भी नहीं देना पड़ेगा। यह ऑफर 3 दिसंबर से 7 दिसंबर तक फैशन फैक्ट्री के सभी आउटलेट्स पर मान्य है।

विनिर्माण सेक्टर में सुस्ती; क्रय प्रबंधक सूचकांक गिरकर 56.6 पर, फरवरी के बाद सबसे धीमा सुधार

नई दिल्ली, 1 दिसंबर (एजेंसियां)। भारतीय विनिर्माण क्षेत्र में नवंबर में नवंबर मे मंदी दिखाई दी है। एचएसबीसी की ताजा विनिर्माण पीएमआई आंकड़ों के अनुसार, सूचकांक नवंबर में फिसलकर 56.6 पर आ गया। यह अक्तूबर में 59.2 पर था। हालांकि इंडेक्स अब भी 50.0 के न्यूट्रल स्तर और 54.2 के दीर्घकालिक औसत से ऊपर बना हुआ है। फिर भी यह फरवरी के बाद से परिचालन स्थितियों में सबसे धीमा सुधार दर्शाता है। रिपोर्ट में बताया गया है कि यह नरमी कई प्रमुख संकेतकों में दिखाई दे रही है। नए ऑर्डर, उत्पादन, क्रय गतिविधि और रोजगार सभी में वृद्धि हुई है लेकिन ये फरवरी के बाद से सबसे धीमी है। महत्वपूर्ण बात यह है कि नए निर्यात ऑर्डर एक साल से भी ज्यादा समय में सबसे कम गति से बढ़े। यह बाहरी मांग में नरमी का संकेत है। बिक्री में धीमी वृद्धि ने खरीदारी की मात्रा और रोजगार सृजन को भी सीमित कर दिया। वहीं भविष्य के उत्पादन के प्रति समग्र धारणा 2022 के मध्य के बाद से अपने सबसे निचले स्तर पर आ गई। नए ऑर्डरों की वृद्धि में मंदी के कारण निर्माताओं ने अपनी भर्ती और क्रय गतिविधियों को समायोजित किया। इसमें फरवरी के बाद से सबसे कमजोर वृद्धि देखी गई। इसमें यह भी बताया गया है कि रोजगार में वृद्धि जारी है, हालांकि वर्तमान 21 महीने की अवधि में यह सबसे धीमी गति से हो रही है, जिससे श्रम बाजार की गति में उल्लेखनीय गिरावट देखी जा रही है। उत्पादन में भी यही रुझान रहा, तेज गति से वृद्धि हुई, लेकिन फिर भी यह फरवरी के बाद सबसे कम रहा। जहां कुछ कंपनियों ने बताया कि नए कारोबार में वृद्धि और दक्षता में वृद्धि ने उनके उत्पादन स्तर को सहारा दिया, वहीं अन्य कंपनियों ने कहा कि कुछ उत्पादों की कम मांग ने उनकी इकाइयों में उत्पादन को सीमित कर दिया।

दुर्ग पुलिस ने जमीन व्यापारियों को दौड़ा-दौड़ाकर पीटा

लाठीचार्ज में कई प्रदर्शनकारी घायल, पुतला जलाया, काले झंडे दिखाए, जमीन की कीमतें 5-9 गुना बढ़ने पर विरोध

दुर्ग-भिलाई, 1 दिसंबर (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ में नई कलेक्टर गाइडलाइंस की वजह से जमीन की कीमतें 5-9 गुना बढ़ गई हैं। पिछले 5 दिनों से कई जिलों में प्रदर्शन जारी है। इसी बीच सोमवार को दुर्ग में प्रदर्शनकारियों पर पुलिस ने लाठीचार्ज कर दिया। जमीन व्यापारियों को सड़क पर दौड़ा-दौड़ाकर पीटा।

इस दौरान कई प्रदर्शनकारियों को भी चोटें आई हैं। वहीं पुलिस ने बड़ी तादाद में प्रदर्शनकारियों को हिरासत में लिया है। कलेक्ट्रेट और रजिस्ट्रार कार्यालय के बाहर 6 थानों की पुलिस तैनात है। प्रदर्शन के बीच कांग्रेस ने भी सरकार के खिलाफ प्रदर्शन किया। काले झंडे दिखाए।

इस दौरान कांग्रेस के कार्यकर्ताओं ने सरकार और पुलिस प्रशासन का पुतला दहन किया। साथ ही सरकार के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। वहीं प्रदर्शन को लेकर दुर्ग पुलिस ने कहा कि हल्का बल प्रयोग कर लोगों को खदेड़ा गया है। अभी स्थिति नियंत्रण में है।

जमीन व्यापारी कन्हैया मिश्रा ने कहा कि जमीन ही व्यापारियों के लिए रोजी-रोटी का एकमात्र जरिया है। यही हमारा काम है। कई व्यापारी बुजुर्ग हैं। इस उम्र में वे न तो कोई नई नौकरी कर सकते हैं और न ही कोई दूसरा काम कर सकते हैं। लाठीचार्ज निंदनीय है।

जानकारी के मुताबिक दुर्ग में जमीन कारोबारी पांचवें दिन भी प्रदर्शन कर रहे थे। सुबह से ही बड़ी संख्या में कारोबारी कलेक्ट्रेट और रजिस्ट्रार कार्यालय के बाहर एकत्र हुए। नारेबाजी और धरना-प्रदर्शन के बीच माहौल धीरे-धीरे तनावपूर्ण हो गया।

स्थिति को नियंत्रण में रखने के लिए प्रशासन ने पुलिस फोर्स मौके पर तैनात की गई। दोपहर करीब 1 बजे प्रदर्शनकारी रजिस्ट्रार कार्यालय की ओर बढ़ने लगे। पुलिस ने उन्हें रोकने की कोशिश की, लेकिन भीड़ आगे बढ़ती रही।

इस दौरान जवानों ने लाठीचार्ज किया और भीड़ को पीछे धकेला। लाठीचार्ज के बाद प्रदर्शनकारी अलग-अलग दिशा में भागे, लेकिन थोड़ी देर बाद दोबारा इकट्ठा होकर विरोध जारी रखा। पुलिस ने सभी को दौड़ा-दौड़ाकर पीटा है। कुछ जमीन कारोबारियों को हिरासत में भी लिया गया है।

वहीं जमीन कारोबारी कन्हैया मिश्रा ने कहा कि जमीन व्यापारियों की रोजी-रोटी का एक ही सहारा है, यही हमारा काम है। कई कारोबारी उम्रदराज हैं। इस उम्र में न तो वे कोई नई नौकरी कर सकते हैं और न ही किसी दूसरे काम में लग सकते हैं। लाठीचार्ज निंदनीय है।

दुर्ग एडीएम अभिषेक अग्रवाल ने कहा कि प्रदर्शन के दौरान प्रदर्शनकारी शांतिपूर्ण अपनी बात रख रहे थे। मैं भी एएसपी के साथ इनसे शांतिपूर्ण चर्चा कर रहा था। इसी बीच भीड़ में कुछ उपद्रवियों ने धक्का-मुक्की की। इस दौरान जब पुलिस ने उन्हें पीछे धकेला, तो उन्होंने पानी के पाउच पुलिस पर फेंके। वो चाह रहे थे कि यहां बाधा उत्पन्न हो।

एएसपी सुखनंदन राठौर ने बताया कि प्रशासन की ओर से प्रदर्शनकारियों को कई बार समझाया गया था कि वे चक्काजाम या जुलूस न निकालें। इसके बावजूद लोग बिना अनुमति के जुलूस की तरह यहां पहुंच गए।पुलिस ने बैरिकेडिंग लगाकर उन्हें रोकने की कोशिश की।

एएसपी ने बताया कि प्रदर्शनकारी सड़क पर ही भाषण देने लगे। भीड़ में कुछ लोगों ने उकसाने की कोशिश की, जिससे स्थिति बिगड़ गई। पुलिस और प्रदर्शनकारियों के बीच हल्की झूमाझटकी भी हुई। कुछ लोगों ने पुलिस पर पानी के पाउच फेंके।

फरार सूदखोर रोहित-तोमर का पता बताने पर मिलेगा 5 हजार

रायपुर पुलिस ने रखा इनाम, पहचान गोपनीय रहेगी 2013 के गोलीकांड में रिव्यू-पिटीशन भी खारिज

रायपुर, 1 दिसंबर (एजेंसियां)। रायपुर में लंबे समय से सूदखोरी, अवैध वसूली, धमकी और मारपीट जैसे अपराधों में सक्रिय नाम रोहित तोमर पर पुलिस ने नकेल और कस दी है। लगातार 5 महीने से फरार हिस्ट्रीशीटर रोहित की गिरफ्तारी के लिए रायपुर पुलिस ने 5,000 रुपए का इनाम घोषित कर दिया है।

यह इनाम उस व्यक्ति को दिया जाएगा जो उसे पकड़वाने या उसके छुपे ठिकाने की पुख्ता जानकारी दे। उनकी पहचान भी गोपनीय रखी जाएगी। इससे पहले उसके भाई और अपराधी प्रवृत्ति के वीरेंद्र तोमर पर भी पुलिस इनाम घोषित कर चुकी है। हालांकि वह पुलिस की गिरफ्त में है।

रोहित तोमर को कानूनी मोर्चे पर भी बड़ा झटका लगा है। बिलासपुर हाईकोर्ट ने 2013 के गोलीकांड मामले में उसकी ओर से दायर रिव्यू पिटीशन को खारिज कर दी है। इसके बाद इस केस की निचली अदालत में अंतिम सुनवाई का रास्ता साफ हो गया है। पुलिस का मानना है कि कानूनी असफलता और फरारी की वजह से रोहित अब कड़े कदमों की जद में आएगा।

9 नवंबर को पुलिस ने रोहित के साथ फरार चल रहे भाई वीरेंद्र तोमर को ग्वालियर से गिरफ्तार कर रायपुर जेल भेजा था। लेकिन पूछताछ में भी उसने रोहित के ठिकाने के बारे में कुछ नहीं बताया। पुलिस जांच में सामने आया कि रोहित लगातार ठिकाने बदल रहा है और कुछ स्थानीय सहयोगी उसकी मदद कर रहे हैं।

तोमर बंधुओं के खिलाफ 5 महीनों में 8 नए केस सामने आए है। उन पर 16 से ज्यादा अपराध के मामले दर्ज है। वहीं, मारपीट, धमकी, ब्लैकमेलिंग, अवैध वसूली और सूदखोरी जैसे गंभीर आरोपों के 8 नए केस दर्ज हुए हैं। पुराने मामलों सहित दोनों भाइयों पर 16 से अधिक आपराधिक प्रकरण दर्ज हैं।

रायपुर पुलिस सभी पुराने मामलों की पुनः जांच शुरू की है। वित्तीय लेन-देन पर कड़ी नजर है।

मोबाइल लोकेशन और नेटवर्क की साइबर जांच जारी है। सहयोगियों और सपोर्ट नेटवर्क पर सघन निगरानी की जा रही है। पुलिस का कहना है कि तोमर बंधुओं के कारण आम लोगों और छोटे व्यापारियों में सालों से भय का माहौल बना हुआ था।

रोहित और वीरेंद्र तोमर का नाम करणी सेना से जुड़े होने के आरोपों में भी आता रहा है। 7 दिसंबर को करणी सेना अध्यक्ष के प्रस्तावित रायपुर प्रदर्शन से पहले पुलिस की यह कार्रवाई बहुत महत्वपूर्ण मानी जा रही है। बताया जा रहा है पुलिस नहीं चाहती कि अपराधी किसी भी राजनीतिक या सामाजिक समर्थन का फायदा उठाकर बच निकलें।

रायपुर पुलिस ने लोगों से अपील की है "फरार रोहित तोमर के बारे में किसी भी तरह की सूचना मिले तो तुरंत नजदीकी थाने या क्राइम ब्रांच को बताएं। सूचना देने वाले की पहचान गोपनीय रखी जाएगी और 5,000 रुपए का इनाम दिया जाएगा।"

शीतलहर के साथ इन जिलों में बारिश का अलर्ट

रायपुर, 1 दिसंबर (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ में मौसम का मिजाज बदला हुआ है। मौसम विभाग के अनुसार, राज्य के तापमान में आने वाले दो दिनों में बड़ा बदलाव देखने को मिलेगा। पश्चिम बंगाल में बने नए सिस्टम के कारण प्रदेश के कुछ हिस्सों में हल्की बूंदाबादी की संभावना है। जिस कारण से मौसम में बदलाव देखने को मिलेगा। वहीं, कई जिलों में शीतलहर की भी संभावना है। शीतलहर को देखते हुए हेल्थ विभाग ने एडवाइजरी जारी की है।

मौसम विभाग के अनुसार, बस्तर, धमतरी, महासमुंद और रायपुर-बिलासपुर संभाग के कुछ हिस्सों में हल्की या मध्यम बारिश की संभावना है।

राज्यपाल रमेन डेका से भारतीय पुलिस सेवा के परीवीक्षाधीन अधिकारियों ने की भेंट

रायपुर, 1 दिसंबर (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ राज्यपाल रमेन डेका ने कहा कि पुलिस को आम नागरिकों के प्रति मानवीय दृष्टिकोण अपनाना चाहिए और शिकायत लेकर थाने आने वाले प्रत्येक व्यक्ति के साथ संवेदनशील व्यवहार करना चाहिए। उन्होंने कहा कि पुलिस की छवि नागरिकों के साथ हुए उसके व्यवहार से बनती है, इसलिए पीड़ितों की सहायता के लिए तत्परता और सहानुभूति पुलिस कार्यप्रणाली का मूल होना चाहिए।

राज्यपाल ने यह बातें आज राजभवन में उनसे भेंट करने पहुंचे भारतीय पुलिस सेवा के परीवीक्षाधीन अधिकारियों से चर्चा के दौरान कहीं। उन्होंने अधिकारियों को प्रशिक्षण के दौरान मिली सीख को व्यवहार में लागू करने पर जोर दिया और कहा कि पुलिस की जिम्मेदारी केवल कानून व्यवस्था तक सीमित नहीं है, बल्कि समाज में विश्वास और सुरक्षा का वातावरण तैयार करना भी उतना ही आवश्यक है। इस अवसर पर राज्यपाल के सचिव डॉ. सी.आर. प्रसन्ना, नेताजी सुभाषचंद्र बोस, पुलिस अधीक्षक पंकज शुक्ला उपस्थित थे।

बरबिंदिया नदी में डूबे युवक का शव मिला

परिजनों ने लगाया दोस्तों पर लापरवाही का आरोप पार्टी करने गए थे सभी

धनबाद,1 दिसंबर (एजेंसियां)। धनबाद के निरसा क्षेत्र के बरबिंदिया नदी घाट में रविवार शाम नहाने के दौरान एक युवक की डूबने से मौत हो गई। मृतक की पहचान 35 वर्षीय धनु रवानी के रूप में हुई है। जानकारी के अनुसार, धनु रवानी रविवार शाम अपने दोस्तों के साथ नदी किनारे पार्टी करने गए थे। नहाते समय वह गहरे पानी में चले गए और डूब गए। घटना का चौंकाने वाला पहलू यह रहा कि धनु के साथ मौजूद दोस्त उन्हें बचाने के बजाय मौके से भाग निकले। वे खाने-पीने की सामग्री वहीं छोड़कर फरार हो गए और परिवार को घटना की सूचना भी नहीं दी। बाद में, किसी अन्य व्यक्ति के माध्यम से हादसे की जानकारी परिजनों तक पहुंची।

बोकारो के टाइल्स मिस्त्री का धनबाद में मिला शव

काम करवाने वाले पर हत्या का आरोप, भीड़ ने आरोपी को पीटा, घर पर की तोड़फोड़

बोकारो, 1 दिसंबर (एजेंसियां)। बोकारो के एक टाइल्स मिस्त्री का शव सोमवार को धनबाद के झरिया में संदिग्ध परिस्थितियों में मिला। परिजनों ने काम करवाने वाले मकान मालिक पर हत्या का आरोप लगाया है। पुलिस आरोपी को थाना ले जा रही थी और इसी दौरान उग्र भीड़ ने उसे पीटा और उसके घर में तोड़फोड़ भी की।

यह हत्या है या फिर हादसा, पुलिस इसकी जांच में जुटी है। मृतक की पहचान पंकज महतो के रूप में की गई है। यह घटना रविवार रात बोकारो के चीरा चास थाना क्षेत्र में सामने आई। वार्ड नंबर 7 शांति नगर निवासी टाइल्स मिस्त्री पंकज महतो मकान मालिक हर्ष कर्मकार के घर काम कर रहे थे।

देर शाम हर्ष कर्मकार ने पंकज के परिजनों को बताया कि पंकज काम छोड़कर चला गया है और उसका मोबाइल, जैकेट व बाइक घर पर ही छोड़ गया है। परिजनों को यह बात संदिग्ध लगी। शक के आधार पर पंकज के परिजन हर्ष कर्मकार के घर पहुंचे। वहां उन्होंने कार पर और जमीन पर कई जगह खून के धब्बे देखे।

आरोप है कि हर्ष इन धब्बों को पानी से धोने की कोशिश कर रहा था। परिजनों ने तत्काल चीरा चास थाना को सूचना दी, जिसके बाद थाना प्रभारी पुष्पराज पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे। देखते ही देखते घटनास्थल पर बड़ी संख्या में भीड़ जमा हो गई।

आरोपी हर्ष कर्मकार घर में छिपा मिला। जब पुलिस उसे गिरफ्तार कर थाने ले जाने लगी, तो उग्र भीड़ ने उस पर हमला कर दिया। इस हमले में आरोपी सहित कुछ लोग घायल हो गए। भारी मशक्कत के बाद पुलिस आरोपी को सुरक्षित स्थान पर ले जा सकी।

इसके बाद भी स्थिति शांत नहीं हुई। भीड़ वापस आरोपी के घर पहुंची और वहां तोड़फोड़ शुरू कर दी। उसकी गाड़ी क्षतिग्रस्त कर दी गई और घर की खिड़कियां, दरवाजे व गमले तोड़ दिए गए। आरोप है कि महिलाओं ने आरोपी की मां के साथ भी मारपीट की।

फिलहाल चीरा चास थाना की पुलिस पूरे मामले की जांच कर रहा है। घटनास्थल पर तनाव को देखते हुए अतिरिक्त पुलिस बल तैनात किया गया है।

गिरफ्तारी के दौरान आरोपी हर्ष कर्मकार ने कहा कि पंकज को मैंने नहीं मारा। वो खुद ही ग्राइंडर से कटकर मर गया।

पारा शिक्षक की पीट-पीटकर हत्या

चाईबासा के पुरनापानी बाजार में तीन गिरफ्तार, शराब पीने को लेकर हुआ था विवाद

चाईबासा, 1 दिसंबर (एजेंसियां)। पश्चिमी सिंहभूम जिले के टोन्टो थाना क्षेत्र स्थित पुरनापानी बाजार टांड़ में एक पारा शिक्षक मुकरु देवगम (50 वर्ष) की पीट-पीटकर हत्या कर दी गई। यह घटना शनिवार, 29 नवंबर को सुबह करीब 7:30 बजे हुई। उन्हें पत्थर और लाठी-डंडों से मारा गया। ग्रामीण मुंडा पुरनापानी ने पुलिस को घटना की सूचना दी। चाईबासा पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी, जगन्नाथपुर के नेतृत्व में एक विशेष टीम गठित की गई। टीम ने त्वरित कार्रवाई करते हुए 30 नवंबर को तीनों आरोपियों को ग्राम केजरा से गिरफ्तार कर लिया। तकनीकी शाखा की सहायता से आरोपियों की पहचान की गई। पुलिस ने अभियुक्तों के स्वीकारोक्ति बयान के आधार पर वारदात के समय पहने गए कपड़े, खून से सने पत्थर, डंडे और मिट्टी आदि जब्त किए हैं।

जांच में सामने आया कि मृतक मुकरु देवगम सुन्डी सुरनियों में पारा शिक्षक थे और साप्ताहिक बाजार करने पुरनापानी पहुंचे थे। इसी दौरान हड़िया/रांसी पीने को लेकर हुए विवाद में तीनों आरोपियों ने मिलकर उनकी हत्या कर दी। गिरफ्तार आरोपियों को कानूनी प्रक्रिया के तहत न्यायालय भेज दिया गया है। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान सोमा सुन्डी (25 वर्ष, पिता साहू सुन्डी उर्फ साऊ सुन्डू, निवासी पुरनापानी, थाना टोन्टो), सीनू गौड़ (20 वर्ष, पिता स्व. रामसिंह गौड़, निवासी पुरनापानी, टोला गोताम्पी) और मंगल कारोवा (20 वर्ष, पिता स्व. गोला कारोवा, निवासी पेरतोल, टोला गुटुबासा) के रूप में हुई है।

एसआईआर में नाम जोड़ने के लिए 3 कैटेगरी

12 दस्तावेजों में से एक दिखाना जरूरी, 2003 लिस्ट में नाम नहीं होने पर भी वोटिंग राइट्स-सुरक्षित

रायपुर, 1 दिसंबर (एजेंसियां)। भारत निर्वाचन आयोग (ईसीआई) ने 12 राज्यों/केंद्रशासित प्रदेशों में चल रहे एसआईआर (स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन)के लिए संशोधित कार्यक्रम जारी किया है। आयोग ने पहले घोषित सभी तिथियों को एक हफ्ते बढ़ाकर नया शेड्यूल जारी किया है।

इस नए कार्यक्रम में 1 जनवरी 2026 को योग्य तिथि माना गया है। यानी इस तिथि तक 18 साल पूरा करने वाले नागरिक वोटर लिस्ट में शामिल हो सकेंगे। वहीं गणना अवधि एक हफ्ते के लिए बढ़ा दी गई है, जो पहले चार दिसंबर तक ही थी।

अब 11 दिसंबर 2025 तक बीएलओ घर-घर जाकर गणना फॉर्म (ईएफ) वितरित और संग्रह करेंगे। इसके अलावा 11 दिसंबर 2025 तक जहां आवश्यक होगा, मतदान केंद्रों की पुनर्व्यवस्था की जाएगी।

छत्तीसगढ़ में चल रहे स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन (एसआईआर) को लेकर मतदाताओं के बीच सबसे बड़ा सवाल यह है कि क्या 2003 की वोटर लिस्ट में नाम होना अनिवार्य है।

कलेक्टर गौरव सिंह ने स्पष्ट किया है कि 2003 की सूची में नाम न होने पर भी आपका वोट देने का अधिकार सुरक्षित है। एसआईआर फॉर्म भरने के लिए केवल वर्तमान वोटर आईडी का होना पर्याप्त है।

कई लोग भ्रम में थे कि एसआईआर फॉर्म तभी वैलिड होगा जब 2003 की सूची में उनका या उनके परिवार का नाम हो। कलेक्टर गौरव सिंह के अनुसार ऐसा बिल्कुल नहीं है। उन्होंने बताया है कि तीन तरह की कैटेगरी है।

पहला 2003 के वोटर लिस्ट में नाम है। दूसरा जिनके पेरेंट्स यानी माता-पिता का नाम नहीं मिल रहा। लेकिन ग्रैंड पेरेंट्स का नाम मिल रहा तो भी काम चलेगा। अपने दादा-दादी, नाना-नानी किसी का भी नाम 2003 की लिस्ट में है, तो फॉर्म में उसका विवरण दर्ज करें और खुद को उससे लिंक करें।

45 लाख की नकली शराब जब्त

चार तस्कर गिरफ्तार, 225 पेटी विदेशी शराब बरामद, बिहार भेजने की थी तैयारी

जामताड़ा, 1 दिसंबर (एजेंसियां)। जामताड़ा पुलिस ने नारायणपुर क्षेत्र में एक बड़ी कार्रवाई करते हुए 45 लाख रुपए मूल्य की नकली विदेशी शराब का एक बड़ा जखीरा जब्त किया है। इस अभियान के दौरान चार तस्करों को भी गिरफ्तार किया गया है। जामताड़ा एसपी राजकुमार मेहता ने बताया कि उन्हें गोविंदपुर की ओर से एक डीसीएम गाड़ी के माध्यम से भारी मात्रा में नकली विदेशी शराब बिहार भेजे जाने की गुप्त सूचना मिली थी। इस गाड़ी को दो अन्य चार-पहिया वाहन एस्कॉर्ट कर रहे थे। सूचना की गंभीरता को देखते हुए एसडीपीओ विकास आनंद लागुरी के नेतृत्व में एक विशेष टीम का गठन किया गया।

गठित टीम ने 30 नवंबर 2025 को पाण्डेयडीह मोड़ स्थित गोविंदपुर-साहेबगंज मुख्य मार्ग पर जांच अभियान चलाया। जांच के दौरान डीसीएम गाड़ी को रोककर तलाशी ली गई। तलाशी में कुरकुरे की बोरी के पीछे छिपाकर रखी गई 210 पेटी नकली विदेशी शराब और 78 गैलन स्पिरिट (3120 लीटर) बरामद की गई। इसके अतिरिक्त, एस्कॉर्ट कर रहे कार से..15 पेटी शराब मिली।

जब्त शराब की कीमत झारखंड में 15.95 लाख रुपए आंकी गई

कुल मिलाकर, 225 पेटियों में 5400 बोतलें (2025 लीटर) नकली शराब जब्त की गई। जब्त शराब का झारखंड में सरकारी मूल्य लगभग 15.95 लाख रुपए है, जबकि बिहार में इसका अनुमानित बाजार मूल्य 45 लाख रुपए आंका गया है।

पुलिस ने मौके से चार तस्करों दारा सिंह, चंदर मंडल, मो. रहीम अंसारी और संतोष पासवान को गिरफ्तार किया। उनके पास से तीन वाहन, सात मोबाइल फोन, 33 हजार रुपए नगद और आधार व पैन कार्ड सहित कई महत्वपूर्ण दस्तावेज भी जब्त किए गए।

तेज रफ्तार फॉर्च्यूनर ने ली मासूम की जान

रोड क्रॉस करते समय हादसा, हवा में दो फीट तक उछले बच्चे, एक की मौत, दूसरा वेंटिलेटर पर

दुर्ग-भिलाई, 1 दिसंबर (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के दुर्ग जिले के अमलेश्वर-पाटन मार्ग पर तेज रफ्तार कार ने रोड क्रॉड कर रहे दो साइकिल सवार बच्चों को जोरदार टक्कर मार दी। कार से टक्कर के बाद दोनों बच्चे हवा में लगभग दो फीट उछल गए।

हादसे में एक बच्चे की मौके पर ही मौत हो गई। जबकि दूसरा बच्चा गंभीर रूप से घायल है। उसे अस्पताल में वेंटिलेटर पर रखा गया है। घायल बच्चे के सिर में गहरी चोटें आई हैं।

वहीं, इस घटना में अब तक एफआईआर दर्ज नहीं की गई है। हादसे में इस्तेमाल होने वाला वाहन चालक को पुलिस ने जाने दिया, जबकि वाहन को अमलेश्वर थाने में खड़ा कर दिया गया। घटना अमलेश्वर थाना क्षेत्र का है। यह हादसा 29 नवंबर का है। घटना एक वाहन शोरूम, अमलेश्वर के सामने हुआ। इस घटना का सीसीटीवी अब वायरल हो रहा है। इसमें साफ देखा जा सकता है कि दो बच्चे साइकिल पर सवार होकर सड़क पार कर रहे थे। इसी दौरान तेज रफ्तार कार ने उन्हें कुचल दिया। इस हादसे में एक बच्चे की मौके पर ही मौत हो गई। दूसरा बच्चा गंभीर रूप से घायल है, जो वेंटिलेटर पर है। रायपुर के एक निजी अस्पताल में उसका इलाज चल रहा है।

घटना के बाद वहां मौजूद लोग सड़क पर घायल बच्चों की ओर दौड़ पड़े। उन्होंने दोनों घायल बच्चों को उठाया और अस्पताल ले गए। इसके बाद पुलिस को घटना की जानकारी दी। मौके पर पहुंची पुलिस की जांच में पता चला कि जिस वाहन से बच्चे की मौत हुई है वो राजनांदगांव पासिंग वाली फॉर्च्यूनर (CG08 AW 9300) है। कार तेज रफ्तार से पाटन रोड की ओर से आ रायपुर जा रही थी।

इसी दौरान अमलेश्वर निवासी टकेश्वर साहू (12 वर्ष) अपने दोस्त के साथ साइकिल से रोड क्रॉस कर रहा था, तभी तेज रफ्तार फॉर्च्यूनर कार ने उन्हें बुरी तरह टक्कर मार दिया। टक्कर इतनी जोरदार थी कि साइकिल कई टुकड़ों में कई फीट दूर जा गिरी और बच्चे सड़क पर लहूलुहान होकर गिर पड़े।

दर्द से तड़प रही थी गर्भवती

महिलाओं ने कार में कराया प्रसव, स्वास्थ्य केन्द्र में ड्यूटी टाइम पर लटक रहा था ताला

सूरजपुर, 1 दिसंबर (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के सूरजपुर जिले में हेल्थ विभाग की लापरवाही सामने आई है। अस्पताल में गर्भवती को इलाज नहीं मिलने के कारण कुछ महिलाओं ने कार में ही डिलिवरी कराई है। वहीं, कार में बच्चे को जन्म देने की जानकारी मिलने के बाद हेल्थ विभाग ने जिम्मेदारों पर एक्शन की बात कही है। गर्भवती को लेकर जब उसके परिजन अस्पताल पहुंचे तो वहां ताला लगा हुआ था। परिजनों ने काफी देर तक इंतजार किया लेकिन किसी ने गेट नहीं खोला।

मुस्लिम शादियों में नया ट्रेंड

अपने जीजा से एक खास तरह का एग्रीमेंट साइन करवा रही हैं सालियां

लखनऊ, 1 दिसंबर (एजेंसियां)। मुस्लिम समाज की शादियों में भी बदलते दौर की झलक देखने को मिल रही है। कभी समय था, जब दुल्हन की बहनें और उसकी सहेलियां निकाह के बाद शादी हॉल के स्टेज पर या अलग कमरे में दूल्हे की सलाम कराई रस्म के समय ही सामने आती थीं।

दूल्हे से हंसी-मजाक की सीमा सिर्फ जूता चुराई तक ही सीमित रहती थी, लेकिन बदलते दौर में नई और रोचक परंपरा जन्म ले रही है।

शादी की रस्मों के दौरान सालियां और दुल्हन की सहेलियां दूल्हे से बाकायदा एक एग्रीमेंट पर दस्तखत करवा रही हैं।

इस एग्रीमेंट में साफ लिखा जाता है कि शादी के बाद दूल्हा, दुल्हन को विदेश घुमाने ले जाएगा, घरेलू कामकाज में मदद करेगा और वैवाहिक जीवन में बराबरी निभाएगा। मजाक और मस्ती में शुरू हुई यह रस्म अब एक ट्रेंड बनती जा रही है। जानकारों का मानना है कि बदलते वक्त के साथ शादी की रस्में भी बदल रही हैं। आज की पीढ़ी रिश्तों में साझेदारी, सम्मान और समझ को पहली शर्त मानती है। ऐसे में सालियों का एग्रीमेंट केवल मस्ती ही नहीं, नए सामाजिक संकेत भी देता है।

निकाह पवित्र बंधन है, इसे हल्के-फुल्के मनोरंजन तक सीमित रखते हुए शरीअत की हद में रहना चाहिए। लिखित एग्रीमेंट सालियों की मजाक का हिस्सा है, लेकिन उसमें कोई गैरवाजिब शर्त नहीं होनी चाहिए।

नई पीढ़ी बराबरी और साझेदारी को अहमियत देती है। एग्रीमेंट वाली रस्म एक हल्की-फुल्की पहल है, जो दूल्हे को यह याद दिलाती है कि शादी सिर्फ दुल्हन की जिम्मेदारी नहीं बल्कि दोनों की है।

हसीना को प्लॉट कब्जाने के मामले में 26 साल की सजा

ब्रिटिश सांसद रही भांजी और छोटी बहन को भी जेल, तीनों दोषी फरार

ढाका, 1 दिसंबर (एजेंसियां)। बांग्लादेश में पूर्व पीएम शेख हसीना को जमीन कब्जाने के मामले में कुल 26 साल की सजा सुनाई जा चुकी है। ढाका की विशेष अदालत ने सोमवार को पुरबाचल न्यू टाउन प्रोजेक्ट में प्लॉट आवंटन में गड़बड़ी मामले में 5 साल की सजा सुनाई।

बांग्लादेश के एंटी-करप्शन कमीशन (एसीसी) ने जनवरी में इस मामले में हसीना के खिलाफ 6 मामले दर्ज किए थे। यह चौथा मामला है, जिसमें हसीना को सजा सुनाई गई है। इससे पहले शेख हसीना को 3 मामलों में 21 साल जेल की सुनाई जा चुकी है।

हसीना के अलावा उनकी छोटी बहन शेख रेहाना को 7 साल की सजा हुई। वहीं, शेख हसीना की भांजी (ब्रिटेन की सांसद रह चुकी) ट्यूलिप रिजवाना सिद्दीक को 2 साल की कैद की सजा मिली है।

फिलहाल तीनों दोषी बांग्लादेश से फरार हैं। शेख हसीना 5 अगस्त 2024 को तख्तापलट के बाद इस्तीफा देकर भारत आ गईं थी।

ट्यूलिप और शेख रेहाना पर 1 लाख टका का जुर्माना भी लगाया गया है। इसे न चुकाने पर उन्हें 6 महीने की जेल एक्स्ट्रा जेल हो सकती है।

मामले के अन्य 14 आरोपियों को 5-5 साल की सजा दी गई है। यह फैसला ढाका के स्पेशल कोर्ट-4 के जज मोहम्मद रबीउल आलम ने सुबह 11 बजे सुनाया।

शेख हसीना को 27 नवंबर को पुरबाचल न्यू टाउन प्रोजेक्ट से जुड़े दो मामलों में सजा मिलना अभी बाकी है।

ये मामले एसीसी ने 12-14 जनवरी 2025 के बीच दर्ज किए गए थे। मार्च 2025 में चार्जशीट दाखिल हुई। जुलाई 2025 में आरोप तय हुए और 29 लोगों की गवाही के बाद फैसला आया।

ट्यूलिप सिद्दीक ने सांसद होने का दबाव डालकर प्लॉट दिलवाए

पुरबाचल न्यू टाउन प्रोजेक्ट मामले में कुल 17 लोगों पर आरोप लगाया गया था। इन पर आरोप है कि ट्यूलिप ने ब्रिटेन की सत्तारूढ़ लेबर पार्टी की सांसद होने का दबाव डालकर प्लॉट हासिल किए।

ट्यूलिप ने अपनी मां शेख रेहाना, बहन अजमीना सिद्दीक और भाई रदवान मुजीब सिद्दीक के नाम पर 7 हजार स्कवायर फीट के प्लॉट गलत तरीके से लिए।

वर्तमान मुकदमे में सिर्फ शेख रेहाना को मिले प्लॉट का मामला शामिल था, इसलिए अजमीना और रदवान को इसमें आरोपी नहीं बनाया गया। उनके खिलाफ दो अलग मुकदमे दर्ज किए गए हैं।

इस मामले में शेख हसीना, शेख रेहाना और ट्यूलिप सिद्दीक के अलावा आवास एवं लोक निर्माण मंत्रालय के कई वरिष्ठ अधिकारी, राजुक के पूर्व सदस्य, पूर्व राज्य मंत्री शरीफ अहमद और हसीना के निजी सचिव भी आरोपी थे।

साउथ एशिया में बाढ़ से 1000 की मौत

इंडोनेशिया और श्रीलंका में सैकड़ों लापता

कोलंबो, 1 दिसंबर (एजेंसियां)। साउथ एशियाई देशों इंडोनेशिया, श्रीलंका, मलेशिया और थाईलैंड में आए भीषण बाढ़ और भूस्खलन में मरने वालों की संख्या 1,000 से ज्यादा हो गई है। कई देशों में राहत और बचाव अभियान लगातार जारी है। इंडोनेशिया में मौत का आंकड़ा बढ़कर 502 हो गया है, जबकि 508 लोग अब भी लापता हैं। वहां राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन एजेंसी ने यह अपडेट जारी किया है। श्रीलंका में कम से कम 340 लोगों की मौत हो चुकी है। राजधानी कोलंबो में रातभर पानी बढ़ने के बाद अब बारिश रुक गई है, जिससे उम्मीद है कि पानी कम होना शुरू होगा। श्रीलंका और इंडोनेशिया दोनों ने राहत कार्यों के लिए सेना को तैनात किया है। थाईलैंड के दक्षिणी हिस्सों में आई बाढ़ में 176 लोगों की मौत हुई है। यह पिछले दस वर्षों में वहां की सबसे घातक बाढ़ मानी जा रही है। मलेशिया के उत्तरी पेरलिस राज्य से दो मौतों की जानकारी मिली है।

भारत में इमरान की बहन के इंटरव्यू से पाकिस्तान नाराज

सूचना मंत्री बोले- देश की बुराई करने पर शर्म आनी चाहिए, मोदी को बुरा कहना था

इस्लामाबाद, 1 दिसंबर (एजेंसियां)। पाकिस्तान के सूचना मंत्री अताउल्लाह तरार ने इमरान खान की बहन नोरीन खान नियाजी के भारतीय मीडिया को दिए इंटरव्यूज पर नाराजगी जताई है। तरार ने कहा कि नोरीन ने पाकिस्तान की छवि खराब की है, देश की बुराई करने वालों को शर्म आनी चाहिए।

उन्होंने कहा कि नोरीन ने भारत से जुड़े किसी मुद्दे जैसे कश्मीर या भारत में मुसलमानों की हालत पर कुछ नहीं कहा। तरार ने यह भी पूछा कि नोरीन ने भारतीय चैनल पर जाकर मोदी सरकार की बुराई क्यों नहीं की।

नोरीन ने हाल ही में पाकिस्तानी सेना चीफ आसिम मुनीर को तानाशाह बताया था। उन्होंने कहा था कि ट्रम्प ने हमारे देश के तानाशाह असीम मुनीर को अपना बहुत अच्छा दोस्त बताया था। असीम मुनीर अब बड़ी ताकत हैं। हालांकि पाकिस्तान में पहले भी तानाशाह आ चुके हैं और उनका

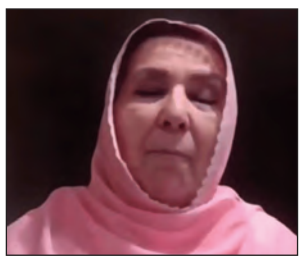

अंजाम अच्छा नहीं हुआ। तरार के मुताबिक नोरीन ने इंटरव्यू में सिर्फ इतना कहा कि इमरान एक भ्रष्टाचार के मामले में कैदी हैं और उनके साथ जेल में गलत व्यवहार हो रहा है, जबकि उनसे उम्मीद थी कि वे पाकिस्तान के मुद्दों की बात करतीं। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि इमरान खान का परिवार और उनकी पार्टी पाकिस्तान के खिलाफ बयान देते हैं। तरार का कहना है कि भारतीय मीडिया जानबूझकर इमरान के परिवार को मंच दे रहा है ताकि पाकिस्तान की छवि खराब हो।

तरार ने यह भी दावा किया कि 9 मई 2023 को इमरान की पहली गिरफ्तारी के बाद हुई हिंसा में इमरान की तीनों बहनें शामिल थीं। उनका का कहना है कि वे कोर कमांडर के घर तक गई थीं और वीडियो में भी दिखाई देती हैं। उनके मुताबिक यह भी एक सबूत है। तरार ने नोरीन से पूछा कि उन्हें भारत के टीवी चैनल पर जाकर शिकायत करने की क्या जरूरत थी। उनके मुताबिक, नोरीन ने भारतीय मीडिया को इंटरव्यू सरकार की उपलब्धियों से लोगों का ध्यान हटाने के लिए दिया। यह विवाद ऐसे समय में सामने आया है जब इमरान खान के रिश्तेदारों और पार्टी नेताओं का आरोप है कि अडियाला जेल में बंद इमरान से मिलने नहीं दिया जा रहा है।

इजराइल ने सुरंग में फंसे 40 हमास लड़ाकों को मारा

पिछले 9 महीने फंसे थे, इजराइल बाहर निकलने नहीं दे रहा था

यरुशलम, 1 दिसंबर (एजेंसियां)। इजराइल ने दावा किया है कि उसने सुरंग में फंसे 40 हमास लड़ाकों को मार दिया है। ये लड़ाके गाजा के दक्षिणी शहर राफा की सुरंगों में मौजूद थे।

इजराइली सेना ने रविवार रात बयान जारी कर बताया कि हथियारबंद लड़ाकों को खत्म करने के लिए राफा में मौजूद सुरंगों को नष्ट किया जा रहा है। पिछले हफ्ते सुरंगों के अंदर 40 से ज्यादा लड़ाके मारे गए हैं।

इजराइल इससे पहले भी राफा में कई लड़ाकों को मारने और गिरफ्तार करने का दावा कर चुका है। हालांकि हमास ने इन दावों पर कोई प्रतिक्रिया नहीं दी है।

इजराइली मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, राफा की जमीन के नीचे मार्च से करीब 200 हमास लड़ाके फंसे हुए हैं। हमास की मांग के बावजूद इजराइल उन्हें बाहर निकलने के लिए रास्ता देने पर तैयार नहीं है।

सुरंग में फंसे लड़ाके हमास-इजराइल के बीच सीजफायर से अनजान

रॉयटर्स ने पिछले महीने अपनी रिपोर्ट में बताया था कि राफा में मौजूद हमास के लड़ाके, जिनसे पिछले 7-8 महीने से संपर्क नहीं हो पाया है, शायद यह भी नहीं जानते कि अब सीजफायर लागू हो चुका है। उनमें से एक ने कहा कि उन लड़ाकों को वहां से निकालना सीजफायर को बनाए रखने के लिए जरूरी है।

पिछले महीने 6 नवंबर को इजराइल और हमास के बीच एक समझौते का प्रस्ताव दिया था। इसमें कहा गया था कि हमास के लड़ाकों को सुरक्षित निकलने का रास्ता दिया जाए। इजराइल उन्हें मारने के बजाय किसी तीसरे देश या गाजा के दूसरे हिस्से में जाने का मौका दे। हालांकि इजराइल इसके लिए राजी नहीं हुआ है।

मुनीर को सेना का सुप्रीम बनाने से बच रहे शहबाज

सीडीएफ बनाने से पहले पाकिस्तानी पीएम बिना बताए लंदन निकले, दावा- जानबूझकर देरी कर रहे

इस्लामाबाद, 1 दिसंबर (एजेंसियां)। पाकिस्तान में फील्ड मार्शल आसिम मुनीर को तीनों सेनाओं का सुप्रीम यानी चीफ ऑफ डिफेंस फोर्सेज (सीडीएफ) बनाने की प्रोसेस अटक गई है।

मुनीर को सीडीएफ बनाने के लिए 29 नवंबर तक नोटिफिकेशन जारी होना था, लेकिन पीएम शहबाज शरीफ ने अब तक इसपर साइन नहीं किए हैं। इससे पहले ही शहबाज 26 नवंबर को बहरीन चले गए थे, फिर 27 नवंबर को अनौपचारिक यात्रा पर लंदन रवाना हो गए।

मीडिया रिपोर्ट्स का दावा है कि शहबाज शरीफ ने खुद को इस प्रक्रिया से इसलिए दूर कर लिया है, ताकि उन्हें आसिम मुनीर की नई नियुक्ति वाले आदेश पर साइन न करने पड़ें।

पाकिस्तानी संसद ने 12 नवंबर को सेना की ताकत बढ़ाने वाला 27वां संवैधानिक संशोधन पास किया था। इसके तहत आसिम मुनीर को तीनों सेनाओं का सुपर चीफ यानी सीडीएफ बनाया जाना था। इस पद के मिलते ही उन्हें

पाकिस्तान के परमाणु हथियारों की कमान भी मिल जाती यानी वे देश के सबसे ताकतवर शख्स बन जाते। कानूनी विशेषज्ञों के मुताबिक, 27 नवंबर को पुराना पद खत्म होने के साथ ही 28 या 29 नवंबर तक नई नोटिफिकेशन जारी होना जरूरी था। 29 नवंबर 2022 को जनरल आसिम मुनीर को सेना प्रमुख नियुक्त किया गया था। उनका मूल कार्यकाल तीन साल का था, यानी 28 नवंबर 2025 को खत्म हो गया। पिछले साल ही संसद ने कानून पास करके सेना प्रमुख का कार्यकाल 3 से बढ़ाकर 5 साल कर दिया था। इसलिए कानूनी रूप से उनका पद खतरे में नहीं था। फिर भी संविधान संशोधन के बाद नई नोटिफिकेशन जरूरी थी।

पिछले महीने हुए संविधान संशोधन में चेयरमैन ज्वाइंट चीफ्स ऑफ स्टाफ कमेटी (सीजेसीएससी) की जगह सीडीएफ पद बनाया गया जो तीनों सेनाओं के बीच तालमेल रखेगी।

सीजेसीएससी शाहिद शमशाद मिर्जा के 27 नवंबर को रिटायर हो जाने के बाद अब तक आसिम मुनीर सीडीएफ नहीं बन पाए हैं।

इस बीच भारत के पूर्व राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार बोर्ड (एनएसएबी) के सदस्य तिलक देवेशर एएनआई से बातचीत में दावा किया है कि पीएम शहबाज शरीफ ने जानबूझकर ऐसा किया।

देवेशर ने चिंता जताई कि आसिम मुनीर अपनी ताकत दिखाने के लिए भारत के खिलाफ कोई तनाव पैदा करने की कोशिश कर सकते हैं।

उन्होंने कहा कि भले ही आधिकारिक रूप से यह साफ न हो कि मुनीर अब आर्मी चीफ हैं या नहीं, फिर भी उनके पास इतना असर है कि वे कुछ भी करवा सकते हैं। देवेशर के अनुसार, पाकिस्तान खुद इस बात को लेकर अनिश्चित है कि आर्मी चीफ कौन है, और अगर मुनीर के मन में भारत पर दबाव बनाने या कोई घटना भड़काने का विचार आ गया तो हालात और खतरनाक हो जाएंगे।

पाकिस्तान की फ्रंटियर कॉर्प्स हेडक्वार्टर पर आत्मघाती हमला

मेन गेट उड़ा 6 लड़ाके अंदर घुसे थे, 3 हमलावरों की मौत, पाक का दावा- बीएलए ने अटैक किया

इस्लामाबाद, 1 दिसंबर (एजेंसियां)। पाकिस्तान के बलूचिस्तान प्रांत में रविवार देर रात नोककुंडी स्थित फ्रंटियर कॉर्प्स (एफसी) के हेडक्वार्टर पर सुसाइड अटैक हुआ। डॉन की रिपोर्ट के मुताबिक, मेन गेट के पास एक सुसाइड बॉम्बर ने खुद को उड़ा लिया।

धमाका इतना जोरदार था कि गेट टूट गया। इसके बाद 6 हथियारबंद लड़ाके अंदर घुस आए। सुरक्षा बलों ने तुरंत जवाबी कार्रवाई शुरू की। भारी गोलीबारी के बाद 3 हमलावरों की मौत हो गई। वहीं, डॉन के ही कुछ सूत्रों ने 6 हमलावरों के मारे जाने का दावा किया है।

इस बीच, पंजगुर जिले के गुरमाकन इलाके में भी एक एफसी चेकपोस्ट पर हमला हुआ। एफसी के प्रवक्ता ने दावा किया कि दोनों अटैक बलूचिस्तान लिबरेशन आर्मी (बीएलए) ने किया है।

उग्रवादियों ने क्वेटा और डेरा मुराद को निशाना बनाया था

कुछ घंटे पहले इसी इलाके में एक दिन में लगातार 7 धमाके हुए थे। संदिग्ध उग्रवादियों ने क्वेटा और डेरा मुराद जमाली में कई जगहों को निशाना बनाया। धमाकों में किसी की मौत नहीं हुई। शनिवार को क्वेटा में पुलिस चेकपोस्ट पर हैंड ग्रेनेड से हमला किया गया। इसके बाद एंटी-टेररिज्म डिपार्टमेंट (एटीडी) की गाड़ी के पास आईईडी ब्लास्ट हुआ। शाम तक तीन और धमाके हुए। क्वेटा के एसएसपी आसिफ खान के मुताबिक, सरियाब रोड पर निर्माण कंपनी के कैंप पर हथियारबंद लोगों ने ग्रेनेड फेंके, जिसमें दो गार्ड जख्मी हुए।

मनजूर शहीद पुलिस स्टेशन पर भी मोटरसाइकिल सवार हमलावरों ने दो ग्रेनेड फेंके। इनमें से एक मौके पर फट गया, दूसरा बम स्क्वाड ने निषक्रिय कर दिया।

इमरान समर्थक सीएम को हटा सकते हैं शहबाज

इस्लामाबाद, 1 दिसंबर (एजेंसियां)। पाकिस्तान सरकार खैबर पख्तूनख्वा (केपी) में राष्ट्रपति शासन लगाने पर विचार कर रही है। पाकिस्तान के न्याय राज्य मंत्री अकील मलिक ने सोमवार को कहा, ' पख्तूनख्वा में सुरक्षा और प्रशासन की हालत बहुत खराब हो चुकी है।'

मलिक ने कहा, 'खैबर पख्तूनख्वा के मुख्यमंत्री सोहेल अफरीदी वहां की स्थिति को सुधारने में बुरी तरह फेल रहे हैं। वह न तो केंद्र सरकार से कोई तालमेल रख रहे हैं और न ही जरूरी जगहों पर कोई कार्रवाई कर रहे हैं।'

यह बयान अफरीदी के सेंट्रल जेल रावलपिंडी (अडियाला जेल) के बाहर रातभर धरना देने के कुछ दिनों बाद आई है। दरअसल, अफरीदी अडियाला जेल में बंद पूर्व पीएम से मिलने देने के लिए इजाजत की मांग को लेकर प्रदर्शन कर रहे थे।

पाकिस्तान के संविधान के मुताबिक, संविधान के अनुच्छेद 232 और 234 के तहत प्रधानमंत्री की सलाह पर राष्ट्रपति गवर्नर रूल लगा सकते हैं। यह पहले दो महीने के लिए होता है, बाद में जरूरत पड़ने पर बढ़ाया भी जा सकता है। बाद में संसद के दोनों सदनों की संयुक्त बैठक से इसकी मंजूरी लेनी पड़ती है।

दूसरी तरफ खैबर पख्तूनख्वा के गवर्नर फैसल करीम कुंदी ने कहा कि अगर उनकी जगह किसी और को लाया जाए तो वे पार्टी का फैसला स्वीकार कर लेंगे। हालांकि पिछले हफ्ते प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने उनसे मुलाकात की थी और पूरा भरोसा जताया था कि उन्हें नहीं हटाया जाएगा।

सेना के आदेश पर अफरीदी को पुलिस ने पीटा था

इमरान खान का समर्थन करने रावलपिंडी की अडियाला जेल पहुंचे खैबर-पख्तूनख्वा (केपी) राज्य के मुख्यमंत्री सोहेल अफरीदी को पुलिस ने 27 नवंबर को सड़क पर गिराकर पीटा था।

मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, सीएम सोहेल अफरीदी पर हमले की कार्रवाई सेना के आदेश पर की गई। अफरीदी गुरुवार को जिस समय जेल पहुंचे थे वहां भारी सुरक्षा तैनात थी और पीटीआई समर्थकों की भीड़ लगातार बढ़ रही थी। उनके पहुंचने से हालात और बिगड़ गए।

पुलिस ने उन्हें और उनके साथ आए नेताओं को आगे बढ़ने से रोक दिया। धक्का-मुक्की के दौरान पुलिसकर्मियों ने सीएम को लात-घूंसे भी मारे और जमीन पर गिरा दिया। पीटीआई ने इस घटना को लोकतांत्रिक अधिकारों पर हमला बताया है।

अफरीदी का कहना है कि सरकार को इमरान खान की सेहत और सुरक्षा को लेकर उठे सभी सवालों के सही जवाब देने होंगे। अगर ऐसा नहीं किया गया तो वे जनता के साथ सड़कों पर उतरने के लिए मजबूर हो जाएंगे।

अफरीदी ने आरोप लगाया कि सरकार इमरान खान की हालत की सही जानकारी नहीं दे रही है। उन्होंने चेतावनी दी कि अगर इमरान खान को कुछ हुआ तो इसके नतीजे की जिम्मेदारी पूरी तरह मौजूदा सरकार पर होगी।

उन्होंने पाकिस्तान सेना प्रमुख जनरल आसिम मुनीर पर तंज कसते हुए कहा कि देश के बिगड़ते हालात के लिए वही जिम्मेदार हैं।

चीनी क्यों ढूंढ़ रहे पाकिस्तान और बांग्लादेश में दुल्हन

बीजिंग, 1 दिसंबर (एजेंसियां)। चीन में 1970 के दशक में लाई गई एक-बच्चे की पॉलिसी बड़े संकट का सबब बन रही है। चीन ने इस नीति को जनसंख्या नियंत्रण और आर्थिक विकास के लिए लागू किया गया था लेकिन अब यह चीन की तरक्की में सबसे बड़ी बाधा बन गई है। चीन में युवाओं की संख्या घट रही है और यह बूढ़ों का देश बन रहा है। इतना ही नहीं चीन में जो युवा हैं, उनको शादी करने के लिए लड़कियां नहीं मिल पा रही हैं। ऐसे में चीनी पुरुष दुल्हन की तलाश में पाकिस्तान और बांग्लादेश जैसे अपने गरीब पड़ोसी देशों की ओर रुख कर रहे हैं। चीन में महिलाओं की बहुत ज्यादा कमी ने बॉर्डर पार शादी करने के ट्रेंड को बढ़ावा दिया है।

सिडनी में चल रहे अंतरराष्ट्रीय बाल शोषण रैकेट का भंडाफोड़

हजारों वीडियो बरामद, चार आरोपी गिरफ्तार

सिडनी, 1 दिसंबर (एजेंसियां)। सिडनी में पुलिस ने एक बड़े अंतरराष्ट्रीय बाल यौन शोषण रैकेट का भंडाफोड़ करते हुए चार आरोपियों को गिरफ्तार किया है। इन चारों पर बच्चों के यौन उत्पीड़न से जुड़े वीडियो ऑनलाइन फैलाने का आरोप है। जांच में सामने आया है कि यह नेटवर्क एक वैश्विक अंतरराष्ट्रीय बाल शोषण घिरोह से जुड़ा था, जिसके वीडियो में खतरनाक रस्मों और शैतानी प्रतीकों का इस्तेमाल किया जाता था। पुलिस ने इस कार्रवाई को बेहद गंभीर और संवेदनशील बताया है।

न्यू साउथ वेल्स पुलिस की विशेष टास्क फोर्स ने ऑनलाइन एनक्रिप्टेड प्लेटफॉर्म पर चल रही संदिग्ध गतिविधियों की जांच के दौरान इस नेटवर्क की पहचान की। डिटेक्टिव सुपरिंटेंडेंट जेन डोहर्टी ने बताया कि यह सामान्य अपराध नहीं था, बल्कि इसमें ऐसे वीडियो शामिल थे जिनमें बच्चों को शैतानी अनुष्ठानों से जुड़े प्रतीकों और रिवाजों का इस्तेमाल करते हुए प्रताड़ित किया जा रहा था। उन्होंने कहा कि यह सामग्री "अत्यंत भयावह" है और बातचीत में भी ऐसे संकेत मिले जिससे पता चलता है कि आरोपी इसी तरह की क्रूर सामग्री साझा करते थे।

सिडनी में कई स्थानों पर छापे मारे गए और चारों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया गया। पुलिस ने उनके ठिकानों से इलेक्ट्रॉनिक उपकरण जब्त किए जिनमें हजारों वीडियो संग्रहित थे। यह सामग्री ऐसे बच्चों की थी जिनकी उम्र कुछ महीनों से लेकर 12 साल तक बताई गई है। पुलिस का कहना है कि यह सबूत दिखाते हैं कि आरोपी एक वैश्विक नेटवर्क का हिस्सा थे, जो ऑनलाइन बच्चों पर अत्याचार से जुड़े वीडियो साझा करता था।

पुलिस ने बताया कि यह नेटवर्क अलग-अलग देशों में फैले लोगों के बीच सामग्री साझा करता था। जांच में यह संकेत मिला है कि आरोपी शैतानी और ओकल्ट प्रतीकों के साथ वीडियो साझा करते थे। पुलिस ने यह भी स्पष्ट किया कि इस मामले में जो वीडियो मिले हैं, वे आरोपियों ने खुद नहीं बनाए, लेकिन उन्होंने इन्हें साझा किया और इन पर चर्चाएं कीं।

पूर्व पीएम खालिदा जिया की हालत गंभीर

दिल-फेफड़ों तक पहुंचा संक्रमण का असर, हालत में सुधार नहीं

ढाका, 1 दिसंबर (एजेंसियां)। बांग्लादेश में अगले साल फरवरी में आम चुनाव होने वाले है। इससे पहले वहां की राजनीति में गजब का गर्माहट देखने को मिल रहा है। एक ओर जहां राजनीतिक पार्टियां चुनावी रण में अपनी-अपनी दावेदारी प्रबल करने में लगी है। वहीं दूसरी ओर बांग्लादेश की पूर्व प्रधानमंत्री और बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी (बीएनपी) की अध्यक्ष खालिदा जिया की सेहत अभी भी गंभीर बनी हुई है। उनके पार्टी के वरिष्ठ नेता ने बताया कि 80 वर्षीय जिया की स्वास्थ्य स्थिति में कोई बदलाव नहीं आया है। बता दें कि खालिदा जिया को 23 नवंबर को एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया था। उन्हें छाती में संक्रमण हुआ था, जिससे उनके हृदय और फेफड़ों पर असर पड़ा। चार दिन बाद उनकी कई स्वास्थ्य समस्याओं के बिगड़ने के कारण उन्हें कोरोनरी केयर यूनिट (सीसीयू) में शिफ्ट किया गया। बीएनपी के वरिष्ठ संयुक्त महासचिव रुहुल कबीर रिज़वी ने रविवार को बताया कि डॉक्टरों ने कहा है कि उनकी स्थिति और बिगड़ी नहीं है, लेकिन बहुत सुधार भी नहीं हुआ। उन्होंने कहा कि अभी तक जिया को विदेश में इलाज के लिए भेजने की सलाह नहीं मिली है। वहीं बीएनपी के महासचिव मिर्जा फखरुल इस्लाम आलमगीर ने शनिवार को बताया कि डॉक्टरों ने कहा था कि उन्हें विदेश में इलाज की जरूरत हो सकती है, लेकिन वर्तमान में उनकी शारीरिक स्थिति विदेश यात्रा के लिए अनुकूल नहीं है।

बता दें कि बांग्लादेश की पूर्व पीएम खालिदा जिया को पहले भी जिगर, किडनी, मधुमेह, गठिया और आंखों की बीमारियों जैसी कई स्वास्थ्य समस्याएं हैं। इस साल छह मई को जिया लंदन से भारत लौटकर बांग्लादेश आई थीं, जहां उन्होंने चार महीने तक उन्नत चिकित्सा उपचार लिया था।

हाइवा की टक्कर से युवक की मौत

दो दिन पहले ही हुई थी शादी, बैंक जाते वक्त सिंगरा हाईवे पर हुआ हादसा

पलामू, 1 दिसंबर (एजेंसियां)। पलामू के मेदिनीनगर सदर थाना क्षेत्र के सिंगरा स्थित नेशनल हाईवे पर सोमवार को एक भीषण सड़क हादसे में 31 वर्षीय राहुल पाठक की मौत हो गई। राहुल की शादी दो दिन पहले ही होटल माया पैलेस में सिमडेगा निवासी लड़की के साथ हुई थी। परिवार में खुशी का माहौल अब मातम में बदल गया है। जानकारी के अनुसार, राहुल सोमवार को बैंक से पैसे निकालने गए थे। इसी दौरान किसी काम से वे सिंगरा की ओर जा रहे थे, तभी एक तेज रफ्तार हाइवा ने उनकी बाइक में जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि राहुल की मौके पर ही मृत्यु हो गई।

तुर्की ने दुनिया में रचा इतिहास

मानवरहित फाइटर जेट किजिलेल्मा ने हवा में मिसाइल से मार गिराया विमान, भारत को भी खतरा

अंकारा, 1 दिसंबर (एजेंसियां)। ड्रोन सुपर पावर बन चुके तुर्की ने दुनिया में इतिहास रच दिया है। तुर्की के मानवरहित फाइटर जेट किजलिल्मा ने सटीक और सफलतापूर्वक एक वमिान को हवा में मिसाइल के जरिए मार गिराया है। इस दौरान किजलिल्मा ने वमिान को मार गिराने के लिए रडार गाइडेंस का इस्तेमाल किया। तुर्की पहला देश है जिसने दुनिया के विमानन इतिहास में ऐसी सफलता हासिल की है। तुर्की ने सिनोप तट पर इस टेस्ट को अंजाम दिया। किजिलेल्मा ने मुराद आइसा रडार की मदद से अपने लक्ष्य की पहचान की और फिर बियांड विजुअल रेंज एयर टु एयर गोकदोगन मिसाइल की मदद से दुश्मन विमान को मार गिराया। इससे अब मानवरहित जंग की दुनिया में अब एक नए दौर की शुरुआत हो गई है।

तुर्की का यह वमिान भविष्य में पाकिस्तान के पास भी जा सकता है जिससे भारत को भी खतरा पैदा हो सकता है।

किजिलेल्मा को तुर्की की दिग्गज ड्रोन कंपनी बायकर ने बनाई है। इसके सीईओ तुर्की के राष्ट्रपति एर्दोगन के दामाद हैं। इस वजह से दुनिया में एर्दोगन का दबदबा और बढ़ सकता है।

सीएनएन की रिपोर्ट के मुताबिक इस परीक्षण के दौरान मिसाइल ने लक्ष्य ड्रोन को सीधे हिट किया और तबाह कर दिया। तुर्की ने इसका वीडियो भी जारी किया है। विश्लेषकों का कहना है कि फाइटर जेट की तुलना में किजलिल्मा ड्रोन रडार पर बहुत कम संकेत देता है। किजलिल्मा वमिान बहुत लंबी दूरी से ही दुश्मन के वमिान की पहचान कर लेता है।

इससे तुर्की का यह ड्रोन दुश्मन की पहचान में आए बिना ही उसे तबाह करने की ताकत रखता है। इससे उसके बचे रहने की संभावना ज्यादा रहती है।

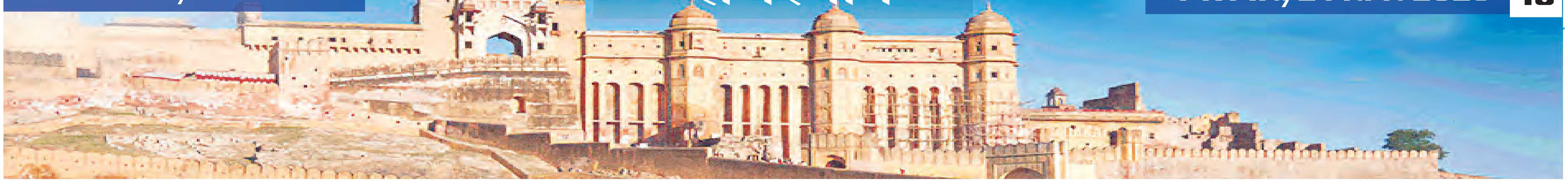

राजस्थान सरकार के 2 साल : 15 दिन में होंगे कई एलान

किसान सम्मेलन, एमएसएमई कॉन्क्लेव, पर्यटन नीति होगी जारी

जयपुर, 1 दिसंबर (एजेंसियां)। राजस्थान की भजनलाल सरकार इसी महीने अपने कार्यकाल के 2 माह पूरे करने जा रही है। इस दौरान 10 दिसंबर से 25 दिसंबर तक कई कार्यक्रम होंगे। करीब 15 दिनों तक चलने वाले कार्यक्रमों की श्रंखला में कई बड़े ऐलान भी होंगे। इसके तहत 20 दिसंबर को किसान सम्मेलन आयोजित होगा, जिसमें 31,600 किसानों को 200 करोड़ रुपए का अनुदान और 5 लाख किसानों को 700 करोड़ रुपए का कृषि आदान अनुदान वितरित किया जाएगा। वहीं 5 लाख पशुपालकों को दुग्ध उत्पादक संबल योजना के तहत 100 करोड़ रुपए दिए जाएंगे।

21 दिसंबर को पर्यावरण संरक्षण अभियान के तहत सभी जिलों में पौधारोपण किया जाएगा। इसी दिन ट्री आउटसाइड फॉरेस्ट और ग्रीन ग्रोथ क्रेडिट पॉलिसी का विमोचन होगा। 22 दिसंबर को व्यापार संवर्धन दिवस मनाया जाएगा, जिसके दौरान ₹राइजिंग राजस्थान परियोजना₹ अंतर्गत 2 लाख करोड़ रुपए की परियोजनाओं की ग्राउंड ब्रेकिंग होगी। साथ ही ग्लोबल कैपेबिलिटी सेंटर पॉलिसी, व्यापार प्रोत्साहन नीति, सेमी-कंडक्टर नीति, निजी औद्योगिक पार्क योजना और एयरोस्पेस पॉलिसी का भी विमोचन किया जाएगा।

23 दिसंबर को MSME कॉन्क्लेव आयोजित किया जाएगा, जिसमें औद्योगिक क्लस्टर विकसित किए जाएंगे और व्हीकल स्क्रैपिंग नीति जारी की जाएगी। 24 दिसंबर को पर्यटन कॉन्क्लेव होगा, जहां नई पर्यटन नीति और फिल्म पर्यटन प्रोत्साहन नीति का विमोचन किया जाएगा। 25 दिसंबर को सुशासन दिवस के उपलक्ष्य में राज्यस्तरीय समारोह आयोजित किया जाएगा।

सुप्रीम कोर्ट में शांति धारीवाल की याचिका खारिज

ट्रायल कोर्ट में होगी भ्रष्टाचार मामले की जांच

जयपुर, 1 दिसंबर (एजेंसियां)। राजस्थान के बहुचर्चित एकल पट्टा घोटाले में पूर्व मंत्री शांति धारीवाल को सुप्रीम कोर्ट से राहत नहीं मिली है। शीर्ष अदालत ने उनकी विशेष अनुमति याचिका को सुनने से इनकार करते हुए एक नवंबर 2024 के आदेश को बरकरार रखा।

बता दें कि कोर्ट ने स्पष्ट किया कि एसीबी कोर्ट, जयपुर में लंबित प्रोटेस्ट पिटीशनों के निपटारे से पहले धारीवाल के खिलाफ कोई दंडात्मक कार्रवाई या गिरफ्तारी नहीं की जाएगी। लेकिन जांच प्रक्रिया बिना किसी रुकावट के जारी रहेगी।

सुप्रीम कोर्ट की खंडपीठ जस्टिस जेके माहेश्वरी और जस्टिस विजय बिश्नोई ने सुनवाई के दौरान कहा, भ्रष्टाचार मामले में कानूनी प्रक्रिया ट्रायल कोर्ट स्तर पर जारी रहेगी। वही आगे की कार्रवाई तय करेगा।

शांति धारीवाल की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता कपिल सिब्बल ने पक्ष रखा। जबकि राजस्थान सरकार की पैरवी अतिरिक्त महाधिवक्ता शिवमंगल शर्मा ने की। इसके अलावा इंटरवीनर की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता कुंवर सुल्तान सिंह और अधिवक्ता अजीत कुमार शर्मा व आदित्य विक्रम सिंह उपस्थित रहे।

क्लोजर रिपोर्ट और प्रोटेस्ट पिटीशन पर ट्रायल कोर्ट करेगा फैसला

उच्च न्यायालय पहले ही निर्देश दे चुका है कि क्लोजर रिपोर्ट और प्रोटेस्ट पिटीशनों का निपटारा ट्रायल कोर्ट करेगा। कोर्ट पुरानी और नई दोनों क्लोजर रिपोर्टों पर विचार कर सकता है और राज्य सरकार अतिरिक्त जांच रिपोर्ट भी प्रस्तुत कर सकती है। साथ ही क्लोजर रिपोर्ट वापस लेने के आवेदन पर भी सुनवाई की जाएगी। सुप्रीम कोर्ट ने इन सभी निर्देशों को बरकरार रखते हुए धारीवाल की याचिका को खारिज कर दिया।

29 जून 2011 को जयपुर विकास प्राधिकरण ने गणपति कंस्ट्रक्शन के मालिक शैलेंद्र गर्ग के नाम पट्टा जारी किया था। आरोप यह लगा कि पिछले रिजेक्शन की जानकारी जुटाए बिना नया पट्टा जारी किया गया और इसमें भारी स्तर पर भ्रष्टाचार हुआ।

साल 2013 में परिवादी रामशरण सिंह ने एसीबी में शिकायत दर्ज करवाई, जिसके बाद मामला धीरे-धीरे बड़ा होता गया। तत्कालीन गहलोत सरकार ने पट्टा रद्द कर दिया और जांच शुरू हुई। इस दौरान तत्कालीन एसीएस जीएस संधू समेत छह आरोपियों की गिरफ्तारी भी हुई। इसी मामले में तत्कालीन यूडीएच मंत्री शांति धारीवाल भी जांच के दायरे में आए।

मामले का अंतिम निपटारा विशेष कोर्ट (पीसी एक्ट), जयपुर द्वारा किया जाएगा। अब कोर्ट प्रोटेस्ट पिटीशनों, क्लोजर रिपोर्टों और राज्य सरकार की अपीलों पर फैसला करेगा। सुप्रीम कोर्ट ने यह सुनिश्चित कर दिया है कि भ्रष्टाचार के इस मामले की जांच पूरी कानूनी प्रक्रिया के साथ आगे बढ़े और ट्रायल कोर्ट के समक्ष ही निर्णायक मोड़ आए।

डोटासरा का तंज: 'दिलावर सरकार के लिए सबसे बड़ी परेशानी बन चुके

उनका काम विवादित बयान और झूठी घोषणाएं करना रह गया'

जयपुर, 1 दिसंबर (एजेंसियां)। राजस्थान में छह दिसंबर को शौर्य दिवस मनाने को लेकर जारी आदेश भले ही 12 घंटे के भीतर वापस ले लिया गया हो, लेकिन इस निर्देश को लेकर सियासी और सामाजिक संगठनों में विरोध तेज हो गया है। कांग्रेस और कई सिविल सोसाइटी संगठनों ने इसे सरकार की गलत प्राथमिकताओं का उदाहरण बताया।

राजस्थान कांग्रेस अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा ने कहा, शिक्षा विभाग का यह आदेश भजनलाल शर्मा सरकार की सोच को उजागर करता है। उनके मुताबिक, यह आदेश देर रात जारी हुआ और सुबह बिना कारण बताए वापस भी ले लिया गया। डोटासरा ने शिक्षा मंत्री मदन दिलावर पर निशाना साधते हुए कहा, दिलावर सरकार के ऐसे मंत्री हैं, जिनका काम सिर्फ विवादित बयान देना और झूठी घोषणाएं करना रह गया है। वे सरकार के

लिए सबसे बड़ी परेशानी बन चुके हैं।

डोटासरा ने यह भी आरोप लगाया कि शिक्षा विभाग की हालत इतनी खराब है कि अधिकारी खुद आदेश जारी करने से मना कर रहे हैं। जबकि आदेश मंत्री के आधिकारिक व्हाट्सएप ग्रुप से प्रसारित हुआ था।

रफीक खान का आरोप

विधायक रफीक खान ने कहा कि यह आदेश राजस्थान की समावेशी संस्कृति के खिलाफ है। उन्होंने मंत्री के उस बयान का भी जिक्र किया, जिसमें छात्रों से पारंपरिक पोशाक पहनने की बात कही गई थी और बाद में 'क्या कोई लड़की बुर्का पहनकर आई?' जैसी टिप्पणी कर दी गई।

खान ने कहा कि जब राजस्थान को स्कूल नामांकन बढ़ाने, शिक्षा की गुणवत्ता सुधारने, भवनों की मरम्मत करने और शिक्षकों की भर्ती तेज करने की जरूरत है, तब मंत्री सिर्फ हिंदू-मुस्लिम राजनीति में उलझे हुए हैं।

सिविल सोसाइटी ने भी जताई चिंता

पीपुल्स यूनियन फॉर सिविल लिबर्टीज और अन्य संगठनों ने मांग की कि मुख्यमंत्री स्पष्ट करें कि आदेश स्थायी रूप से वापस लिया गया है या सिर्फ टाल दिया गया है। पीयूसीएल अध्यक्ष कविता श्रीवास्तव ने कहा, यह आदेश संविधान के अनुच्छेद 14, 15 और 25 तथा राइट टू एजुकेशन एक्ट व राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 का उल्लंघन करता है, जिनमें समानता, धर्म निरपेक्षता और संवैधानिक मूल्यों को बढ़ावा देने की बात कही गई है। सिविल सोसाइटी ने शिक्षा निदेशक सीताराम जाट की उस स्पष्टीकरण पर भी सवाल उठाए, जिसमें उन्होंने मीडिया रिपोर्ट्स को 'भ्रामक' बताया था। संगठनों का कहना है कि सरकार सिर्फ़ दिखावे में आदेश वापस ले रही है, असली इरादा अभी भी वही है।

मंत्री किरोड़ीलाल मीना ने महिला के हाथ पर लिखकर दे दिया आदेश

कहा- अफसरों को बता देना

जयपुर, 1 दिसंबर (एजेंसियां)। राजधानी जयपुर के एयरपोर्ट रोड स्थित चाय की थड़ी सोमवार को एक अनूठी जनसुनवाई की साक्षी बनी। यहां कृषि मंत्री किरोड़ीलाल मीना आम लोगों के बीच बैठकर चाय पी और एक-एक व्यक्ति की समस्याएं सुनी।

बता दें कि दौसा जिले के सिकराय क्षेत्र से पहुंची एक महिला ने गौशाला की जमीन पर हो रहे अतिक्रमण की शिकायत की तो मंत्री किरोड़ीलाल मीना ने तुरंत कार्रवाई का भरोसा दिया। खास बात यह रही कि उन्होंने महिला के हाथ पर ही लिखकर आदेश दिया, कोई भी गौशाला के काम को नहीं रोकेगा। साथ ही अपने हस्ताक्षर भी किए और चार दिसंबर को मौके पर पहुंचने का आश्वासन दिया।

'समाधान ही उनका पहला ध्येय'

इस दौरान मंत्री ने कहा, जनता की समस्या का समाधान ही उनका पहला ध्येय है। उन्होंने स्पष्ट शब्दों में अधिकारियों को निर्देश दिए कि गौशाला से जुड़े कार्यों में किसी तरह की बाधा नहीं आने दी जाए। उनकी यह शैली न सिर्फ मौजूद लोगों को प्रभावित कर गई, बल्कि सोशल मीडिया पर भी तेजी से चर्चा का विषय बन गई।

अधिकारियों को कॉल कर निर्देश दिए

मंत्री मीना ने हर शिकायत को गंभीरता से सुनते हुए मौके पर ही विभागीय अधिकारियों को कॉल कर समाधान के निर्देश दिए। जनसुनवाई में सबसे अधिक बिजली और पानी से जुड़ी शिकायतें सामने आईं। उन्होंने विभागों को निर्देशित किया कि सभी जरूरी कदम उठाए जाएं, ताकि लोगों को राहत मिल सके।

महिला ने भी भावुक होकर कहा...

महिला के साथ संवाद के दौरान मंत्री मीना बोले, यदि बात अधूरी रह गई तो वे वहीं खाट बिछाकर बैठ जाएंगे। इस पर फरियादी महिला ने भी भावुक होकर कहा, अगर अतिक्रमण नहीं रुका तो वह धरती में समा जाएंगी। मंत्री मीना ने हस्ताक्षर भी किए और कहा, अफसरों को बता देना, यही मेरा आदेश है। चार तारीख को मैं खुद मौके पर आऊंगा।

किरोड़ीलाल मीना ने कहा, उनकी जनसुनवाई का सिलसिला यूं ही गांव-गांव, चौक-चौराहों और आम लोगों के बीच चलता रहेगा। वे चाहते हैं कि जनता दफ्तरों के चक्कर काटने के बजाय सीधे उनके सामने अपनी बात रखे।

भाजपा सरकार के दो साल के काम-काज पर सचिन पायलट का तंज, कहा-हमारे प्रोजेक्ट भी पूरे नहीं कर पाए

टोंक, 1 दिसंबर (एजेंसियां)। कांग्रेस के राष्ट्रीय महासचिव और टोंक विधायक सचिन पायलट टोंक दौरे के दूसरे दिन विभिन्न कार्यक्रमों में शामिल हुए। पायलट ने एसआईआर को लेकर मंडल कार्यकर्ताओं की बैठक ली और पार्टी कार्यकर्ताओं व पदाधिकारियों से संवाद किया। जिला स्तरीय अधिकारियों की बैठक लेकर आवश्यक दिशा-निर्देश भी दिए। इस मौके पर कांग्रेस जिला अध्यक्ष सऊद सईदी, हंसराज फागना सहित कई नेता मौजूद रहे।

सचिन पायलट ने प्रदेश सरकार पर हमला बोलते हुए कहा किदो साल की भाजपा सरकार में विकास कार्य ठप पड़े हैं। जिन कार्यों का 90 फीसदी काम हमारी सरकार ने पूरा कर दिया था, उन कार्यों की 10 फीसदी फिनिशिंग का काम भी भाजपा सरकार पूरा

नहीं कर पा रही है।

एसआईआर सर्वे पर पायलट ने कहा कि दिल्ली में कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे और राहुल गांधी के नेतृत्व में विशाल जनसभा आयोजित की जाएगी। उन्होंने कहा कि वोट चोरी के साथ एसआईआर कांग्रेस के लिए एक महत्वपूर्ण मुद्दा है।

पायलट ने आरोप लगाया कि चुनाव आयोग ने एसआईआर सर्वे को लेकर बहुत कम समय दिया है।

उन्होंने कहा कि हमने कई बार समय सीमा बढ़ाने की मांग की, लेकिन निर्वाचन आयोग ने हमारी मांग पर ध्यान नहीं दिया। दबाव के चलते कई राज्यों में BLO आत्महत्या तक कर चुके हैं। कल भी टोंक विधानसभा के कई BLO से फोन पर बातचीत की थी।

दौरे के दौरान पायलट ने टोंक सर्किट हाउस में जनसुनवाई की और जनता की समस्याएँ सुनीं। इसके बाद मेहंदवास, अमीनपुरा, बरवास, छान, अलियारी सहित कई गाँवों का दौरा किया। पायलट ने एसआईआर से जुड़े कामकाज का फीडबैक लिया और ग्रामीणों के साथ संवाद किया।

मीडिया से बातचीत में पायलट ने प्रदेश में यूरिया की किल्लत, ब्यूरोक्रेसी में हुए बदलाव, मंत्रिमंडल विस्तार और सरकार के दो साल के कार्यकाल पर भी अपनी प्रतिक्रिया दी।

राजस्थान की चट्टानों में मिला इलेक्ट्रिक कार से न्यूक्लियर पावर तक का कच्चा माल

8 साल में भारत हो सकता है आत्मनिर्भर

जयपुर, 1 दिसंबर (एजेंसियां)। राजस्थान में थार के रेगिस्तान में मौजूद बाड़मेर जिले के सिवाना रिंग कॉम्प्लेक्स को खास गुणवत्ता वाले रेयर अर्थ मैटेरियल के कारण दुनिया के सबसे समृद्ध खजानों में से एक बताया जा रहा है। इन चट्टानों में इलेक्ट्रिक कार, मोबाइल और रॉकेट से लेकर न्यूक्लियर पावर तक का पूरा कच्चा माल मौजूद है।

देश के प्रमुख संस्थानों की नई रिपोर्ट में कहा गया कि जहां बाकी जगह रेयर अर्थ एलिमेंट्स (आरईई) का औसत घनत्व 100 से 200 पीपीएम (पार्ट्स पर मिलियन) मिले हैं, सिवाना में इससे करीब 100 गुना ज्यादा दर्ज हुआ है। यह क्षेत्र इनके उत्पादन में भारत को आत्मनिर्भरता दिलाने और दुनिया में आगे रखने में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है।

रिपोर्ट के अनुसार, सिवाना की चट्टानों में आरईई की भरमार है। उदाहरण के लिए नियोबियम की मात्रा 246 से 1681 पीपीएम और जिरकोनियम की 800 से 12,000 पीपीएम तक है। भारत का लक्ष्य रेयर अर्थ तत्त्वों और सुपर मैग्नेट में आत्मनिर्भरता हासिल करना है। चीन द्वारा इसके निर्यात पर नियंत्रण के बाद दुनिया में इन्हें लेकर चिंताएं बढ़ी हैं। इसे देखते हुए भारत ने इनकी खोज व अनुसंधान को तेज किया है और नीलामी प्रक्रिया भी जारी हैं। तेजी से काम हो तो अगले 5 से 8 वर्ष में भारत को आत्मनिर्भरता हासिल हो सकती है।

करीब 70 से 80 करोड़ वर्ष (नियोप्रोटेरोजोइक काल) पहले ज्वालामुखी से बने हिस्सों को ही सिवाना रिंग कहते हैं। ये चट्टानें बाकी जगहों से अलग हैं। क्योंकि इनमें रेयर अर्थ एलिमेंट और कुछ खास मेटल की भरमार है।

किसानों को समय पर खाद नहीं मिलने पर ऊर्जा मंत्री ने जताई नाराजगी, हुए सख्त

कोटा, 1 दिसंबर (एजेंसियां)। कोटा दौरे पर मौजूद ऊर्जा मंत्री हीरालाल नागर ने सर्किट हाउस में जिला कलेक्टर, कृषि विभाग, सहकारिता एवं फर्टिलाइजर आपूर्ति करने वाली कंपनियों के प्रतिनिधियों के साथ जिले में यूरिया की आपूर्ति की समीक्षा की। उन्होंने शिक्षा विभाग एवं पीडब्ल्यूडी के अधिकारियों के साथ सांगोद विधानसभा क्षेत्र में एसडीआरएफ के तहत स्कूलों की मरम्मत कार्य की प्रगति की भी समीक्षा की।

ऊर्जा मंत्री हीरालाल नागर ने कहा कि दिसंबर माह के पहले सप्ताह में जिले में यूरिया की पर्याप्त आपूर्ति सुनिश्चित की जाएगी ताकि किसानों को समय पर खाद उपलब्ध कराया जा सके। उन्होंने कहा कि सीएफसीएल (चंबल फर्टिलाइजर एंड केमिकल्स लि.) द्वारा अगले सप्ताह 1000 मेट्रिक टन यूरिया की प्रतिदिन आपूर्ति की जाएगी, जिसे

ग्राम सेवा सहकारी समिति एवं क्रय विक्रय सहकारी समिति के माध्यम से सीधे किसानों तक पहुंचाया जाएगा।

उन्होंने कहा कि यूरिया की कालाबाजारी रोकने के लिए सहकारी समितियों के माध्यम से किसानों को सीधे फर्टिलाइजर की आपूर्ति को प्राथमिकता दी जा रही है। ऊर्जा मंत्री ने बैठक के दौरान ही प्रमुख शासन सचिव कृषि एवं सहकारिता मंजू राजपाल से बात की और उनसे कोटा जिले के लिए फर्टिलाइजर आवंटन बढ़ाने को कहा। उन्होंने कहा कि कोटा जिले की मांग 95 हजार मेट्रिक टन खाद की थी लेकिन 74 हजार मेट्रिक टन ही आवंटित किया गया था। ऐसे में जिले में एक साथ हुई रबी सीजन की बुवाई को देखते हुए यूरिया का आवंटन बढ़ाया जाए। प्रमुख शासन सचिव, कृषि ने बताया है कि केंद्र सरकार को 50 हजार मेट्रिक टन अतिरिक्त फर्टिलाइजर आवंटन के लिए लिखा गया है। अतिरिक्त आवंटन की स्वीकृति मिलने पर कोटा जिले को भी अतिरिक्त आवंटन किया जाएगा।

ऊर्जा मंत्री ने कहा कि सांगोद विधानसभा क्षेत्र के 188 स्कूल भवनों का पीडब्ल्यूडी अभियंताओं द्वारा किए गए सर्वे में 12 स्कूल भवनों को पूरी तरह जर्जर अथवा गिराने योग्य माना गया है। इसके अलावा 66 भवनों में 2 से 5 लाख रुपये तक मरम्मत कार्य कराए जाने और 84 स्कूलों में 5 से 10 लाख रुपये के मरम्मत कार्यों की आवश्यकता है।

ईयरफोन लगाकर रेलवे ट्रैक से गुजर रहे थे युवक-युवती, ट्रेन की चपेट में आने से दर्दनाक मौत

सीकर, 1 दिसंबर (एजेंसियां)। सीकर से चूरू जा रही मालगाड़ी की चपेट में आने से आज तड़के एक युवक-युवती की दर्दनाक मौत हो गई। ट्रेन की चपेट में आने से युवक का सिर धड़ से अलग हो गया और दोनों शवों के अवशेष रेलवे ट्रैक पर बिखर गए। सूचना मिलने पर पुलिस ने मौके पर पहुंचकर दोनों शव एसके अस्पताल की मोर्चरी में रखवाए। पुलिस आज पोस्टमार्टम करवाकर शव परिजनों के सुपूर्द करेगी। सीकर शहर के सदर थाना इलाके में जगमालपुरा फाटक पर रात करीब 2 से 3 बजे के बीच की घटना बताई जा रही है। जानकारी अनुसार हादसे में युवक सुनील कुमार (20) पुत्र राकेश कुमार और युवती अनीशा (18) पुत्री हरलाल निवासी ताजसर की मौत हुई है। दोनों सीकर से चूरू की तरफ जा रही मालगाड़ी की चपेट में आ गए थे। टक्कर के बाद लोको पायलट की सूचना पर कोतवाली थाने को सूचना दी गई।

पचास लाख रुपये की चोरी करके दिल्ली आए थे आरोपी रूप बदलकर दे रहे थे चकमा; पुलिस ने किया खुलासा

उदयपुर, 1 दिसंबर (एजेंसियां)। उदयपुर की सवीना थाना पुलिस ने सेक्टर-13 गोविंद नगर स्थित एक सूने मकान में हुई करीब 50 लाख रुपये की चोरी के मामले में दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने बताया कि बदमाशों ने चोरी की वारदात को अंजाम देने के बाद पहचान छिपाने के लिए रूप बदला और दिल्ली में जाकर छिप गए थे। वहीं, इस गैंग के दो अन्य आरोपी अभी फरार हैं, जिनकी तलाश में पुलिस की टीमें लगातार दबिश दे रही हैं।

सवीना थानाधिकारी अजय सिंह राव ने बताया कि गिरफ्तार आरोपियों में फैजान नोशे निवासी चंदौसी, मुरादाबाद (वर्तमान पता मयूर विहार, दिल्ली) और राहुल वाल्मिकी निवासी त्रिलोकपुरी कोटला, दिल्ली शामिल हैं। पूछताछ में आरोपियों ने अपने दो साथियों अमित गुप्ता उर्फ अमित बिहारी और लल्ला गुप्ता के साथ मिलकर चोरी की वारदात को कबूल किया है।

पुलिस जांच में सामने आया कि चारों आरोपी कार की नंबर प्लेट बदलकर दिल्ली से उदयपुर आए थे। शहर में सूने मकानों की रेकी करने के बाद उन्होंने चोरी की वारदात को अंजाम दिया। घटना के बाद बदमाशों ने फिर से कार की नंबर प्लेट बदली और दिल्ली फरार हो गए। दिल्ली पहुंचते ही चारों अलग-अलग हो गए और पहचान छिपाकर रहने लगे।

आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए पुलिस ने करीब 10 दिनों तक सलूंबर, बांसवाड़ा, रतलाम, गुना, ग्वालियर और दिल्ली में दबिश दी। आखिरकार दिल्ली में कार्रवाई कर दो आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया गया, जबकि दो आरोपी मौके से फरार हो गए। पुलिस रिकॉर्ड के अनुसार, आरोपी उदयपुर में पहले भी वारदातों को अंजाम दे चुके हैं। करीब 7 महीने पहले गोविंद नगर में ही एक अन्य सूने मकान को निशाना बनाया गया था।

'राजनीतिक करियर खत्म कर दूंगा': कांग्रेस मंडल अध्यक्ष बोले

प्रभारी ने गोली मारने की दी धमकी, बैठक में मचा बवाल

कोटा, 1 दिसंबर (एजेंसियां)। अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी एवं प्रदेश कांग्रेस कमेटी के निर्देश पर कोटा में प्रत्येक मंडल में विशेष गहन पुनरीक्षण (SIR) प्रक्रिया के तहत 'वोट चोरी' रोकथाम महाअभियान को

मजबूत करने के लिए बैठकें आयोजित की जा रही हैं।

इसी कड़ी में शनिवार शाम बोरखेड़ा मंडल की बैठक आयोजित की गई। इसमें बोरखेड़ा कांग्रेस मंडल के दीपक नामदेव और लाडपुरा विधानसभा प्रभारी नेमीचंद के बीच तीखी बहस हुई और विवाद इतना बढ़ गया कि मारपीट तक की नौबत आ गई। हंगामे के कारण बैठक बीच में ही खत्म करनी पड़ी।

बैठक में जयपुर से आए प्रभारी नेमीचंद ने कहा कि बैठक का उद्देश्य सिर्फ एसआइआर संबंधी चर्चा करना था। वहीं मंडल अध्यक्ष दीपक नामदेव और पदाधिकारी सामाजिक कार्यक्रमों के मुद्दों पर चर्चा कर रहे थे, जिससे विवाद बढ़ गया।

नामदेव ने बताया कि नेमीचंद ने कहा कि तुम लोग कार्यक्रम करते हो हम लोगों को बुलाते तक नहीं हो। इस पर दीपक ने कहा कि उनके कार्यक्रम सामाजिक सरोकार के हैं, जिनमें राजनीतिक रंग नहीं डाला जाता और हर विचारधारा के लोग शामिल होते हैं। इस दौरान नेमीचंद गुस्से में आ गए और नामदेव ने आरोप लगाया कि प्रभारी ने धमकी दी कि राजनीतिक करियर करियर खत्म कर दूंगा। बैठक में हुआ हंगामा सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गया।

प्रभारी ने मेरा अंगूठा मरोड़ा, धमकाया और गालियां दी : नामदेव

मंडल अध्यक्ष दीपक नामदेव ने आरोप लगाया कि प्रभारी नेमीचंद ने उसे धमकाया और गालियां दी। बैठक में अंगूठा मरोड़ा और बाहर निकलते समय गोली मारने की धमकी दी। प्रभारी ने बैठक में हावी होने और सामाजिक कार्यक्रमों को राजनीतिक रंग देने की कोशिश की।

जाली नोटों के साथ 2 युवक पकड़े

बाजार में खपाने आए थे; पुलिस जांच में जुटी

श्रीगंगानगर, 1 दिसंबर (एजेंसियां)। श्रीगंगानगर जिले की अनूपगढ़ थाना पुलिस ने कार्रवाई करते हुए बाजार में नकली नोट चलाने की कोशिश कर रहे दो युवकों को पकड़ा है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से हजारों नकली नोट बरामद किए हैं। आरोपियों की पहचान हरविंद्र सिंह व चंद्रभान के रूप में हुई है। पुलिस के अनुसार दोनों युवक बाजार में छोटे दुकानदारों के बीच 500 रुपये के नकली नोट खपाने की फिराक में थे। तलाशी के दौरान हरविंद्र के कब्जे से 500 रुपये के 42 नकली नोट और चंद्रभान से 500 रुपये के 46 नकली नोट बरामद किए गए। मौके से बरामद कुल 88 नोटों की जांच में स्पष्ट हो गया कि सभी फर्जी हैं और इन्हें बेहद चालाकी से असली जैसा बनाकर बाजार में चलाने की तैयारी थी। एएसआई कालूराम और थाना अधिकारी ईश्वर जांगिड़ के नेतृत्व में टीम ने कार्रवाई को अंजाम दिया। पुलिस ने मौके से नकली नोटों का पूरा स्टॉक जब्त कर लिया है। प्रारंभिक पूछताछ में आरोपियों ने स्वीकार किया कि वे इन नोटों को बाजार में चलाने की योजना बनाकर आए थे।

थाना अधिकारी जांगिड़ ने बताया कि नकली नोटों का यह मामला गंभीर श्रेणी का है और अब पुलिस आरोपियों से सप्लायर, प्रिंटिंग लोकेशन और नेटवर्क के बारे में पूछताछ कर रही है। यह भी जांच हो रही है कि क्या आरोपियों का किसी बड़े गिरोह से भी संबंध है। पुलिस टीम ने पूरे मामले की जानकारी उच्चाधिकारियों को भेज दी है और नेटवर्क की तह तक पहुंचने के लिए जांच तेज कर दी गई है।

मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी ने पालमूर जिले के विकास और किसानों के हितों पर जोर दिया

हैदराबाद, 1 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी ने हाल ही में पालमूर जिले में आयोजित सार्वजनिक सभा में जिले के विकास और जनता की भलाई के लिए अपने सरकार के प्रयासों को साझा किया।

उन्होंने कहा कि उनके नेतृत्व में पिछले दो वर्षों में किसानों, महिलाओं और युवाओं के लिए कई महत्वपूर्ण कदम उठाए गए हैं। मुख्यमंत्री ने बताया कि नारायणपेट-कोडंगल प्रोजेक्ट के तहत भूमि अधिग्रहण लगभग पूरा हो चुका है और जल्द ही परियोजना का काम शुरू होगा। उन्होंने कहा कि किसानों को प्रति एकड़ 20 लाख रुपये का मुआवजा देकर लगभग 967 किसानों को सहमति दिलाई गई है। उन्होंने शिक्षा के क्षेत्र में भी बड़े कदम उठाए हैं।

पालमूर जिले में 14 यंग इंडिया इंटीग्रेटेड स्कूल्स और एक आईआईटी की स्थापना की जा रही है। उनका कहना है कि प्रत्येक गरीब बच्चे को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करना उनकी प्राथमिकता है। साथ ही, मुख्यमंत्री ने महिलाओं के लिए आरटीसी बसों में मुफ्त यात्रा, गरीब परिवारों को राशन और 200 यूनिट मुफ्त बिजली, और किसानों के ऋण माफी जैसे कदमों का भी उल्लेख किया।

उन्होंने कहा कि सरकार ने दो वर्षों में किसानों के लिए 1.04 लाख करोड़ रुपये खर्च किए हैं। मुख्यमंत्री ने भविष्य की योजनाओं का जिक्र करते हुए कहा कि तेलंगाना को 2034 तक 1 ट्रिलियन डॉलर और 2047 तक 3 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था वाला राज्य बनाने का लक्ष्य रखा गया है। उन्होंने जनता से अपील की कि पंचायती चुनावों में विकास और प्रगति चाहने वालों को ही चुना जाए। मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी ने सभा में यह भी कहा कि उनकी सरकार पालमूर जिले को "सोने की फसल वाला जिला" बनाने के लिए प्रतिबद्ध है।

अदलुरी ने मुख्यमंत्री रेवंत से कोंडागट्टू अग्निकांड पीड़ितों को तुरंत राहत देने की अपील की

हैदराबाद, 1 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। एससी, एसटी, दिव्यांग एवं ट्रांसजेंडर कल्याण मंत्री अदलुरी लक्ष्मण कुमार और चोप्पडांडी विधायक मेडिपल्ली सत्यम ने सोमवार को मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी से उनके निवास पर मुलाकात की। उन्होंने कोंडागट्टू अग्निकांड के पीड़ितों की सहायता के लिए एक ज्ञापन सौंपा। यह दुर्भाग्यपूर्ण घटना रविवार को जगतियाल जिले के कोंडागट्टू स्थित अंजनेयस्वामी मंदिर में हुई। हालांकि किसी की जान नहीं गई, लेकिन करीब 30 दुकानें पूरी तरह जलकर खाक हो गईं, जिससे दुकानदारों की आजीविका पर गहरा असर पड़ा है। ये दुकानें मुख्यतः निम्न एवं मध्यम आय वर्ग के परिवारों द्वारा चलाई जा रही थीं, जिन्होंने मंदिर परिसर से स्टॉल किराये पर ले रखे थे। इस हादसे में संपत्ति का नुकसान 1 करोड़ रुपये से अधिक आंका जा रहा है। मंत्री अदलुरी लक्ष्मण कुमार ने मुख्यमंत्री को स्थिति से अवगत कराते हुए प्रभावित दुकानदारों को तत्काल राहत एवं सहायता उपलब्ध कराने का अनुरोध किया।

दो महीनों में शुरू होगा एआई विश्वविद्यालय : श्रीधर बाबू

हैदराबाद, 1 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। विश्व की शीर्ष विश्वविद्यालयों के तकनीकी सहयोग से स्थापित किया जा रहा आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस विश्वविद्यालय अगले दो महीनों में शुरू कर दिया जाएगा। यह घोषणा आईटी एवं उद्योग मंत्री श्रीधर बाबू ने की। मंत्री ने बताया कि यह विश्वविद्यालय सॉफ्टवेयर इंजीनियरों और अपनी पढ़ाई पूरी कर रहे छात्रों को उभरती तकनीकों में उन्नत प्रशिक्षण प्रदान करेगा।

श्रीधर बाबू सोमवार को एक एआई सेंटर का उद्घाटन कर रहे थे। उन्होंने बताया कि इस सेंटर में फिलहाल करीब 500 इंजीनियर कार्यरत हैं और कंपनी अगले दो वर्षों में 3,000 नई नौकरियां सृजित करने की योजना बना रही है। उन्होंने कहा कि एआई के तेज़ विकास के कारण कोडिंग और अन्य तकनीकी क्षेत्रों के पेशेवरों के लिए अपनी कौशल क्षमता बढ़ाना बेहद महत्वपूर्ण हो गया है। आने वाला एआई विश्वविद्यालय इसी दिशा में स्किल अपग्रेडेशन और रिस्किलिंग का प्रमुख केंद्र बनेगा।

मंत्री ने कोवैलेंट के चेयरमैन सी.वी. सुब्रमण्यम की सराहना करते हुए कहा कि उन्होंने कुछ दशक पहले सिर्फ 18 कर्मचारियों के साथ कंपनी शुरूआत की थी और आज इसे हजारों कर्मचारियों वाले वैश्विक संगठन में विकसित किया है। उन्होंने कहा कि जैसे सिलिकॉन वैली तकनीकी नेतृत्व का प्रतीक है, शेनझेन विश्व-स्तरीय उत्पादन का केंद्र है और सिंगापुर अनुशासन व सुशासन का मॉडल, उसी तरह हैदराबाद इन तीनों गुणों का अनोखा संगम बनकर उभर रहा है।

उन्होंने कहा कि शहर ने लाइफ साइंसेज क्षेत्र में भी उल्लेखनीय प्रगति की है। भारत में बनने वाले एक-तिहाई टीके यहीं निर्मित होते हैं और कई हेल्थकेयर इनोवेशन सेंटर भी विकसित हो रहे हैं। मंत्री ने इन उपलब्धियों का श्रेय सरकार की स्पष्ट दृष्टि और मजबूत प्रतिबद्धता को दिया। इस कार्यक्रम में कोवैलेंट चेयरमैन सी.वी. सुब्रमण्यम, आईटी एवं उद्योग विशेष मुख्य सचिव संजय कुमार, सरकारी आईटी सलाहकार साईकृष्णा और ब्रिटेन के डिप्टी हाई कमिश्नर गैरेथ विन ओवेन उपस्थित थे।

दमरे जीएम का सर्दियों में सुरक्षा को प्राथमिकता देने पर जोर

हैदराबाद, 1 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। दक्षिण-मध्य रेलवे (एससीआर) के महाप्रबंधक संजय कुमार श्रीवास्तव ने सोमवार को रेल निलयम, सिकंदराबाद में उच्च स्तरीय समीक्षा बैठक की, जिसमें मुख्य फोकस सर्दियों में सुरक्षा और समयपालन पर रहा। बैठक में वरिष्ठ अधिकारियों सहित अतिरिक्त महाप्रबंधक सत्य प्रकाश और एससीआर की सभी छह डिवीजनों के डीआरएम वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से शामिल हुए। श्रीवास्तव ने कहा कि सुरक्षा को गहन रूप से कार्य संस्कृति में समाहित किया जाना चाहिए। उन्होंने अधिकारियों को यार्ड, लेवल क्रॉसिंग और शंटिंग के दौरान सुरक्षा प्रोटोकॉल का सख्ती से पालन, सर्दियों के लिए पूर्ण तैयारी, जिसमें कोहरा सुरक्षा उपकरण और पर्याप्त सुरक्षा स्टॉक शामिल हों, सेक्शनल स्पीड की संतुलित निगरानी कर समयपालन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। श्रीवास्तव ने जोर दिया कि सतत सावधानी और सक्रिय योजना ट्रेन संचालन को सुरक्षित और सुचारू बनाए रखने के लिए आवश्यक हैं।

5 से 14 दिसंबर तक यूरोपीय संघ फिल्म महोत्सव का 30वां संस्करण

23 देशों की 23 फिल्में होंगी प्रदर्शित, उद्घाटन डच फिल्म 'मेमोरी लेन' से

हैदराबाद, 1 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। यूरोपीय संघ फिल्म महोत्सव (ईयूएफएफ) अपने 30वें संस्करण के साथ एक बार फिर हैदराबाद लौट रहा है। यह फिल्म महोत्सव 5 से 14 दिसंबर तक आयोजित होगा और यूरोप तथा भारत के बीच 30 वर्षों से चले आ रहे सांस्कृतिक और कलात्मक सहयोग का उत्सव मनाएगा। हैदराबाद अध्याय की शुरुआत निर्देशक जेले डे जोंगे की डच फिल्म "मेमोरी लेन' से होगी। सभी फिल्में प्रसाद लैब प्रीव्यू थिएटर, श्री सारथी स्टूडियो और अलायंस फ्रैंसेस हैदराबाद में दिखाई जाएंगी।

ईयूएफएफ 2025 में बेल्जियम की 'जूली कीप्स क्वाइट', ऑस्ट्रिया की 'हैप्पी', फ्रांस की 'होली काउ', जर्मनी की 'डाइंग', डेनमार्क की 'मैटर्स ऑफ़ द हार्ट', रोमानिया की 'थ्री किलोमीटर्स टू द एंड ऑफ़ द वर्ल्ड', और इटली की 'फमिलिया' जैसी चर्चित और पुरस्कार विजेता फिल्मों को शामिल किया गया है। भारत में यूरोपीय संघ के राजदूत हर्वे डेल्फिन ने कहा कि पिछले साल मिले शानदार स्वागत के बाद वे फिर से हैदराबाद में महोत्सव लेकर आने को लेकर बेहद उत्साहित हैं, क्योंकि यह शहर कहानी कहने के हर रूप से प्यार करता है। फेस्टिवल क्यूरेटर आर्टूर ज़बोरस्की ने बताया कि इस बार हैदराबाद के फिल्म प्रेमियों को यूरोप की बेहतरीन और विचारोत्तेजक फिल्मों का अनुभव मिलेगा। हैदराबाद फिल्म क्लब के अध्यक्ष केवी राव ने कहा कि महोत्सव में यूरोपीय संघ के 23 देशों की 23 फिल्में दिखाई जाएंगी। सभी फिल्मों में अंग्रेजी उपशीर्षक होंगे और प्रवेश पहले आओ, पहले पाओ के आधार पर मिलेगा।

उम्मीद पोर्टल की डेडलाइन 31 दिसंबर तक बढ़ाई जाए : बाकरी

हैदराबाद, 1 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। देश भर के वक्फ बोर्ड, मुतवल्ली और मैनेजिंग कमेटियों के स्टेकहोल्डर्स ने मिनिस्ट्री ऑफ़ माइनॉरिटी अफेयर्स से उम्मीद पोर्टल पर डेटा अपलोड करने की डेडलाइन बढ़ाने की अपील की है। उम्मीद पोर्टल एक सेंट्रल डिजिटल प्लेटफॉर्म है जिसे इंडियन मिनिस्ट्री ऑफ़ माइनॉरिटी अफेयर्स ने वक्फ प्रॉपर्टीज़ के मैनेजमेंट के लिए लॉन्च किया है। इसका पूरा नाम यूनिफाइड वक्फ मैनेजमेंट, एम्पावरमेंट, एफिशिएंसी एंड डेवलपमेंट एक्ट, 1995, या उम्मीद है। पोर्टल का मकसद 31 दिसंबर 2025 तक वक्फ पोर्टल का एक डिजिटाइज्ड और सेंट्रल बनाना है।

उम्मीदपोर्टल (यूनिफाइड वक्फ मैनेजमेंट, एम्पावरमेंट, एफिशिएंसी एंड डेवलपमेंट) एक सेंट्रल डिजिटल सिस्टम है जिसे वक्फ प्रॉपर्टीज़ की ट्रांसपेरेंट, जियो-टैग्ड और सेंट्रलाइज्ड इन्वेंट्री बनाए रखने के लिए बनाया गया है। अभी, प्रॉपर्टी डिटेल्स अपलोड करने की आखिरी तारीख 6 दिसंबर 2025 है।

स्टेकहोल्डर्स ने कहा कि रिकॉर्ड की बड़ी मात्रा, पूरी तरह से वेरिफिकेशन की जरूरत और अलग-अलग लेवल पर टेक्निकल दिक्कतों की वजह से मौजूदा डेडलाइन को पूरा करना मुश्किल हो गया है। उन्होंने जोर देकर कहा कि इसे बढ़ाने से पूरा, सही और बिना गलती के डेटा सबमिशन पक्का होगा।

हैदरी एजुकेशनल एंड सोशल वेलफेयर सोसाइटी के जनरल सेक्रेटरी मीर फिरासत अली बाकरी, बीजेपी के सीनियर लीडर ने केंद्रीय अल्पसंख्यक मामलों के मंत्री किरेन रिजिजू को एक रिक्वेस्ट अपील भेजी है, जिसमें ट्रांसपेरेंसी, एफिशिएंसी और उम्मीद पहल को लागू करने के लिए इसे बढ़ाने की अपील की है।

सीरवी समाज प्रीमियर लीग-8 क्रिकेट प्रतियोगिता व महिला वर्ग खेल क्वार्टरफाइनल संपन्न

हैदराबाद, 1 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। सीरवी समाज प्रीमियर लीग क्रिकेट प्रतियोगिता के आठवें संस्करण व महिला वर्ग में खो-खो खेल का क्वार्टरफाइनल चरण संपन्न हुआ। श्री आईमाताजी की तस्वीर पर माल्यापर्ण व आरती के पश्चात समाज के गणमान्य अतिथियों एवं टीम के खिलाड़ियों के सान्निध्य में अलियाबाद स्थित सीरवी क्रिकेट ग्राउण्ड व लीजेंड क्रिकेट ग्राउंड कीसरा में क्वार्टरफाइनल आयोजित किया गया।

फ्रेन्डस क्लब के सुरेश सैणचा ने बताया कि समाज के विभिन्न क्षेत्रों की 16 टीमों के मध्य टी-20 क्रिकेट प्रतियोगिता के मैच रविवार को खेले गये। महिला वर्ग के खेलों में खो-खो खेल की प्रतियोगिता संपन्न हुई तथा क्रिकेट प्रतियोगिता में प्री क्वार्टर फाइनल का पहला मुकाबला बालनगर व शमशाबाद के मध्य खेला गया, जिसमें शमशाबाद 18 रन से विजयी रही। प्रेम सीरवी को प्लेयर ऑफ दि मैच से नवाजा गया। दूसरा मुकाबला शंकरपल्ली व सिकंदराबाद के बीच खेला गया सिकंदराबाद 8 विकेट से विजयी रहीं हितेश चौधरी को मैन ऑफ दि मैच का पुरस्कार दिया गया। तीसरा मुकाबला सैनिकपुरी व संगा रेड्डी के मध्य खेला गया, जिसमें सैनिकपुरी की टीम 6 विकेट से विजयी रही। सुरेश चौधरी को मैन ऑफ दि मैच का पुरस्कार दिया गया। चौथा मुकाबला अस्टिक मेडचल व लींगम्मपल्ली के मध्य खेला गया जिसमें मेडचल की टीम 8 विकेट से विजयी रही। चीरनजीवी को मैन ऑफ दि मैच का पुरस्कार दिया गया। पांचवां मुकाबला माताजी इलेवन बिरमगुड़ा व अलवाल के मध्य खेला गया, जिसमें माताजी इलेवन बिरमगुड़ा की टीम 13 रनों से विजयी रही। दिनेश को मैन ऑफ दि मैच का पुरस्कार दिया गया। छठवां मुकाबला आईजी फ्रेंड्स क्लब व एल बी नगर के मध्य खेला गया, जिसमें आईजी फ्रेंड्स क्लब की टीम 11 रनों से विजयी रहीं। मुकेश को मैन ऑफ दि मैच का पुरस्कार दिया गया। सातवां मुकाबला सीरवी टाईगर व करमनघाट वारियार के मध्य खेला गया, जिसमें करमनघाट वारियार की टीम ने 7 विकेट से विजयी रही। भवर सीरवी को मैन ऑफ दि मैच का पुरस्कार दिया गया। आठवां मुकाबला कापरा ग्रेट फाइटर व टी एम जी टाइटंस के मध्य खेला गया, जिसमें कापरा ग्रेट फाइटर की टीम 50 रनों से विजयी रही। सुरेश चौधरी को मैन ऑफ दि मैच का पुरस्कार दिया गया। क्वार्टर फाइनल पहला मुकाबला कापरा ग्रेट फाइटर व आईजी फ्रेंड्स क्लब के मध्य खेला गया, जिसमें आईजी फ्रेंड्स क्लब की टीम 5 विकेट से विजयी रहीं। मनोहर को मैन ऑफ दि मैच का पुरस्कार दिया गया। दूसरा मुकाबला करमनघाट वारियार व माताजी इलेवन बिरमगुड़ा के मध्य खेला गया, जिसमें करमनघाट वारियार की टीम ने 6 विकेट विजयी रही। बनि को मैन ऑफ दि मैच का पुरस्कार दिया गया। तीसरा मुकाबला अस्टिक मेडचल व सैनिकपुरी के मध्य खेला गया, जिसमें अस्टिक मेडचल की टीम ने 5 विकेट से विजयी रही। चीरनजीवी को मैन ऑफ दि मैच का पुरस्कार दिया गया। चौथा मुकाबला शमशाबाद व सिकंदराबाद के मध्य खेला गया, जिसमें सिकंदराबाद की टीम 5 विकेट से विजयी रही। मनीष को मैन ऑफ दि मैच का पुरस्कार दिया गया।

'रेप विक्टिम बेटी को कमरे में ले गए, छेड़छाड़ की'

क्या जेल जाएंगे पूर्व सीएम येदियुरप्पा, सीक्रेट वीडियो-सीसीटीवी मिला, वकील बोले-सियासी साजिश

बेंगलुरू, 1 दिसंबर (एजेंसियां)। 'मैं बीएस येदियुरप्पा को अच्छा इंसान मानती थी, लेकिन उन्होंने मेरी बच्ची के साथ गलत किया। मैं अपनी 17 साल की रेप विक्टिम बेटी को न्याय दिलाने के लिए उनके घर गई थी।

हमारी बातें सुनने के बाद वो बेटी को कमरे में ले गए और उसके साथ छेड़छाड़ की। बेटी किसी तरह उनसे पीछा छुड़ाकर मेरे पास आई। वो डर से कांप रही थी।

मैं चाहती हूं कि येदियुरप्पा और इस हरकत में उनका साथ देने वाले लोगों को जल्द से जल्द गिरफ्तार किया जाए।

कर्नाटक के पूर्व मुख्यमंत्री और भाजपा के सीनियर लीडर बीएस येदियुरप्पा के खिलाफ यौन शोषण की ये शिकायत दर्ज करवाने वाली महिला अब इस दुनिया में नहीं है। उसका बेटा ये केस लड़ रहा है। 14 मार्च 2024 को विक्टिम की मां के आरोप के बाद येदियुरप्पा के खिलाफ पॉक्सो का केस दर्ज किया गया।

भाजपा ने राज्यपाल से जीओ 27 रोकने की अपील की, लगाए बड़े भूमि घोटाले के आरोप

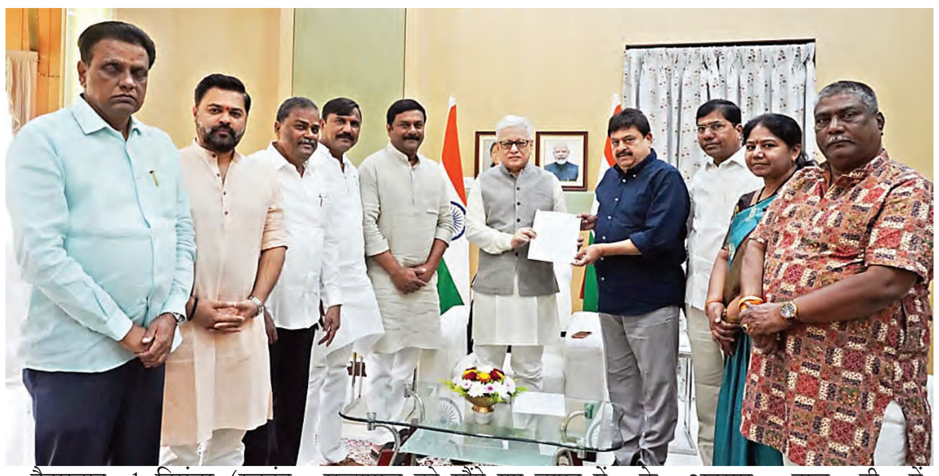

हैदराबाद, 1 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना भाजपा ने सोमवार को राज्यपाल जिष्णु देव वर्मा से जीओ 27 को तुरंत निलंबित करने की मांग की। पार्टी ने आरोप लगाया कि कांग्रेस सरकार हैदराबाद इंडस्ट्रियल लैंड्स ट्रांसफॉर्मेशन पॉलिसी (एचआईएलटीपी) के नाम पर एक राजनीतिज्ञ-रियलटर गठजोड़ को लाभ पहुंचा रही है। भाजपा ने राज्यपाल को सौंपे गए ज्ञापन में कहा कि पिछली ओआरआर के आसपास 22 स्थानों पर 9,292.53 एकड़ औद्योगिक भूमि को मल्टी-पर्पस ज़ोन में परिवर्तित करने की अनुमति दी गई है।

भाजपा ने यह चिंता जताई कि सरकार के प्रभावशाली लोग 5 लाख करोड़ रुपये से अधिक मूल्य वाली भूमि हड़पने में जुटे हैं। पार्टी के अनुसार, हाल ही में एचएमडीए नीलामी में भूमि का मूल्य 151 करोड़ प्रति एकड़ था, जबकि औद्योगिक भूमि का मूल्य केवल 65 करोड़ प्रति एकड़ है। यदि वास्तविक बाजार दर पर बेची जाती, तो भूमि 6 लाख करोड़ रुपये से अधिक जुटा सकती थी, जो तेलंगाना के सार्वजनिक कर्ज़ को चुका सकती थी। इसके बजाय सरकार कथित रूप से सब-रजिस्ट्रार मूल्य का केवल 30 प्रतिशत लेकर निजी रियल्टर्स को भूमि दे रही है। भाजपा के राज्य अध्यक्ष एन. रामचंदर राव ने मीडिया से बातचीत में एचआईएलटी नीति को बड़े भ्रष्टाचार का माध्यम करार दिया और कहा कि इसका उद्देश्य औद्योगिक भूमि को रियल एस्टेट परियोजनाओं के लिए परिवर्तित करना है।

इस अवसर पर रामचंदर राव ने घोषणा की कि भाजपा 7 दिसंबर को इंदिरा पार्क में महा धरना आयोजित करेगी, जिसमें कांग्रेस सरकार की विफलताओं, जीएचएमसी विस्तार प्रस्ताव और एचआईएलटी नीति का विरोध किया जाएगा। राज्यपाल को ज्ञापन देने वालों में भाजपा नेता ए. महेश्वर रेड्डी, एमएलसी अंजी रेड्डी और मलक कमुरैया, महासचिव गौतम राव, वीरेंद्र गौड़, वेमुला अशोक, प्रवक्ता एन.वी. सुभाष, जीएचएमसी फ़्लोर लीडर शंकर यादव और अन्य वरिष्ठ नेता शामिल रहे।

हैदराबाद तीसरे स्थान पर रहा!

श्रवण का हरफनमौला प्रदर्शन

गोवा/हैदराबाद, 1 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। अनुभवी हरफनमौला खिलाड़ी गोटेटी श्रवण (30 रन और 3/17) के हरफनमौला प्रदर्शन की बदौलत एसएसजीएफ हैदराबाद ने गुरु द्रोणाचार्य खेल-खोज फाउंडेशन द्वारा स्कूल स्पोर्ट्स एंड गेम्स फेडरेशन (एसएसजीएफ) के सहयोग से आयोजित 17वीं पंडित दीन दयाल उपाध्याय जूनियर राष्ट्रीय टी-20 क्रिकेट चैम्पियनशिप-2025 के तीसरे स्थान के मैच में दिल्ली पर 35 रनों से आसान जीत दर्ज की। यह चैम्पियनशिप गोवा के अर्लेम क्रिकेट ग्राउंड्स में खेली गई। हरियाणा ने फाइनल में पंजाब को 10 विकेट से हराया। संक्षिप्त स्कोर: सेकंड रनर अप (तीसरा स्थान) रहा।

एसएसजीएफ हैदराबाद : 20 ओवर में 146/3 (अभिनव कुमार 75, गोटेटी श्रवण 30, गोपी परियार 25) ने हराया। दिल्ली : 20 ओवर में 111/9 (अजुन गोयल 26, गोटेटी श्रवण 3/17, राहुल रेड्डी 3/19)। एसएसजीएफ हैदराबाद 35 रन से जीता। मैन-ऑफ-द-मैच : गोटेटी श्रवण को मिला। एसएसजीएफ हैदराबाद जूनियर क्रिकेट टीम के सदस्य 17वें पंडित दीन दयाल उपाध्याय* जूनियर राष्ट्रीय टी-20 क्रिकेट चैंपियनशिप-2025 में दूसरे उपविजेता (तीसरे स्थान) पर रहे।

फ्लाईओवर से गिरने पर बाइक सवार की मौत

तेज रफ्तार में बाइक मीडियन से टकराई, पहचान नहीं हो सकी

हैदराबाद, 1 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। रविवार रात एक दर्दनाक हादसे में एक अज्ञात बाइक सवार की मौत हो गई। यह हादसा काचीगुडा-अंबरपेट फ्लाईओवर पर 6 नंबर जंक्शन के पास हुआ। पुलिस के अनुसार, युवक अंबरपेट की ओर जा रहा था, तभी तेज रफ्तार में उसकी बाइक सेंट्रल मीडियन से टकरा गई। टक्कर इतनी जोरदार थी कि वह फ्लाईओवर से नीचे सड़क पर गिर गया और गंभीर रूप से घायल हो गया।

राहगीरों ने तुरंत पुलिस और एम्बुलेंस को सूचना दी, लेकिन मौके पर पहुंची टीम ने बताया कि युवक की घटना स्थल पर ही मौत हो चुकी थी। मृतक के पास कोई पहचान पत्र नहीं मिला, जिससे उसकी पहचान करना मुश्किल हो गया है। बाइक भी बुरी तरह क्षतिग्रस्त पाई गई। पुलिस वाहन के रजिस्ट्रेशन नंबर के आधार पर उसके परिवार का पता लगाने की कोशिश कर रही है। काचीगुडा पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है और सीसीटीवी फुटेज की मदद से यह जांच कर रही है कि हादसा तेज रफ्तार, बाधा आने या नियंत्रण खोने की वजह से हुआ। शव को पोस्टमार्टम के लिए उस्मानिया जनरल अस्पताल भेज दिया गया है।

संजौली मस्जिद मामला, रिट याचिका वापस ली : वक्फ बोर्ड ने नए सिर से दायर करने की अनुमति मांगी, आयुक्त ने गिराने के दे रखे हैं आदेश

शिमला, 1 दिसंबर (एजेंसियां)। हिमाचल हाईकोर्ट में आज संजौली मस्जिद गिराने के आदेशों को चुनौती देने वाली रिट याचिका की मेंटेनेबिलिटी पर सुनवाई हुई। मगर वक्फ बोर्ड ने अपनी याचिका वापस ले ली है। अब उसने नए सिरे से याचिका दायर करने की अनुमति मांगी। जस्टिस विवेक सिंह ठाकुर और जस्टिस रोमेश वर्मा की खंडपीठ ने इसकी मंजूरी दे दी है।

इससे पहले, शिमला नगर निगम (एमसी) आयुक्त कोर्ट और जिला अदालत के मस्जिद के आदेश सुना दिए है। इन आदेशों को वक्फ बोर्ड ने हाईकोर्ट में चुनौती दी थी। वक्फ बोर्ड की दलील है कि मस्जिद उनकी जमीन पर बनी है। कई दशक पहले इसका निर्माण किया जा चुका है। नए निर्माण से पहले मौजूद पुराने मस्जिद को गिराया गया और नया निर्माण किया गया।

हालांकि, वक्फ बोर्ड कोर्ट में जमीन पर कब्जा साबित नहीं कर पाया है और न ही मस्जिद का नक्शा पेश कर पाया। इसके बाद, एमसी कमिश्नर ने 3 मई 2025 को मस्जिद को गिराने के आदेश दिए।

स्वतंत्र वार्ता
Email :
svaarttha2006@gmail.com
svaarttha@rediffmail.com
svaarttha2006@yahoo.com
Epaper :
epaper.swatantravaartha.com
For Advertisement :
swadds1@gmail.com

मैं 37 साल का हो चुका हूं, सिर्फ एक फॉर्मेट खेलूंगा'

टेस्ट क्रिकेट में वापसी वाली अफवाह पर विराट ने तोड़ी चुप्पी

रांची, 1 दिसंबर (एजेंसियां)। रांची में खेले गए पहले वनडे मैच में भारत ने साउथ अफ्रीका को 17 रन से हराया। भारत की इस जीत में सबसे अहम योगदान विराट कोहली ने दिया। विराट ने इस मैच में शानदार बल्लेबाजी करते हुए शतक लगाया। इसी पारी के बदौलत भारतीय टीम साउथ अफ्रीका के सामने 350 रन का टारगेट रखने में कामयाब रही। इस शानदार पारी के लिए विराट कोहली को प्लेयर ऑफ द मैच का अवॉर्ड मिला। इस अवॉर्ड को जीतने के बाद विराट कोहली ने टेस्ट क्रिकेट में वापसी वाले अफवाह पर चुप्पी तोड़ी है।

कोहली ने रांची वनडे में 135 रन की तूफानी पारी खेली। उन्होंने 120 गेंद का सामना किया और 11 चौकों और सात छक्कों की मदद से 135 रन बनाए। वनडे क्रिकेट में यह विराट कोहली का 52वां शतक है। मैच के बाद उनसे पोस्ट मैच प्रेजेंटेशन में पूछा गया कि क्या वे आगे भी एक ही फॉर्मेट खेलेंगे। इसका जवाब देते हुए कोहली ने कहा कि अब हमेशा यही रहने वाला है। मैं 37 साल का हो चुका हूं। मैं

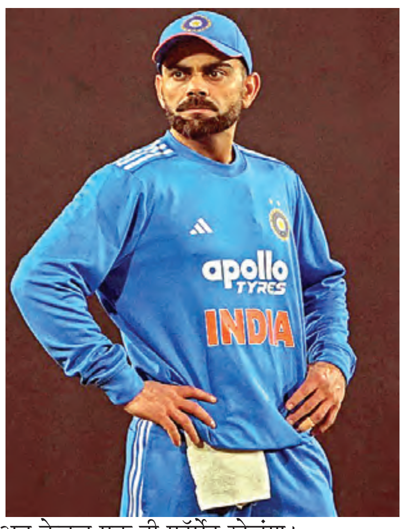

अब केवल एक ही फॉर्मेट खेलूंगा।

विराट कोहली ने आज के मैच को लेकर कहा कि इस तरह के मैच में खेलकर अच्छा लगता है। 20-25 ओवर तक पिच से बल्लेबाजों को अच्छी मदद मिली इसके बाद पिच धीमी हो गई। मेरा बस यही इरादा था की हर गेंद को खेलकर और क्रिकेट का मजा लें। मैं कभी भी बहुत तैयारी पर विश्वास नही करता। मैं मानसिक रूप से मैच के लिए तैयार होता हूं। जहां तक मेरी फिटनेस की बात है तो वह सही रही है और फिर बैटिंग के बारे में सोचते हैं तब अगर अच्छा लग रहा है तो फिर सब सही है।

इस दौरान विराट ने ये भी बताया कि वह रांची की परिस्थितियों को समझने के लिए तीन दिन पहले वहां पहुंच गए थे। उन्होंने आगे कहा कि मैंने 300 से ज्यादा वनडे खेले हैं। अगर आप प्रैक्टिस के दौरान गेंद को अच्छी तरह हिट कर पा रहे हैं तब सब कुछ आपके लिए अच्छा है। अगर आप नेट्स में एक या दो घंटा बल्लेबाजी कर लें तो आप जान जाते है कि आप अच्छा कर रहे हैं।

अगर फॉर्म में ना हो तो नेट्स में और ज्यादा प्रैक्टिस करना चाहते है। इसके अलावा सब कुछ मानसिक रूप से तैयार रहने और खेल का आनंद लेने पर निर्भर करता है।

त्रीसा-गायत्री लगातार दूसरी बार चैंपियन

श्रीकांत के हाथ लगी निराशा

लखनऊ, 1 दिसंबर (एजेंसियां)। लखनऊ में खेले गए सैयद मोदी अंतरराष्ट्रीय सुपर 300 बैडमिंटन टूर्नामेंट में भारत को खुशी और दर्द दोनों की झलक मिली। त्रीसा जोली और गायत्री गोपीचंद की भारतीय जोड़ी ने शानदार प्रदर्शन करते हुए लगातार दूसरी बार महिला युगल का खिताब अपने नाम किया, जबकि किदांबी श्रीकांत का आठ साल से चली आ रही खिताबी प्यास बुझने से चूक गई।

श्रीकांत की दिल तोड़ने वाली हार

2017 के फ्रेंच ओपन के बाद से कोई खिताब नहीं जीत पाए किदांबी श्रीकांत फाइनल में जीत के बेहद करीब थे, लेकिन हांगकांग के विश्व नंबर 59 जेसन गुनावन ने 67 मिनट के रोमांचक मुकाबले में उन्हें 16-21, 21-8, 20-22 से हराकर उनकी उम्मीदें तोड़ दीं।

पहला गेम गुनावन ने आक्रामक खेल से जीता। दूसरे गेम में श्रीकांत पूरी लय में लौटे और 13 गेम पॉइंट लेते हुए मुकाबला बराबर कर दिया। निर्णायक गेम में श्रीकांत ने 5-1 की बढ़त भी बनाई, लेकिन गुनावन ने बेमिसाल रिट्रीवल और दमदार हमलों से वापसी करते हुए मैच पर कब्जा जमाया। अंत में श्रीकांत की अंतिम शॉट लाइन से बाहर चली गई और खिताब एक बार फिर दूर रह गया।

त्रीसा-गायत्री की शानदार वापसी, लगातार दूसरी बार चैंपियन

महिला युगल फाइनल एक तेज रफ्तार मुकाबले के साथ शुरू हुआ। जापान की काहो ओसावा और माई तनाबे ने पहला गेम 21-17 से जीता, लेकिन इसके बाद भारतीय जोड़ी ने बेहतरीन अटैक, स्मार्ट नेट प्ले और तगड़ी समझदारी का परिचय दिया। दूसरे गेम में त्रीसा-गायत्री ने 9-2 की जोरदार बढ़त बनाई और 21-13 से गेम जीतकर मैच को निर्णायक गेम में पहुंचाया। तीसरे गेम में शुरुआती बढ़त के बाद कुछ गलतियों से अंतर कम हुआ, लेकिन त्रीसा की तेज नेट प्ले और गायत्री के जोरदार स्मैश ने भारतीयों को फिर लय में ला दिया। अंत में भारतीय जोड़ी ने छह मैच पॉइंट हासिल किए और दूसरे अवसर पर खिताब अपने नाम कर लिया।

वैभव सूर्यवंशी ने बढ़ाई आरआर की मुश्किल

3 मैच, 32 रन, आईपीएल 2026 ऑक्शन से पहले वैभव सूर्यवंशी बुरी तरह फ्लॉप

चंडीगढ़, 1 दिसंबर (एजेंसियां)। वैभव सूर्यवंशी बड़े लेवल पर लगातार कमाल कर रहे हैं. उन्होंने आईपीएल 2025 में बवाल मचाया और फिर अंडर 19 क्रिकेट में परफॉर्म किया. इंडिया A के लिए हाल ही में वैभव ने खूब रन बनाए. हालांकि, पिछले तीन मैच सूर्यवंशी के लिए भूलने लायक रहे हैं. वो लगातार फ्लॉप होते जा रहे हैं और ये RR की टेंशन बढ़ाएगा.

वैभव सूर्यवंशी ने पिछले साल राजस्थान रॉयल्स के लिए डेब्यू किया था और वो टीम का अहम हिस्सा बन चुके हैं. उन्होंने पिछले साल टीम को धमाकेदार शुरुआत दी थी. 14 साल का ये बल्लेबाज अंडर 19 और इंडिया A टीम के लिए भी लगातार बवाल मचा रहा

है. हालांकि, सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी में वैभव बुरी तरह से फ्लॉप हो रहे हैं. आईपीएल 2026 ऑक्शन से पहले ये राजस्थान रॉयल की जरूर टेंशन बढ़ा रहा होगा.

वैभव सूर्यवंशी एसएमएटी में बुरी तरह फ्लॉप

सूर्यवंशी ने राइजिंग स्टार्स एशिया कप 2025 में इंडिया A के लिए शानदार प्रदर्शन किया था. उन्होंने यूएई के खिलाफ 144 रन की तूफानी पारी खेली थी. लग रहा था कि वो इस फॉर्म को सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी में भी जारी रखेंगे और बिहार को बड़े मैचों में जीत दिलाएंगे. हालांकि, टूर्नामेंट के शुरुआती तीन मैच उनके लिए भूलने लायक रहे हैं.

26 नवंबर 2025 को चंडीगढ़ के खिलाफ वो मात्र 14 रन पर आउट हो गए. इसके बाद उन्होंने मध्य प्रदेश के खिलाफ 28 नवंबर को हुए मैच में 13 रन बनाए. जम्मू कश्मीर से 30 नवंबर को हुए तीसरे मैच में बिहार के वैभव सूर्यवंशी 5 रन बनाकर आउट हो गए. तीन मैचों में वो मात्र 32 रन बना पाए हैं.

वैभव की फॉर्म राजस्थान रॉयल्स की बढ़ा रहा होगा टेंशन

वैभव सूर्यवंशी के रूप में उन्हें एक तगड़ा ओपनर मिल गया. इसी वजह से उन्होंने संजू सैमसन को ट्रेड करने के बारे में विचार भी किया. अगर वैभव दोबारा फॉर्म में नहीं आते हैं, तो आईपीएल 2026 ऑक्शन से पहले ये राजस्थान रॉयल्स की टेंशन बढ़ा रहा होगा. राजस्थान रॉयल्स अब मिनी ऑक्शन में एक बैकअप सलामी बल्लेबाज की तलाश कर सकते हैं. हमेशा ही टीमें बैकअप की तलाश में होती हैं. उन्होंने सूर्यवंशी का बैकअप ढूंढने के बारे में नहीं सोचा होगा लेकिन मौजूदा फॉर्म के बाद शायद RR किसी घरेलू क्रिकेटर को नीलामी में टारगेट कर सकती है.

शुभमन गिल कब थामेंगे बल्ला और मैच में होगी वापसी

नई दिल्ली, 1 दिसंबर (एजेंसियां)। भारत और साउथ अफ्रीका के बीच 5 मैच की रोमांचक टी20 सीरीज 9 दिसंबर से शुरू होने वाली है। इस सीरीज से पहले भारत के वनडे और टेस्ट टीम के कप्तान शुभमन गिल की फिटनेस पर बड़ा अपडेट आया है। इस बात से हर कोई वाकिफ है कि शुभमन गिल चोटिल चल रहे हैं। साउथ अफ्रीका के खिलाफ पहले टेस्ट में उन्हें गर्दन में परेशानी हुई थी, जिसके बाद वह अस्पताल में भी भर्ती हुए थे। शुभमन गिल गर्दन में चोट की वजह से ही साउथ अफ्रीका के खिलाफ गुवाहाटी टेस्ट और अब 3 मैचों की वनडे सीरीज भी नहीं खेल पाए। हालांकि, अब उनकी हेल्थ पर अपडेट आया है।

रिहैबिलिटेशन के लिए बेंगलुरु जाएंगे शुभमन गिल

टाइम्स ऑफ इंडिया की एक रिपोर्ट के मुताबिक, शुभमन गिल

1 या 2 दिसंबर को बेंगलुरु में बीसीसीआई के सेंटर ऑफ एक्सीलेंस पहुंच जाएंगे। वहां पर वह अपना रिहैबिलिटेशन शुरू करेंगे। ऐसा बताया जा रहा है कि आने वाले कुछ दिनों में गिल बल्लेबाजी भी शुरू कर सकते हैं। बीसीसीआई की मेडिकल टीम उनपर नजर रखेगी। ऐसा पता चला है कि चंदीगढ़ (परिवार के साथ वक्त बिताने के लिए) रवाना होने से पहले मुंबई में शुभमन गिल ने फीजियोथेरेपी सेशन लिए थे।

टी20 सीरीज में कर सकते हैं वापसी ?

शुभमन गिल की साउथ अफ्रीका के खिलाफ टी20 सीरीज में वापसी करने की संभावना है। अगले कुछ दिनों में साफ हो जाएगा कि शुभमन टी20 सीरीज भी खेलेंगे या नहीं। गिल को हाल ही में टेस्ट और वनडे की कप्तानी सौंपी गई है।

26 साल के शुभमन गिल ने भारत के लिए अब तक अपने करियर में 40 टेस्ट, 58 वनडे और 33 टी20 मुकाबले खेले हैं। शुभमन के नाम टेस्ट में 2843, वनडे में 2818 तो टी20 में 837 रन हैं। उन्होंने 2018 से अब तक आईपीएल में 118 मुकाबलों में 3866 रन बनाए हैं।

दीप्ति-मंधाना की सैलरी के आगे कहीं नहीं

सस्ते में बिके खिलाड़ी, बीपीएल में मिलेगा डब्ल्यूपीएल से भी कम पैसा

ढाका, 1 दिसंबर (एजेंसियां)। डब्ल्यूपीएल 2026 के लिए हाल ही में ऑक्शन का आयोजन किया गया था, जहां महिला खिलाड़ियों पर जमकर पैसे की बारिश हुई थी. भारतीय स्टार दीप्ति शर्मा को यूपी वॉरियर्स ने 3.2 करोड़ में रिटेन करके सभी को चौंका दिया था. उनके अलावा और भी कई खिलाड़ी करोड़पति बनी थीं. वहीं, RCB ने तो ऑक्शन से पहले स्मृति मंधाना को रिटेन करने के लिए 3.5 करोड़ रुपए खर्च कर दिए थे. लेकिन बांग्लादेश प्रीमियर लीग के अगले सीजन के लिए हुए ऑक्शन में इसका उलटा देखने को मिला. इस ऑक्शन में एक भी खिलाड़ी करोड़पति नहीं बन सका.

बीपीएल ऑक्शन में सबसे मंहगा रहा ये खिलाड़ी

बांग्लादेश प्रीमियर लीग 2026 के लिए हुए ऑक्शन में सबसे महंगे खिलाड़ी मोहम्मद नईम रहे.

मोहम्मद नईम के लिए चटगांव रॉयल्स ने 1.10 करोड़ बांग्लादेशी टका (लगभग 88,000 यूएसडी) खर्च किए, जो भारत के लगभग 81 लाख रुपए ही हैं. मोहम्मद नईम के लिए इस लीग का पिछला सीजन काफी शानदार रहा था. उन्होंने 143.94 के स्ट्राइक रेट से 511 रन बनाए थे, जो सीजन में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाज बनकर उभरे थे. खास बात ये रही कि ऑक्शन की शुरुआत उनके नाम के साथ ही हुई और उन्होंने सबसे ज्यादा पैसा भी हासिल किया.

दूसरी ओर, रंगपुर राइडर्स ने तौहीद हृदॉय को खरीदने के लिए लगभग 66 लाख रुपए खर्च किए. लिट्टन दास भी लगभग 50 लाख रुपए में इसी टीम का हिस्सा बने. विदेशी खिलाड़ियों में दासुन शनाका सबसे महंगे रहे, जिन्हें ढाका कैपिटल्स ने 55,000 अमेरिकी डॉलर (लगभग 49 लाख भारतीय रुपए) में खरीदा. एंजेलो मैथ्यूज और निरोशन डिकवेला को 35,000 अमेरिकी डॉलर (लगभग 31 लाख रुपए) में क्रमशः चटगांव रॉयल्स और सिलहट टाइटन्स ने खरीदा. अनकैप्ड खिलाड़ियों में हबीबुर रहमान सोहन सबसे महंगे रहे, जिन्हें नोआखली एक्सप्रेस ने 40,000 अमेरिकी डॉलर में खरीदा.

बीपीएल 2026 में खेलेंगी 6 टीमें

बांग्लादेश प्रीमियर लीग 2026 में कुल 6 टीमें खेलती हुईं नजर आएंगी. ये 6 टीमें ढाका कैपिटल्स, रंगपुर राइडर्स, राजशाही वॉरियर्स, नोआखली एक्सप्रेस, सिलहट टाइटंस और चटगांव रॉयल्स हैं. इस सीजन की शुरुआत 26 दिसंबर से होने की संभावना है. बता दें, ये लीग साल 2012 से खेली जा रही है. लेकिन शुरुआती सीजन के बाद ये पहला मौका है जब खिलाड़ियों का ऑक्शन हुआ है.

भारत के लिए जीते 2 वर्ल्ड कप, आईपीएल में बना चैंपियन

अब बीपीएल में नहीं मिला कोई खरीदार

ढाका, 1 दिसंबर (एजेंसियां)। बांग्लादेश प्रीमियर लीग में 12 साल बाद खिलाड़ियों के लिए ऑक्शन हुआ. 30 नवंबर को छह टीमों वाले इस टूर्नामेंट के लिए कई घरेलू खिलाड़ियों के साथ-साथ 245 विदेशी खिलाड़ियों ने नाम दर्ज कराया था, लेकिन सबसे ज्यादा चर्चा रही एक भारतीय नाम की, क्योंकि यह पहला मौका था जब कोई भारतीय क्रिकेटर बीपीएल ऑक्शन में शामिल हुआ, लेकिन चौंकाने वाली बात ये रही कि इस खिलाड़ी पर किसी भी टीम ने बोली नहीं लगाई और वह अनसोल्ड रहा.

भारतीय खिलाड़ी को नहीं मिला कोई खरीदार

दरअसल, बांग्लादेश प्रीमियर लीग के ऑक्शन में पूर्व भारतीय लेग स्पिनर पीयूष चावला उतरे थे. 36 साल के चावला ने इसी साल जून 2025 में इंटरनेशनल

क्रिकेट के साथ-साथ घरेलू क्रिकेट और आईपीएल से भी पूरी तरह संन्यास ले लिया था. संन्यास के बाद विदेशी लीग में खेलने की छूट मिलने की वजह से वह बीपीएल ऑक्शन में उतरे, पर किसी भी फ्रेंचाइजी ने उन पर बोली नहीं लगाई और वह अनसोल्ड रह गए.

पीयूष चावला का करियर किसी परिचय का मोहताज नहीं. टीम इंडिया के लिए 3 टेस्ट, 25 वनडे और 7 टी20 इंटरनेशनल खेल चुके इस लेग स्पिनर ने 2007 टी20 वर्ल्ड कप और 2011 वनडे वर्ल्ड कप विजेता भारतीय टीम का हिस्सा रहने का गौरव हासिल किया था. आईपीएल में भी उन्होंने 192 मैच खेले और खासकर 2014 में कोलकाता नाइट राइडर्स को चैंपियन बनाने में अहम भूमिका निभाई थी.

ये बड़े खिलाड़ी भी रहे अनसोल्ड

इस ऑक्शन में आयरिश तेज गेंदबाज जोश लिटिल, रवि बोपारा, समित पटेल, शोएब मलिक, स्पिनर मैथ्यू हम्फ्रीज, आमिर जमाल, मोहम्मद हारिस, मोहम्मद वसीम, चरित असलांका, धनंजय डी सिल्वा, दुनिथ वेल्लालेज, जेफ्री वेंडरसे और चामिका करुणारत्ने जैसे खिलाड़ियों को किसी टीम में जगह नहीं मिली. पाकिस्तान के मौजूदा टी20 कप्तान सलमान अली आगा भी बिना अनसोल्ड रहे.

12 छक्के, 326.67 का स्ट्राइक रेट

टिम डेविड ने बल्ले से मचाया हड़कंप, आरसीबी के बाद इस टीम को भी बना दिया चैंपियन

खेल डेस्क, 1 दिसंबर (एजेंसियां)। आरसीबी के स्टार बल्लेबाज टिम डेविड मौजूदा समय में टी20 क्रिकेट के सबसे तगड़े प्लेयर्स में से एक हैं. IPL 2025 में उन्होंने कई मैचों में धमाकेदार पारी खेलकर आरसीबी को चैंपियन बनाने में अहम किरदार निभाया था. अब अबू धाबी टी10 लीग में यूएई बुल्स को उन्होंने चैंपियन बना दिया. 30 नवंबर 2025 को एस्पीन स्टैलियन्स से हुए फाइनल में टिम डेविड ने 98 रन की शानदार पारी खेली, जिसमें 12 छक्के और 3 चौके शामिल थे.

एस्पीन स्टैलियन्स और यूएई बुल्स के बीच अबू धाबी टी10 लीग का फाइनल मैच हुआ. शेख जायेद स्टेडियम में हुए इस मुकाबले में यूएई बुल्स ने पहले बल्लेबाजी की. जेम्स विंस 0 और फिल सॉल्ट 18 बनाकर आउट हो गए. यूएई की हालत खराब लग रही थी लेकिन टिम डेविड ने इसके बाद धुआंधार बल्लेबाजी की. उन्होंने पारी में कुल 12 छक्के जड़े और 3 चौके लगाए. इसी के दम पर वो 30 गेंदों में 98 रन बनाने में सफल हुए. उनका स्ट्राइक रेट इस पारी में 326.67 का था. डेविड की तूफानी इनिंग के दम पर यूएई बुल्स ने 10 ओवरों में 150 रन बनाए.

एस्पीन स्टैलियन्स के सामने 151 रन का बड़ा लक्ष्य था और बल्ले से वो कुछ कमाल नहीं कर पाए. कप्तान रहमानुल्लाह गुरबाज 18 रन बनाकर आउट हो गए, वहीं शरफेन रदरफोर्ड शून्य पर पवेलियन लौट गए. बेन कटिंग, सैम बिलिंग्स भी बुरी तरह फेल हुए. इसी के चलते 10 ओवर में एस्पीन स्टैलियन्स 70 रन बनाने में सफल हुए. यूएई बुल्स ने 80 रन से मैच जीता और अबू धाबी टी20 लीग की ट्रॉफी पर कब्जा जमाया.

आरसीबी के लिए टिम डेविड ने शानदार प्रदर्शन किया और 12 मैचों में 62.33 के औसत से 187 रन बनाए. वो 6 पारियों में नॉटआउट रहे और मैच खत्म करके गए. उनका आरसीबी की पहली आईपीएल ट्रॉफी जीत में अहम किरदार था. अब यूएई बुल्स को चैंपियन बनाने में भी डेविड ने अहम किरदार निभाया. न सिर्फ उन्होंने फाइनल में परफॉर्म किया, बल्कि 10 मैचों में 65.50 की औसत से 393 रन बनाए और उनका स्ट्राइक रेट 263.76 का रहा.

विराट कोहली की यादगार पारी का दीवाना हुआ साउथ अफ्रीका का दिग्गज डेल स्टेन

रांची, 1 दिसंबर (एजेंसियां)। रांची में विराट कोहली ने अपनी यादगार पारी से हर किसी को दीवाना बना दिया. घरेलू सरजमीं पर लंबे समय बाद खेल रहे किंग कोहली का बल्ला जमकर बोला और उन्होंने अपने इंटरनेशनल करियर की 83वीं सेंचुरी जमाई. कोहली के आगे प्रोटियाज टीम के गेंदबाज पानी मांगते हुए नजर आए.

विराट ने 120 गेंदों में 135 रनों की धमाकेदार पारी खेली और मैदान के चारों कोने में एक से बढ़कर एक दमदार शॉट्स लगाए. साउथ अफ्रीका के पूर्व गेंदबाज डेल स्टेन भी विराट की शतकीय पारी के मुरीद हो गए हैं. डेल स्टेन ने जियोहॉटस्टार के साथ बातचीत करते हुए कहा, "पिछले 15 से 16 साल में विराट कोहली ने 300 से ज्यादा वनडे मैच खेले हैं. ऐसे में उनके पास अनुभव की कोई कमी नहीं है और यह अनुभव उनकी बॉडी और दिमाग में है. अगर वो यहां पर तीन दिन का बारिश के बाद भी आते, तो भी इससे उनकी तैयारियों पर कोई फर्क नहीं पड़ता. वह मानसिक तौर पर काफी मजबूत हैं और बल्ले की तरफ आती हुई गेंद को बेहद ध्यान से देखते हैं. दुनिया का बेस्ट बल्लेबाज ऐसा ही करता है. वह खुद को बैक करता है, क्योंकि वह मैदान पर इस तरह की सिचुएशन को पहले भी कई बार फेज कर चुका है."

साउथ अफ्रीका के पूर्व गेंदबाज ने कहा, "जब आप किसी 37 या 38 साल के इंसान से बात करते हैं, तो वह कहते हैं कि उन्हें अपना घर, कुत्ते और बच्चे छोड़ने से सख्त नफरत है. मगर विराट मानसिक तौर पर ऐसी स्थिति में हैं कि वह टीम इंडिया के लिए खेलने को बेताब रहते हैं. आपने इस बात को देखा होगा जब वह विकेटों के बीच दौड़ लगा रहे थे या फील्डिंग कर रहे थे. वह मानसिक तौर पर यंग, फ्रेश हैं और भारतीय टीम के लिए मैदान पर रहना चाहते हैं."

बेल्जियम ने जीता अजलान शाह हॉकी का खिताब

फाइनल में भारत को 1-0 से हराया

कुआलालंपुर, 1 दिसंबर (एजेंसियां)। बेल्जियम ने रोमांचक फाइनल में भारत को करीबी मुकाबले में 1-0 से हराकर सुल्तान अजलन शाह कप हॉकी टूर्नामेंट का खिताब जीत लिया। भारत को मैच के 34वें मिनट में थिब्यू स्टॉकब्रोक्स के गोल के कारण रजत पदक से संतोष करना पड़ा।

यह बेल्जियम का पहला सुल्तान अजलन शाह खिताब है। टीम सिर्फ दूसरी बार इस प्रतियोगिता में खेल रही थी। शनिवार को कनाडा के खिलाफ 14-3 की बड़ी जीत के बाद इस मैच में उतरा भारत दुर्भाग्य से तीन पेनल्टी कॉर्नर में से एक को भी गोल में नहीं बदला सका।

जुगराज सिंह, अमित रोहिदास और संजय इस टूर्नामेंट के दौरान पेनल्टी कॉर्नर में अच्छा प्रदर्शन करेन में सफल रहे, लेकिन फाइनल में बेल्जियम की रक्षा पंक्ति को छकाने में नाकाम रहे। लीग चरण में यूरोपियन टीम के खिलाफ 2-3 से हारने के बाद यह इस टूर्नामेंट में भारत की दूसरी हार थी। मनप्रीत सिंह और हार्दिक सिंह जैसे अनुभवी खिलाड़ियों के टूर्नामेंट से आराम लेने के कारण जिम्मेदारी युवा खिलाड़ियों पर थी जिन्होंने हार के अंतर को कम रखकर अच्छा प्रदर्शन किया।

दोनों टीमों ने रणनीति खेल दिखाया जिसमें बेल्जियम ने गेंद को अधिक समय अपने पास रखकर बेहतर शुरुआत की। उनके आक्रामण ने दोनों छोर से भारतीय रक्षा पंक्ति को परेशान किया और भारतीय गोलकीपर को कुछ करीबी बचाव करने पड़े।

बेल्जियम को शुरुआत में दो पेनल्टी कॉर्नर मिले लेकिन भारत ने इन्हें नाकाम कर दिया। भारत ने धीमी शुरुआत के बाद लय हासिल की लेकिन बेल्जियम ने उन्हें मिडफील्ड में बेहतर नियंत्रण बनाकर परेशान किया।

मेड़ारम विकास कार्यों पर मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी की सख्त चेतावनी

निर्धारित समय सीमा में गुणवत्तापूर्ण कार्य पूर्ण करने के निर्देश

हैदराबाद, 1 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी ने मेड़ारम में जारी विकास कार्यों की समीक्षा बैठक में अधिकारियों को सख्त निर्देश दिए कि सभी कार्य निर्धारित गुणवत्ता मानकों के अनुसार ही पूरे किए जाएँ।

मुख्यमंत्री ने इंजीनियरों सहित संबंधित अधिकारियों को नियमित रूप से स्थल निरीक्षण करने और कार्यों की प्रत्यक्ष निगरानी सुनिश्चित करने के आदेश दिए। समीक्षा बैठक के दौरान मुख्यमंत्री ने चेतावनी दी कि जिन भी अधिकारियों की लापरवाही पाई जाएगी, उनके खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने विशेष रूप से सड़क नेटवर्क विकास, पत्थर कार्य, विद्युत खंभों की स्थापना, श्रद्धालुओं की आवागमन मार्गों, गड्डेलु (पवित्र मंचों) के आसपास की व्यवस्थाओं और श्रद्धालुओं के प्रतीक्षा स्थलों के विकास पर विस्तृत दिशा-निर्देश दिए। पावर प्वॉइंट प्रस्तुति के माध्यम से कार्यों की प्रगति की समीक्षा करते हुए मुख्यमंत्री ने कई क्षेत्रों में आवश्यक सावधानियों का सुझाव दिया।

उन्होंने कहा कि आर एंड बी, बिजली विभाग, एंडोमेंट विभाग, वन विभाग तथा स्थापत्य विशेषज्ञ शिवनागी रेड्डी को परस्पर समन्वय के साथ कार्यों को तेजी से पूरा करना होगा। मुख्यमंत्री ने यह भी स्पष्ट किया कि मेड़ारम के विकास कार्यों में जनजातीय संस्कृति, परंपराओं और धार्मिक रीति-रिवाजों को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जाए।

उन्होंने सभी विभागों को कार्य समयबद्ध रूप से पूरा करने के निर्देश दिए।

बैठक में एंडोमेंट मंत्री कोंडा सुरेखा, राजस्व मंत्री पोंगुलेटी श्रीनिवास रेड्डी, अनुसूचित जाति विकास एवं आदिवासी कल्याण मंत्री अदलुरी लक्ष्मण कुमार, मुख्यमंत्री के सलाहकार वेम नरेंदर रेड्डी, मुख्य सचिव के. रामकृष्णा राव, मुख्यमंत्री के प्रमुख सचिव के.एस. श्रीनिवास राजू, वित्त प्रमुख सचिव संदीप कुमार सुल्तानिया, एंडोमेंट आयुक्त हरीश, आर एंड बी ईएनसी मोहन नायक और अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।

वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. शिवाजी सिसिंथी का निधन

अंटार्कटिक और आर्कटिक अभियानों में भाग लेने वाले पहले भारतीय जीवविज्ञानी थे

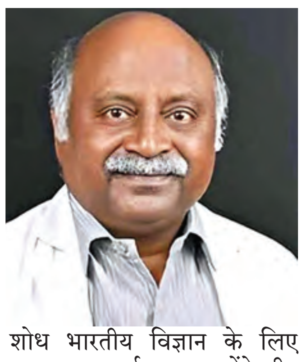

हैदराबाद, 1 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। एल.वी. प्रसाद नेत्र संस्थान (एल.वी.पी.ई.आई.) के वरिष्ठ वैज्ञानिक और माइक्रोबायोलॉजिस्ट, डॉ. शिवाजी सिसिंथी का इस महीने की शुरुआत में बीमारी के कारण निधन हो गया। डॉ. शिवाजी भारत के उन चुनिंदा वैज्ञानिकों में शामिल थे जिन्होंने जीवन के चरम वातावरणों पर गहरा शोध किया। उन्होंने अपने करियर में 375 से अधिक शोध पत्र प्रकाशित किए और वे पहले भारतीय जीवविज्ञानी थे जो आर्कटिक और अंटार्कटिक दोनों अभियानों में शामिल हुए। उन्होंने दक्षिण गंगोत्री स्टेशन के पास कई हफ्ते बिताकर वहां मिलने वाले सूक्ष्मजीवों का अध्ययन किया।

पृथ्वी के ध्रुवीय क्षेत्रों, हिमालय और ऊँचे वायुमंडलीय इलाकों में मौजूद सूक्ष्मजीवों के जीवन और उनके अत्यधिक तापमान में जीवित रहने की प्रक्रिया पर उनका शोध भारतीय विज्ञान के लिए बहुत महत्वपूर्ण रहा। उन्होंने तीन अनोखे जीवाणु समूहों की खोज भी की। डॉ. शिवाजी ने 1973 में बिट्स पिलानी से एमएससी, 1978 में दिल्ली विश्वविद्यालय से पीएचडी और आईआईएससी बेंगलुरु से पोस्ट-डॉक्टरल शोध किया। इसके बाद 1980 में उन्होंने सीसीएमबी, हैदराबाद में सूक्ष्म जीव विज्ञानी के रूप में अपना योगदान शुरू किया। उनकी वैज्ञानिक विरासत भारतीय विज्ञान जगत में हमेशा याद की जाएगी।

तेलंगाना में अवैध रेत खनन से सिंचाई ढाँचे तबाह

18 महीनों में 420 से ज़्यादा चेकडैम और टैंक क्षतिग्रस्त

हैदराबाद, 1 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना में अवैध रेत खनन के कारण सिंचाई ढाँचे को भारी नुकसान हो रहा है। पिछले 18 महीनों में राज्य भर में 420 से अधिक लघु सिंचाई चेकडैम और रिसाव टैंक संरचनात्मक क्षति का शिकार हुए हैं। वारंगल, खम्मम, महबूबनगर, नलगोंडा और आदिलाबाद ज़िले सबसे अधिक प्रभावित बताए जा रहे हैं। अधिकारियों का कहना है कि इन ढाँचों को पिछले साल के मध्य से कथित तौर पर जानबूझकर तोड़ा गया या हटाया गया ताकि अनियंत्रित रेत निकासी आसान हो सके।

उपग्रह चित्रों और ज़मीनी रिपोर्टों में बड़े पैमाने पर अवैध रेत खनन की पुष्टि हुई है। दिसंबर 2023 से नवंबर 2025 तक के उपग्रह मोंटाज से पता चलता है कि 50 से अधिक चेकडैम गहरे रेतीले गड्ढों में बदल चुके हैं। ये तस्वीरें गोपनीय रखी गई हैं, लेकिन अधिकारियों ने नुकसान की पुष्टि की है। सिंचाई विभाग के सूत्रों के अनुसार, 2025 के मानसून के दौरान कम से कम 177 तालाबों और नहरों में सेंध लगाई गई। कई मामलों में यह स्पष्ट है कि रेत माफिया द्वारा जानबूझकर तोड़फोड़ की गई है। सबसे बड़ी घटनाओं में तनुगुला गाँव में मनैर नदी पर बने एक बड़े चेकडैम का 90 मीटर हिस्सा ढह गया। संदेह है कि इसे जिलेटिन की छड़ों से उड़ाया गया था।

महबूबनगर जिले में कोइल सागर बांध से जुड़े राकोंडा वागु में अवैध रेत खनन खुलेआम जारी है। स्थानीय सूत्रों का दावा है कि यहां से रोजाना 50-60 टिपर रेत नारायणपेट और महबूबनगर भेजी जा रही है। आरोप है कि रेत माफिया कई एजेंसियों की मिलीभगत से काम कर रहा है और इन्हें रोकने के लिए प्रभावी कदम नहीं उठाए गए हैं। रिपोर्टों में बताया गया कि अवैध खनन से न केवल प्राकृतिक संसाधनों को भारी नुकसान हो रहा है, बल्कि राज्य को करोड़ों रुपये का राजस्व भी गंवाना पड़ रहा है। एक सामाजिक कार्यकर्ता ने कहा कि इस राशि से स्कूल और अस्पताल जैसी मूलभूत सेवाओं को बेहतर बनाया जा सकता था, परंतु भूजल पुनर्भरण संरचनाएँ लगातार नष्ट हो रही हैं।

तेलंगाना में हर साल 170-175 लाख मीट्रिक टन रेत की आवश्यकता होती है। लेकिन सरकारी स्टॉकयार्ड खाली पड़े हैं, जिससे ट्रांसपोर्टरों को आंध्र प्रदेश से रेत मंगवानी पड़ रही है। ट्रक मालिकों का कहना है कि आंध्र प्रदेश में रेत आसानी से उपलब्ध है, जबकि तेलंगाना में हफ्तों इंतज़ार करना पड़ता है। निर्माण उद्योग के प्रतिनिधि इस संकट के लिए मौजूदा कांग्रेस सरकार को ज़िम्मेदार ठहरा रहे हैं। उनका कहना है कि पिछली बीआरएस सरकार पहले से रेत का भंडारण करती थी और पहुँच मार्गों की मरम्मत सुनिश्चित करती थी, लेकिन इस बार नवंबर तक नदी-नालों में बाढ़ रहने और आपूर्ति की कमजोर योजना के कारण रेत का गंभीर संकट पैदा हो गया।

ग्राम पंचायत चुनाव आरक्षण पर विवाद बढ़ा

पिछड़ा वर्ग आयोग ने जीओएम 46 में गलतियाँ बताकर चुनाव स्थगित करने की मांग की

हैदराबाद, 1 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। आगामी ग्राम पंचायत चुनावों में पिछड़ी जातियों (ओबीसी) के लिए आरक्षण में कमी को लेकर विवाद बढ़ गया है। पिछड़ा वर्ग आयोग ने अब सरकारी आदेश (जीओएम) संख्या 46 में कई तथ्यात्मक गलतियाँ बताते हुए राज्य सरकार से चुनाव स्थगित करने को कहा है। आयोग के अध्यक्ष जी. निरंजन ने बताया कि 22 नवंबर को जारी इस आदेश में दावा किया गया है कि समर्पित आयोग ने एससी, एसटी और ओबीसी के लिए आरक्षण संख्या की सिफारिश की है, जबकि यह बिल्कुल गलत है। उन्होंने कहा कि समर्पित आयोग को केवल पिछड़े वर्गों के आरक्षण का अध्ययन करने का अधिकार दिया गया था, सभी वर्गों का नहीं। ऐसे में यह स्पष्ट होना चाहिए कि शासनादेश में गलत जानकारी किसने और क्यों शामिल की।

निरंजन ने मांग की है कि यदि आदेश में वाकई गलत तथ्य हैं, तो उसे तत्काल वापस लिया जाए और पिछड़े वर्गों को न्याय दिलाने के लिए आरक्षण प्रक्रिया की दोबारा जांच की जाए। पिछले सप्ताह भी आयोग ने ओबीसी आरक्षण घटाए जाने पर आपत्ति जताई थी और सरकार से पंचायत चुनाव टालने का अनुरोध किया था।

आयोग के अनुसार, 2019 के पंचायत चुनावों में पिछड़ी जातियों को 22.78% आरक्षण मिला था, जो अब घटकर 21.39% रह गया है। जबकि हाल ही के घरेलू सर्वे में ओबीसी जनसंख्या 56.33% दर्ज की गई है। इस स्थिति को आयोग ने चौंकाने वाला बताते हुए आरक्षण प्रक्रिया में सुधार की मांग की है।

सरपंच टिकट न मिलने से नाराज़ कांग्रेस नेता ने कीटनाशक पिया

35 साल से पार्टी से जुड़े नेता ने लगाया आरोप

नागरकुरनूल, 1 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। श्रीपुरम गांव से सरपंच चुनाव लड़ने की इच्छा जताने वाले कांग्रेस के पिछड़ी जाति समुदाय के नेता ओरसू बंगाराय्या ने कथित रूप से कीटनाशक खाकर आत्महत्या का प्रयास किया। उन्होंने आरोप लगाया कि पार्टी नेता उन पर चुनाव न लड़ने का दबाव बना रहे थे और किसी दूसरे उम्मीदवार का समर्थन कर रहे हैं। बंगाराय्या पिछले 35 साल से कांग्रेस पार्टी से जुड़े हैं और दूसरे चरण में होने वाले सरपंच चुनाव में उम्मीदवार बनना चाहते थे। उनका कहना है कि पार्टी के कुछ नेता उन्हें चुनाव से दूर रखने की कोशिश कर रहे हैं। इस संबंध में वह स्पष्टीकरण के लिए विधायक राजेश रेड्डी से मिलने गए। रविवार को विधायक ने उन्हें बैठक के लिए बुलाया और बताया कि प्रत्याशी पर अंतिम फैसला पार्टी नेताओं और ग्रामीणों से चर्चा के बाद होगा। सोशल मीडिया पर वायरल एक वीडियो में बंगाराय्या ने कहा कि पार्टी में वफ़ादार नेताओं के साथ अन्याय हो रहा है, इसी के विरोध में उन्होंने विधायक कार्यालय में कीटनाशक पी लिया। घटना के बाद उनकी पत्नी और परिवार के सदस्यों ने मीडिया से कहा कि बंगाराय्या लंबे समय से कांग्रेस की सेवा कर रहे हैं, फिर भी उन्हें सरपंच चुनाव लड़ने का अवसर नहीं दिया गया। उनका आरोप है कि पार्टी हाल ही में शामिल हुए व्यक्ति को टिकट देने के पक्ष में है। परिवार ने यह भी कहा कि उनके पति के समर्थकों को भी दूसरे उम्मीदवार का समर्थन करने के लिए प्रभावित किया गया। परिजनों का आरोप है कि घटना के बाद विधायक सहित कोई भी वरिष्ठ नेता उनसे मिलने नहीं आया। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है।

हैदराबाद युवक से टेलीग्राम पर एक लाख से ज्यादा की ठगी

महिला बनकर साथ रहने का लालच

हैदराबाद, 1 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। याकूतपुरा इलाके में रहने वाले 20 वर्षीय युवक को टेलीग्राम पर चल रहे एक हनीट्रैप और जबरन वसूली के फर्जीवाड़े में एक लाख रुपये से अधिक का नुकसान हो गया। एक ठग ने खुद को महिला बताकर युवक को वेतन के साथ साथ रहने का लालच दिया। साइबर क्राइम पुलिस के अनुसार, जालसाज़ ने इंटरनेट से चोरी की गई तस्वीरें, नकली फीडबैक और पहले से तैयार चैट का इस्तेमाल करके खुद को असली साबित किया। उसने अग्रिम बुकिंग, सुरक्षा जमा और कमरे के आरक्षण के नाम पर कई बार पैसे मांगे।

युवक ने इन दावों पर भरोसा करके यूपीआई और बैंक खाते के जरिए पैसे भेज दिए। इसके बाद उसे एबिड्स के एक होटल में बुलाया गया, लेकिन वहां कोई नहीं आया। फिर ठग ने 10,000 रुपये और मांगते हुए उसे धमकाना शुरू कर दिया। तभी युवक को समझ आया कि यह हनीट्रैप घोटाला है और उसने साइबर क्राइम पुलिस में शिकायत कर दी। पुलिस ने चेतावनी दी है कि टेलीग्राम और व्हाट्सएप पर इस तरह की ठगी तेजी से बढ़ रही है, जहां पैसे लेने के बाद जालसाज़ अक्सर धमकी देकर और रकम वसूलने की कोशिश करते हैं।

कोत्तापेट जंक्शन पर ट्रैफिक कांस्टेबल पर हमला

हैदराबाद, 1 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। सरूरनगर इलाके में कोत्तापेट जंक्शन पर एक मोटरसाइकिल चालक ने ड्यूटी पर तैनात ट्रैफिक कांस्टेबल पर हमला कर दिया। जानकारी के अनुसार, भरत नाम का युवक बिना हेलमेट चल रहा था। इसी वजह से ट्रैफिक कांस्टेबल अप्पाराव ने उसका चालान काटा। इससे नाराज़ होकर युवक वहां से चला गया। करीब 15 मिनट बाद वह दोबारा मौके पर लौटा और कांस्टेबल से मारपीट की।

इस दौरान उसने पुलिस के इस्तेमाल होने वाले टैब को भी नुकसान पहुंचाया। मौके पर मौजूद लोगों ने आरोपी को पकड़ लिया और पुलिस को सौंप दिया। सरूरनगर पुलिस ने मामला दर्ज कर उसे न्यायिक हिरासत में भेज दिया।

सुश्री अपर्णा गर्ग ने रेलवे बोर्ड की सदस्य (वित्त) का अतिरिक्त प्रभार संभाला

नई दिल्ली/सिकंदराबाद, 1 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। भारतीय रेलवे लेखा सेवा (आईआरएएस) की 1988 बैच की वरिष्ठ अधिकारी सुश्री अपर्णा गर्ग ने सोमवार को रेलवे बोर्ड की सदस्य (वित्त) एल/ए का अतिरिक्त प्रभार संभाला। वह वर्तमान में भारतीय रेल वित्त प्रबंधन संस्थान (आ ई आ र आ ई ए फ ए म), सिकंदराबाद की महानिदेशक के पद पर कार्यरत हैं। 36 वर्षों से अधिक की सेवा के साथ वह भारत सरकार की वरिष्ठतम सिविल सेवकों में शामिल हैं। सुश्री गर्ग ने अपने करियर के दौरान कई महत्वपूर्ण पदों पर कार्य किया है, जिनमें डिविजनल रेलवे मैनेजर, मैसूर प्रिंसिपल फाइनेंशियल एडवाइजर, रेल व्हील फैक्ट्री, महानिदेशक, आईआरएफएम शामिल हैं। उन्होंने यूनिवर्सिटी ऑफ लीड्स (यू.के.) से ट्रांसपोर्ट इकोनॉमिक्स में एडवांस्ड मास्टर डिग्री प्राप्त की है। इसके अलावा उन्होंने बोकोनी स्कूल ऑफ मैनेजमेंट (मिलान), (सिंगापुर) और इंडियन स्कूल ऑफ बिजनेस (हैदराबाद) से भी विशेष कार्यकारी प्रशिक्षण प्राप्त किया है। सुश्री अपर्णा गर्ग का यह नियुक्ति रेलवे वित्त प्रबंधन क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है।

नागपुर से हैदराबाद की ओर हो रही गांजा तस्करी का भंडाफोड़

कुख्यात आरोपी गिरफ्तार, 4 किलोग्राम सूखा गांजा बरामद

हैदराबाद, 1 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। सिकंदराबाद रेलवे पुलिस (जीआरपी) और रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ) ने सोमवार को संयुक्त रूप से चलाए गए विशेष अभियान में ड्रग्स तस्करों पर कड़ी कार्रवाई करते हुए नागपुर के रास्ते हैदराबाद लाया जा रहा गांजा जब्त किया। इस दौरान एक आरोपी को पकड़ा गया। पुलिस ने उसके कब्जे से 4.104 किलोग्राम गांजा बरामद किया, जिसकी कीमत 2,05,200 रुपए बतायी जा रही है। रेलवे के पुलिस के अनुसार गिरफ्तार आरोपी शेख वहीद, शांति नगर, लालापेट, सिकंदराबाद, हैदराबाद का रहने वाला है। पुलिस के अनुसार आरोपी शेख वहीद एक आदतन अपराधी है और पहले भी लालागुडा व तुकारामगेट पुलिस स्टेशनों में दर्ज गांजा मामलों में जेल जा चुका है। जेल से छूटने के बाद उसने एक बार फिर नागपुर से सस्ते दाम पर गांजा लाकर हैदराबाद में जरूरतमंद लोगों को महंगे दामों पर बेचना शुरू कर दिया। बीते 30 नवंबर को वह नागपुर गया और एक अज्ञात व्यक्ति से 4.104 किलोग्राम सूखा गांजा खरीदा। इसके बाद वह ट्रेन से सिकंदराबाद पहुँचा। एक दिसंबर को को सुबह लगभग 11:00 बजे, प्लेटफॉर्म नंबर के पास चेकिंग के दौरान जीआरपी टीम ने उसे एक बैग के साथ पकड़ा जिसमें गांजा रखा हुआ था। पूछताछ और आरोपी के स्वैच्छिक कबूलनामे के आधार पर पुलिस ने दो पैकेटों में रखा कुल 4.104 किलोग्राम गांजा जब्त किया। आरोपी इसे खुद के उपयोग और छोटे पैकेट बनाकर बेचने की योजना से लेकर आया था। इस ऑपरेशन में आईआरपी बी. साईश्वर गौड़, एसआईआरपी डी. रमेश, कांस्टेबल के. शन्मुख राव, के. चंद्रशेखर, डी. राजर्षि, वाई. चंद्रशेखर तथा आरपीएफ के आईपीएफ सिकंदराबाद भानुशंकर सरस्वत और उनकी टीम शामिल थी। पूरी कार्रवाई एसपी रेलवे पुलिस सुश्री चंदना दीप्ति, और डीएसआरपी एस.एन. जावेद के मार्गदर्शन में की गई। आईजीपी रेलवे एवं रोड सेफ्टी के. रमेश नायडू ने जीआरपी सिकंदराबाद और आरपीएफ टीम की सराहना की और उन्हें उपयुक्त पुरस्कार देने की घोषणा की।

नई आबकारी नीति लागू, शराब राजस्व पर निर्भर हुई सरकार

आवेदन शुल्क बढ़ने से कारोबारियों की रुचि बरकरार

हैदराबाद, 1 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। विपक्ष में रहते हुए शराब बिक्री पर सवाल उठाने वाली कांग्रेस सरकार अब आबकारी राजस्व पर भारी निर्भर हो गई है, क्योंकि सोमवार से राज्य में नई आबकारी नीति लागू हो गई। यह नीति नवंबर 2027 तक प्रभावी रहेगी। नई व्यवस्था के तहत बोली प्रक्रिया से लाइसेंस हासिल करने वाले आवेदकों ने अपनी-अपनी दुकानें शुरू कर दीं। आबकारी विभाग ने सिर्फ अक्टूबर में आवेदन पत्रों की बिक्री से ही करीब 2,860 करोड़ रुपये की कमाई की। पिछली बीआरएस सरकार के समय गैर-वापसी योग्य आवेदन शुल्क 2 लाख से बढ़ाकर 3 लाख रुपये कर दिया गया था, जिससे राजस्व में और बढ़ोतरी हुई। राज्य भर में कुल 2,620 शराब की दुकानों के लिए 95,436 आवेदन आए। आवेदन संख्या में थोड़ी गिरावट के बावजूद शुल्क वृद्धि ने विभाग की आमदनी बढ़ा दी।

कांग्रेस सरकार के दिसंबर 2023 में सत्ता में आने के बाद 2023-25 की अवधि में आवेदन शुल्क से 2,640 करोड़ रुपये मिले थे, जो अब बढ़कर 2,860 करोड़ रुपये हो गए हैं। विभाग के अनुसार, 2023-25 के दौरान शराब बिक्री से करीब 71,000 करोड़ रुपये की कमाई हुई, जिनमें से 80 प्रतिशत राशि सीधे राज्य के खजाने में गई। लाइसेंस शुल्क, निविदाओं और डिस्टिलरी- ब्रुअरीज से कर जोड़ने पर कुल आय 1 लाख करोड़ रुपये से अधिक रहने का अनुमान है। नई नीति के अनुसार, शराब दुकानों के वार्षिक लाइसेंस शुल्क स्थान के आधार पर तय किए गए हैं। जीएचएमसी क्षेत्र में प्रति दुकान 1.10 करोड़ रुपये, जीएचएमसी से पाँच किलोमीटर के दायरे में 85 लाख रुपये, जबकि नगर पालिकाओं, नगर निगमों और ग्रामीण निकायों में क्रमशः 56 लाख, 55 लाख और 50 लाख रुपये वार्षिक शुल्क रखा गया है। ग्राम पंचायत चुनावों के साथ होने वाले जेडपीटीसी, एमपीटीसी और शहरी निकाय चुनावों के चलते राज्य में शराब बिक्री बढ़ने की संभावना है, जिससे आबकारी राजस्व में और इजाफा होने की उम्मीद जताई जा रही है।

फसल नुकसान और कर्ज से परेशान किसान ने की आत्महत्या

लगातार बारिश से चौपट हुई खेती, 15 लाख के कर्ज में दबा था किसान

खम्मम, 1 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। जिले के नेलाकोंडापल्ली मंडल के शंकरगिरी थांडा में एक किसान ने फसल नुकसान और बढ़ते कर्ज से परेशान होकर आत्महत्या कर ली। मृतक की पहचान 40 वर्षीय बनोथ वीरन्ना के रूप में हुई है, जिसने पट्टे पर ली गई साढ़े दस एकड़ जमीन पर धान, कपास, गन्ना और मिर्च की खेती की थी। परिवार के अनुसार, लगातार भारी बारिश और चक्रवात के कारण फसलें बुरी तरह खराब हो गईं। इससे उपज कम हुई और बाजार में उचित कीमत भी नहीं मिल सकी। खेती और जमीन किराए में भारी खर्च होने से वीरन्ना पर करीब 15 लाख रुपये का कर्ज हो गया था। आर्थिक तनाव से परेशान होकर उन्होंने शनिवार को खेत में ही कीटनाशक पी लिया। उन्हें अस्पताल ले जाया गया, जहाँ रविवार को इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई।

आत्महत्या से पहले वीरन्ना ने मोबाइल पर एक वीडियो रिकॉर्ड कर परिवार और दोस्तों को भेजा। इसमें उन्होंने किसानों, खासकर बटाईदार किसानों की परेशानियाँ बताते हुए सरकार से मदद की अपील की। उन्होंने कहा कि किसानों को फसल का उचित दाम नहीं मिल रहा है, इसलिए सरकार को उनकी सहायता करनी चाहिए और बटाईदार किसानों को सब्सिडी देनी चाहिए। परिवार की शिकायत पर नेलाकोंडापल्ली पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

किसान की आत्महत्या पर राजनीति तेज

हरीश राव ने कांग्रेस सरकार को ठहराया ज़िम्मेदार

हैदराबाद, 1 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद में बीआरएस के वरिष्ठ विधायक और पूर्व मंत्री टी. हरीश राव ने खम्मम जिले के नेलाकोंडापल्ली में किसान बनोथ वीरन्ना की आत्महत्या के लिए कांग्रेस सरकार को जिम्मेदार बताया। उन्होंने कहा कि यह घटना सरकार द्वारा किसानों के साथ किए गए वादाखिलाफी का नतीजा है। 45 वर्षीय किसान वीरन्ना ने एक सेल्फी वीडियो में बताया कि बढ़ते कर्ज और फसल का उचित दाम न मिलने के कारण वह परेशान है। इसके बाद उन्होंने कीटनाशक पीकर आत्महत्या कर ली।

हरीश राव ने कहा कि यह घटना दिखाती है कि बटाईदार किसान कितनी मुश्किलों का सामना कर रहे हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस सरकार ने चुनाव से पहले बटाईदार किसानों को सालाना 15,000 रुपये देने का वादा किया था, लेकिन सत्ता में आने के बाद इस वादे को भूल गई। उन्होंने कहा कि सरकार फसल खरीद, उचित समर्थन मूल्य और बिचौलियों से सुरक्षा देने में नाकाम रही है, जिससे किसान निराशा में ऐसे कदम उठा रहे हैं। उन्होंने पूछा कि सरकार को जागने के लिए और कितनी मौतों का इंतजार है। उन्होंने मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी से खम्मम दौरे के दौरान किसान के परिवार से मिलने और तुरंत आर्थिक सहायता देने की अपील की। हरीश राव ने किसानों से धैर्य बनाए रखने की अपील की और कहा कि बीआरएस न्याय मिलने तक किसानों के साथ खड़ी रहेगी।

कोवासंत टेक्नोलॉजी का नया एआई इनोवेशन सेंटर लॉन्च

2028 तक 3,000 एआई इंजीनियर बनाने की योजना

हैदराबाद, 1 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। कोवासंत टेक्नोलॉजीज ने सोमवार को तेलंगाना के इंटरनेशनल टेक पार्क, अटरिया में अपना नया एआई इनोवेशन सेंटर शुरू किया।

इस केंद्र में अभी 500 एआई इंजीनियर काम कर सकेंगे और कंपनी इसे 2028 तक बढ़ाकर 3,000 इंजीनियरों की क्षमता वाला केंद्र बनाने की योजना रखती है। कंपनी के अनुसार, यह केंद्र दुनिया भर की कंपनियों को बड़े पैमाने पर सुरक्षित और जिम्मेदारी से एजेंटिक एआई तकनीक अपनाने में मदद करेगा। यहां ऐसे स्वायत्त एआई समाधान बनाए जाएंगे जो जटिल व्यावसायिक चुनौतियों को हल कर सकें और कंपनियों को पायलट प्रोजेक्ट से सीधे वास्तविक उत्पादन स्तर तक तेजी से पहुंचा सकें।

केंद्र में विकसित समाधान जोखिम कम करने, सुरक्षा बनाए रखने और ग्राहकों को अनुपालन के साथ एआई को अपनाने में सहायता करेंगे। इससे कंपनियाँ बिना किसी परिचालन जोखिम के एआई तकनीक को अपने सिस्टम में शामिल कर सकेंगी।

लॉन्च के मौके पर कोवासंत के अध्यक्ष और प्रबंध निदेशक सी.वी. सुब्रमण्यम ने कहा कि यह केंद्र ग्राहकों को एआई एजेंटों को समझने, प्रयोग करने और सुरक्षित रूप से बड़े पैमाने पर लागू करने का अवसर देगा। कार्यक्रम में तेलंगाना के आईटी और उद्योग मंत्री दुदिला श्रीधर बाबू, विशेष मुख्य सचिव संजय कुमार और आईटी सलाहकार साई कृष्णा भी मौजूद रहे।

Printed and published by Dr. Gireesh Sanghi on behalf of AGA Publications Ltd., at 396, Lower Tankbund, Hyderabad-500080 Editor: *Dhirendra Pratap Singh *responsible for selection of news under the PRB Act. Postal Licence H/SD/380/21-22, Phone:27644999. Fax:27642512, RNI No.69340/98, Regd.:No.AP/HIN/00196/01/1/97/TC.